

सं0 19]

नई विस्ली, शनिवार, मई 7, 1983 (वैशाख 17, 1905)

PUBLISHED BY AUTHORITY

No. 19] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 7, 1983 (VAISAKHA 17, 1905)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिसने कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Sep rate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग Ш-खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग नई दिल्ली-110011, दिनांक 4 अप्रैल 1983

सं० ए० 32013/1/80-प्रशा०-II—संघ लोक सेवा आयोग है कार्यालय में स्थायी प्रोग्नामर श्री एम० एल० हस्तगी को अध्यक्ष, ंघ लोक सेवा आयोग एतद्द्वारा 23-3-83 से तीन मास की अवधि है लिए अथवा भर्ती नियमों के अधिसूचित होने तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में वरिष्ठ प्रोग्नामर (ग्रुप ह—- ह० 1100-50-1600) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. वरिष्ठ प्रोग्रामर के पद पर नियुक्ति पूर्णतः तदर्थे प्राधार पर है और इससे इन्हें वरिष्ठ प्रोग्रामर के पद पर नियमित नेयुक्ति अथवा वरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा।

> य० रा० गांधी अवर सचिव (प्रशा०) कृते अध्यक्ष संघ लोक सेवा श्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 5 अप्रैल 1983 सं० ए०-35014/2/80-प्रशा०-II—इस कार्यालय की अधिसूचनासं० ए० 35017/1/81-प्रशा०-II, दिनांक 13 जनवरी,

1982 के अनुक्रम में सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्द्वारा संघ लोक सेवा आयोग में के० स० से० संवर्ग के अनुभाग अधिकारी श्री सुदर्शन कुमारको 31-5-1983 तक अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में लेखा अधिकारी (संवर्ग बाह्य पद) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

श्री सुदर्शन कुमार लेखा अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति पर रहेंगे और उनका वेतन समय-समय पर यथासंशोधित वित्त मंत्रा-लय (व्यय विभाग) के का० ज्ञा० सं० एफं० 1 (II) ई० III (ख) दिनांक 7-11-75 के उपबन्धों के अनुसार विनियमित होगा।

य० रा० गांधी ग्रवर सचिव (प्रशा०) कृते सचिव संघ लोक सेवा ग्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 25 मार्च, 1983

सं० ए-11016/1/81-प्रशा० III—संघ लोक सेवा आयोग के निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अविध के लिए अथवा आगामी आदेशों तक जो भी

(9025)

पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में डेस्क आधकारा कार्य पर कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है:--

क्र ं	नाम		[.] अवधिं		
₹°	*				
1.	श्री एस० सी० जैन		8-3-83 से	7-6-83 तक	
2.	श्री पी० एस० राणा		8-3-83 से	7-6-83 तक	
3.	श्री कृष्ण कुमार		8-3-83 से	30-4-83 तक	
4.	श्री एन० एम० एल०	भट-	1 1-2-83 से	25-3-83 तक	
	नागर				

उपर्युक्त अधिकारी कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के का० ज्ञा० सं० 12/1/74सी० एस० (1) दिनांक 11 दिसम्बर, 1975 की शर्तों के अनुसार रु० 75/- प्र० मा० की दर से विशेष वेतन प्राप्त करेंगे।

दिनांक 28 मार्च 1983

सं० ए० 32013/1/80-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग के के० स० से० के स्थायी ग्रेड I अधिकारी श्री आर० आर० शिमरे, को राष्ट्रपति द्वारा 17-2-83 से तीन मास की अविध के लिए संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में के० स० से० के चयन ग्रेड में उप सचिव के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 6 अप्रैल 1983

क० सं०	नाम	अव	धि		
	श्री आई० एन० शर्मा श्री तरसेम सिंह	28-3-83 11-4-83			
			य०	रा०	गांधी

य० रा० गांधी अवर सचिव (प्रशा०) संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

का० एंव० प्र० सु० विभाग केन्द्रीय अन्वेषण ब्युरो

नई दिल्ली, दिनांक 13 अप्रैल 1983

सं० ए० 19036/5/83-प्रशा० 5---निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना को दिनांक 5-4-1983 के पूर्वाह्म से अगले आदेश तक के लिए प्रतिनियुक्ति पर केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में स्थानापन्न पुलिस उपाधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 15 अप्रैल 1983

सं० ए०-19029/2/81 प्रशासन-5—इस कार्यालय के समसंख्यक अधिस्चना दिनांक 18 मार्च, 1983 के कम में राष्ट्र-पित अपने प्रसाद से श्री के० एन० धर, आयकर अधिकारी, श्रेणी 'ख' दिल्ली को दिनांक 1-6-1982 से दिनांक 31-5-1983 तक या नियमित आधार पर पद के भरे जाने तक, जो भी पहले घटित हो, के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, मुख्यालय में तदर्थ आधार पर मुख्य तकनीकी अधिकारी (लेखा एवं आयकर) के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 16 अप्रैल 1983

सं० ए०-19021/1/77-प्रणासन-5—प्रत्यावर्तन हो जाने पर श्री एस० एम० कैरे, भारतीय पुलिस सेवा (बिहार-1967), पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, सी० आई० यू० (III) शाखा की सेवाएं दिनांक 11-4-1983 के अपराह्न से बिहार सरकार को सौंपी जाती हैं।

दिनांक 18 अप्रैल 1983

सं० ए०-20024/1/83-प्रशासन 5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतद्द्वारा श्री ठकुरी को दिनांक 18 मार्च, 1983 के अपराह्न से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरों में सहायक लोक अभियोजक के रूप में नियुक्त करते हैं।

राम स्वरूप नागपाल, प्रशासनिक अधिकारी, (स्था०) केन्द्रीय अन्वेषण ब्युरो

महानिदेशालय, के० रि० पु० बल नई दिल्ली, दिनांक 12 अप्रैल 1983

सं० ओ० दो०-32/78-स्थापना—श्री पी० एम० सेन, भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा सेवा अधिकारी ने अपने मूल विभाग, भारतीय लेखा-परीक्षा एवं लेखा सेवा महानिदेशालय से प्रत्यावर्तन के फलस्वरूप, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में उप वित्त सलाहकार के पद का कार्यभार दिनांक 2-4-1983 पूर्वाह्न से त्याग दिया।

दिनांक 13 ग्रप्रैल 1983

सं० ओ० दो० 1792/83-स्थापनः—राष्ट्रपति, डाक्टर बी० एन० मिलक को ग्रस्थायी रूप से ग्रागामो ग्रादेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी० डी० ओ० ग्रेड-II (डी० एस० पी०/कम्पनी कमांडग्र) के पद पर 25 फरवरी 1983 पूर्वीह्न से डाक्टरी परीक्षण में ठीक पाये जाने की शर्त परिनयक्त दारते हैं।

सं० ओ० दो० 1795/83-स्थापना—राष्ट्रपति, डाक्टर प्रेम नारायण को प्रस्थायी रूप से प्रागामी घादेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी० डी० ओ० -II, (डी० एस० पी०/कम्पनी कमांडर) के पद पर 11 मार्च, 1983 पूर्वाह्न से डाक्टरी परीक्षण में ठीक पाये जाने की गर्त पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 14 अप्रैल, 1983

सं० ओ० दो० 1759/82-स्थापना-- महा निदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर विनय कुमार को 20 मार्च, 1983 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए प्रथवा उस पद पर नियमित होने तक इनमें से जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा श्रिधकारी के पद पर तदर्थ रूप से नियुक्त किया है।

ए० के० मूरी सहायक निदेशक (स्थापना)

भारत के महार जिस्ट्रार का कार्यालय नई दिल्ली-110022, दिनांक 18 अप्रैल, 1983

सं० 11/10/82-प्रणा०-I—राष्ट्रपति, मिजोरम सरकार के ग्रिधिकारी तथा इस समय जनगणना कार्य निदेशालय, मिजोरम एजावलं में सहायक निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर कार्यरत श्री लालबैकथुमा को 30 मार्च, 1983 के पूर्वाह्न से श्रगले आयेणों तक की कार्यालय में, प्रतिनियुक्ति पर, उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्प नियुक्त करते हैं।

2. श्री लालबैकथुमा का मुख्यालय एजावल में होगा।

्र भूषद्मनाभनाम गुल्द ्रिप्रहारजिस्ट्रार

नई दिल्ली-110022, दिनांक 16 ग्रप्रैन, 1983

शुद्धि-पस

सं० 11/72/80-प्रशा०-I—इस कार्यालय की तारीख 7 भ्रम्नेल, 1983 की सम संख्यांक श्रिधिसूचना के पैरा-"2" की इस प्रकार पढ़ा जाए —

"श्री मूर्ति का मुख्यालय बंगलीर में होगा।"

के० सी० सेठ, उप निदेशक

विश मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

सीमा गुरुक, उत्पाद गुरुक तथा स्वर्ण नियन्त्रण श्रपील श्रधिकरण का कार्यालय नई दिल्ली, विनांक 12 श्रप्रैल, 1983

सं० 6-सी० उ० स्त्र० नि० ग्र० ग्र०—श्री पी० डी०

श्वाखरू ने जोकि पहले केन्द्रीय उत्पाद शुरूक समाहर्तालय, दिस्ली

में सहायक मुख्य लेखा श्रीधकारी के पद पर कार्यरत थे,

12 भप्रैल, 1983 पूर्वाह्म से सीमा मुल्क, उत्पाद मुल्क तथा स्वर्ण नियन्त्रण श्रपील ग्रधिकरण, नयी दिल्ली में, सहायक पंजीकार के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

> फौजा सिंह गिल, श्रध्यक्ष

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग महालेखाकार का कार्यालय, गुजरात म्रहमदाबाद, दिनांक 24 मार्च, 1983

केन्द्रीय सिविल सेवाएं (ग्रस्थाई सेवाएं) नियमावली,1965 के नियम 5(1) के श्रन्तर्गत जारी की गई सेवा समाप्ति की सूचना।

सं० स्था० (ए) जी० घ्रार० (डी) हमाल कि०एम०एस० / 1981 / 67 — केन्द्रीय सिविल सेवाएं (घ्रस्थाई सेवाएं) नियमावली, 1965 के नियम 5(1) का पालन करते हुए मैं, के० डी० दवे, वरिष्ठ उप महा लेखाकार (प्रशासन) एतदर्थ श्री खेत सिंघ मुला सिंध को यह सूचना (नोटिस) दे रहा हूं कि उन्हें इस नोटिस के मिलने की तारीख, या और कोई स्थिति से, एक महीने की अविध की समाप्ति के बाद से उनकी सेवाएं समाप्त की जाती हैं।

दिनांक 4 भ्राप्रैल, 1983

सं० स्था० (ए)/जी० ओ०/६——महालेखाकार-I, गुजरात के ग्रधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्यों को उनकी नामायली के सामने दर्शाये गये दिनांक से लेकर ग्रगला ग्रादेश मिलने तक, महा लेखाकार-I, गुजरात के कार्याक्षय में स्थानापन्न लेखा ग्रिधकारी के रूप में नियुक्ति देने की कृपा की है:——

1. श्रीं पी॰ एन॰ सुन्वररामन 24-3-83 पूर्वाह्न से (उपचारात्)

2. श्री पी० एम० शारदा 24-3-83 पूर्वाह्म से उपर्युक्त पदोन्नितयां तदर्थ द्याधार पर 1980 के विशेष दीवानी धावेदन पत्र संख्या 735 में गुजरात उच्च न्यायालय के अंतिम श्रादेशों की प्राप्ति की शर्त पर की जाती हैं।

के० डी० दवे वरिष्ठ उप महालखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय, ग्रांध्र प्रवेश हैवराबाद, 12 अप्रैल, 1983

सं प्रशा 1/8-132/83-84/458 — श्री वी०वी० श्रीरामुलु लेखा अधिकारी महालेखाकार का कार्यालय, ग्रांध-प्रदेश सेवा से 31-3-83 ग्रपराहन से निवृत्त हुए।

सं० प्रशा० I/8-132/83-84/459 —श्री के०एत० पलानिवेल्, लेखा श्रधिकारी, महालेखाकार का कार्याक्षय आंध्रप्रदेश सेवा से 31-3-83 श्रपराह्न से निवृत्त हुए।

बी० मेसन वरिष्ठ उपम**हालेखा**कार

प्रशासन कार्यालय, महालेखाकार-प्रथम०, मध्य प्रदेश

ग्वालियर, दिनांक 24 मार्च 1983

क्षमांक प्रशासन-एक/एम०डी०पा०/543 — श्री एम०डी० पाठक (01/129) स्थाई लेखा श्रधिकारी कार्यालय महा-लेखाकार, मध्यप्रदेश प्रथम ग्वालियर की ग्रधिवार्षिकी की श्रायु हो जाने पर केन्द्रीय शासकीय सेवा से दिनांक 30 श्रप्रैल 1983 श्रपरान्ह से सेवा निवृत किया जाता है।

दिनांक 25 मार्च 1983

कमांक-प्रशासन-एक/एन०भ्रार०जे०/545 — श्री एन० भ्रार० जंगले (01/130) स्थाई लेखा श्रधिकारी कार्यालय महालेखाकार, मध्यप्रदेश प्रथम ग्वालियर की अधिवार्षिकी भ्रायु हो जाने पर केन्द्रीय शासकीय सेवा से दिनांक 30 भ्रप्नैल 1983 अपरान्ह से सेवा निवृत किया जाता है।

> बी०के० राय वरिष्ठ उप महालेखाकार/प्रशासन

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-110066, दिनांक 7 प्रप्रैल 1983

सं० प्रणा० /1/1402/4/जिल्स II — राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों को
उक्त सेवा के वरिष्ठ समयमान (रू० 1100-50-1600)
में स्थानापन्न क्ष्म में कार्य करने के लिए उन के नामों के
समक्ष दर्शाई गई तारीखों से, श्रागामी श्रादेश पर्यन्त, सहर्ष
नियक्त करते हैं: —

ऋ०सं०	नाम	नियुक्ति की तारीख
 1. श्रीवी०	पी० गुप्ता	06-12-1982
2. श्री एम०	हरिहर सुब्रहमनियन	27-05-1982
3. श्री ग्रहा	गव दत्त	12-07-1982
4. कुमारी	बन्दना श्रीवास्तव	12-07-1982
5. श्री जेक	ांब डेविड	06-12-1982
6. श्री मोह	न दास पलियथ	06-12-1982
7. श्रीमति	बिन्दु श्रग्निहोस्री	06-12-1982
8. श्री श्राप	० डी० ग्रहीर	06-12-1982
9.श्री शार्	न्त स्वरूप शर्मा	06-12-1982
10. श्री खेम	चन्द भ्रम्रवाल	04-01-1983
11. श्री हर	बंस लाल भ्रानन्द	06-12-1983
12 श्री सर	य प्रकाश बहल	06-12-1982
13. श्री सता	गल सहगल	15-12-1983
14. श्री ए०	वी० प्रकाशम	06-12-1982
15. श्री भाग	र०के० रैना	06-12-1982
16. श्री के०	एस० भ्रम्णाचलम	06-12-1982
17. श्री एन	० सोमासुन्दरम	06-12-198

रिवन्द्र कुमार मायुर र० ले० प्रपर म० नि० (प्रशा०)

वाणिचम मंद्राशय

मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात का कार्यालय नई विल्ली, दिनांक 13 अप्रैल 1983 आयात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण

स्थापना

सं० 6/1084/75-प्रशासन, 'राज' /2106 — सेवा निवृत्ति की प्रायु होने पर, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, प्रायात-नियंति के कार्यालय, कलकत्ता के श्री के०के० रे, सहायक मुख्य नियंत्रक, भ्रायात-निर्यात, तथा श्री एस० भ्रार० मौएला नियंत्रक, श्रायात-निर्यात को 28 फरवरी, 1983 के दोपहर बाद से सरकारी सेवा से मुक्त होने की भ्रनुमित दी गई है।

.वी० के० मेहता उप-मुख्य नियंत्रक ग्रायात एवं निर्यात **इते मुख्**य नियंत्रक, ग्रायात एवं निर्यात

(वस्त्र विभाग)

वस्त्र प्रायुक्त का कार्यालय बम्बई-20, दिनांक 4 प्रप्रैल 1983

सं० 5(2)/83-सी०एल०बी०/5 — कृतिम रेशम वस्त्र (उत्पादन तथा वितरण) नियंत्रण श्रादेश, 1962, के खण्ड 9 के साथ पढ़ें जाने वाले खण्ड 4(2) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं, एतद् द्वारा, वस्त्र श्रायुक्त की श्रिधिस्त्रना सं०5(2)/81-सी०एल०बी० दो, दिनांक 23 नवम्बर, 1981 में, निम्नलिखित श्रितिरक्त संशोधन करता हूं, श्रार्थातु:—

ं उक्त ग्रिधसूचना सं० 5(2)/81-सी॰एल॰ सी॰दो, दिनांक 23 नवम्बर 1981 में।

- (एक) श्रनुच्छेद एक का उप-श्रनुच्छेद (डी) की जगह निम्नोक्त प्रतिस्थापित किया जाएगा, श्रर्थातु :--
- (डी) कृतिम रेशम वस्त्र तथा कृतिम रेशम धागे निर्यात के लिए न कि भारत में बिकी के लिए:

सूचना: इस श्रिधसूचना के प्रयोजन में, कृतिम रेशम के वस्त्र तथा कृतिम रेशम के धागे, निर्यात के लिए समझें जायेंगें न कि भारत में बिकी के लिए सिर्फ तभी जब उत्पादक खुद, धायात तथा निर्यात (नियंत्रण) श्रिधनियम, 1947 (1947 का 18) प्रावधानों के श्रनुसार, किसी भी पंजीकृत निर्यातक को संविदा (कांन्ट्रेक्ट) के श्रनुसरण में, निर्यात करता हो या बेचता हो, तभी।"

(2) श्रनुष्ठेद एक का उप-प्रनुष्ठेद (जी) की जगह, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, ग्रथीत्:

· "(जी) कृत्रिम रेशम वस्त्र विधायकों को विधायन के लिए विका या विधायकों को जांब-वर्क के म्राधार पर विधायन के लिए ेवितरित हम्रा हो ।

- (3) अनुच्छेद एक का उप-म्रनुच्छेद 'एच' के बाद नए उप-म्रनुच्छेद (1) तथा (जे) जोड़ दिया जाएगा जो निम्न रूप में पढ़ा जाएगा, श्रथित :— "(1) हार्ड वेस्ट।
 - (जे) उत्पादक द्वारा निजी उपभोग के लिए कृतिम रेशम के वस्त्र तथा कृतिम रेशम के वस्त्र तथा कृतिम रेशम धागे।"
- (4) ग्रनुच्छेद दो के उप-ग्रनुच्छेद (एक) की मद (एफ्) की उप-मद (दो) के बाद, निम्नलिखित परन्तुक निविष्ट किए जायेंगे, ग्रथीत :----

"परन्तु जब किसी भी फाईबर का प्रतिशत, संमिश्र कृतिम रेशम यार्न के कुल फाईबर तत्व के दो प्रतिशत से कम है तो ऐसे फाईबर का प्रतिशत अंकित करना जरुरी नहीं है।"

(5) ग्रनुच्छेद तीन में 'निम्नोक्त मार्किंग किए जायेंगें' इन शुरुग्रात करने वाले शब्द तथा "कृतिम रेशम के वस्त्र के टुकड़े को दोनों सीमाएं, " इन समाप्त करने वाले शब्दों की जगह निम्नोक्त प्रतिस्थापित किया जाएंगा, ग्रर्थात: —

"निम्नोक्त मार्किंग, कृतिम रेशम के वस्त्र के प्रत्येक टुकड़े के ग्रग्नभाग की सीमापर किए जायेंगें। जब मार्किंग वाला भाग अंत में नहीं बेचा जाता है तो उक्त मार्किंग कृतिम रेशम के वस्त्र के टुकड़े की दोनों सीमाओं पर किए जायेंगें।"

(6) ग्रनुच्छेद तीन के उप-ग्रनुच्छेद (एफ) की मद (दो) के बाद निम्नलिखित परंतुक निविष्ट किया जाएगा, ग्रर्थात् :—

"परन्तु जब किसी भी फाईबर का प्रतिशत, संमिश्र कृतिम रेशम यार्न के कुल फाईबर तत्व के दो प्रतिशत से कम है तो ऐसे फाईबर का प्रतिशत ग्रक्तित करना जरूरी नहीं है।

> सुरेश कुमार वस्त्र ग्रायुक्त (फा० स० ए० एस० बी० 980146 खण्ड II

> > विस्फोटक विभाग

नागपुर, दिनांक 8 अप्रैल 1983

सं० ई-II (7)--इस विभाग के 11 जुलाई, 1969 के अधिसूचना सं० ई-II(7), में श्रेणी 2 नायट्रेट, मिश्रण के अधीन प्रविष्ट "जीक्स एस०डी०" तथा "जीलेक्स एल० डी०" 31-8-82 में शब्द तथा अंकों के स्थान पर 31 8-83 शब्द तथा अंक प्रतिस्थापित किये जायेंगे।

दिनांक 12 अप्रैल 1983

सं० ई-II(7)—इस विभाग के दिनांक 11 जुलाई, 1969 के अधिसूचना संख्या ई-(7) में श्रेणी 2 नायट्रेट मिश्रण के अधीन "इंडोमाईट" प्रविष्टि के पूर्ण स्थलों पर अभिप्रयोग विनिर्दिष्ट पम्प ट्रक के अन्दर तथा क्षेत्र अभि-प्रयोग सीधे विनिर्दिष्ट वीर छद्र हेतु 30-4-84 पर्यन्त "इंडोजेल 704, इंडोजेल 724, इंडोजेल-734, इंडोजेल-774 (पम्पऐबल कर्दम विस्फोट)जोड़ा जाय।

चरणजीत लाल मुख्य विस्फोटक नियन्त्रणक

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक मार्च 1983

सं० 3081-बी/ए-19012(4 आर टी)/82-19-बी-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के कनिष्ठ तकनीकी सहायक
(ड्रिलिंग) श्रीराम तीरथ को ड्रिलर के रूप में उसी विभाग में
वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो० 35880-40-1000-द० रो०-40-1200 र० के वेतनमान में,
स्थानापन्न क्षमता, में, आगामी आदेश होने तक, 9 फरवरी,
1983 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 3114-बी/ए-19012(4-जी० डी० एस०)/82-19-बी ---भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ट, तकनीकी सहायक (ड्रिलिंग) श्री गायती दत्त शर्मा को ड्रिलर के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 24 जनवरी, 1983 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

एस० के० मुखर्जी महा निदेशक

भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षण

भारतीय संग्रहालय भवन

कलकत्ता-16, दिनांक 8 अप्रैल 1983

संख्या 4-188/83/स्थापना——निदेशक, भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण इस सर्वेक्षण के उत्तर पश्चिम क्षेत्र, देहरादून में डा० जितेन्द्र सिंह को अस्थायी रूप में सहायक मानव विज्ञानी के पद पर 14 मार्च, 1983 के दोपहर से अगला आदेश होने तक नियुक्त करते हैं।

> एम० एस० राजगोपालन वरिष्ठः प्रशासनिक अधिकारी

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

्देहरादून, दिनांक 6 अप्रैल 1983

सं० सी 5934/707—नीचे लिखे अधिवारी भारतीय सर्वेक्षण विभाग में अधिकारी सर्वेक्षक (ग्रुप "बी") के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो० -35-880-40-1000-दा०रो०-40-1200 रू० के वेतनमान में प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से पूर्णतया तदर्थ अनन्तिम आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किए जाते हैं:—

क्रमाँक नाम तथा पदनाम	यूनिट/कार्यालय	तारीख
 श्री एच० के० देव,	सं० 56पार्टी (पश्चिमोत्तर सर्किल)	2, 2, 83
डाफ्ट्समैन डिवीजन, सिल क्शन ग्रेड	चण्डीगढ़	(पूर्वाह्न)
 श्री डी० आर० शर्मा,	सं० 66(ए० सी० सी० ०एम०) पार्टी	25.1.83
ड्राफस्मैन डिवीजन, सिलेक्शन ग्रेड ।	(सर्वेक्षण हवाई) नई दिल्ली।	(पूर्वाह्न)
 श्री दलजीत सिंह, डाफ्ट्समैन डिवीजन	सं० 15 आ रेखण कार्यालय (भा० प्र०	25.1.83
सिलेक्शन ग्रेड	निदेशालय) देहरादून	(पूर्वाह्न)
4. श्री दयामुष्ण,	सं० 81 पार्टी (पूर्वोत्तर सकिल)	26.2.83
सर्वेक्षक सिलेक्शन ग्रेड	शिलंग ।	(पूर्वीह्न)
5 श्री जे० के० एस० नेगी, सर्वेक्षक सलेक्शन ग्रेड	सं० 4 पाटीं (पश्चिमी सिंकल) अजमेर	28 . 2.83 (पूर्वाह्न)
 श्री एस० पी०दास सर्वेक्षश सिलेक्शन ग्रेड 	सं० 12 पार्टी (पूर्वो० सिंकल) शिलांग	4 . 2. 83 (पूर्वाह्न)
 श्री एस० बी० मुखर्जी, डाफ्टसमैन	सं० 65 (टी०सी०एम०) पार्टी सर्वे०	25.1.83
डिवोजन सिलेक्शन ग्रेड	हवाई	(पूर्वाह्न)
8. श्री आर०बी० डे, सर्वेक्षक	ं सं० 81 पार्टी (पूर्वोत्तर सर्किल)	4.2.83
सिलेक्णन ग्रेड	शिलांग ।	(पूर्वाह्न)
9. श्री आर० एल० वैद	सं० 51 पार्टी (द०म०स०)	14.2.8 3
सर्वेक्षण सिलेक्श र प्रेड	हैदराबाद ।	(पूर्वाह्न)

दिनांक 8 अप्रैल 1983

सं० सी-5935/707--नीचे लिखे अधिकारी जो अधिकारी सर्वेक्षक के पद पर पूर्णतया तदर्थ अनिन्तिम आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किए गए थे अब उक्त पदों पर उनके नाम के सामने दी गई तारीख से नियमित आधार पर नियुक्त किए जाते हैं:---

क्रमाँक न।म	अधिसूचना सं० और तारीख जिसके अधीन तदर्थ अनन्तिम आधार पर नियुक्त किए गए	यूनिट/कार्यालय जहां तैनात किए गए	पदोन्न्नति की तारीख
1. श्री ग्रार०एल० गंगवाल	अधि सूचना संख्या सी० 5 3 95/ 707 दिनांक 24.7.78	सं ० 29 पार्टी (पूर्वो त्तर सं०) शिलंग	17.11.82
2. श्री बी०एन० चौधरी	अधिसूचना संख्या सी० 5837/ 707 दिनां क 5.7.78	सं० 91 पार्टी (उ ० म०) ल खन ऊ	13.7.82

सं० सी—5936/707—निम्निलिखित अधिकारी जो अधिकारी सर्वेक्षक के पद पर स्थानापन रूप में पूर्णतया तदर्थ ग्रनितिम आधार पर नियुक्त किए गएं थे अब प्रत्येक के नाम के ग्रामने दी गई तारीख से उसी पद पर स्थानापन रूप में नियमित ग्राधार पर नियुक्त किए जाते हैं:—-

कमांक	ना भ और पदना	म			अधिसूचना की संख्या और तारीख जिसके अन्तर्गत तदर्थ अनन्तिम आधार पर नियुक्त की गई है	यूनिट/कार्यालय जिसमे तैनास किए गुण्	पदोश्चति की तःरीख
1. श्रीखुष	गीराम .	_ •		•	दिनौंक 17.8.78 की अधिमुखना सं० सी०5403/707	सं० 16आ० का० (मा० प्र० निषेशालय) देहरादुन	10.5.82 (पूर्वाह्न)
2. श्री बंसी	ोधर घिल्डियाल	•	•		दिनांक 5.7.78की अधिसूचना सं० सी० 5837/707	सं० 27 पार्टी (उ० म०) ममूरी	17.9.81 (पूर्वाह्न)
3. श्री एस	o अ _ं र० बिश्वाम	٠			दिनौंक 5.7.78 की अधिसूचना सं० सी० 5837/707	सं 30 (फोटो) पार्टी (पू० स०) कलिकाता	18.9.81 (अप०)
4. श्री मलू	क सिंह	•		•	दिनांक 24.7.78 की अधिसूचना सं ० सी० 539 <i>5</i> /707	सं० 9 पार्टी (पूर् वीस र सं०) शिलांग	27.1.82

^{&#}x27; 2. इस कार्यालय की दिनांक 4 नवम्बर 1982 की अधिशूचना संख्या सी-5879/707 के अन्तर्गत अधिसूचित श्री के० एल० कराराह की नियुक्ति की तारीख संशोधित होने के कारण 22.7.82 (पूर्वाह्न) के स्थान पर 10.9.81 (पूर्वाह्न) पढ़ी जाए

दिनांक 12 अप्रैल 1983

सं० सी-5937/718-ए--श्री एम० एस० एस० परते, स्थानापन्न अधीक्षक, महासर्वेक्षक का कार्यालय, जो इस कार्यालय की दिनांक 30 जुलाई, 1981 की अधिसूचना संख्या सी-5746/718-ए के अन्तर्गत स्थापना एवं लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त किए गए थे, को अब दिनांक 3 जून, 1982 से उसी पद पर स्थानापन्न रूप में नियमित आधार पर नियुक्त किया जाता है।

सं ० सी-5938/718ए — श्री एन० मोहन राज, स्थानापन्त अधीक्षक, महासर्वेक्षक का कार्यालय, जो इस कार्यालय की दिनांक 9 फरवरी, 1982 की अधिसूचना संख्या सी-5790/718-ए के अन्तर्गत स्थापना एवं लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न कृप में तदर्थ आधार पर नियुक्त किए गए थे, को अब दिनांक 3 जून, 1982 से उसी पद पर स्थानापन्न कृप में नियमित आधार पर नियुक्त किया जाता है।

सं० सी-5939/707—श्री एच० के० खरबड़े, सर्वेक्षक सिले० ग्रेड दिनांक 11-2-1982 (पूर्वाह्न) से भारतीय सर्वेक्षण विभाग में अधिकारी सर्वेक्षक (ग्रुप "बी" पद) के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000- द० रो०-40-1200 र० के वेतनमान में पूर्णतया तदर्थ अनिन्तम आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किए जाते हैं और उनकी तैनानी सं० 31 पार्टी, (द० म०स०), पुणे में की जाती है।

दिनांक 13 अप्रैल 1983

सं० सी-5941/707—श्री कृष्ण लाल सर्वेक्षण सहायक (सिले० ग्रेड) दिनांक 27-2-82 से 23-3-82 तक संख्या 51- पार्टी (द० म० स०), भारतीय सर्वेक्षण विभाग, हैदराबाद में अधिकारी सर्वेक्षक (ग्रप ''बी'' पद) के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-1200 ह० के वेतनमान में, पूर्णयता तदर्थ अनिन्तम आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किए जाते हैं।

जी० सी० अग्रवाल, गेजर जनरल भारत् के महासबक्षक

आकाशवाणी भहा निदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 14 अप्रैल 1983

सं० 1(12)/82-एस-I—महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्द्वारा श्रीमती पापिया चक्रवर्ती, (बसु), को 21 मार्च. 1983 से अगले आदेश तक, 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में आकाशवाणी कलकत्ता में. अस्थाई रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते है।

सं० 4(60)/82-एस० एक—सहा निदेशक, आकाशवाणी एतद्वारा श्री गयासुर रहमान सैय्यद को 23-3-1983 से अगले आदेश तक 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में आकाशवाणी गोरखपुर में, अस्थाई रूप में कार्यश्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(62)/82-एस-1—महानिदेशक, आकाशवाणी एतद् द्वारा श्री अनिल कुमार श्रीवास्तव को 1 मार्च 1983 से अगले आदेश तक 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में आकाश-वाणी जलगांव में अस्थाई रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

हरीण चन्द्र जयाल प्रशासन उप निदेशक **कृते** महानिदेशक

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय विज्ञापन और दृष्य प्रचार निदेशालय नई दिल्ली-110001, दिनांक श्रप्रैल 1983

सं० ए-32012/1/83-स्था०—विज्ञापन और दृष्य प्रचार निदेशक, वरिष्ठ लेखाकार (तदर्थ) श्री एस० के० गुप्ता को 31 मार्च, 1983 के अपराह्न से अगले आदेण तक, विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप मे अस्थायी लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सतीण कुमार गोयल उप निदेशक (प्रशासन) कृते विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

ग्रामीण विकास मंत्रालय विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय फरीदाबाद, दिनांक 16 अप्रैल 1983

सं० ए० 19023/2/78-प्र०-III—इस निदेणालय के अधीन नई दिल्ली में श्री आर० एल० ग्रोवर, विगणन विकास अधिकारी दिनांक 30-12-1980 (अपराह्न) से केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंगन) नियमावली, 1972 के नियम 48-ए, के अनुसार स्वेच्छा से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

सं० ए० 19023/28/78 प्र०——इसIII निदेशालय के अधीन तूतीकोरिन में उप वरिष्ठ विषणन अधिकारी (तदर्थ) के पद से श्री के० वी० प्रसादराव को दिनांक 16-11-82 (अपराह्म) से इस निदेशालय के अधीन नागपुर में विषणन

अधिकारी (वर्ग-X) के पद पर प्रत्यावर्तित किया जाता है। अवकाण समाप्त होने के बाद वे विपणन अधिकारी के रूप में नागपुर में अपना कार्यभार ग्रहण करें।

सं० 19024/1/81-प्र०III—इस निर्देशालय के अधीन केन्द्रीय एगमार्क प्रयोगणाला नागपुर में कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी के पद पर श्री आर०डी० गुप्ता, की तदर्थ नियुक्ति को दिनांक 31-3-1983 तक 3 महीने, की अवधि के लिये या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाता है, दोनों में से जो भी पहले हो, बढाया गया है।

सं० ए-19015/2/83-प्र० III---संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री नारायण सिंह राणा की दिनांक 28-2-83 (पूर्वाह्म) से अगले आदेश होने तक इस निदेशालय के अधीन स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग-I) के रूप में नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 19025/3/83 प्र०-III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री विश्वन चन्द को दिनांक 5-3-83 (पूर्वाह्म) से अगले आदेश होने तक इस निवेशालय के अधीन नई विल्ली में स्थानापन्न सहायक विपण न अधिकारी (वर्ग-II) के रूप में नियुक्त किया गया है।

> गोपाल शरण शुक्ल कृषि विपणन सलाहकार भारत सरकार

परमाणु कर्जा विभाग क्रय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400 001, दिनांक 11 अप्रैल [1983

सं० डी० पी० एस०/41/1/83-प्रशा०/12654—परमाणु ऊर्जा विभाग के ऋय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी ऋग सहायक श्री वसन्तकुमार गिरधारीलाल जीवनपुत्र को रुपए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में विनांक 20-12-1982 (पूर्वाह्र) से 30-6-1983 (अपराह्र) तक के लिए तदर्थ आधार पर इसी निदेशालय में स्थानापन रूप से सहायक ऋय अधिकारी नियुक्त किया है।

सं० डी॰पी॰एस॰/41/2/83-प्रशा॰/12712—परमाणु ऊर्जा विभाग के त्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने श्री एम॰ एस॰ गंगनायक, सहायक भंडार अधिकारी को भंडार अधिकारी के पद पर पदीन्तत किए जाने पर, स्थायी भंडारी श्री एम॰ राजू को रुपए 650-30-740-35-810-द० रो॰-35-880-40-1000-द० रो॰-40-1200 के वेतनमन में दिनांक 21-2-1983 (पूर्वाह्न) से 25-3-1983 (अपराह्न) तक के निए तदर्थ आधार पर इसी निदेशालय में स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त किया है।

बी० जी० कुलकर्णी प्रणासनिक अधिकारी-II

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-16, दिनांक 10 अप्रैल 1983

सं० प० खे० प्र०-1/1/81-भर्ती--परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद् द्वारा श्री सी० मुरुगन् को परमाणु खनिज प्रभाग में 30 मार्च, 1983 के पूर्वाह्न से लेकर अगले आदेण होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड "एस० बी०" नियुक्त करते हैं।

सं० प० खा० प्र०-1/25/82-भर्ती---परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद् द्वारां श्री राकेण कुमार को परमाणु खनिज प्रभाग में 26 मार्च, 1983 के पूर्वाह्न, से अगले आदेश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड "एस० बी०" नियुक्त करते हैं।

दिनांक 12 अप्रैल 1983

सं० प० खा० प्र०-2/33/17/81-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के श्री बी० आर० स्वामीनारायानन् वैज्ञानिक अधिकारी/एस० बी० द्वारा दिया गया त्याग-पक्ष परमाणु खनिज प्रभाग के निवेशक द्वारा 24 मार्च, 1983 के अपराह्म से स्वीकृत किया गया है।

सं० प० ख० प्र०-1/25/82-भर्ती — परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद् द्वारा श्री नाबी गेरखान को परमाणु खनिज प्रभाग में 26 मार्च, 1983 के पूर्वाह्न से लेकर अगले आवेश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड "एस० बी०" नियुक्त करते हैं।

टी० डी० घाडगे वरिष्ठ प्रशासन व लेखा प्रधिकारी

पर्यटन एवं नागर विमानन मंस्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग नई दिल्ली-3, दिनांक 13 अप्रैल 1983

सं० स्था० (1) 00232—16 दिसम्बर, 1982 की सम-संस्थाक अधिसूचना के अनुक्रम में राष्ट्रपति डा० वीरेन्द्र सबसेना की भारत मौसम विज्ञान विभाग में सामान्य केन्द्रीय सेवा समूह "क" (राजपित्रत) में हिन्दी अधिकारी के पद पर तदर्थ नियुक्ति की अविधि को 1 अप्रैल, 1983 से 7 सितम्बर, 1983 या आगामी आदेणों तक, जो भी पहले हो, के लिए बढ़ाते हैं।

> एस**०** के० दास मौसम विज्ञान के महानिदेशक

नई दिल्ली-3, दिनांक 14 अप्रैल 1983

सं० ए० $38019/1/77-\xi(1)$ —भारत मौसम विज्ञान विभाग के निम्नलिखित अधिकारी, अपने नामों के सामने दी 2-56GI/83

गई तारीख को वार्धक्य आयु पर पहुंचने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो ग(क:---

क्रम नाम सं०	पदनाम	दिनांक जिसको अधिकारी ने निवर्तन आयु प्राप्त की
1. श्री बी० घटर्जी	मौसम विज्ञानी ग्रेड-I	28-2-1983
2. श्री सदानन्द राय	सहायक मौसम विज्ञानी	-वही
 श्री एस० पी० भट्टाचार्य 	वही	वहीं

के० मुखर्जी मौसम विज्ञानी (स्थापना) कृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदेशक, नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 13 म्रप्रैल 1983

सं० ए० 19011/113/80-ई-I—निवर्तेन आयु प्राप्त कर लेने पर श्री भार० एल० परेरा, निदेशक, विमान क्षेत्र, बम्बई 31-3-1983 (श्रपराह्म) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

> एस॰ गुप्ता उप निदेशक प्रशासन

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून, दिनांक 13 श्रप्रैल 1983

सं० 16/280/77-स्थापना-1----श्रध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून डा० वी० के० श्रीवास्तव अनुसंधान अधिकारी, वन पारिस्थितिकी शाखा को अन्तरिक्ष अनुप्रयोग केन्द्र, भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन, श्रहमदाबाद में वैज्ञानिक "एस० डी०" (वानिकी) के पद पर उनका चयन हो जाने के परिणामस्वरूप दिनांक 31-1-83 (श्रपराह्न) से सहर्ष कार्य मुक्त करते हैं।

रजत कुमार कुल सचिव वन श्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

ऊर्जा मंत्रालय कोयला विभाग

कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था धनबाद, दिनांक 8 श्रप्रैल 1983

सं० प्र० 12(17) जी/75--श्री एच० पी० सिन्हा, कीयला खान कल्याण ग्रायुक्त के सहायक सचिव को विनांक 2 मार्च, 1983 के पूर्वाह्म से कॉनिष्ठ विश्लेपक के पद पर प्रतिनियुक्ति के श्राधार पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया गया। दामोदर पण्डा कोयला खान कल्याण श्रायुक्त

संपदा निव शालय

नई विल्ली, दिनांक 6 अप्रैल 1983

सं. ए.-19012/7/83-प्रशा -ख--श्रीमती शैन कुमारी गोयल, अधीक्षक (बिलिक्) विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय (विधि कार्य विभाग) को 25 मार्ज, 1983 (पृव्याह्न) से अगले आवेशों तक साथ-साथ मपदा निवंशालय, निर्माण और आवास मंत्रालय में संपता सहायक निवंशाक (मुकदमा) के रूप में श्री एस. बी. शरण जिनका स्थानांतरण हो गया है के स्थान पर नियुक्त किया जाता है।

वीना बृह्मा संपदा उप निदोशक (स्थापना)

निर्माण महानिदेशालय केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 12 अप्रैल 1983

सं० 33/2/80-ई० सी०-9—िनर्माण महानिदेशक, सहर्षे लोक सेवा आयोग के एक नामित श्री पी० एस० नेगी की नियुक्ति सहायक वास्तुविद् के श्रस्थायी पद पर के० लो० नि० विभाग में रुपये 650/- प्रति माह वेतन पर रुपए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- के वेतनमान में (सामान्य भत्तों सहित) दिनांक 19-4-1982 से सामान्य नियम एवं शतों पर करते हैं। वह पहले ही तदर्थ श्राधार पर सहायक वास्तुविद् के नाते दिनांक 31-5-80 से कार्यरत हैं और यह पूर्व निर्धारित श्रनुसार ही वेतन ग्रहण करते रहेंगे।

ए० के० नारंग प्रशासन उप निवेशक

पूर्ति विभाग राष्ट्रीय परीक्षण गृह, ग्रनीपुर कलकत्ता, दिनांक 11 श्रप्रैल 1983

सं० जी-318/ए—महानिदेशक राष्ट्रीय परीक्षण गृह कलकत्ता, श्रीमर्ता लीला सरकार, वेतन एवं लेखा श्रधिकारी, विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय, के कार्यालय में कनिष्ठ लेखा श्रधिकारी को राष्ट्रीय परीक्षण गृह कलकत्ता में स्थाना-पन्न लेखा श्रधिकारी के रूप में द्वित्रपीय प्रतिनियुक्ति पर दिनांक 1-8-83 (पूर्वाह्न) से नियुक्त करते हैं।

एं० बैनर्जी उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक, रा० प० गृह, श्रवीपर, कलकत्ता विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंद्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रिजस्ट्रार का कार्योलय कम्पनी अधिनियम, 1956 और मालदा ट्रान्सपोटें कम्पनी लिमिटेड (समापन अन्तर्गत) के विषय में कलकता, दिनांक 23 मार्च 1983

सं० एल/18848/एच डी/1953—कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की धारा 445 की उपधारा 2 के श्रनुसरण में एतद्-हारा यह सूचना दी जाती है कि श्रादरणीय उच्च न्यामालय कलकता ने दिनांक 6-12-79 के श्रादेशानुसार उपरोक्त कम्पनी के समापन का श्रादेश दिया है और राजकीय समापक, उच्च न्यायालय, कलकत्ता को उसका राजकीय समापक नियुक्त किया है।

> ह०/- अपठनीय कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार पश्चिम बंगाल- कलकत्ता

कम्पनी मधिनियम, 1956और वलवाय ट्रेडिंग एण्ड चिट फण्ड्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलीर, दिनांक 12 म्रप्रैल 1983

सं० 1853/560/83-84— कम्पनी श्रिधानयम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन माम के अवसान पर बलबाय ट्रेडिंग एण्ड चिट फण्ड्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिश्यत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त वम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956और श्री बालाजी श्राटो एन्टर-प्राइसेस प्राइवेट लिभिटेड के विषय में बैंगलौर, दिनांक 12 श्रप्रैल 1983

सं० 2286/560/83-84— कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्दारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के श्रवसान पर श्री वालाजी श्राटो एन्टरप्राइमेस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिंगन न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

केम्पनी श्राधिनियम, 1956 और मंगलूर एजेंसीक एण्ड सर्विनेज प्राइनेट लिभिटेड के विषय में

वंगनीर, दिनांक 12 अप्रैल 1983

सं० 2902/560/82-83—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह मूचना दी जाती है कि कि इस दिनांक से तीन मास के श्रवसान पर मंगलूर एजेंसीज एण्ड सर्विसेज प्राह्वेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दर्शित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विकटित कर दी जायेगी।

भम्पनी श्रधिनियम, 1956 और के० एल० एन० फिल्टर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बैगलौर, दिनॉवा 12 अप्रैल 1983

सं० 3606/560/83-84—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दो जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के अवसान पर के० एल० एन० फिल्टर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिश्ति न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी निघटित कर दी जाएगी।

ह० अपठनीय कम्पनियों का रजिस्ट्रार कनटिक, बैगलौर

कम्पनी भ्रिधिनियम, 1956 और बिहार मेडिकल एक्सपटेस पोलीक्लिनिक प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

पटना-800001, दिनांक 11 अप्रैल 1983

सं० 1107/560/171—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसार एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इम तारीख से तीन मास के श्रवसान पर बिहार मेडिकन एक्सपर्ट्स पोलीक्लिनिक प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्ट्रर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्मनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 और जनता टी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

पटना-800001, दिनांक 13 श्रप्रैल 1983

स॰ 1279/560/269—कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसार एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर जनता टी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण]

दिशित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी ग्रधिनियम, 1956और बिहार चित्रलोक प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

पटना-800001, दिनांक 13 अप्रैल 1983

सं० 9901/560/273—कम्पनी श्राधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसार एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर विहार चित्रलोक प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर्र से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बिहार इलेक्ट्रिकल्स एण्ड इलेक्ट्रोनिक्स लिमिटेड के विषय में पटना-800001, दिनांक 14 भ्रप्रैल 1983

सं० 1011/560/323—कम्पनी श्रिधिनयम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसार एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर बिहार इलेक्ट्रीकल्स एण्ड इलेक्ट्रीनिक्स लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टार से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विश्वटित कर दी जायेगी।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956और सभ्रवाल ब्रदर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

पटना-800001, दिनांक 14 अप्रैल 1983

सं० 1390/560-326—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसार एतद्हारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर सभ्रवाल बदर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कंपनी विषटित कर दी जायेगी।

ए०ं **इ**ब्ल्यू० श्रन्सारी कम्पनी रजिस्ट्रार, बिहार, पटना प्रकल बाहै, टी. एन. एस.----

मायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म्(1) के विभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर पायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 अप्रैल 1983

निद्रांश नं. ए. पी. न. 4239—~यतः मुक्ते, घे. एल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो भटिन्डा में स्थित है (और इससे उपानद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उषित बाजार मूल्य से कम के इहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उपित बाजार मृल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितयां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में बास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुए किसी आय की भावत उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृष्धिम के निए; अधि/वा
- (ण) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री कोर सिंह पृत्र अमर सिंह वासी भटिन्डा । (अन्तरक)
- 2. श्रीमती भगवन्त कार पत्नी श्रोभिन्द्र सिंह 2. बल-बीर सिंह पृत्र गडा सिंह 3. त्याज कुमार पृत्र राम जी वास 4. मदन लाल पृत्र किशारी चन्द, 5. राजिन्द्र कुमार पृत्र चनन राम, 6. सुरोग कुमार पृत्र बाबूराम, वासी भटिन्डा।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि न. 2 में लिखा है (वह ध्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूपि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

को यह सूचना धारी करके पृथींकत संपरित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को अविध या सत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त क्या बतयां में सं किली व्यक्ति हुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्रब्ध् किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरण:-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित वहीं अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया

ममुस्यी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं . 5558 दिनांक अगस्त, 1982 को ,रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिन्डा ने लिखा।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारोच : 11-4-1983

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 11 अप्रैल 1983

निवर्वेश नं. ए. पी. न. 4240----यतः मुफ्ते, जे. एल. गिरधर.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम अधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. जैसािक अनुसूची में लिखा है। तथा जो भटिन्डा में स्थित है (और इमेस उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में विर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1982

को पूर्वेक्ति संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्चास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रूर्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उथत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन. अन्य ज्ञास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अष, उक्त अधिनियमं की भारा 269-गं के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-चं की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसियतं स्यक्तियों, वर्णात्ः— श्री सर्वजीत सिंह पुत्र स्वर्ण सिंह वासी गांव बलहार बुजू जिला भटिन्छा ।

(अन्तरक)

- श्रीमती उषा गृप्ता पत्नी श्री रमेश गृप्ता वासी गाँविन्दाना मण्डी । (अन्तरिती)
- 3 , जैसा कि न 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारों में अक्षोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबबुध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावा। संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यब्दीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसािक विलेख नं. 4017 दिनाक अगस्त 1982 को वार्णित रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिन्डा ने लिखा है ।

> षे . एलं. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्धर

तारांच ः 11-4-1983

मोहर ः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 31 मार्च 1983

निर्वोध सं. सि ए 5/834 एस आर मावल/82-83— पतः मुक्ते, शशिकांत कुलकणी, स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उन्हें प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ज के प्रशीत नाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार क्य 25,000/- क्ये से धिक है और जिसकी सं. भूमि क. सर्वो नं. 146 हिस्सा नं. 2 ब. सर्वो नं. 147, हिस्सा नं. 2, प्लाट नं. ए पो. कारला तालुका मावल है तथा जो जिला-पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिज-स्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय दुय्यम निवंधक मावल में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (190) का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान पनि इन के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्र प्रतिकत से अधिक है और प्रस्तरक (अन्तरका) और अन्तरिते (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के विष् तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तवित कर म कथित नहीं किया गया है:—

- ग्रेस अन्तरण त हुई । अर्थी आय का बाबत उक्त जीध-नियम के अधीन कर के के अन्तरक के द्रायित्व में कम' करने या अससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किनी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री पद्मा गणपत रणजित लिटल स्टार को आप हाउसिंग सोसायटी लि. सांताक्रुज (देस्ट) बम्बई-400054 ।
 - (अन्तरक)
- 2. मेसर्स पेशवा होटल्स एण्ड होलीडे रिसार्ट प्रा. लि. पोस्ट कारला तालुका मावल जिला पूना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाज्यत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीत के सम्बन्ध में कोर्ट भी ब्राक्षेप :--

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समान्त होतो हो, के भोत पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति वारा;
- (त) इस पुत्रता ते राजपत में प्रकाशा ♣ तारीब स कः
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
 प्रत्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
 ते किये जा पर्केंगे :

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्राः -नियम के अध्याय 20-४ ने परिमाणित है, तहा प्रथं होगा, जो उस श्रश्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क. सर्वो नं. 146 हिस्सा नं. 2 बी. और सर्वो नं. 147 नं. 2, प्लाट ए, कारला गांव तालुका मावल, जिला पूना जिसका क्षेत्र 9122.5 स्कवे मीटर है।

(जैसे की रिजिस्ट्रीकृत विंलेख क. 794 अगस्त 82 को द्रुप्यम निबंधक माबल के दफ्तर में लिखा है)।

शशिकांत कुलकणीं सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, पूना-411004

ता्रीख : 31-3-1983

प्ररूप आई'.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 अप्रैल 1983

निद^{*}श नं. ए. पी. न. 4242--यतः मुक्ते, जे. एल. गिरधर,

आयकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पए से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो भिटन्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप में विर्णत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भिटन्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, ऐसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किम्निलिखत उद्देश्य से उन्त अंतरण लिखित में वास्त्रिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1920 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रभट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ज्ञिपाने में सूविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री चनन सिंह पुत्र बूटा सिंह वासी महेना चौक भटिन्डा।

(अन्तरक)

श्री चरणजीत कौर पत्नी कुलवंन्त सिंह गांव लाल-वाई नजदीक गिदङ्बाध

(अन्तरिती)

3. जैसा कि न. 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारो में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी उरिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिकियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 4008 दिनांक अगस्त, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिन्डा ने लिखा है।

जे. एल. निरधर सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे, जालन्धर

तारीख: 11-4-1983

मोहर∙ः

प्ररूप आर्हे.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 11 अप्रैल 1983

निर्देश नं. ए. पी. न. 4243---यतः मुर्फे, जे. एल. गिरधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की 2.69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपक्षि, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो भटिन्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय भीटिन्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गर्दुहै और मुक्ते यर विष्वास कारनेका कारण है कि मधापूर्वीक्त संपत्ति का उधित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्भरण , मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थत् :---

1. श्री चनन सिंह पूत्र बूटा सिंह वासी महेना भटिन्छा ।

(अन्तरक)

2 राजिन्द्र सिंह पुत्र कपूर सिंह भाईयानी मण्डी 2. परमा देवी पुत्र कस्तूर चन्द्र गुलमार्ग होटेल भटिन्डा 3 अनुराधा पुत्र शाम सिंह भटिन्डा 4. बलदेव सिंह पुत्र करनेल नेसह गांव नाहीयाकला 5 कर-तार सिंह पुत्र प्रताप सिंह गांव माता और 6. काका सिंह पुत्र निरंजन सिंह, भटिन्डा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि न. 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4 जो व्यक्तिं सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबेव्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काहे भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 4045 दिनांक अगस्त 1982 को ,रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिल्हा ने लिखा ।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारीख : 11-4-1983

मोहर 🖫

प्रकप शाइ. दी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 अप्रैन 1983

निवर्षेक्ष नं. ए. पी. नं. 4244--यतः म्फे, ज़े. एल. गिरधर,

नायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अन्सूची में लिखा है। तथा जो भटिन्डा में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारी आगस्त 1982

का पूर्वितित सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की मृद्द हैं और मृभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निकित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निचित्त में बास्तविक रूप से किशत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की धाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण को बायित्व में कमी करने या उससे स्वने में सुविधा के भिए; बार/बा
- (क्र) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तियों करे, जिन्हें भारतीय वाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भाषा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

 श्री अनन सिंह पृत्र बूटा सिंह वासी महेना चौक, भटिन्डा।

(अन्तरक)

- 2. श्री सुनील कुमार अग्रवाल पुत्र श्री मुकन्द लाल अग्रवाल टैक्सशन सडनाई जर वि माल, भटिन्डा । (अन्तरिती)
- 3 जैसा कि तं 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

को यह स्थना चारी करके पृत्रावित सम्परित के वर्षन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ६--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति इवारा;
- (थ) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थिति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तियुगः -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलोख नं 4085 दिनांक अगस्त, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिन्डा ने लिखा ।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, जालन्धर

नारीख : 11-4-1983

प्रकप बाइ. टीं. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 अप्रैल 1983

निद^{*}श नं. ए. पी. नं. 4245--यतः मुक्ते, जे. एल. गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो होशियारपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय होशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नड़ी किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/वा
- (क्ष) एसी किसी बाय या किसी धर्ने या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण गंन, के उपधारा की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- 1. शरणजीत सिंह पटल पुत्र निर्मल सिंह वासी अम्बा भवन, स्टेशन रोड होशियार मुख्तयार आम आफ मोहिन्द्र सिंह प्रमार वासी 116 एवेन्यू बिटिश कोलिम्बिया, कनेडा ।
 - (अन्तरक)
- श्री गुरनाम सिंह पुत्र स्वर्ण सिंह गांव नाउत्ररा जिला जालन्धरं।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि न. 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारो में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत ध्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वाह्य:
- (क) इस सुकाः के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अग व्यक्ति द्वाग अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--- इक्षमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह[#], पही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 3222 दिनांक अक्तूबर 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी होशियारपुर ने लिखा।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे, जालन्धर

तारीब : 11-4-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 अप्रेल 1983

निद[™]श नं ए. पी. नं 4246---यतः मुक्ते, जे. एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्तृ अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो होशियारपुर में स्थित हैं. (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यान्तय होशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम (1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तुबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नुलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है: --

- (क) अन्तारण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री घरणजीत सिंह पटेल पुत्र निर्मल सिंह वासी अम्बा भवन स्टोशन एंड होशिया, रपुर मुख्तयार आम आफ श्री मोहिन्द्र सिंह परमार पुत्र मोहन सिंह वासी 116 एवीन्यू बिटिश कोलम्बया कर्नेड़ा । (अन्तरक)
- 2. श्री गुरचरण सिंह पुत्र स्वर्ण सिंह गांव नाऊरा जिला जालन्धर ।

(अन्सरिती)

3. जैसा कि नं. 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4 जो ध्यक्ति सम्मति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति प्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पछितिकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुषी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 3230 दिनांक अक्तूबर 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हाँशियारपुर ने लिखा।

जे एल गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

तारीय : 11-4-1983

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 अप्रैल 1983

निव⁸श नं. ए. पी. नं. 4247—यतः मुभ्ने, जे. एल. ,गिरधर,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो राम-पूरा फूल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), ,रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रामपूरा फूल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबल, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/मा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीग, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री सोहन सिंह पुत्र जगत सिंह गांव रामपूरा फूस (अन्तरक)
- 2. श्री विवन्त्र सिंह पृत्र अलवेल सिंह गांव रामपूरा फूल (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं. 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कारके पृथेक्ति सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त संपत्ति के सम्बन्ध में कोई काक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 2106 दिनांक अगस्त, 1982 की रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी रामपूरा फूल में लिखा है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारीख: 11-4-1983

मोहर 🕄

प्रकप भाइ. टी. एन. एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 अप्रैल 1983

निर्वोक्त नं ए. पी. नं 4248——यतः सुभन्ने, जे एल. गिरधर

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो रामपूरा फूल में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विर्णित हैं), रेजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रामपूरा फूल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन वार्यक अवस्त 1982

(1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिषत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तर्क के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन ,निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

 श्रीमती गुरदांव काँर पत्नी अलवेल सिंह गांव राम पुरा फूल ।

(अन्तरक)

- श्री भृपिन्द्र सिंह पुत्र अलबेल सिंह गांव रामपुराफाल (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं. 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- आं व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारों में अभोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितखब्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहूी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अमुस्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 2107 दिनांक अगस्त, 1982,को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी रामपूरा फूल में लिखा है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारीस : 11-4-1983

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 अप्रैल 1983

निदर्भेश नं ए. पी. नं 4249--यतः सभी, जे एल. गिरधर, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक है और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जी रामपुरा फूल में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय रामपुरा फूल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अभीन, तारीख अगस्त 1982 को पर्योक्त संपत्ति के उचित बाजार मध्य से कम के शरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विख्यास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मृस्य, उसके इच्यमान प्रतिफल से, ऐसे इच्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना आहिए था, जियाने में सुनिया के दिवा:

बतः जब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ए के अनुसरणें में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्रीमती गुरदेव कौर पत्नी अलवेल सिंह गांध रामपूरा फूल ।
 - (अन्तरक)
- 2. श्री दिविन्द्र सिंह पुत्र अलवेल सिंह गांव रामपूरा फूल (अन्तरिती)
- 3 जैसा कि न 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- जो ध्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
 (वह ध्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्द्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति क्षेत्र अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंदा- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्किरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 2108 दिनांक अगस्त, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी रामपूरा फूल में लिखा है।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारीब ः 11-4-1983

मोहर 🛭

आयम्बर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 अप्रैल 1983

निद⁸श नं. ए. पी. न. 4250--यतः मुक्ते, जे. एल. गिरधर,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ ले अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 / रा. में अधिक है

और जिसकी सं . भैमा कि अनुसूची में निखा है। तथा जो मुक्तसर में स्थित है (और इससे उपाअव्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुक्तसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अगस्त 1982

को पूर्वों कर संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तिवक म्प में किथान नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी वाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा को किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुगरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

 श्री रधुवीर सिंह पुत्र मलकीयत सिंह वासी मलोट रोड, मक्तसर ।

(अन्सरक)

2. श्रीमती सुबदंव कार पत्नी बेअन्त सिंह गांव तथा अक्षर चेत सिंह याला, तहसील फरीदकोट । (अन्तरिती)

3. जैसा कि न 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. जां व्यक्ति सम्पत्ति में रूपि रसता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना चारी करके पूर्वों क्स सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारः;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जो कि विलेख न. 1720 दिनांक अगस्त 1982 जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुक्तसर ने लिखा है।

> जे. एस. गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅंज, जालन्धर

तारील : 11-4-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 अप्रैल 1983

निद्धानं ए. पी. नं 4251—यतः मुक्ते, जे. एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उिचत बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो कोटकपूरा में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापत्रोंक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा ﷺ लिए; और√या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम था धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन- निम्निणिखित स्यक्तियों, अर्थातः—

- श्री महेर सिंह पुत्र पिरथी सिंह कोहर वाला मार्फत बाबू सिंह पुत्र पिरथी सिंह बार्क नं. 2 फरीदकोट सड़क कोटकपुरा ।
- (अन्तरक)
 2. श्री नछतर सिंह, हरमिंदर सिंह, पुत्र राम सिंह,
 वार्ड नं. 2, फरीदकोट रोड, कोटकपूरा ।
 े(अन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं. 2 में लिखा ही (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबबुध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 2425 दिनांक अगस्त 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, करीदकांट ने लिखा है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

तारीख : 11-4-1983

मोहर 🕉

प्ररूप आही. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायकत (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 अप्रैल 1983

निविधानं ए. पी. नं . 4252--यतः भूभे, जे. एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

आर जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा आं काटेकपूरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1982

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से ऐसे द्ध्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए आर्र/या
- (क) एसी. किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था खिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उकत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री करतार सिंह पुत्र प्रताप सिंह वासी प्रताप नगर, काटकपुरा !
- 2. श्री जनक राज पुत्र नानक चंद ग्रोवर वासी फिरोजपुर शहर 2. लखनीर सिंह पुत्र महिताव सिंह वासी बांदरअटाना, 3. रामप्रकाश पुत्र जगन नाथ वासी कोटकपूरा।

(अन्तरिती)

- 3 जैसा कि नं 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह संपत्ति में हितबब्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील रे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा.सकोंगे।

स्वष्टीकरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं 2464 दिनांक अगस्त, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट ने लिखा है।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारीख : 11-4-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ****

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 अप्रैल 1983

निवोश नं. ए. पी. नं. 4253—यतः मुक्ते, जे. एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. जैशा कि अनुसूची मं लिखा है। तथा जो कोटक गृरा मे स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित ही), रिजस्ट्रीक ता अधिकारी के कार्यालय, फरीदकांट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तर्गितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देवरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भाग्तीय आयकर अधिनियम, 1922 -(1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो. मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के ज्योन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थातः --- श्री तारा चन्द दोवी दास, वासी बार्ड नं. 9, कोटकप्रा।

(अन्तरक)

 श्री भीम सँन पुत्र बोबी दास, बार्ड नं. 9, कोटकपूरा।

(अन्तिरती)

जैसा नं. 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति मं रूपि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह संपत्ति में हितवहुध है)

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 2591 दिनांक अगस्त, 1982 जो रिजम्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट ने लिखा है।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

तारीख : 13-4-83

माहर :

प्रकप पाई • टी • एन • एस •----

आयकर **प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** बारा 269वा (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्थर

जालन्धर, दिनांक 13 अप्रैल 1983

निदोश सं. ए. पी. नं. 4255--यतः मुक्ते, घे. एत. गिरधर,

श्रायकर घर्घिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घर्घिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के घर्घीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-६० से घर्षिक है,

और जिसकी सं. जैसा कि अनुमूची में लिखा है तथा जो भाटिण्डा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, वारीख अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और धन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखाखन उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखन में बास्तिक हा से कथिन नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई जिसी आय की जाजन, छड़न प्रधिनियम, के श्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे जाने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी ितसी आय या किसी घन या अभ्य आस्तियों को, अम्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनाय अम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में स्विधा के लिए;

अक्षा अब, उक्त अधिनिषम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनिषम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 श्री अजमेर सिंह पुत्र बूथ सिंह महेना चौक, भटिडण।

(अन्तरक)

 श्रीमती सुरजीत कार पत्नी बिकार सिंह भुलर पुत्र बाबू सिंह गांव गुजर नजवीक टापा तहसीलबरनाला।

(अन्तरिती)

3 औसानं 2 में लिखा है।

(बहुव्यक्ति, जिसकी अधिभाग में संपत्ति हैं)

4 जो व्यक्ति संपत्ति में रुखि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितसब्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध मं कोई भी घाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त त्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से . 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी प्रन्य ध्यक्ति ब्रारा, अधोहस्ताक्षरी के पार चिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त प्रविनियम के प्रश्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्व होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्परित संधा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 3577 दिनांक अगस्त, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा ने लिखा $\mathbf{g}^{\mathbf{a}}$ ।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रज, जालन्धर

तारीख: 13-4-83

प्रकप. बाहै. टी. एन. एस. ----

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 अप्रैल 1983

निक्षेत्र सं. ए. पी. नं. 5262--यतः मृभ्हे, षं. एत. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भाटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1982

को पूर्वीयत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से, ऐसे श्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहां किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूनिशा के लिए; आर्रि/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

 श्री गिन्द्र सिंह पुत्र मरतान सिंह चन्दसर बस्ती, भटिण्डा।

(अन्तरक)

श्री ज्ञान चन्द गर्ग पुत्र अमर नाथ,
 पल कृष्ण लाल, इङ्रस्ट्रीयल ट्रॉनिंग इन्स्टोटयूट,
 भटिण्डा।

(अन्तरिती)

3. जैसानं 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुजि ,रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन् को संबंध में काहि भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा; अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त कब्दों ख़ौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि तिलेख नं. 3973 दिनांक अगस्त, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा ने लिखा है।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

तारीब : 13-4-83

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 13 अप्रैल 1983

्निवेशानं ए. पी. नं 4263 — यतः मूक्ते,

जे. एल. गिरधर,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गक्का है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियमं की भाष 269-ग के अनुसरण कें, कीं, उक्त अधिनियमं की भाष 269-घ की उपधाय (1) कें अभीत निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री गिन्द्र सिंह पुत्र मसतान सिंह चन्दसर बस्ती, भटिण्डा।

(अन्तरक)

2. 1. श्रीमती शान्ति वेवी पत्नी प्रीतम चन्द

 सत्या देवी पत्नी प्रेम लाल पता : कृष्ण लाल, इन्डस्ट्रीयल ट्रेनिंग इन्स्ट्रीट्य्ट भटिण्डा।

(अन्तरिती)

3. जैसानं. 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि ,रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह संपत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां सूक्ष करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास सिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरण :---इसमें प्रयुक्त गन्यों और पथों का, जो उक्त अधिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्परित तथा व्यक्ति जी। कि विलेख नं. 3974 दिनांक अगस्त, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिण्डा ने लिखा है।

जे. एल. गिरधर सक्तम प्राधिकारी सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारीब : 13-4-83

मोहर 🕄

प्रकृप् वार्ड्, टी. एन्. एस्. ------

नायकर मिनियमा, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मधीन स्थान

शारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 13 अर्थल 1983

निद्योश नं. ए. पी. न. 4264--यतः मुक्ते, जे. एल..गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची मंं निखा है तथा जो भटिण्डा मो स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मो और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा मो रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1982

की पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्रय पाया गया प्रतिफल का नम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

 श्री विजय कुमार, विनोद कुमार पुत्र श्री प्यारा लाल, लुधियाना।

(अन्तरक)

 श्री प्रकाश चन्द पुत्र परमा नन्द सिविल स्टोशन, भटिण्डा।

(अन्तरिती)

3. जैसानं. 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपति हैं)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुजि ,रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह संपत्ति में हितवठध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उकत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वासीपु :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमां पर स्चना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;

स्यव्यक्तिरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों आहेर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 3829 दिनांक अगस्त, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिण्डा ने लिखा g^3 ।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

बंत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-**म की** उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ∵—

तारीख : 13-4-83

प्ररूप आइं.टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम्, 1961 ू (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर स्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 अप्रैल 1983

निद्यो नं. ए. पी. नं. 4265--यतः मुभ्ते,

जे. एल. गिरधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैरा कि अनुसूची मं लिखा है तथा जो प्रटिण्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मं और पूर्ण रूप मं वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास अरने की कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एमे रूपमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उसमें बच्हें में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

- श्री रूप मिह पृत्र नन्द सिंह गांव लोहगड़ तहसील संगरीया जिला गर्गानागर। (अन्तरक)
- 2 · 1 · श्री जोगिन्द्र सिंह एत्र नन्द्र सिंह , कांठी मिठू वालां बरना रोड भटिण्डा,
 - 2. श्री गुरुष व सिंह अलीयाम गिट्ठू पुत्र करनेल सिंह (पी. एस. इं. वी. थर्मल इम्पाल्ड्रें) वासी चन्दमर बस्ती, भटिण्डा।

(अन्तरिती)

3. जैसा नं. 2 में लिखा है। (लह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपरित है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि ,रसता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह संपत्ति में हितवद्ध है)

जारी करके पूर्वेक्षित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त गंपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 चिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्यद्भीत रंग: — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याग 20-फ मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस उध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

सम्पित्स तथा ध्यक्ति जैसा कि विलेश नं 3688 विनांक अगस्त, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिण्डा ने लिखा है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रोयकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्थर

अत: अब, उच्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन,

ता्रीख : 13-4-83

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-म् (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रिज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 11 अप्रैल 1983

निद्येश नं एम पी नं 4254 — यतः मुक्ते, जे एल गिरधर,

आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्तं अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरृती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री सुरिन्द्र सिंह पृत्र उद्यम सिंह गांव बहार मजारा, तहसील नवं शहर।

(अन्सरकः)

 श्रीमती चरण कौरु पत्नी लक्ष्मण सिंह गांव मानक, सहसील फगवाड़ा.

(अन्तरिती)

- जैसा नं. 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- जो व्यक्ति संपित्त में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में दिये जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 1248 दिनांक अगस्त, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फगवाड़ा ने लिखा है।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी हिरायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारीस : 11-4-83

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरोज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 अप्रैल 1983

्निदेश न ए. पी. न 4256—स्यतः म्फे,

जे. एल. गिरधर, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रिजस्ट्रीकर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अगस्त, 1982 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार

मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के

पन्द्रह शंत्यत सेअधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एोसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उददोष्य से उक्त अंतरण लिखित में

वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक्षार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात्:----5---56 GI/8 श्री णिन्द्र सिंह पुत्र मस्तान सिंह चन्दसर बस्ती, भटिण्डा।

(अन्तरक)

 ती जगदीश चन्द गुप्ता पुत्र तुलसी राम भटिण्डा और निर्मला देवी पत्नी हरगोपाल सिंह, भटिण्डा।

(अन्तरिती)

3. जैमानं. 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)

4. ओ व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखना है।

(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपक्ति में हितवद्ध हैं)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेषित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीत्र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किये जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसुची

तम्परि सथा व्यक्ति जैसा कि विलेख मं . ३५६५ विनांक -अगस्त 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिण्ड(ने निस्सा है।

> जं. एल. गिरुधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्थर

तारीस : 13-4-83

भोहर ;

प्ररूप त्राइं. टी. एन. एस.-----

बायकर ब्रिधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय,, सहायक आयुकर आयुक्त (निर्धिण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 अप्रैल 1983

निदश न. ए. पी. न. 4257---यतः मुक्ते, जे. एल. गिरधर,

शायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त विधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप सं वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1982

16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उचन अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री उजागर सिंह पुत्र श्री बत्तन सिंह ज्वैलरज अस्पताल बजार भृटिण्डा।

(अन्तक)

[भाग ।।।--खण्ड ।

 श्री मुख्त्यार सिंह स. गुरलाल सिंह और गुझेज सिंह सुपुत्र गुरदीप सिंह गांव रीवया तहसील तथा जिला सिरसा।

(अन्तरिती)

3. जैसान 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाका किरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं; वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं

अमुसुची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 3643 दिनांक जगस्त 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी भाटिण्डा ने तिला ह

जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारौ सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

तारीख: 13-4-1983

प्रकण आद[°]. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज, जालन्धर

जालन्ध्रर, दिनांक 13 अप्रैल 1983

निदेश न. ए. पी. न. 4258--यतः मुक्ते, जे. एस. गिरधर,

मायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269- क अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उजित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भाटिण्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विर्णत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से काम के रूथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और अभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूथमान प्रतिफल से, एसे रूथमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:

 श्री बलवन्त सिंह पुत्र बत्सल सिंह ज्यैसरज अस्पताल बजार भाटिण्डा।

(अन्तक)

2. श्री मुख्यार सिंह, गुरदयाल सिंह और गुरतेज सिंह सपृत्र गुरदीप सिंह गांव रित्तिया तहसील तथा जिला सिरसा।

(अन्सरिती)

3. जैसा कि नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रक्षता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की सबिभ मा तत्सम्बन्धी न्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 विन की सबिभ, जो भी सबिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थावत्त्यों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ब) इस सृष्यना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर संपरित में हित- सद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 3644 दिनांक जगस्त 1982 को रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भाटिण्डा ने लिखा है।

जे. एस. गिर्धर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखत व्यक्तियों, अधीत् ः——

तारीस : 13-4-1983

प्ररूप आहें, टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्स (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 अप्रैल 1983

निदंश न . ए. पी. न . 4259--यतः मुक्ते, जे. एल . गिरधर,

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भाटिण्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त संपात्त के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिक व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री अजमेर सिंह पूत्र नरायन सिंह नजवीक कनाल गटा फौक्टो पारस राम नागर भटिण्डा। (अन्तरक)
- 2. श्री रनजीत सिंह पत्र दीवान सिंह
 - (2) श्रीमती मलकीयत करि पत्नी हरंदव सिंह,
 - (3) मोन्द्रिकौर पत्नी सुरिन्द्र सिंह
 - (4) मनमोहन सिंह पुत्र सन्तोख सिंह
 - (5) सावित्री वेबी परनी पृथी चन्द
 - (6) जमना देवी पत्नी अमर नाथ
 - (7) राजिन्द्र कामार पुत्र नत्थु राम,
 - (8) कपूर चन्दं पृत्र प्रभु दयाल पता संतराम दयाल, परस राम नाग्र, भटिण्डा।

(अन्तरिती)

3. जैसान. 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

 जो व्यक्ति सम्पक्ति में रुजिंच रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पक्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू कारता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्भ किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अन्स्ची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 3891 दिनांक अगस्त 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों भाटिण्डा ने लिखा है।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे, जालक्षर

ता**रीख**: 13-4-1983

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 अप्रैल 1983

निद्यानं ए. पी. नं 4260--**घतः मुझे, जे. एल. गिरधर,** भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000∕- रु. से **अधिक है** और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है, भटिडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिडा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख अगस्त, 1982 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित कोजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एके अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृष्टिभा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिन्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिशित व्यक्तियों, अर्थात :--- भी बसवीर सिंह पूज श्री सुरजीत सिंह और श्रीमती बलबीर कार पत्नी श्री सुरजीत सिंह, भटिखा।

(अन्तरक)

 श्री गुरमृख सिह पृत्र श्री राम सिह, वासी रामपुरा फूल।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुजि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से दिस्सी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबव्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकींगे।

स्वव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 3905 दिनांक अगस्त, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिण्डा में लिखा है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

तारीच : 13-4-1983

प्ररूप अहाँ टी. एन . एस . -----

आषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-र्ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 अप्रैल 1983

निवश नं. ए. पी. नं. 4261~~ यतः मृझे, जे. एल. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. जैसा कि अनाची में लिखा है, तथा जो भटिंडा में स्थित है (और इससे उपावव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में रिअस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिसी की गई है और मूको यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार

- मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रित्ती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---
 - (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नृतिवित, व्यक्तियों, वर्धात् ः— श्री गुसाब सिह पुत्र
श्री गंडा सिह
पिछे पी एस ई बी.,
सिविल स्टेशन, पावर हाउनस राड,
भटिडा।

(अन्तरक)

- 2. 1. श्री मोहन लाल और श्री बिधि चन्द पृत्र श्री सुरी राम,
 - श्री बृज लाल पुत्र श्री बाबू सिह,
 - श्री बारुराम पुत्र श्री आया राम,
 - श्री दर्शन सिंह पृत्र श्री गूरनाम सिंह, गांव वालियानवाली, तहः फूल।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि नं 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रिष्य रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्धू किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिसित में कियो जा सकेंगे।

स्वक्ष्योकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों आहुर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुदा है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 3912 दिनांक अगस्त, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिण्डा में जिला है।

जे. एल. गिर्**धर** सक्षम प्राधिकारी सह**म्म**क आयक्तर आगुक्त (निरक्षिण) **वर्जन र**जे, **जा**लन्धर

त्ता**रीब** : 13-4**-1983**

मोहर 🔢

प्ररूप आहाँ.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 अप्रैल 1983

निवंश नं. ए. पी. 4266— यतः मुझे, जे. एत. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धार्य 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अन्सूची में लिखा है, तथा जो भटिडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्म लय, भटिडा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्व है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से, एसे रूप्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्षित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दासित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य मास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के जिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की पारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उन्ति अधिनियम की भारा 269-थ की उपभाग (1) के अधीन. निम्निजिसित व्यक्तियों, अर्थातः श्री गुलान सिंह पृत्र
 श्री गंडा सिंह
 पृत्र श्री हरी सिंह,
 सरपंच आफ गांन जोधपुर रोमाना, वासी पात्रर हाऊस रोड,
 पीछ इलैक्ट्रिसिटी आफिस,
 सिवल लाइन्स, भटिडा।

(अन्तरक)

 श्री मूस्तयार सिंह पृत्र श्री सरवन सिंह, वासी भटिंडा।

(अन्सरिती)

- 3. जैसा कि नं. 2 में निल्ला है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के वर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टोक रण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति प्रैसा कि विलेख नं. 3796 विनांस अगस्त, 1982 को प्रजिस्ट्रीकार्ता अधिकारी, भटिण्डा में लिखा g^3 ।

जे. एल. गिरधः राशस प्राधिकार सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धः

तारीच : 13-4-1983

प्रथम् आर्थः,द्वीः एत्. एसः, -------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

नारव तरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 13 अप्रैल 1983

निवाश नं. ए. पी. नं. 4267---यतः मुझे, जे. एल. गिरधर,

नायकार मिशिष्यम, 1961 (1961 का 43) (विशे इसमें इसमें इसमें परचात् 'उक्त निधित्यम' कहा नया हैं), की थाएं 269-च के स्थीन संसम् प्राधिकारों को यह दिस्तास करने का कारण हैं कि स्थायर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो भटिड़ा में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिड़ा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1982

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, ऐसे द्रायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मृजिधा के लिए:

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

 भौ गुसाम सिह प्त श्री गंडा सिह प्त श्री हरी सिह, सरपंच आफ गांव जोधपुर रोमाना, वासी पायर हाउत्तस रोड, पीछो इलॅक्ट्रीसिटी आफिस, सिवल लाइन्जि, भटिडा।

(अन्तनक)

2. श्रीमती जसवन्त कौर पत्नी श्री मुक्तयार सिंह, भटिडा।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सृष्यना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के जर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताश्वरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनसची

सम्मरित तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 3797 विनांक अगस्त, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिण्डा में लिखा है।

> जे. एल. गिरधर स्थन प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^रज, जालन्धर

ता**रीय** : 13-4-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1.961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 अप्रैल 1983

निवोश नं. ए. पी. नं. 4268--यतः मृझे, जे. एल. गिरधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो मिट्ट डापुर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इहम्मान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्म में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भारति किया जाना जाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की अपधारा (1) के अधीन निम्निलियित व्यक्तियों, अर्थात् :——
76—56GI/8

 श्री गुरमश्र सिंह पुत्र
 श्री ठाकुर सिंह, नासी मिट्ठापुर तहसील जालन्ध्रर।

(अन्तरक)

 श्री वर्णन सिंह पुत्र
 श्री अमर सिंह, वासी मिट्ठापुर तहसील, जालन्थर।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुजि रखता है।
 (यह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 3167 दिनांक अगस्त, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर नं लिखा है।

जो. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आंग्क्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्धर

तारीख: 13-4-1983

प्ररूप बाइ .टी.एन.एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार 🗸

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 अप्रैल 1983

निदेश नं. ए. पी. नं. 4269--यतः मझे, जे. एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो परियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्य से पर्णित है), रिज़स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिज़स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अगस्त, 1982

16) के अधीन, तारीस अगस्त, 1982 को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्ब से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, इसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतर्क (अंतरकों) और अंतरिती रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्हानिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित ए। यह तीविक एप से किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत., उक्त बिधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के टायित्व में केमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अभोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था ना किया जानी चाहिए था छिपाने में सिवधा को लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के क्रीन निम्मिनियस व्यक्तियों अर्थातः— श्री सिव सिंह और
 श्री सुरैन सिंह सुपुत्र
 श्री भगत सिंह, वासी वरियाना तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

 श्रीमती चन्द रानी पत्नी श्री तिलकराज और श्रीमती विजय रानी पत्नी श्री रमेश चन्द्र, वासी 2 शक्ति नगर, जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं. 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारो करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपर्तित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहुस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलंख गं. 3724 दिनांक भगस्त, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

जे. एत. गिरक्र सक्षम प्रतिधकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन र्जे, जालन्धर

तारील : 13-4-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ---- ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 13 अप्रैल 1983

निद्रोश नं. ए. पी. नं. 4270---यतः मुक्ते, जे. एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अन्सूची में तिसा है, तथा जो मिट्ठापुर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अगस्त, 1982

का पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल सं, एमे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तराकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन क,र दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्थारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए:

अतः अतः, उक्त सिधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री निरन्द्र सिंह पुत्र
 श्री रला ,राम , वासी
 मिट्ठापुर तहसील जालन्धर।

(असरक)

 श्री जान सिह पृत्र श्री गुलवन्त सिह और श्री प्रन सिह पृत्र श्री महर सिह, वासी मिट्ठाप्र, जालन्धर।

(अन्तरिती)

- 3. औंसा नं 2 में लिखा है। (वह, व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारों में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पृशेक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिग्या गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 3742 दिनांक अगस्त, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने लिखा।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

तारीख: 13-4-1983

प्ररूप बार्ड . टी . एन . एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 अप्रैल 1983

निदेश नं. ए. पी. नं. 4271---यतः मुझे, जे एल गिरधर, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- एत. से अधिक हैं और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची मे लिखा है, तथा चक हुएनैना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित हो), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1982 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के एरयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके धरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिकत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निष्यित मी वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करुने या उससे बचने में सूविभा के लिए; और/या
- (का) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य कास्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-क,र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में., मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्धात् ::-- श्री कृष्ण सिंह पृत्र श्री बीरों,
 श्री दीप सिंह,
 श्री लाल सिंह सूपृत्र
 श्री कृष्ण सिंह, वासी चक हुसैना, जालन्धर।

(अन्तरक)

 श्रीमती रणजीत काँर पत्नी श्री अमर सिंह सोनी, 434, न्यू जवाहर नगर, जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसानं 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अभोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्वना जारी करके पृवाँक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उद्यत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधियाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पारिभाषित हैं, वहीं कर्य होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 3346 दिनांक अगस्त, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने लिखा है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्धर

तारीख : 15-4-1983

प्ररूप भाई। टी। एन। एस।

भावकर पश्चिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रोज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 अप्रैल 1983

निवस नं. ए. पी. नं. 4272--यतः मृत्तो, जे. एल. गिरधर, धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवान् '३३१ मोमेनियन' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रवीन सन्नन गाविकारों की यह विश्वास करने का कारण है कि हपावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो चक हुरीना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1982

को पूर्वावत सम्यात के रिवन बाजार मृत्य से कमक दृष्यमान प्रतिफल के लिए अग्तरित को गई है मोर मुझं यह विभवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल ते, ऐत रृष्यमान प्रतिफल ते गरिव है भीर प्रन्तरित (अग्तरितयों) के बीच ऐसे प्रम्तरिण के लिए तथ पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित के देख स उन्त प्रन्तरण निजिन में वास्तविक इप कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तर्ग ते हुई किनो आप की आबत, उका अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिक्त में कमी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (भ) ऐसी किसी आय या किसी बन या प्रन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उस्त प्रधिनियम, या अन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपान में मुविधा के लिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियमः, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री लाभ सिंह पूत्र श्री बीरा, और श्री तारा सिंह, श्री जरनेल सिंह, श्री सिंघ सिंह सुपृत्र श्री कृष्ण सिंह, वासी चक हुसैना, जालन्थर।

(अन्तरक)

 श्रीमती रणजीत कार पत्नी श्री अमर सिंह सोनी, वासी 434, न्यू जवाहर नगर, जालन्धर।

(अन्तरिकी)

- 3 जैसानं 2 में लिखाहै। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुजि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबदुध हैं)

उका सम्पति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :→~

- (क) इस सूत्रना के राजगत में प्रकाशन की तारीख से 45% दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की ता**रीख से 45** विन के मीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हिसबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा अधोद्स्ताकारी के पास किबात में किये वा सकेंगे।

स्मध्दीकरणः --इसमें प्रयुक्त ग्रन्थों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, बही। अयं होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 3347 विनांक अगस्त, 1982 को रुजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने लिखा है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारी**व**ः 15-4-1983

मोहर 🖫

प्ररूप नाइ. टी. एन. एव.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्काश)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्थर, विनांक 15 अप्रैल 1983

निवंश नं. ए. पी. नं. 4273— यतः मुझे, जे. एल. गिरधर,

भायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित भाजार मूल्य 25,000/- स्त. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो मुकसूबा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीह अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उक्त जिल्लाम्यम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या
- (का) एसी किसी जाय या किसी भून या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ क्री उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:--- श्रीमती कमलोश कक्कड, वासी एस-147, इन्डस्ट्रीयल एरिया, जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रजनी विवी पत्नी श्री तेजन्द्र सिंह, वासी सोडल रोड, जानन्धर।

(अन्तरिती)

- 3. जैसानं 2 में लिखा है। (ब्रह्न व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बार में अभोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबबुध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वाक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की। अविध सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों वा व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्थारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

हुमक्टीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों जाँर पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित हैं, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 3524 दिनांक अगस्त, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने लिखा है।

जे. एट. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

तारीब : 15-4-1983

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 अप्रैल 1983

निदश नं. ए. पी. 4274--यतः म्फे, जे. एल. गिरधर, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक है और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो सँट्ल टाउन में स्थित हैं (और इसरो उपाबद्ध अन्स्ची भो और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजरद्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रेजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस लगस्त 1982 क्ये पर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक मप में दिथित नहीं किया गया है ---

- (कः अन्तरण सं हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1920 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिजाने में सिवधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. श्री महोन्द्र सिंह जयल
- पुत्र जगत सिंह,
 वासी 373/9, सैंट्ल टाउनन,
 जालन्थर।

(अन्तरक)

 श्री इन्द्र अभिनाश पुत्र हजारी लाल वासी 430/9, सँट्रल टाउन, जालन्थर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं. 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किशी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पाम निनित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के दश्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा के विलेख नं 3640, दिनांक अगस्त 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिला है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

तारींब : 15-4-1983

प्ररूप आइ र.टी. एन. एस . ------

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त(निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 15 अप्रैल 1983

निदेश नं. ए.पी.4275---यतः सूक्ते, जे.एल.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25.000/- रु. सं अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फणवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फणवाड़ा में रिजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिद्यत से जिथक है और जन्तरक (जन्तरकों) और अंतरिती (जंदीरिकों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तम पामा गया प्रति-फल, निम्निलिस उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में अस्तिबक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण ते हुई जिल्ली जाय की बाबत, उक्त अभिनियस के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सृत्रिधा के निष्; और/बा
- (व) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वासा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- मैसर्स सुखजीत सटारव कौमीकल लिमिटेड, फगवाड़ा द्वारा कुलदीप कृष्ण ।

(अन्तरिती)

3 औसा कि नं 2 में है।

(वह व्यक्ति जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुजि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अभोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुचना चारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इत सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कट्टों और पैदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्याही।

अनुसची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 1134, दिनांक अगस्त, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

जे. एस. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

तारीख : 15-4-1983

प्ररूप. नार्च. टी. एन्. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सूचना

्रभारत् सरकार्

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशका)

अर्जन रंब, जालन्धर

जालन्थर, दिनांक 15 अप्रैल 1983

नियोग नं. ए. पी. नं. 4276—स्तः मुक्ते, जे. एत.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम् अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो नदनपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ट्रबमान प्रतिफल से, एसे छ्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पामा प्रतिफल निम्नलिबित उब्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे बास्तिक छ्प से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अंतिस्यों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

 श्री रत्तन सिंह पुत्र मेहमा सिंह, वासी गांव नदनपुर, जालन्धर।

(अन्तरक)

 श्री सूरजीत सिंह पुत्र अमीर चन्द, वासी एन. एम.-42, नीला महल, जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा किनं 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

4. जो व्यक्ति सम्पक्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बार में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पक्ति में हितबब्ध है)

को संह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्ववाहियां शुरू करता हूं।

बन्त तस्पत्ति के वर्जन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की वविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वविध, को भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध फिली अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिविकत में किए जा सकींगे।

स्पक्तीकरण: ---इसमें त्रयुक्त क्षव्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

No wall

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 3765, दिनांक अगस्त, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्धर

तारील: 15-4-1983

प्रकृष् बाष्. टी. एन. एस.

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन त्यना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 अप्रैल 1983

निद्देश नं. ए. पी. नं. 4277—स्तः मुक्ते, जे. एल. गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

कर जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो सदनपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1982

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान, प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न्लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की मामत उक्त अभि-नियस के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; भोर/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्त्रियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किया मिंविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री रतन सिह पुत्र महेगा राम, वासी गांव नदनपूर, जालन्धर।

(अन्तरक)

 श्री अमर चन्य पुत्र अतर सिंह वासी एन. एम.-92, मुहल्ला क्रूरान खान, जानन्थर।

(अन्तरिती)

जैंसा कि नं. 2 में है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रलता है। (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की व्यक्तियां तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के ,राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, श्रही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है। गया है।

अभूसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 3766, दिगांक भगस्त, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारौ स**हायक आय**कर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे, जालन्धर

तारींच : 15-4-1983

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) के मुभीन सुचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक जायकर जायक्त (निरक्षिण)

अर्जन राज-।, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 अप्रैल 1983

निदोश सं. टी. आर.-175/82-83/एस. एल. नं. 732 आर्ष. ए. सी. एक्यू. आर.-।/कल.—-यतः मुर्के, सी. रोखामा,

नाय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- एउ. से अधिक है

और जिसकी सं. 18 ए हैं तथा जो मियाजान अस्तागर-लंन, कलकता में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सियालवह, कलकता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीज़ 18 अक्तूबर, 1982 को पूर्वोक्स संपित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफ के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफ ल से, एसे दश्यमान प्रतिफ ल के पंत्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ ल, निम्निलिचित उद्घेष्य से उक्त अन्तरण किचित में वास्तिक रूप से काथत नहीं किया गवा हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय वा किसी थम या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अतः अन्न अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उसत अभिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिकित अधिकतयों, अर्थात्ं---

1. श्रीमती फूल रानी बनजी एण्ड आधर्स

(अन्तरक)

2. महः सलाउद्दीन खान।

(अन्तरिती)

को मह सुचना चारी करके पूर्वाक्स सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां, करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पक्षीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियभ के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्ची

18 ए. मियाजान अस्तागर'-लेन, कल. में अवस्थित 2 एकड़ 7 छटाक, 2½ वर्ग फीट जमीन पर एक तल्ला मकान, जो हीड नं. 748 अनुसार 8-10-82 तारीख में एस. आर.] सियालदह का दफ्तर में रजिस्टर हुआ।

सी. राजामा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निराक्षण) अर्जन राज-। 54, रफी अहमद किंदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीस : 8-4-1983

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एसं. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सृजना भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 अप्रैल 1983

निदेश सं. टी. आर.-182/82-83/एस. एल. 733 आर्ह. ए. सी. ए. सी. क्यू. आर.-।/कल.—यतः मूक्ते, सि. रोबामा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. स्पेश नं. 4, सात तल्ला है तथा जो 8 क्यमाक स्ट्रीट में स्थित है (औ रइससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-8-1982

त्रिश्व को 16) के अवान तारी व 17-8-1982 को पूर्वोक्त संपृत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के उच्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपृत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एेसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उदुदृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ, उवत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नतिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. शान्ति निकतन एस्टेट (प्रा.) लि.

(अन्तरक)

2. डि. पि. कोहरि थ्रो मिसेस अहर. कोहरि (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उकत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनयम, के अधीन 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

8 कथमाक स्ट्रीट कल. 17 में अबस्थित मकान का जिस्का नाम ''शान्ति निकतन'') 7 तल्ला का स्पेस नं. 4 जां 910 वर्ग फीट है और डीड नं. 1-7167 अनुसार 17-8-1982 तारीख में एस. आर. ए. कल. का वस्तर में रिजस्टर हुआ।

> सि रोसामा सक्षम स्थिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-। 54, रफीअहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 8-4-1983

प्ररूप बार्ड. दी. एन्, एस्,-----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 अप्रैल 1983

निदेश मं. टी. आर.-174/82-83/एस. एल. 731 आई. ए. सी. ए. मी. क्यू. आर.-।/कल.---यतः मुके, सि. रोबामा;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपक्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 12/113 है तथा जो आसगर मिस्त्री लेन, कल में स्थित हैं (और इससे उपावक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजम्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-8-82

को पूर्वाक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सांपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पागा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है: ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भागत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिए।

जतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थातः :--- 1. श्री सिसिर कुमार गुप्त एण्ड भादर्श

(अन्तरक)

2. श्रीमती सीला देवी

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (स) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को टारिस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकति।

स्पष्टिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

12/1बी, आसगर मिस्त्री लेन, कल. में अवस्थित 3 कटा जमीन पर मकान जो 649 डीड नं अनुसार 31-8-82 सहरीख में एस. आर. सियालवह का दफ्तर में रिजिस्ट्री हुआ।

सि. रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रॉज-। - 54, रफीअहमद किंदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 8-4-1983

मांहर :

प्ररूप नार्ष. टी. एन. एस्.-----

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धाक्त)

अर्जन रंज, कलकत्ता

कालकता, दिनांक 8 अप्रैल 1983

निक्श सं. टी. आर.-190/82-83/एस. एल. 735 आर्द्द, ए. सी. ए. सी. क्यू. आर.-।/कल.--यतः म्भ्हे, सि. रोखामा.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रः. से अधिक **हैं**

और जिसकी सं. 14 है तथा जो मनिलाल साउ लोन, कल. में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्स्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारीँ के कार्यालय क लय्कता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-8-1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूनों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसको दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियाँ) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है":---

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्ससे वचने में सुविधा के लिए: गौर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, भीनम्नलिखित व्यक्तिमाँ, अर्थात् :---

श्रीनरन्द्र भन्द्र घोष

(अन्तरक)

श्री त्रिज्गीलाल साउ

(अन्तरिती)

को यह मुचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्वन के लिए कार्यवाद्वियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त क्यावर सम्पत्ति में हितबद **ैकिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्नोहस्ताक्षरी** के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे ।

रपन्धीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पदों का, जो छक्त बिमिनियम के बध्याय 20-क में परिशाबित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस प्रव्याय में दिया गया है।

मन्स्यो

14 मनिलाल साउ लेन, कलकत्ता में अवस्थित 3 कड़ां 5 छटाक, 5 वर्ग फीट जमीन पर आंशिक एक तल्ला और आंशिक वो तल्ला भकान जो 4-8-1982 तारीख में आर. ए. कल. दफ्तर में डीड नं. 6727 अनुसार रिजस्ट्री हुआ।

> सि. रोसामा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रीज-≀ 54, ,रफीलहमद किववाई रोड, कलकता-16

तारी**स**ः 8-4-1983

प्रकप बाद. टी. एन. एस्.------

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-व (1) के जधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 अप्रैल 1983

निद^कश सं. टी. आर.-189/82-83/एस. एल. 734 आर्द. ए. सी. ए. सी. क्यू. आर.-।/कल.---यतः मूक्ते, सि. रोखामा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृख्य 25,000/- रु. से निधक है

और जिसकी सं. 48 बी. हैं तथा जो ड सुन्दरी मोहन एपिन-निज में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बॉणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-8-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मृत्य से कम के इष्ट्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उष्ट्रित बाजार मृत्य, उसके इष्ट्रयमान प्रतिफल से, इस इष्ट्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी अरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

बतः खबं, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती कृतिस सीधरी

(अन्तरक)

2. श्रीपति एपाट मेन्टम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्विध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किये जा सकींगे।

स्पच्छीकरण: ----इसमों प्रयुक्त सुन्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

48 बी. सुन्दरी मोहन एमिनिड कलकसा में अबस्थित अविभक्त मकान का 1/4 हिस्सा जो 2-8-82 तारीस में डीड ने 1-6631 अनुसार एस. आर. ए. कलकसा के देण्यर में रिजस्टी हुआ।

सि. रोबामा सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रोज-। 54, रफीअहमद किंद्बाई रोज, अर्जन रोज-।

तारीव : 8-4-1983

प्ररूप माइ. टी. एन्. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 अप्रैल 1983

निक्शे नं टी. आर.-140/82-83/एस. एल. 736 आई. ए. सी. ए. सी. क्यू. आर.-।/कल.---यत: मुफ्रे, सि. रोलामा,

अग्यकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं है तथा जो अटल सूर रोड, कल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डि. एस. आर. अलिपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-8-82

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित गाजार मूक्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तिक रूप से किश्त नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती इवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

1. श्री हरोन्द्र नाथ दासएण्ड कामल लता दारा (अन्तरक)

2. श्रीमिति भारती जास एण्ड चाई ना जास (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थान् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :~-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही जर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

र्जटल सुर राँड कल. में अवस्थित 2 कहा 8 छटाक जमीन पर मकान जो 11625 डीड नं. अनुसार 17-8-82 तारींख में डि. एस. जार. आलिपुर वफ्तर में रिजस्ट्री हुआ।

> सि. रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन र^{र्}ज-। 54, रफीअहमद किदवाई चोड, कलकत्ता-16

बतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)

त**्रीम**ः 8-4-1983

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

न्नायलर प्रवित्यम 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 अप्रैल 1983

रफ. नं. 1258/एसीक्यू. आर-।।।/83-84--यतः मुझे, सि. रोखामा, भायकर अभिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिक्षितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ह्य 25,000/- व• से घष्टिक है और जिसकी सं. 23 है, तथा जो लेक टोरास, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1998 का 16) की अधीन, तारीख 4-8-1982 को पूर्वितत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उदयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास् करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का खिलत बाजार मृहय, इसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह

प्रतिशत से अधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकल, निस्नतिबित उद्देश्य से छक्त अन्तरण जिल्लित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया च्या है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की यावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिश द्वारा पकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिषाने में सुविधा के लिए;

अत: प्रव, जनत अधिनियम की घारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपचारा (1) के अधेन. निम्मित्रिक मिक्सिक्ट अधिन के अधेन.

- 1. श्रीमती प्रतिमा दामगुप्त।
- 2. श्री सुजित संनगुपु।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जर के लिए कार्य-बाहियां शुरू करता हूं।

उरत सम्पति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आसेप:--

- (क) दा सूचना के राजरण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविद्या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविद्या को भी अविद्या बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस प्रका के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-वद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताखरी के नास विकान में किए जा सकेंगे।

स्राध्वीकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पर्यों का, जो शक्त श्रीवित्यमः के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहो अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में विया नया है

अनुसूची

23, लेक टोरास, कलकत्ता, 3के-4सीएच-जमीन साध मकान। (1/4 सैयर)।

सि. रोसामा तक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्ष (निरक्षिण) अर्जन रॉज-।।।, 54, रफीअहमद किववार्द रोड, कलकत्ता-16

तारीत : 8-4-1983

मोहर 🖫

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.------

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर मार्यक (निरीक्षण) अर्जन रोज, कलकता

कलकत्ता, दिनांक 8 अप्रैल 1983

रोफ . नं . 1259/एसीक्य . आर-।।।/83-84--यतः मुझे, सि. रोखामा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- एत. से अधिक है

और जिसकी सं 12/1, है, तथा जो हमन्त्र सेन स्ट्रीट, कलकता में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) . के अ**धीन, तारीस 4-8-1982**

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रशिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वीक्त संपरित का उचित काजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए प्रय पाया गया प्रतिकल निम्नतिश्वित उपयोग्य से उपत जन्तरण जिल्लित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गना है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत उंक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे यचने में सुनिभा के लिये; जीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्सरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया भाया किया जाना चाहिए भा, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अव,, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन . निभ्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :---

- श्री विमल चन्द्र दत्त और दसरा।
- (अन्तरक)
- 2. श्री बिदास चन्द्र घोष।

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

चक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 4.5 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा,
- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्तिस द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास सिम्बित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम्, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विश् गया है।

12/1, हमन्द्र सेन स्ट्रीट, कल**क**त्ता। 3के-6सीए**च-17** जिमिन साथ

> सि. रोसामा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रिज-।।।, 54, रफीअहमद किंदबार्द रोड, अलकता-16

तारीख: 8-4-1983 मोहर 🖫

प्ररूप आहें. टी. एस्. एस्. :-----

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के विधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, कलकत्ता

कलकता, दिनांक 8 अप्रैल 1983

रफ नं. 1260/एसीक्यू आर-111/83-84— यतः मृत्ते, सि. रोखामा, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य

25.,000/- रत. से अधिक हैं

और जिसकी सं. 2, फ्लाट-सी हैं, तथा जो मानिश्वमिला गार्डोनस, कलकत्ता में स्थित हैं (और इससे उपायक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-8-1982

'को पूर्विक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रवृह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जम्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त जीजीनयम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिनें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना बाहिये था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीनिसित स्यक्तियों, अर्थात .-- 1. श्री रमेन्द्र मोहन चाटार्जी।

(अन्तरक)

2. श्रीमती अलोकानन्दा मुखार्जी।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीवत संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी अयिक्त द्वारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्गे।

स्मण्डीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

फ्लाट-सी, 1एसटी फोर, 2 मानडिमिला गार्डोनसं. कंतकता≀

> सि. रोबामा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-।।।, 54, रफीअहमद किदवाई रोड, अलकत्ता-16

तारीव : 8-4-1983

भोहर:

प्रक्रम् बाइ , टी, एन, एस,

नाम्कर निप्तियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन सुचना

मार्व बरकार

कार्याजय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, कलकता

कलकत्ता, दिनांक 8 अप्रैल 1983

रफे. नं. 1261/एसीक्यू. आर-।।/83-84--यतः मुझे, सि. रोखामा, भायकर मृथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की भारा

इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के बैधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,, जिसका उभित वाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 15, फ्लाट सं-4सी है, तथा जे मेफेयार राहे, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-8-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्नलिबित उद्देश्य से उसत जन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) नश्तरण से हुई किसी नाय की नावत, उनता विधिनकृत ने वधीन कर बोने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे वधने में सूजिका के सिक्ष्य करिया
- (स) ऐसी किसी आप मा किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आवक र अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ जन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

नक्ष अन, उन्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण कीं, मीं, अक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिसित व्यक्तियों नव्यति —— मोहर : 1. नवराग समनाय आवासन लि.।

(अन्तरक)

2. श्रीमती अनुजलि वरमन।

(अन्तरिती)

को यह सुचना कारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियों करता हुं।

उपन सम्मरित के मर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीब सं 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के जीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किती व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 विन को भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकाँगे।

स्वक्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

प्लाट सं-4सी, 4टीएच फ्लोर, 15, मेफेयार रांड, कलकत्ता।

सि. रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-१११, 54, रफीअहमद किंदबाई रोड, कलकत्ता-10

तारीच : 8-4-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

अर्जन रॅज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 8 अप्रैल 1983

रफ. नं. 1262/एसीक्यू. आर-111/83-84--यत: मुझे, सि. रोखामा, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-

इसक पश्चात् उक्त आधानयम कहा गया है), का भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं .----- हैं, तथा जो मौजा जादवपूर, जिला 24 परगना में स्थित हैं (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आलिपूर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16) के अधीन, तारीख 3-8-1982

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखिम में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त भिक्षित्यम के श्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायिस्व में कमी करने या असप्ते बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, 41 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुविधा के लिए।

भतः प्रव, उर्त भिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त मिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री शशानको मोहन भौमिक।

(अन्तरक)

2. श्री प्रतुल चन्द्र पाल।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के ितए कार्यवाहियां करता हुं।

अस्य सुम्पत्ति के जर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकोंगे।

स्पछीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त श्रीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसुची

मौजा जावनपूर, जिला 24 परगना, 3क्र-14सीएच-38 एसक्यू. एफटी. जीमन।

सि. रोखामा मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-११।, 54, रफीअहमद किदवार्ड रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 8-4-1983

अरूष बार्षः दीः एनः, एस्.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) की सुधीन सूच्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 8 अप्रैल 1983

रफे. नं 1263/एसीक्यू आर-।।।/83-84--यतः मुझे, सि. रोखामा, मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम्' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000∕- रत. से अ**धिक है** और जिसकी सं. 40-ए हैं, तथा जो चित्तरन्जन् एमिनू, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता मं , रजिस्ट्रीकरण अधिनियम , 1908 (1908) का 16) के अधीन, तारीख 28-8-1982 को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृषाँक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल् से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पेद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिही (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफस, निम्नसिवित उद्योग्य से उन्त अस्तरण सिवित में नास्तिनक रूप से किथत महीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुइं किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सृविभा केलिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीत :--

1. श्रीमती रन्द्रेखाडें।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रुकमानी दोबी खानडोलउयाला।

(अन्तरिती)

को वह त्यना जाड़ी करके पूर्वोक्त सम्प्रित के वर्षन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरितृ के अर्जन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूज्ना के राज्यक्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति वृवाग्र;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्किरण: -- इसमें प्रयुक्त शन्वों और पर्वों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विवा गया है।

अनुसूची

40-ए, चित्तरन्जन् एमिनु, कलकत्ता। 1के-11सीएज-40एसक्यू, एफटी, जमिन साथ मकान। (1/2 घोयार)।

> सि रोसामा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्ऋत (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।।, 54, रफीअहमद किदवाई रोड, कलकता-16

नारी**स**ः 8-4-1983

मोहर 🗓

प्ररूप **आह**ै.टी.एन.एस, ------

भायक। अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- भ (1) के अभीन समना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण) अर्जन रंज, कलकत्ता

कलकता, विनांक 8 अप्रेल 1983

रफे. नं. 1264/एसीक्य. बार-।।।/83-84---यतः मझे. सि. रोखामा. अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परंचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित नाजार मृत्य 25,000/- रह. से मिक है

और जिसकी मं. 40-बी है, तथा जो जित्तरनजन एमिन, कलकता में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनसची में और पुर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में , रजिस्ट्रीकरण अधिनियम , 1908 (1908) का 16) के अधीन, तारीस 28-8-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिस की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुनो क्त संपरित का उपित नाजार मूल्य, उसके रूपयमान प्रतिफल से, ऐसे व्यथमान प्रतिफल का यन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-फाल निम्नलिखित उद्यक्षेत्रय से अक्त अन्तरण लिखित में बास्तीयक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाग की नावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाबित्य में कभी करने या उससे अधने में सविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर जीधनियम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट महीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अन्सरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

श्रीमतो ओतिरमयी दास।

(अन्तरक)

श्रीमती रहाना सिदिदक.

(अन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पर्वाक्ति सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यबाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इत सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर समनाकी तामिल से 30 दिन की भविभ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत क्यों क्तायों में से किसी क्यक्ति बुवारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाविर सम्भारत में हितवद्य किसी अन्य व्यक्ति ववारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिबित में किए वा सकेंगे।

लक्कीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

40-बी. चित्तरनजन एमिन, कलकत्ता। 4के-5सीएच-20 एसक्य एफटी. जिमन साथ मकान। (1/2) शेयार)।

> सि रोखामा सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण). अर्जन रेज-111, 54, रफीअहमद किंदबार्ड रोड, कलकता-16

हारीब: 8-4-1983

मोत्रर :

शरूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के बधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 अप्रैल 1983

रफे. नं. 1265/एसीक्यू. आर-।।।/83-84---यतः मुझे, सि. रोखामा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रा. से अभिक ही और जिसकी सं. 40-बी है, तथा जो चित्तरन्जन् एमिन्, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबरध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16) के अधीन, तारीख 28-8-1982 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफंल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचितं बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-

रिती (अन्तरिक्तिमों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्दर्शय सं उक्त अन्तरण लिखित

में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय काँ बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलि**वित व्यक्तियों, अर्थात्**ः— 1. श्रीमती जोतिरमयी दास।

(अन्तस्क)

2 - श्रीमती माध्लिका सानडोलउयाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

40-बी, चित्तरन्जन् एमिन्, कलकता। 4के-5सीएच-20 एसक्यू.एफटी. जमिन साथ मकान। (1/2 शेवार)।

> सि. रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-१११, 54, रफीअहमद किदधाई रोड, कलकसा-16

तारीख : 8-4-1983

प्ररूप भाइ^र.टी.एन.एस.-----

आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

काश्रीलय, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 अप्रैल 1983

रफ. नं. 1266/एसीक्यू. आर-।।।/83-84--यस: मुझे, सि. रांखामा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

कांगकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियमं' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकीरी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मुल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं 40-सी है, तथा जो चित्तरन्जन् एमिन्, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन, तारीख 28-8-1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई कि जी जाब की बाबत, उक्त जीभनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्व में कनी करने वा उसते बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, स्त्रिपान में सुत्रिधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् ध---9—56 GI/83

1. श्रीमती रनुरेखाडें।

(अन्तरक)

2. श्री राजिभ खान्डलेखयाल।

(अन्तरिती)

कर्म यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन में भीतर उच्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्तियाँ द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सक्तें।

स्यष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्थ होगा जो उस अध्याय में दिखा गया है।

नन्स्ची

40-सी, चित्तरन्जन् एमिन्, कलकत्ता 4के-5सीएच-20 एसक्यू.एफटी. जिमन साथ मळान। (1/2 शेयार)।

सिः रासामा एक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज-।।।, 54, रफीअहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 8-4-1983

प्ररूप आई'.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 अप्रैल 1983

रोफ. नं. 1267/एसीक्यू. आर-।।।/83-84--यत: मुझे, सि. रोखामा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- ६० से अधिक है

और जिसकी सं. 40-सी है, तथा जो चित्तरन्जन् एमिन, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16) के अधीन, तारीख 28-8-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की 'गई है और मुफो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एेसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन अर दोने को अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुदिधा के लिए; और/या
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, खिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए को अनुसरण्ड मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) को अधीन, जिम्मिलिसित व्यक्तितयों, अर्थात !--- 1. श्रीमती रन् रेखा डे।

(अन्तरक)

2. श्रीमती आमिना सिद्दिक

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कांई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मुचना की तामील से 30 दिन की श्विष. तो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाग;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

40-सी, चित्तरन्जन् एमिनु, कलकत्ता 4 के-5सी एच-10 एसक्यु एफटी जिमन साथ मकान। (1/2 शेयार)।

सि. रोखामा
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-।।।,
54, रफीअहमद किंदवार्ड रोड,
कलकता-16

तारीख: 8-4-1983

प्ररूप धाई • टी • एन • इस •—

ग्रायकर मिविनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भाषुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 8 अर्प्रैल 1983

रफ. नं. 1268/ए. सी. क्यू. आर.-111/83-84-यतः मुक्ते, सि. रोखामा,
धायक्तर प्रश्नितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्ने इसके,
पम्चात् 'उन्त प्रश्नितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम अधिकारों की, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थातर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द॰ से
धिका है

और जिसकी सं. 52-ए. हैं तथा जो सम्भूनाथ पन्डित स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पृण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-8-1982

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रीक्ष-नियम के श्रशीन कर देने के श्रम्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। शौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तिओं को, जिन्हें भारतीय णायकर श्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन कर श्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनामें अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री दलिए दस, विख्बनाथ भौधुरी ।
- (अन्तरक)
- 2 श्रीमती हम हिगोंरानी

(अन्तिरती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीका सम्पक्ति के सर्वेत के लिए कार्यवाहियों करता है।

उदर सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की प्रविधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की नारीक्ष से 45 दिन के भीतर उनत स्थानर सम्पत्ति में हितनद किसी ग्रस्य स्थानत द्वारा, ग्राधोहस्ताक्षण के पास शिक्षित में किए जा समेंगे।

स्पष्ठीकरण: ---इसने प्रयुक्त गन्दों भीर पद्धे का, जा अन्त सिधिनयम के आध्याय 20-व में परिभाषित है, नहीं अर्थ होता, जो ना अध्याद ने दिय गया है।

अनुसुची

52-ए., सम्भूनाथ पन्डिंत स्ट्रीट, कलकत्ता, 12.22के-जमीन साथ मकान ($\frac{1}{2}$ श्रोयार)।

सि. रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।। 54, रफीअहमच किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 8-4-1983

मांहर :

प्ररूप् **आइ². टी. एन. एस.----**-

बायक द्व विभिन्निम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन क्षाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीसण) अर्जन रौज, कलकत्सा

कलकत्ता, दिनांक 8 अप्रैल 1983

रफ. नं. 1269/ए. सी. क्यू. आर.-।।/83-84---का: मुझे, सि. राखामा,

प्रायकर प्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकन सिविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रजीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाय करने का कारण है कि स्वायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- ए॰ से सिक है

अर्हर जिसकी सं. 52 ए. है सथा जो सम्भुनाथ पिछ्त स्ट्रीट, कलकता मों स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मो और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता मों, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, तारीस 14-8-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति क उचित बाजार मूरुय से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरिन की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूरुय, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पख्त प्रतिशत से प्रधिक है घौर प्रतरक (अन्तरकों) घौर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीन ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्तरण निम्वत में वास्तिबकं इस से कथिन नहीं किया गया है: — -

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत जनत प्रक्षि-वियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या जससे बचने में भ्रविभा के लिए। भौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रक्रितियम, या अनकर प्रक्रितियम, या अनकर प्रक्रितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपान में सुविधा के शिए।

अतः अव, उक्त अभिनियम् की भारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) को अभीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री दिलिप दस, विश्वनाथ चौध्री
- (अन्तरक)
- 2. श्रीमती निरमला वेवी पन

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित को क्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवित या तस्सम्बन्धी ज्यक्तियों पर सूचना को तामील से 50 दिन की श्रवित्र खो भी भवित्र वादमें समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्द्र स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

52-ए., सम्भुनाथ पन्छित स्ट्रीट, कलकत्ता। 12.22-के जमीन साथ मकान (शेयर) ।

> सि. रोलामा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।। 54, रफीअहमद किववाई रोड, केलकत्ता-16

तारीब : 8-4-1983

मोहर

प्रकर धाई । टी । एन । एस --

आयकर प्रविचित्रमः 1961 (1961 का 43) की घारा 269न (1) के घंधीन सुचना

भारत बहुकाङ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 8 अप्रैल 1983

निविधानं. 1270/ए. सी. क्यू. आर.-।।।/83-84---यतः मुझे, सि. रोहामा,

धायकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उकत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269क्ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

और जिसकी सं. 95 है तथा जो नेताजी सुभाष चन्द्र बोस रोड, कलकत्ता में स्थित हैं (और इससे उपाद्यव्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-8-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित शाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रसाह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

- (त) अन्तरण से तुर्ध किसी आय की बाबत, बक्त प्रश्नित्यम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के जिए; पौर/या
- (च) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या मन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृष्ट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित-व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती सावित्री देवी और दूसरा

(अन्तरक)

2. श्री हमादा प्रसाद मुखर्जी और दूसरा

(अन्तिरती)

की यह सूचना अारी करके पूर्वोक्न सम्माल के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी क्यक्तियों पर
 सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, को भी
 भवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 क्यक्तियों में से किसी क्यकिन दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इंसमें प्रश्नुका जरूरों और पदों का, जो इक्त अधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा को छल अध्याय में दिया बखा है।

अनुसूची

95, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस रोड, कलकत्ता। 11 के.-जमीन साथ मकान।

> सि. रांखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।। 54, रफीअहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

. तारील : 8-4-1983

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 8 अप्रैल 1983

रौफ. नं. 1271/ए. सी. क्यू. आर.-।।।/83-84---यतः मुझे, सि. रोक्षामा,

मायकर अधिनिम्म, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं. है तथा जो मौजा श्रकुरिया, जिला-24 परंगना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय आलिपूर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-8-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

मतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप्धारा (1) के अधीन निम्निसिंबत व्यक्तियों, मुर्थातः

1. श्रीमती रतना सिन्हा

(अन्तरक)

2 श्री पुलक कुमार भौमिक

(अन्तरिती)

का यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पृति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रभूचत शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

अनुसूची

मौजा ठाकुरिया, जिला-24 परगना, 3 के-1 सी. एच .-35 स्केयर जमीन।

सि. रोलामा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।। 54, रफीअहमद किंदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारील : 8-4-1983

मोहर

प्ररूप बाइ. डी. एन. एख.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 अप्रैल 1983

निदंश नं. 1272/अर्जन रिंज-।।/83-84---यतः मुक्ते, सि. रोरबामा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. 40-ए हैं तथा जो चित्तरन तन एवन्यू, कलकत्ता में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और, पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-8-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गुई हैं और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण

- (क) जन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उपल द्रिंगियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के साबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (हा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) और जिल्ला अन्तियों द्वारा प्राप्त नहीं किया गया था या किया जाना चाहियें था, छिपाने में मिजधा के लिए;

1. श्रीमती रेनु रेखा दे।

(अन्तरक)

2. श्री आरसाद जामाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करकं पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

40-ए, चित्तरजन एवन्यू, कलकत्ता 11के--11 इंच--40 वर्ग फुट जमीन साथ मकान। (1/3 शेयर)

सि. रारेबामा सक्षम प्राधिकारी सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।।

54, रफीअहमद किदवाई रोड.
कलकत्ता-1

बत: तव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में., में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

तारीख : 8-4-1983

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एत॰--

आयस्य अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के मधीन सुपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर धायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, कलकता

कलकत्ता, दिनांक 8 अप्रैल 1983

निविश नं. 1273/अर्जन रंज-।।/83-84---यतः म्रुके, सि. रोरबामा,

नायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निर्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य, 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. है तथा जो मीजा ढाक रिया, जिला 24 परगना स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और, पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आलिपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908, (1908 का

16) के अधीन, तारीख 3-8-1982
को पूर्वांक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यकान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विद्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निक्निलित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से क्ष्म किसी बाव की बावत अवस अधि-निवस में अधीन कर दोने के अन्तरक के बाजित्य में कनी करने वा असते बचने में तृतिभा के सिए; और/वा
- (च) एसी किसी बाब वा किसी धन या अन्य आस्तिओं को, जिन्हें भारतीय जावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रक्रोबनार्थ जन्दिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विका के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, औं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्रीमती शिवानी सिन्ही ।

(अन्तरक)

2. पथिक रनजन भौमिक।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

जनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 वित की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशरा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकती।

स्वव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा ओ उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मौषा--ढाकुरिया। षिला--24--परगना। 3के--2 इंच--24 वर्ग फूट जमीन ।

> सि. रोरबामा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।। 54, रफीअहमद कियवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 8-4-1983

प्ररूप काइं.टी. एन. एस. -----

आयक**र भविनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-व (1) के भवीन सूच**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रिंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 अप्रैल 1983

निद्येश नं. 1274/अर्जन रंज-।।।/83-84--यतः म्फे, सि. रोरबामा,

भागकर लिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं है तथा जो मौजा सनताशप्र, जिला-24 परगना स्थित है (और इससे उपाक्षव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-8-1982

को पृत्रों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में बास्ति क रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्तत जीधीनयम, के बधीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कामी करने या उससे नचने में सुविधा के लिए: अपि./या
- (का) ध्रेसी किसी भाय या किसी भन या जन्य बास्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अत: अय, उक्त अधिनियम की भाषा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भाषा 269-म की उपभारा (1) के अधीन जिस्मितिकित व्यक्तियों, अभीत् र्याचीन की अधीन जिस्मितिकितिकारियां

1. श्रीजद्वाल दत्त

(अन्तरक)

श्री अरान कामार यसाक।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी कर के पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी की 45 दिन की ज़ब्बी भा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाइं लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

मौजा--सनतोक्षपुर। जिला--24 परगना। 3के--2 इंच--जमिन।

> सि रोरवामा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।। 54, रफीअहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीस : 8-4-1983

प्र**क**प आद्द^र,टी. एस. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्थना

आरत सरकार

कार्यालय, महायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अजींग रॉज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 अप्रैल 1983

निदंश नं. 1275/अर्जन रॉज-111/83-84--यतः मुक्ते, सि. रोज्वामा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार, 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-म के शधीन मक्ष्य प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, 'जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. है तथा जो मौजा सनतोशपूर, जिला-24 परंपना स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और, पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16) के अधीन, तारीस 19-8-1982

का पृष्टित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारणहै कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अंत्रकों) कोर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का नम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य मं कथिस नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी अब की वाबस, उक्त स्पिनियम के अधीत कर देने के अन्तरक क काबिस्थ में कमी कल्ते या उससे क्वने में मुक्तिभा से जिए; मारि/या
- (१) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्थियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में स्विधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाष्ट्र— 1. श्रीमती ऊषा रानी और दासरा।

(अन्तरक)

2. श्रीएम. पैतरा।

(अत्यरिती)

को यह स्थाना जारी करके प्याँकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के वर्जन के संवंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्वस्थीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मौजा--सनतोष्ठपुर। जिला--24 परगना। 7के--जिमन। दलल सं. 7291।

> सि. रोरबासा सक्षम प्राधिकारी स**हायक** आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।। 54, रफोअहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीब : 8-4-1983

मोहरः •

प्ररूप ऑहरें.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जान रंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 अप्रैल 1983

निक्रेश नं. 1276/अर्जन रॉज-।।।/83-84--यतः मुभ्हे, सि. रोखामा, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रः. से अधिक हैं है तथा जो मौजा सनतोशपुर, जिला-24 परणजा स्थित है (और इससे उपानद्ध अनुस्ची में और, पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिष्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-8-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गुई है और मुभे यह विश्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से.अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ए'से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसते अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोप-नार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 श्रीमती उत्त्वा रानी घोष।

(अन्तरक)

श्री मनजुरी कापुर,
 वीना कापुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मौजा--सनतोषप्र। जिला--24 परनेना। 3के--2 इच--जिमन। 7के-जिमन। दलल सं. 7289।

> सि. रोरबामा सक्षम प्राधिकारी सहायकं आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-111' 54, रफीअहमद किंदवाई रोड, कलकत्ता-16

नारी**ख** : 3-4-1983

प्ररूप बाइ . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 8 अप्रैल 1983

निद^{क्ष}शं सं. 1277/एक्वी आर-।।।/83-84---यतः मुक्ते, सि. रोखामा,

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सर्क्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं है। तथा जो मौजानिमक पकटान, जिला-24 परगना में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूषी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख 19-8-1982

को प्रशेषित सम्परित के उिचत बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्का, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से किथत नहीं किया ग्या है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्ट अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वाियत्त्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अभ, उक्त मुभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ड—— 1. श्री दिलिप कुमार घोष और दूसरा

(अन्तरक)

2. इंडनिटि मेटाल काफ्ट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति संपत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र 🖫

- (क) इस सूचना के प्रावपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर स्थानतयों में से किसी स्थानत द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पध्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, मही अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मौजा-निमकपटान, जिला-24 परगना 7 के-जिमन, दलल सं. 7290

> सि. रोसामा सक्षम प्राधिकारी स**हायक भायकर श्रायुक्त (**निरीक्षण), अर्जन र्जज-।।।, 54, रफीअहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 8-4-1983

प्रकप बाई • ही • एन • एस •---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक भागकर भागकत (निरीक्षण)

अर्जन रंज, कलकत्ता कलकत्ता दिनांक 8 अप्रैल 1983

निद[े]श सं. 1278/एक्वी आर-।।।/83-84---यतः मुक्ते, सि. रोखामा,

आगुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है, की धारा 269- स के अधीन स्थाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

अरि जिसकी सं 1और 2 हैं। तथा जो रसा रोड साउथ फास्ट लेन, कलकत्ता स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का

16) के अधीन, तारीख 21-8-1982 को पूर्वोक्त संपति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरिस की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंतृह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल कित निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तुरणे त' हुइ किसी नाय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे वचने में सूनिया के लिए; सौर/वा
- (क) ऐसी किसी जाम या किसी धन या जन्य अस्तियों का, जिन्हें भारतीय जामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उकत अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसूरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री सुधीर कुमार भोश और दुसरो

(अन्सरक)

2. एसांसियंटेड पिगमेन्टस लि.

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपर्तित के अर्थन के निष् एतब्ब्बारा कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की वारी के से 45 बिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीश से 30 बिन की धविध, जो मी धविध बाद में समाप्त होती हो, के बीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद किसी सम्य व्यक्ति द्वारा, शबोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरणः इसमें प्रयुक्त गर्क्यां और पदों का को छक्त श्रिष्ठितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याप में दिया गया है।

अनुसूची

1 और 2, रसा रोड साउथ फस्ट लेन, कलकत्ता, 2 के. 8 छः। जमीन साथ मकान ।

> सि रोलामा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।।, 54, रफीअहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारील : 8-4-1983

अस्य कार्च . टा. एवं . एम . -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

षारा 269-५ (1) कं अबीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, कलकत्ता कलकता दिनांक 8 अप्रैल 1983

निर्दोश सं. 1279/एक्वी आर-।।।/83-84--यतः मुफ्ते, सि. रोखामा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) कि धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह निरमस करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. 12/1 वी हैं। तथा जो शामिर लेन, कल-कत्ता स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कायालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-8-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में क्या के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमित मनोरमा चौधरी और दूसरो

(अन्तरक)

2. वेबि दत्त

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस हं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ एर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनयम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया म्बा हैं।

अनुसूची

12/1 वी, जामिर लेन, कलकत्ता 5 के जमीन साथ मकान ।

सि. रोखामा सक्षम प्राधिकारी **सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)** अर्जन र्रज-।।।, 54,ारफीअहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीब : 8-4-1983

प्रकृप बाहें. टी. वृत्. एत .----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 8 अप्रैल 1983

निद^{*}श सं. 1280/एक्वी आर-।।/83-84---यतः मुक्ते, सि. रोखामा,

बायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. 5/सी हैं। तथा जो होसामरोड, कलकत्ता मं सिथत हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-8-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया क्या है:--

- (क) वन्तरण से हुई किसी बाब की बावत उक्त बीध-रिवस के बधीन कर दोने के बन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/मा
- (स्) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर रिशियम, 105, (1657 हा 27) श्रे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:——

1. श्री अशोक कमार मरकार

(अन्तरक)

2. भगवान महादीर चारि टेवन दास

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहिए कार्या :

उनत सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्कार के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की जबीध का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जांभी अविधि बाद में समान्त होती हों, की भीतर पूर्वेदिस व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्यारा, अशोहस्ताक्षरी के पाए निकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनतः अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गमा हैं।

अन्सूची

5/सी, हुसाम रोड, कलकत्ता । 14 के-8 सीएच-43 एसक्य एफटी जीमन साथ मकान।

सि. रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।।, 54, रफीअहमद किंदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 8-4-1983

मोहरू ह

प्ररूप मार्च. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, कलकृत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 अप्रैल 1983

निव^कश सं. 1281/एक्बी आर-।।।/83-84--यतः मुफ्ते, सि. रोखामा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 18-ए हैं तथा जो गुरु सक्ष्य रोड, कल-कत्ता में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16) के अधीन, तारीख 6-8-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास वरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आर्ध-गियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अरि/शः
- (श) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वार्ग प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब् उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निमन्तिस्त व्यक्तियों, अर्थातः

- 1. इन्डियन इनडस्ट्रीयल ट्रोडर्स और डिलर्स लि. (अन्तरक)
- 2. पांच मुखी इनभेस्टमेन्ट और ट्रंडिं, को. लि. (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यव्यक्तिरण ह—इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होंगा जी उस अभ्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

408 1 स्कः मा. 18 ए, गुरू सदय रोड, कलकसा। जमिन साथ मकान स्थित।

> सि. रोलामा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), 54, रफो अहमद किववाई रोड, अर्जन रोज-।।।, कलकता-16

ता्रीख: 8-4-1983

प्ररूप बाई• टी• एन• एस•-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, **सहा**यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, प्ना-411004

पूना-411004, विनांक 31 मार्च 1983

निवां श सं. सि ए 5/832 एस आर/मावल/82-83-यतः मुक्ते, शशिकांत कुलकणीं,
आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधितिषम' कहा गया है) की घारा 269-ख
के अधीम सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थातर सम्पत्ति, जिसका उचिन वाजार मूल्य 25,000/इपये से अधिक है
और जिसकी सं. गट नं. 267 हिस्सा नं. ''डी'' कुसगांव खुदं
तालुका मावलहाँ तथा जो पूना जिला में स्थित है (और
इससे उपाबवध अनुसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),

आर जिसका सं गटन 267 हिस्सान डा कुस्पाव खुद तालुका मावलह तथा जो पूना जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुद्धम निवंधक मावल में, रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया अतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उसत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रश्नरण ये हुई किसी भाष की बाबत, उक्त अधि-नियम के भ्राचीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिक में कपी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (व) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम; या धन-कर अधिनियम; या धन-कर अधिनियम; 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध्र---

- 1. श्री पी. एन. चारेडिया (2) श्री वी. के. भारेने (3) श्री पी. एफ भंडारी (4) श्री व्ही एम. मुथा कामजेत, सासुका-मानस जिला-पूना (अन्तरक)
- 2 · 1 · एस · एम · जिरायती (2) श्री ए · एम · जिरायती (3) श्रीमती सी · एम · जिरायती (4) श्रीमती एन · आइ · जिरायती हाउन्ह नं 95 वार्ड जी लोणायला लालुका-मावल जिला पूना । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

खनन सम्बत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप !--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितन के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्तरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीक रणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उत्कत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गट नं. 267 हिस्सा नं. ''डी'' कुसगांत्र खुर्व, तालूका मावल जिला पना ।

जिसका क्षेत्र 1 है ./62 आर है (जैसा की रिजस्ट्रीफूत विलेख क. 1418 तारील अगस्त 82 को दुय्यम निबंधक मावल के क्षेत्रर में लिखा है)।

शशिकांत कुलकणीं सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, पुना-411004

तारी**च** : 31-3-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, पुना-411004

पुनाा-411004, दिनांक 26 मार्च 1983

निदर्शि सं. सि ए 5/824 एस आर माबल/82-83---यतः मभ्ने, शशिकांश क लक्षणीं,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा .269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य .25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्व नं. 166, व्हीलेज कारला, तालूका माबल, है। तथा जो जिला पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय दुयम निबंधक मावल में, रिज-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित दाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :----

- 1 श्री मोहमद गाउत्स हुँसेन साब आयंशान्हीला अमरहाडी बाम्बे-पूना राष्ट्र, लीणावला, जिला, पूना
- 2. श्री राज शान्त्रानी, 503, शरद चम्बर्स, न्यू मरीन लाईन्स, बाम्बे-400020।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

सर्वे नं 166, व्हिलेज कारला तालुका भावल जिला पूना क्षेत्र 3 है 05 आर.।

(जैसे की रिजिस्ट्रीकृत विलेख क. 1396 जो अगस्त 82 को बुप्यम निबंधक मावल के दफ्तर में लिखा है)।

शशिकांत क्लकणी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त अयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पूना-411004

तारीख : 26-3-1983

प्रकप बाई॰ टी॰ एव॰ एत॰---

भायकर **भविषयम, 1961 (1961** का 43) की **भारा 269-म (1)** के **भगी**न सुबना.

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, पूना-411004

पुना-411004, दिनांक 25 मार्च 1983

निवर्षेष सं. सि ए 5/87 37 ई ई/82-83--यतः मुक्ते, शक्षिकात कुलकणी,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की छारा 269-ख के ध्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का धारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- बपये से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैंट नं. 211 क्षेत्र, 365 स्क. फी. महोन्द्र पैलेस प्लाट नं. 47/48 सं. नं. 4-5-6-7 नवघर गांध वसई ता. वसई जि. ठाणा है। तथा जो जिला ठाणा में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिज-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पूना में रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-7-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित को गई है और मुझे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित्री (अन्तरित्रों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ह्य पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तयिक अप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत अन्त प्रधिनियम के प्रधीत कर वने के प्रकारक के दायिस्त्र में अभी करत या उससे बचने में सुविधा के लिए ओर्थ्या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रत्य जास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) प्या उपत प्रधिनियम, वा बन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजवायं जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, जिपाने में सुविधा के निए;

अतः वनः वन्तः विश्वतः विश्वितयमः की धारा 269-गं के बनुसरण में, में, सन्त सश्चितियम की धारा 269-व की उपवारा (1) के अवीतः निम्त्रसिन्दिर स्थितसर्थे अर्थात्।—

- मै विश्वकर्मा बिल्डर्स महोन्द्र पलेस विश्वकर्मा निवास स्टोशन रोड वसई (वेस्ट) जि. छणा ।
- (अन्तरक)
 2 श्री रामचंद घाँडीबा मस्तुड कपाडिया पारसीवाडी
 घाटकापर, बम्बई 86

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्स संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी पासेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी स्पक्ति हारा;
- (स) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की ताराक से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्न-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त गव्दों और वदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिवाधित हैं, वही धर्य होगा जो उस अध्याय में दियापूँ गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं. 211 क्षेत्र 365 स्को फीट महोन्द्र पैलेस प्लाट नं. 47/48-सः नं. 4-5-6-7 नवघर गांव सा. वसई जिला ठाणा।

जिसे कि रिजस्ट्रीकृत नम्बर 109 ता 27-9-1982 को सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज पूना के दफ्तर में लिखा है।

शशिकात के लकणी सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, पूना-411004

तारीब : 25-3-1983

प्ररूप बाह⁴.टी..एन<u>..</u>एस

अाय्कर म्मिन्य्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयुकर आयुक्त (निर्देक्षण्)

अर्जन राज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 अप्रैल 1983

िनद[ा]श नं. ए. पी. न. 4241⊶–यतः मुक्ते, जं. एल्. गिरधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मिस, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

आरे जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो भिटन्डा में स्थित है (और इससे उपावव्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भिटन्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1982

को प्वेंक्ति संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त संपरित का उजित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का धन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने वा उक्से क्यने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या न्यान्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण मों, मों उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाराः (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध--- श्री चनन सिंह पृत्र बुढा सिंह वासी महेना चौंक भटिन्छ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती स्विष्ट लता परनी जगदीश राय सिंगला तल-वृंडी भाई 2. शीला देवी परनी मुन्ना लाल मित्तल जेतु मण्डी 3. शशी बाला पृत्र कृष्ण लाल, समां मण्डी ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि न. 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूपि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अभोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितब्रद्भ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सुजना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-बद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा धन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्ष-नियम के भड़्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अड्याय में दिया गया है।

मनसची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न . 4030 दिनांक अगस्त 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिन्छा ने लिखा

> जं. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

तारांख: 11-4-1983

मोहर 🛭

प्ररूप आहें, टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घं (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, पूना-411004

पुना-411004, दिनांक 31 मार्च 1983

निद[ा]श सं. सि. ए. 5/830/एस आर/मावल/82-83---यतः मुफ्ते, शशिकांत कुलकर्णी,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रहः से अधिक है

आर जिसकी सं मौजे लण्डाले सर्वे नं 176/1 और 176/2 प्लाट नं 2 ही तथा जो तालुका मावल जिला पूना में स्थित हैं, और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वृष्यम निबंधक मावल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक हैं और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्द्श्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

 श्री सुबोध महादेव खण्डेलवाल लोणावला, तालुका मावल जिला पुना। (अन्तरक)

 1. श्रीमती बिंदू व्ही मवान, ए/3, जीतनगर, मुंबई-400061 (2) कुमारी सावित्री बी कपूर, 162, जी. रतनमहल सोयन, मुंबई। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुखी

मीजे खण्डाला, सः नं 176/1 और 176/2, प्लाट नं 2, सालुका मानल जिला पूना-क्षेत्र 1210 स्कर्ने यार्ड। (जीसे की रिजिस्ट्रीकृत निलेख क. 723 जो अगस्त 82 को दुप्यम निकंधक माधल के वफतर में लिखा है)।

शशिकात कुलकणीं सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन र^रज, पूना-411004

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः——

नारीय : 31-3-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, 60/61 एरंडवना, कर्वे रांड, एना-411004

पूना-411004, दिनांक 25 मार्च 1983

निदर्भेश सं. सि ए 5/88-37इइ/82-83-- यतः मुक्तं, शशिकांत कृतकणीं,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 र- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैंट नं. 210 क्षेत्र, 360 स्के. फीट महोन्द्र पैलेस प्लाट नं. 47/47 स नं. 4, 5, 6, 7 नवधार गांव तह. बसई जि. ठोणा हो तथा जो जिला ठोणा में स्थित हो (और इसमें उपावव्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हो), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-9-1982 नं. 110

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वारा करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपजित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल में, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गैया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसर्ण में, मी, उसत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 मे विश्वकर्मा बिल्डर्स महोन्द्र पैलेस विश्वकर्मा निवास स्टेशन रोड बसई (वेस्ट) जिला अणा।

(अन्तरक)

 श्री गोविन्द पांडुरंग वोबडे कारवाडी बी. जे. रोड माहीम बम्बई -10 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

उक्त संम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थानार संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

प्लैट नं. 210 क्षेत्र 360 स्के. कीट महोन्द्र पैलंस नं. 47/48 सं. नं. 4, 5, 6, 7 नवधर गांव तह. बसई जि. अणा। (जैसे कि रिजिस्ट्रीकृत नम्बर् 110 ता. 27-9-82 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज पूना के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकात कुलकणी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, पुना

तारील : 25-3-1983

प्रकृप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के मधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्जेज,

कवे रोड, प्ना-411004

पुना-411004, दिनांक 8 अप्रैल 1983

निदंशि सं. सि ए 5/2/एस आर/हवेली/82-83---यतः भृक्षो, शशिकांत कलकणीं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्स्य

25,000/- रहः में अधिक हैं और जिसकी सं अपार्ट मेन्ट, अर्ड जिसकी सं अपार्ट मेन्ट, उ58/1ए, शनीवार पेठ, हैं तथा जो पूना में स्थित हैं (और इससे उपाब्द्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक हवेली में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अगस्त 1982

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देनें के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूबिशा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धृन-कर अधिनियम, या धृन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः, अतः, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- श्री धनंजय मल्हार ठेकण,
 358/1ए शनीनार पठ, पूना।

(अन्तरक)

 श्रीमती पार्वतीबाई एस ओसवाल 359, शनीवार पंठ, पूना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 15 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किंसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति इंबारा अधोहस्ताक्षरी के शस रिस्मित में किए जा सक्तेंगे।

स्थल्डिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया एया है।

अनुसूची

मल्हार अपार्ट मेन्ट नं एस-3, 358/1ए, शनीवार पेठ, पूना, जिसका क्षेत्र 97 स्कत्रे फीट है। (जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख क. 3487 तारील अगस्त 82 को द्यम निबंधक हवेली पूना के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकांत क्लकणी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन'रॉज, पूना

तागीस : 8-4-1983

मोहर ∄

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज, 60/61 एरंडवना, कर्वे राड, पुना-411004

पूना, दिनांक 31 मार्च 1983

निवर्ष्य सं. सि. ए. 5/828/एस आर मावल/82-83— यतः मुक्ते शशिकांत कुलकणी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं मौजे खंडाला, सं नं 176/1 बी और 176/2 प्लाट नं 4 है तथा जो तालुका मावल जिला पूना में स्थित है (और इससे उपाबक्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निवंधक मावल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः, अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

 श्री सुबाभ महादाव बण्डालवाल, लेणावला तालुका मावल, जिला प्ता।

(अन्सरक)

- 2. (1) श्री ओमप्रकाश फकीरचंद मारवा 181, सायन (बेस्ट)
 - (2) कुलवंतकार सुरिन्द्रसिंग बिंदा, 101 विक्रम अपार्टमेंट जानकी कुट्रीर जुहू मुंबई-49। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी अक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के सामपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त कब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मौजे खण्डाला, स. नं. 176/1वी और 176/2, प्लाट नं. 4, तालुका मावल जिला-पूना। क्षेत्र-16.86 स्कवे. याड (जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क. 724 जो अगस्त 82 को दुय्यम निबंधक मावल के दफ्तर में लिखा हैं)।

शशिकांत क्लकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^नज, पूना

सारी**व** : 31-3-1983

माह्यु 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कर्जे रोड, चौक पूना-411004

पूना-411004, दिनांक अप्रैल 1983

निर्दोश सं. सि ए 5/3 एस आर हवेली/82-83--यतः मुक्ते, शशिकांत कालकणीं,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु: से अधिक है

और जिसकी सं सर्वों नं 66 मकान नं 6 खडकवासला, तालुका हवेली है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निबंधक हवेली । में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क्क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीम निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---12---56GI/83

- 1. (1) शाहजी बाबुराव मले
 - (2) महोश शाहजी मले
 - (3) उमेश शाहजी मले
 - (4) कुमारी वैशाली शाहजी मले
 - (5) निलंश शाहजी मले सडकवासला, तालुका हवेली जिला पूना।

(अन्तरक)

चिफ प्रमोटर
 श्री एच . एस . पटोल
 नंदनवन सहकारी कृषि फलोत्पादक संस्था (नियोजित)
 501, रास्ता पठ, पूना-11।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थहांगा. जे उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

भूमि संख्या सर्वो नं 66 हिस्सा नं 6 खडकवासला तालुका हवेली जिला-पूना। (जिलाका क्षेत्र 1 हौक्टोयर 23 आर हौ।) (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख का 4140, जो अगस्त 72 को बुय्यम जिबंधक हवेली। पूना के दफ्तर में लिखा हौ)।

> शशिकांत कुलकणीं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, पूना

तारीस : 8-4-1983

मोहरः

प्रकप बाइ . टी . एन . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्रेज, 60/61 एरंडवना, कवे^क रोड, पूना-411004

पूना, दिनांक 5 अप्रैल 1983

निवर्षेश सं. सि ए 5/1/एस आर हवेली/83-84--यतः मुभ्ने, श्रीशकांत क्लकर्णी, **आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)** इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निरुवास करने का कारण है कि स्थातर सम्पत्ति शिम्का उचित स्वतंत्र मन्य 25,000/- रत. से अधिक है और जिसकी सं प्लाट नं 55-ए सि टी एस नं 3647, सर्वें नं. 599ए, मुंजेरी पूना सिटी है तथा जो∗जिला पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, द्यम निबंधक हवेली-।। पूना में रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1982 को पुर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिफास के लिए अन्तरित की गई है और मफे यह दिश्यास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके धरयमान प्रतिफल से ऐसे धरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्मलिक्कित उद्योग्य से उक्त अन्तरण सिकित में वास्त्रिक रूप से क्रिथित नहीं किया गया 📽 :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 43 धनकर नियम, 43 धनकर नियम, 43 धनकर नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ जन्दिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना थाहिए जा छिपाने में सुनिधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्यरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सभीन, निम्निण्**तित व्यक्तियों, अर्था**त्:——

- 1. कर्नल राव अधरपुराप वर्षा नरसिंह 10-र्जा दिलक्षुश गार्ड नस्न्लखनों-22002/6/1 । (अन्तरक)
- श्रीमती गोपाल दोनी चावला, मेसर्स नृटोक बिल्डर्स, भागीदार ए-4, पार्क व्हयु अपार्टमेंटस् सलीसबरी पार्क पूना-।।

(अन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूजाँक्य सम्पत्ति को वर्जन को सिए कार्यवाहियां करता हुं।

अजन समानि के पर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 प्रवन को अवधि का करमंबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभूसूची

प्लाट नं. 5 एए सि. टी. एस. नं. 3647 सर्वों नं. 599ए। मुजरी पूना सिटी तालुका पूना सिटी जिला-पूना। जिसका क्षेत्र 511.5 स्क्वे मीटर (जैसे की रजिस्ट्रीकृत निलेख क. 5031 अगस्त 82 को दुय्यम निबंधक हवेली।। पूना के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकांत क्रुलकणीं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रुष, पूना

तारीख : 5-4-1983

प्ररूप आर्च. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेख, कर्के रोड, पूना-411004

पूना, विनांक 11 अप्रैल 1983

निवर्षा सं सि ए 5/4 एस आर हवेली । 1/82-83—यतः मुभे, शशिकांत कृलकणीं,

प्रायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का स्नारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/-रा संअधिक है

और जिसकी सं सि. सर्वे नं 929 दौर 933, सदाशिव पंठ, है तथा जो पूना-30 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक हवेली-11 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिचित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबता, उकत अधिनियम के अधीन कर बेने के जन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे कंचने में सुविधा के चिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छियाने में सुविधा के निए;

मतः मन, उन्त मधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1), के अभीन, निम्निनृतिक व्यक्तियों, अर्थात् उन्न

- 1. (1) श्री कृष्णाजी महादेव भाटवडेकर
 - (2) श्री मंधुकर महादेव भाटवडेकर 929, संवाधिव पठ, पुना-30।

(अन्तरक)

2 मेसर्स, महालसा नारायणी सह-गृह-रचना संस्था मर्यादित 929, सर्वाशिव पठ, पूना-30 अध्यक्ष- श्री अरुण दत्तामय चौधुले।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

वक्त क्यित् में मुर्चन के क्यार में खोड़ों भी आक्षेत्र-

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी कर्ने क्रिक्त में प्रकाशन की तारी कर्ने क्रिक्त में पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्रिक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्रोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरें।

स्पष्डीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं दर्ध होगा, जो उस अध्याय में विवा गया है।

अनुसूची

भूमि क. सिटी सर्वों नं. 929 जिसका क्षेत्र 182.3 स्कर्षे. मीटर है। सिटी सर्वों नं. 933 जिसका क्षेत्र 37.6, स्कर्षे. मीटर है, सदाधिव पेठ, पूना-30। (जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क. 5592 अगस्त 82 को बुप्यम निबंधक हवेली ।। पूना के दफ्तर में लिखा है।

> शशिकांत कुलकणीं सक्ष्म प्राधिकारीं सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पुना

तारी**स** ः 11-4-1983

माहर:

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्धालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, 60/61 एउंडवना, कर्वे रोड, पूना-411004 अर्जन रेज,

प्ना, दिनांक 28 मार्च 1983

निवर्षा सं. सि. ए. /825 एस. आर. मावल/82-83--

यतः मुभ्भः, शशिकांत कुलकणीः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित, जिसका उचित बाजौर मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या सवें नं 113, हिस्सा नं 2, वाकसई है तथा जो तालुका मावल जिला-पूना में स्थित हैं (और इससे उपा- बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निबंधक मावल में, रिजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीं अगस्त 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ग के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—-*

- 1. (1) श्रीमती शेरु जाल तलाठी,
 - (2) श्री जाल होरमसजी तलाठी, नवरत्न सासायटी, बाम्बे पूना रांड, लोणावला, तालुका-मावल जिला-पूना।

(अन्तरक)

2. श्री भिमा शंकर कांबले, पलुस, तालुका, दासगांव, जिला-सांगली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्डिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे नं 113, हिस्सा नं 2, व्हिलेज वाकसई, तालुका-मावल, जिला पूना, क्षेत्र 3 25 है आर (जैसे कि रजिस्ट्री-कृत विलेख के 366, जो अगस्त 82 को दुय्यम निबंधक मावल के दफतर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकणी सक्षंम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन र[े]ज, पुना

तारीख : 28-3-1983

. प्रस्प नार्दं.टी. एन. एस. ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्थन र्रंज, 60/61 एरंडवना, कर्वे रोड, पुना-411004

पूना, दिनांक 31 मार्च 1983

निद्धा सं सि ए 5/826 एस आर सावडा/82-83--यतः। मुभ्ने, वासिकातः कालकर्णाः,

आयकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं मौजे सुनोदे केतनगर नं 5/1 पोस्ट तावलावाड़ी है तथा जो तालुका रावरे जिला जलगांव में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगुस्स 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह जिल्लास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गयो है:---

- (क) अन्सरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्सियों को जिन्हों भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अधीत् ु— श्री पुंडलिक एम पाटील, सुनोदे, पोस्ट नांदलवाडी, तालुका रावेर जिला-जलगांव।

(अन्तरक)

2 (1) श्री रामभाउत वहीं सरोबे

(2) श्री भगवान विट्ठल सरोवे पोस्ट मस्कापद, सालुका रावेर जिला-जलगांव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पट्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मौजे सुनोवे गट नं. 5/1 पास्ट सांवलवाडो तालुका रावेर, जिला जलगांव, क्षेत्र 5 है 18 आर (1/3 हिस्सा) (जैसे कि रिजिस्ट्रीकृत विलेख क. 858 जो अगस्त 82 को दुय्यम निबंधक सावडा के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकांत कुलकणी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयवार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पुना

तारीख: 31-3-1983

प्रकृष बाई. टी. ध्रम. एष्ट्र. प्रन्यन्यन

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यांक्य, सञ्चवक वायकर वावक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, 60/61 एरंडवना, कर्वों रोड, पूना-411004

पूना, दिनांक 31 मार्च 1983

निवर्षा सं. सि ए 5/831 एस आर मावल/82-83---यतः म्भे, शशिकांत कुलकणी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269 के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं प्लाट नं 1 सर्वो नं 176/1 और 176/2 खण्डाला है तथा जो ता मावल जिला पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-स्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय द्य्यम निबंधक मावल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1982

को पूर्वेक्त संपरित के उचित बाजार मून्य से कम के दरयमां प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मस्ति का उचित बाजार मून्य उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का धन्द्रह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उच्चेक्त से उचत अन्तरण जिचित में अस्तिबक रूप से किंग्य नहीं किया गया है:---

- (क) जुलाइल से हुइ किसी जान की वाजूत, उनता जिमित्त के स्थीन कर दोने में जन्तरक के वामित्व में कमी करने वा उससे जनने में सुविधा के लिए; बौर/वा
- (स) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

ब्त: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निस्निसिंखत व्यक्तियों, असित्:—

 श्री सुबोध महादोव खंडोलवाल लोणावाला तालुका माधल जिला -पूना

(अन्तरक)

श्री वसासिसिंग गुरबक्ष मदान
 ए/3 जीत नगर मुंबई-400061
 श्रीमित कुलवंतकार सुरिंदर सिंग बिद्रा रा. 101
 विक्रम अपार्टमेंट जानकी कुटीर,जुहू

मुंबई-400049.

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वा क्य संपृत्ति के वर्णन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 4.5 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्पत्तियों में ये किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इंदारा नधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्लाट नं. 1 सर्वो नं. 176/1 और 176/2 खण्डाला तालूका मावल जिला पूना जिला क्षेत्र 2472 स्कवे-यार्ड (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क. 722 तारीख अगस्त 82 को बुज्यम निबंधक मावल के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पूना

त्रारीख : 31-3-1983

प्रकृष आध्र . टी . एन . एस . -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, पूना-411004 पूना-411004, दिनांक 30 सार्च 1983

निर्वोश सं. सि ए 5/37 ई ई 89/82-83-- यतः मुक्ते, शशिकांत कलकणी,

आयकर घषितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूर्य 25,000/- २० से अधिक है

और जिसकी सं फ्लैट नं 301 क्षेत्र 630 स्के फीट प्रवीण पैलेस प्लोट नं 37/38 सं नं 5, 6, 7, नवधर गांव ता. वसई जिला ठाणा है। तथा जो जिला ठाणा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रंज पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-9-82

1908 (1908 का 16) के अधान, ताराख 27-9-82 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उन्नके दृश्यमान गित्रिल से, ऐसे इस्ताम प्रतिक्रत का पन्द्र ह प्रतिशात प्रधिक है भीर अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐस अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्रल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किया गाप की बावत, उक्त अंति निषम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिक में कमी करने या उसस बचने में सुविधा के लिए, बीर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1.1) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रक्षोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जना वाहिए था, किया गया था के लिए;

कतः अब्, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनूतरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अर्थातः—

- 1 में विश्वकर्मा विल्डर्स प्रवीण पैलेस विश्वकर्मा निवास स्टेशन रोड बसई (ईस्ट) जि. ठाणा। (अन्तरक)
- 2. श्री विजय कुमार यूनी किनाटीनकरा अकाउट्स डिपार्टमोंट इंडियन आईल कौरपारेशन महालक्ष्मी बम्बई 400039।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त काक्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 301 क्षेत्र 630 स्के. फीट प्रविण पैलेस प्लाट नं. 37/38 स. नं. 5, 6, 7, नवधर गांव ता. वसई जि. ठाणा।

(जैसे कि रिजिस्ट्रीकृत नंबर 98 ता. 28-9-1972 को सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण) अर्जन रंज पूना के देफ्तर में लिखा है।

शशिकांत कुलकणीं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्षन रोज, पुना-411004

तारीख : 30-3-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की षारा 269-ध (1) के अभीन सुभ्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्ज़न राज, प्ना-411004

पूना-411004, दिनांक 31 मार्च 1983

निद^{र्}श सं. 5/833/एस आर अहमदनगर/82-83~-यतः मुझे, शशिकांत कलुकणी⁵,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन स्थाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं मौजे बोल्हेगांव सर्वे नं 69/1 तालुका अहमदाबाद है तथा जो जिला अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिज-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक अहमदाबाद में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वात करने क कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान

प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्सिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- श्री गणपत बालाजी भगत बोल्होगांव तालुका अहमद-नगर जिला अहमदनगर ।

(अन्तरक)

 श्रीमती मंगलाबाई शरद मृथा, 83 माणिकनगर, स्टोशन राज, जिला-अहमदनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथा कतः सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्लॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सवें नं. 69/1, माज, बाल्होगांव, तालुका अहमवनगर जिला अहमवनगर जिसका क्षेत्र 2 है, 61 आर. है। (जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख क. 2596 तारीख अगस्त 82 को दुय्यम निबंधक अहमवनगर के वफ्तर में लिखा है)।

शशिकांत कुलकणी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्जा, पुना-411004

तारीख : 31-3-1983

मोहर 🐠

परूप बाइं. टी. एन. एस. →------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 48) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 31 मार्च 1983

निवर्षा सं. सि ए/829 एस आर मावल/82-83--यतः मुभ्ते, शशिकात कालकणीं, आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् अन्त अधिनियम् कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक हैं और जिसकी सं. तुंगारली गांव आर एस नं. 8 हिस्सा नं. 2/ 18 लोगावल म्युनिसिगन कांन्सिल है तथा जो तालुका मावल जिला पूनों में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पुरुषम निबंधक मावल में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) केअधीन, तारीख अगस्त 1982 को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुइ फिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें कचने में स्विधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किमी बाय या किमी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उबत अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. जिन्नों में भृतिथा के लिए:

अतः अव, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मों, मीं, उकत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---- 31—56GI/83

 श्री मनोहर नारायण चांदो, पुरोहित लौज, सी-वार्डा, लोणावला, जिला-पुना।

(अन्तरक)

2. 1. डा. भूरोमल चुनिलाल आसवाल, 2. श्रीमती देवीबाई भूरोमल आसवाल ''एफ'' वार्ड, लोणावला तालुका-मावल जिला-पूना 3. श्री गुलाबचंद चंदु-लाल बाफना-280/ 1महात्मा फुले लाकुड बजार पूना, 4. श्रीमती विजय कांतीलाल पोरस, 34 डी वार्ड लोणावला पूना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्सि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध माद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यां किस्तु में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (त) इस तृषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 4.5 दिन् के भीतर जक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनवृष्
 किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के वास्
 लिखित में अन्य जा सकोंगे।

स्पक्क्षीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क्ष अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में विसा गया है।

अनुसूची

माँजे तूंगारली, लोणावला म्यूनिसिपल काॅन्सिल आर. एस. नं. 8, हिस्सा नं. 2/8, तालुका मावल जिला-पूना (क्षेत्र 3004 स्कथे यार्ड) ।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख के 570, जो अगस्त 82 को द्रायम निबंधक मावल के दफ्तर में लिखा है)।

शक्षिकांत क्लकणी सक्षम प्रापिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे, पूना-411004

ता्रील : 31-3-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

प्रत्यक्तर प्रिमियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॅज, पुना-411004

पूना-411004, दिनांक 11 अप्रैल 1983

निदांश सं . सि ए 5/5 एस आर अहमदनगर/82-33— यतः मृक्षे, शशिकांत कालकणीं,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ख के अधीम सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर मम्पिल, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- व॰ से बिह्क है और जिसकी सं. भूमि संख्या प्लाट 91 उकडगांव, तालुका अहमदनगर है, तथा जो जिला अहमदनगर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक अहमदनगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीय अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिलते बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिष्ठत के लिए उन्तरित की गई है और मुक्के यह बिज्ञास करने का कारण है कि यशपूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिष्ठल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिष्ठल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रियमित के कोर अन्तरिक (अन्तरिक) और अन्तरितीं (अन्तरितिवीं) के बीच ऐसे अन्तरण से लिए तय पाया यस प्रतिष्ठल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रस्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से खिवत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाग का किसी बन वा भग्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय बायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिव्यनियम, वा धन-कर घितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ्येया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उब्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) है अधीन निम्नुनिक्त व्यक्तियों, वर्षात् है— श्री किसन इश्वर महसके, उकडगांव ता और जिला अहमदनगर।

(अन्तरक)

2. 1. श्रीमती सत्वंत कार इन्दरसिंग धूण्यु (2) श्री अमरुल्ला असद ल्ला इराणी (3) श्री कालीमुद्दीन इनागदी मर्चीट (4) हकीमुद्दीन इनागलदी मर्चीट 3182, ओल्ड क्लाथ मार्केट, अहमदनगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अंजीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी न्यक्रित द्वारा;
- (स) इस त्याना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्च स्थित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

भूमि संख्या गट नं . 91, विलोज उकडगांव, तालुका और जिला अहमदनगर क्षेत्र 3 हक्टर 57 आर ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेश क. 2837 अगस्त 82 को दुय्यम निबंधक अहमदनगर के दफ्तर मे लिला है)।

शशिकांत कुलकणी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रौज, पूना-411004

तारीख : 11-4-1983

प्ररूप बार्ड. टी. एन्. एस.----

जायकर ज्यिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व् (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 16 अप्रैल 1983

निदेश सं० ए० आर०-3/2279/82-83--अतः मृज्ञो, एस० एच० अब्बास अबिधी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 52 डि० है तथा जो अंधेरी-कुर्ला, रोड, अंधेरी (पूर्व) में स्थित है (और इससे उपबाद अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10 अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल् के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल् से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिस्त उद्योध्य से उक्त अन्तरण जिसित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीम कर दोने के अन्तरक के यायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसे किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप्धारा (1) के अधीन निम्नुसिचित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री किशोर लक्षमनदास और रमेश गिरधारीलाल (अन्तरक)
- (2) नव सम्राट कोआपरेटिय हार्डीसंग सोसाइटी लिमिटेड (असारिती)
- (3) नव सम्बाट को०आपरेटिय हार्जीसंग तोसाइटी जिमटे। के सदस्य (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूनी जैसा कि विलेख संख्या 977/1969 और जो उप-रजिस्ट्रार , वम्बई द्वारा 'दिनांक' 10-8-1982 के रजिस्ट्रर्ड किया गया है।

> एच० एस० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सङ्घायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, बस्बई

विनांक : 16-4-1983

मों**ड**र :

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के जधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 अप्रैल 1983

निदेश सं० एएसआर०/83-84/8---यतः मुझे आर० बी० सिह्ना आई० आर० एस०,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269 के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो माल रोड भ्रमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर,

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती) (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पह्या गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्नत अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) भन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सविधा के निए; और/मा
- (क) एसी किसी थाय या किसी थन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

स्तः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सभीन, निम्नुलिखित व्यक्तिमाँ, अर्थात क्ष (1) श्रीमती पर भा देवी विधवा हीरालाल नारंग मेहर एपारटमेंट्स अलटामाउंट रोड बम्बई हारा आर० ए० बोगा पुत्र ए० इ० बोगा हाइड मारकीट अमृतसर

(अन्तरक)

- (2) श्री हरभजन सिंह घडा एच० यू० एफ० द्वारा मैं० देवा सिंह शाम सिंह बाहर चाटी विंड गेट अमृतसर (अन्तरिती)
- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंभ 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी स्थितित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहैस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्युक्त करण: -- इसमें प्रयुक्त कर्जों और पर्यों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में पृत्भितित है, वहीं क्यें होगा जो उस अध्याय में विवा गया है।

अनुसूची

एक जायदाद जो माल रोड निकट एस० एस० पी० निवास अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 9077/30—8~82 रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आर० बी० सिह्ना सक्षम प्रधिकारी सहायक घायकर धायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज अमृतसर

विनांक : 12-4-1983

प्ररूप आर्ध.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण)

अर्जन द्वेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 अप्रैल 1983

निदेश सं० एएस आर०/83-84/9--यतः मुझे आर० बी० सिल्ला आई० आर० एस०--

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो माल रोड अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया एसे अन्तरण के लिए प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने के लिए सुकुर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती परभा देवी विधवा हीरालाल नारंग मेहर पारटमेंटस अलटामाउंट रोड बम्बई द्वारा आर० ए० बोगा पुत्र ए० ई० बोगा हाइड मारकीट अमृतसर (अन्तरक)
- (2) श्री हरभजन सिंह चडा एच० यू० एफ० द्वारा मै० देवा सिंह शाम सिंह बाहर चाटी विश्व गेट अमृतसर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के सम्बन्ध में कोई आक्षोप, यदि कोई हो तौ

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद जो माल रोड निकट एस० एस० पी० निवास अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 10506/28-9-82 रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आर०ं बी० सिह्ना आई० ग्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज अमृतसर

दिनांक : 12-4-1983

मोहर 🖫

प्रस्त आई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारतं सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 अप्रैल 1983

निदेश सं० ए एसआर०/83-84/10---यतः मुझे आर० बी० सिक्का आई० आर० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद जो माल रोड अमृतसर में है तथा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाय करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (अ) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रिष्ठ-नियस के अधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। पौर/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन कर अधिनियम, 1987 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुशिक्षा के खिए।

पुष्ततः श्रव, उक्त प्रविनिधम की घारा 269-न के अनुसरण में, म, उक्त अधिनिधम की घारा 269-न की उपवारा (1) के वधीन, हुन्तन्तिवित अर्धनिवनों, वर्षात् ा—

- (1) श्रीमती प्रभा देवी विधवा हीलर लाल नारंग मेहरा एपारटमेंटस अलटामाइंट रोड बम्बई द्वारा आर॰ ए० बोगा पुत्र ए० ई० बोगा हाइड आरकीट अमृतसर (अन्तरक)
- (2) श्री हरभजन सिंह चढा एच० यू० एफ० द्वारा मैं० देवा सिंह शाम सिंह बाहर चाटी विड गेट अमृतसर। (अन्तरिती)
- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के वर्चन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों 'पर सूचना की ताबील से 30 दिन की अविधि, को भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्पिक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वास, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शक्कों और पदों का, को उसत्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

एक जायदाव जो माल रोड निकट एस० एस० पी० निवास अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 10576/29-9-82 रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> आर० बी० सिन्हा, आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्ण) अर्जन रेंज अमृतसर

दिनांक : 12-4-1983

मोहर 🕄

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 अप्रैल 1983

निदेण सं०' ए एस० आर०/83-84/11---यतः मुझे, आर० बी० सिह्ना आई० आर० एस०,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो माल रोड अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में घणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतमर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मितम्बर, 1982

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल को पंत्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चरिय से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शावत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती परभा देवी विधवा ीरा लाल नांग मेहरा एपारटमेंटस अलटामाउंट रोड बम्बई द्वारा भार० ए० बोगा पुत्र ए० ई० बोगा हाइड मारकीट अमृतसर।

(अन्तरकः)

(2) श्रीमती जगीर कोर पत्नी कलयान सिंह वासी—तरन तारन जिला अमृतसर

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोस्हस्ताक्षरी जानतः है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन को लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीक्त व्यक्तियों में से किसी स्थक्ति दुवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकनी।

स्पष्टीकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

एक जायदाद जो माल रोड निकट एस० एस० पी० निवास अमृतसर में हैं जैसा सेल डीड नं० 10507/28-9-82 रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> आर० बी० सिन्हा, श्राई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 12-4-1983

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 अप्रैल 1983

निदेश सं० ए० एस० आर०/83-84/12-यतः मुझे आर० बी० सिह्ना आई० आर० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो मान रोड अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से किशत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अच्चरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती परभा देवी विधवः हीरालः ल तांग मेहरा एपः रटमेंटरा अलटामाउंट रोड बम्बई द्वारा आर० ए० बोगा पुत्र ए० ई० बोगा हाइड मारकीट अमृतसर (अन्तरका).
- (2) श्री जसबीर सिंह पुत्र कलयान सिंह वासी—तरन तारन जिला अमृतसर । (अन्तरिती)
- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्बाक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजफत में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपितित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्वध्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

एक जायदाद जो माङल रोड निकट एस० एस० पी० निवास अमृतसर में है जैसा सेल डोड नं० 10747/30-9-82 रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है ।

> आर० बी० सिह्ना, आई० आर० एस सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृक्षसर

दिनांक: 12-4-1983

प्ररूप आहर्ष, टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 अप्रैल 1983

निदेश सं० ए०एस०आर/83-84/13-यतः मुझे, आर० बी० सिह्ना, आई० आर० एय०,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद हैं तथा जो विजे नगर अमृतसर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप में बिणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक अगस्त, 1982

को प्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री काबन सिंह पुत्र मूला सिंह वासी---विज नगर बटाला रोड , अमृतसर (अन्तरक)
- (2) श्री दलीप सिंह पुत्र नरेन सिंह वासी--पटी तहमील पटी जिला अमृतसर (अन्तरिती)
- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्र है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 क्विन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद जो विजे नगर बटाला रोड भ्रमृतसर में है जैसा मेनडोड नं० 9119/31-8-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में **वर्ज है।**

> आर० बो० सिह्ना, आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 12-4-1983

मोहर.

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर,

अमृतसर, दिनांक 13 अप्रैल 1983

निदेश सं० ए०एस०आर०/83-84/14—यतः मुझे, आर० बी० सिह्ना, आई० आर० एस० आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख की अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य

और अजिसकी सं० एक इमारत है तथा जो सराएँ लाला संत राम बाहर हाल गेट अमृतलर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के ार्यालय, अमृतलर में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक श्रास्त, 1982

25,000/- रा. से अधिक हैं

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उत्तके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, रिम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) श्रो पृथ्वी राज चोपड़ा पुत्र अरुड़ चन्य वासी--चोर चिड़ा उटड़ा करम सिंह अमततर । (अन्तरक)
- (2) श्री तारा तिह हरो सिह पुतान उजागर सिंह पुत चन्दा सिह व.सी—नगहरा ढाता तहसील तरन तारन जिला अमृतसर ।

(अन्तिरती)

- (3) जैसा ऊपर नं० 2 में कोई किराएदार हो (वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में समिति है)
- (4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके वारे में अबोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्मत्ति में हितबद्व है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

एक इसारत 252 व० ग० 7 व० फुट जो सराए लाला संत राम वाहर हात्र गेट अमृतपर में है जैता सेवडीड नं० 9099/31 31-8-82 रजिस्ट्रीजर्नी अधितारों अमृतपर में दर्ज है।

> आर० बो० तिन्हा (आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी पहारक अध्यक्षर अपुंक्त (तिरोक्षण) अर्जन रोंज, अमृजसर

दिनांक . 13-4-83

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्भाना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयक्त (गिरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर,

अमृतसर, दिनांक 11 अप्रैल 1983

निदेश सं० ए०एस०आर/83-84/3---यतः मुझे, आर० त्री० सिह्ना, आर्६० आर० एस०,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है, जो इसट मोहन नगर अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त, 1982

को पूर्वोक्स संपहित के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपहित का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से एेसे दक्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी अदने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) इंम्प्रूवमेंट टरसट अमृतसर

(अन्तरक)

(2) मैं गुरु नानक लेस विविग फैक्टरी द्वारा भीम सेन पुक्त पूरन चन्द 269 ए० इसट मोहन नगर अमृतसर ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पती है)
- (4) और कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष स 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्तेंगे।

स्पष्टिकरणः--इसम्^कप्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह्¹, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट 1535.66 य० ग० जो इसट मोहन नगर अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 7895/3-8-1982 रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> आर० बी० सिह्ना (आई० आर० एस०) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

विनांक : 11-4-83

प्रकृप बाइ. टी. एन्. एस.--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)की धारा 269म(1) के धंधीन क्षया

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमूतसर

अमृतसर, दिनांक 11 अप्रैल, 1983

ृ निवेश सठ० ए०एस०आर०/83-84/1—यतः मुझे, आर० बी० सिह्ना आई० आर० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उबत मधिनियम' कहा गया है), की घारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है, जो निकट सिनेमा रोड बटाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बटाला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1982

को पूर्विक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्निवित उद्देश्यों से उसते अन्तरण निवित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (का) अस्तरण से हुइं किसी आब की बाबत उक्त अधि-निवस के ब्र्थीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बीड/वा
- (ख) ऐसी किमी बाय या किसी धन या बन्य प्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय आगकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर खिक-नियम; 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तिस्ती द्वारा प्रकट नहीं किया बना था वा किया जाना चाहिए वा, खिपाने में सुविधा के बिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

(1) श्री हरजीत सिंह गुरशरन सिंह पुत्रान भगत सिंह वासी--वटाला ।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पती है)
- (4) और-कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचता जारी करके पूर्वीक्ष्त सम्पत्ति के प्रजैन के <mark>क्</mark>रिए कार्यवा**हियां** करता हूं ।

सी, उक्त नम्मत्ति के प्रजेत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचन। की तामील से 30 दिन का ध्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दीरा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 4 के दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पव्हीकरण:—हसमें प्रयुक्त मन्दीं भीर पदों का, जो उक्स भिधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भयं होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया

मन्त्र्यी

एक जायदाद जो निकट सनेमा रोड बटाला में है जैसा सेल डीड नं० 3040/2-8-82 रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी बटाला में दर्ज है।

आर० बी० सिह्ना (आई० आर० एस०) सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 11-4-83

प्ररूप आइ. टी. एन ु एस .-----

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के मुधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 11 अप्रैल 1983

निहेण सं ० मास्थार/१३-१४/२--गतः मसे अ

निदेश सं० एएसआर/83-84/2--यतः मुझे, आर० बी० सिक्का, आई० आर० एस०

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िषसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट जो कशमीर एवेन्यू अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबज अनुसूची में और पूर्णक्प में बिणप्त है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभि-नियम के अभीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिबित व्यक्तिस्यों, अधीत:---

 (1) श्रीमती बिंमला शरमा पत्नी सुरिन्दर कुमार बासी---नवां कोट गली नं० 20 मकान नं० 2888 अमृतसर ।

(अन्सरक)

(2) श्री अशोक कुमार पुत्र धरम पाल बाजार टाहली साहब अमृतसर ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सू से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास जिल्हा में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त पान्यों और पशों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा जो उक् अध्याय में दिया गुमा है।

अनुसूची

एक मूमि का प्लाट 275 व० ग० जो कशमीर एवेन्यू अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 8865/25-8-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी अमृतसर में दर्ज है।

> आरं बी॰ सिह्ना (आई० आर० एस०) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

विनांक: 11-4-1983

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **भारा 269-व (1) के अधीन स्**चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर अमतसर, दिनांक 11 अप्रैल 1983

निदेश सं० ए० एस० आर०/83-84/4--यतः मझे, आर० बी० सिह्ना, आई० आर० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269 खं क अधीन सक्षम प्राधिकारी हो, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार शस्य 25,000/- इ॰ से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो तुंग बाला अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्द्वी-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उन्नित बाजार मून्य से अम के दृश्यमत्त प्रति-फल के लिये अन्तरित को गई है और पूजे यह विक्रान कर राज्य कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का अविष्य पाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तक प्रतिगत से भाष्टिक है और सम्तर्क (सन्तर्कों) और यन्तरिती (स्रातरितयों) के बीच ऐसे सम्तर्भ के विकेश्य पाया प्रजा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के इक्त यम्तर्भ निश्चित में बास्तविक कर य कथित नहीं।

- (क) अन्तरण से हुई जिसी भ्राय की बाबत, उक्त पश्चित्यम के बधीन कर देने के अन्तरक के दायिक्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए. ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (192: का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर भिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

- (1) श्री हंस राज पुत्र संत राम वासी——डाले चक तहसील बटाला जिला गुरदासपुर (अन्तरक)
- (2) श्रीमती निरमल कौर पुत्री सुदागर सिंह वासी—-हबीब पुरा गली नं० 3 सुलतान विंड रोड अमृतसर ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराए दार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
 - (4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करते पूर्वीका सम्यक्ति के. ब्रजेंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इर पूत्रता के राजरत ने प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर पूजाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भं। अवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस नूबना क राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मर्केंगें।

हरदीकरण :→ ्तां प्रयुक्त शब्दों ब्रीर पदों का, जो उक्त झिंछ-नियम के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उरा प्रद्याय में दिवाई खेवल हैं।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट 210 व० ग० जो तुंग बाला अरबन टी० पी० स्कीम नं० 53 अमृतसर में है जैसा सेलडीड नं० 8091/ 9-8-83 रजिस्टीकत्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> आर० बी० सिह्ना (आई० आर० एम०) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

दिनांक : 11-4-1983

प्रकर नाइ. टी. एन. एस......

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का त?) की अधिक भारत था प्रतिकृति की स्थापन स्थापन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 11 अप्रैल 1983 निदेश सं० ए०एस०आर०/83-84/5---यतः मुझे, आर० भी० सिह्ना, आई० आर० एस०,

आयकार अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियस' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी स० एक जायदाद है तथा जो तुंग बाला अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त,

को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के खरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की यहं है और मूम्से वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके खरयमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्षल, जिय्लीसित उद्देश्य से उस्त अन्तरण कि खित में जाति जिया से जाति कर से तथा कि खित में जाति कि से से अस्त से किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; आर्र/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अस्थ आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, गा धन कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री हंस राज पुत्र संत राम वासी——डाल चक तहसील बटाला जिला गुरदाम पुर

(अन्तरकः)

(2) श्री जगदीश चन्द्र पुत्न बलवन्त राय वासी---4375/29 गली दाइ वाली कटड़ा खजाना अमृतसर ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृथांकित सम्परित के अर्जन की सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तित्यों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) हम भूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर संपत्ति में हिस-बद्भ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अशोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकरी।

म्परकोजरण -- (मार्च प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित **हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया** गया हैं।

अनुसुची

एक जायदाद 220 व० ग० जो तुंग बाला टी० पी० स्कीम नं० 53 अमृतसर में हैं जैसा सेल डीड न० 8090/9-8-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है $_{\rm r}$

आर० बी० सिह्ना; आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 11-4-83

मोहर :

अतः मब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुपरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात :--- प्रकथ आहुँ. सी. एन. एस. -----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग १८९५ व (1) के स्भीन सुचना

नारत मरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (क्रिरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 12 अप्रैल 1983

.निदेश सं० ए०एस०आर०/83-84/6--यतः मुझे, आर० बी० सिह्ना, आई० आर० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० एक जायकर है तथा को अन्दरून सुलतान विश्व गेट अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावक अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक - अगस्त, 1982

को पृथोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृथोंक्त सम्पत्ति का जैचित बाजार मृल्य, उसके एरयमान प्रतिफल से एसे एरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तारण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कनी करने या उससे क्वनें में सुविधा के लिए; और/मा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, चिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ए। धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किया स्वीवधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६——

- (1) श्रीमती महिंदर कौर विधवा डा० करतार सिंह आप और अटारनी धमणेरजंग बहादुर सिंह, तेजिन्दर बहादुर सिंह हिंन जय सिंह; बहादुर सिंह; जसबीर कौर हिरिन्दर कौर वासी—-अन्दरून मुलतान विंड गेट अमृतसर बलराम सिंह पुत्र हरी सिंह द्वारा दलजीत सिंह (अन्तरक)
- (2) स्पेशल अटारनी देव चन्द पुत्न दया भाई पटेल आवादी महंत राम शरन दास अन्दश्त सुलतान विक्व गेट अमृतसर (अन्तरिती)
- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह तुषमा वारी करके पृत्रों कर सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- यद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त कथि-निवस के कथ्याय 20-क में परिभाषित हैं,
बही कर्थ होता, जो उस कथ्याय में दिया गया
है।

प्रनुपूची

एक जायबाद 500 वर्गार्जी अत्हरून सुत्रतान विष्ठ गेट आवादी मंहत राम भरन दास अनृतसर में है जैसा सेलडी छ नं 8217/11-8-82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आर० बी० सिह्ना (आई० आर० एस०) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, अमृतसर

विनांक : 12-4-1983

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, अमृक्षसर अमृतसर, दिनांक 12 अप्रैल, 1983

निदेश सं० एएसआर०/83-84/7---यतः मुझे, आर० बी० े सिह्ना, आई० ग्रार० एस०

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायबाद है, जो अन्दरून हाथी गेंट अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 19 अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंति शि (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में भारतिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अतः जब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 15--56GI/83

- (1) श्री जरन दास पुत्र करमचन्दवासी -- हवेली अरुष्ट मिंह अमृत्यसर ।
 - (अन्तरक)
- (2) श्री आर० के० मिणरा पुत्र भाग मल व श्रीमती मुगीला पत्नी आर० के० सिणरा गांव हरयाना जिला हुशियारपुर (अन्तरिती)
- (3) 1. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो जुगल किशोर पुत्र दरमन लाल 150, महीना
 2. तिलक राज पुत्र गुरबचन लाल 80 महीना
 3. मैं० विरन्दरा बेकरी 300 महीना
 (वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है
- (4) और कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी ज़ानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद 164.6 व० ग० जो अन्दरून हाथी गेट कटड़ा मिशरा बेली राम अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 8827/24-8-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में वर्ज है।

> आर० बी० सिह्ना (आई० आर० एस०) सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रासुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भ्रमृतपर

. दिनांक : 12-4-83

प्ररूप आई. टी. एन. एस., -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज बंगलूर

बंगलुर, दिनांक 2 अप्रैल 1983

निर्देश सं० 62/35705/82-83:--यतः मुझे, मंजु माधवन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रूपा में अधिक हैं।

25,000/-रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० 12 है तथा जो हरीस रोड बगलूर में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय णिवाजी नगर में रिजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23 अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गृह है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्न्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों का जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 . (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए थां, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः---

- 1. श्री अड्रे हीटन 12 हरीस रोड बंगलूर-560005 (अन्तरक)
- मैंसर्स दि सोसायटी आफ दी सिस्टर्स आफ डिवैन सेवियर 12, हरीस रोड बंगलूर

(अन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति है।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं॰ 1140/82-83 तारीख 23-8-82) सम्पत्ति है जिसकी सं॰ 12 जो , हरीस रोड बंगलूर में स्थित है ।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आग्रुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-बंगलूर

सारीख : 2-5-1083

प्रकप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 2 अप्रैल 1983

निर्देश सं० 35970/82-83---यतः मुझे, मंजु माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 38 और 39 पिष्वम भाग (अग्रभाग) है तथा जो कोल्स रोड सिविल स्टेशन, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर में रिजस्ट्रीक अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8 सितम्बर 1982

की पूर्वोक्त सम्पति के उणित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिक्षत से मिश्रक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कर से क्या नहीं किया गरा है।——

- (क) जन्तरण तं हुई रिकसी जाय की वावत, उपक अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

नतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 श्रीमति कौशस्या किशन चन्द नं० 4 नारायणस्यामी स्ट्रीट शेशाद्रीपुरम बंगलूर-20

(अन्तरकः)

2. श्रीमती कोशी एन० सकारानी नं० 4 एन० एस० ऐस्यनगर स्ट्रीट नेहरू सरकल बंगलूर-20

(अन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पृषाँक्त सभ्यत्ति के वर्षन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिल-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 2()-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया शी।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 1714/82-83 तारीख 8-9-1982) सम्पत्ति है जिसका नं० (38 और 39) (पश्चिम भाग और अग्रभाग) जो कोल्स रोड सिविल स्टेशन बंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायकं श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज,बंगलूर

तारीख 2-4 1983 मोहर:

100

श्रक्ण आइं.टी.एन.एस.------आयकर अधिनियस 1961 (1961 का 43) की भारा १**००-म (1) के स**तीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, मंगलूर

बंगलूर, दिनांक 28 मार्च 1983

नोटिस नं2 35893/82-83—यतः मुझे, मंजु माधवन, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा है, की धारा 269-ज के अधीन अक्षय प्राधिकारी की, यह विषशस करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका प्रजित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से अधिक ह

और जिस की सं० 3 है, तथा जो ए० एम० लेन, चिक्कपेट कास बेंगलूर में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) , रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक 12-8-1982

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्त्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निर्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उन्न देन्द्रभाग प्रतिफल से, एस द्वामान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शतिफल, निर्मालीक उद्योक से उद्यो अन्तरण सिश्वत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दार्थित में कमी करने या उससे बचने में मृजिधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसा किसी जार या किसी अने वा अन्य प्रान्तियों की, जिन्हें भारतीय याय-कर घरिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्त अधिनियम, या मन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवीजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था का किया नाना चाहिए था, छिपामे में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण मों, भों, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभाग (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्रीमती के० पुट्टम्मा
 के० ए० रुद्रप्रसाद, नं० 3,
 ए० एम० लेन, चिक्कपेट,
 बेंगलूर-53

(अन्तरक)

(2) श्री एम० आर० कुमारास्वामी श्री एम० आर० निरंजन मूर्ति मखागेरे, तिपटूर तालूक तम कुर डिस्ट्रिक्ट

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अपिथ गा नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया मा माजिन्ही व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरी ।

स्पव्योकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उत्कत अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावंज सं० 1549/82-83 ता० 12-8-82) सम्पत्ति हैं जिसका सं० 3 जो ए० एम० लेन, चिक्कपेट का स बेंगलुर में स्थित हैं।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 28 मार्च 1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर,

बंगल्र, दिनांक 2 अप्रैल 1983

नोटिस नं० /35891/82-83/बी—यतः मुझे, मंजु माधवन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 182 है, तथा जो XV कास, आरटी स्ट्रीट, बेंगलूर में स्थित हैं (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2-8-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिलिखन उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर किधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसंरण में. में. उदान जीपिनियम की पारा 260-त की नपधारा (1) के प्रधीन, नियमिकिक व्यक्तितयों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती मुनिलक्ष्मा वाइफ/झाफ लेट श्री ज० वी० वेंकटेशवरा नं० 182, XV कास, श्रार० टी० स्ट्रीट, बैंकलूर (अन्तरक)
 - श्रीमती मुनिरत्नम्मा वाईफ/आफ श्री के० एस० धनपाल, नं० 238, राष्ट्रपेट, सोमवारपेट कास पूना-11

(अन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उयत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वाना अक्षोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1438/82-83 ता० 2/8/82) सम्पत्ति है जिस का सं० 182 जो XV कास आर० टी० स्ट्रीट, बेंगलूर में स्थित है ।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण, अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक 2-4-1983 मोहार : रकार आर्थ, भी हल एस् , ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 28 मार्च, 1983

नोटिस नं० 62/35962/82-83—यतः मुझे, मंजु माधवन, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य, 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो एच० ए० एल० II, स्टेज बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रुप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर म रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का

16) के अधीन तारीख 13-9-1982 को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफान के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संगतित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिय तय पाया गया प्रतिफाल निमालिखित उद्देश्य से अन्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्सरण से हुइ किसी आय की बान्स, उक्स अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरण के वाबित्य में कभी करने या उससे बजने में सुविधा के सिए; और्/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयं-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या जकन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रजोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया स्था था या किया जाना थाहिए था, डिपाने में स्विधा के निए;

अतः अतः अतः विधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण कों. मीं. उक्त किधिनियमं की धारा 269-यं की उपधारा (1) को अभीन, निम्मिलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- तामस अभ्रहाम ,
 नं० 3885, इंदिरा नगर,
 बेंगलूर ।

(अन्तरक)

के० एम० ए० लिमिठड
 वैटफील्ड रोड, महदेवापुरा,
 बेंगलूर-48

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

अनत् सुम्पृतिष् के मुर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्र---

- (क) इस स्वाना के राज्यव में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाराः
- (व) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर धक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाइ सिमुंबत में किए वा सकींगे।

स्युक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त धन्तों और पदों का, जो उनस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1761/82-83 ता० 13-9-82) सम्पत्ति है जिसका सं० 4 जो एच० ए० एल०-III स्टेज बेंगलुर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेगलुर

तारी**ख** 28-3-1983 मोहर :: प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

कारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन सृष्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 25 मार्च, 1983

नोटिस नं० सी० आर० 62/35635/82-83—यतः मुझे, मंजू माधवन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० 6 है, तथा जो I स्टेज, दोमलूर लेऔट, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अदुमूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय णियाजी नगर, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-8-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मृन्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियाँ को, जिन्हाँ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में सविधा अलिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—— एम० आर० मुशीला राजम्मा,
नं० 1151/ए, 26 मैन, , 'टी' ब्लाक,
जयनगर, बेंगलूर-11

(अन्तरक)

 मैसर्स पीरमाई ट्रस्ट 115-ए, राजमहल विलास, एक्सटेंन्शन, बेंगल्र-560006

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (झ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुस्ची

(दस्तावेज सं० 1377/82-83, ता० 4-8-82) सम्पत्ति है जिसका सं० 6 जो I, स्टेंज दोमलूर, लेभ्रौट बेंगलूर में स्थित है ।

मंजू माधवन राक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज, बंगबूर

तारीख: 28-3-1983

प्ररूप बाइ'. टी. एन. एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा े69-ें (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्वालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगल्र बेंगलर, दिनांक 4 ग्रप्रैल, 1983

नोटिस नं० 35748/82-83—यतः मुझे मंजु, माधवन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. सं अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 50/3 बी, है तथा जो दोड्डाकालसन्द्रा विलेज, बेगलूर सौत तालुक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, बेंगलूर सौत में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 16-8-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिक कुष से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जनसरण से हुई किसी आय की नायत उक्त सिंध-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में स्वा अधन जा स्विधः। के लिए; बीर/वा
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अभिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिभा के लिए;

श्री पी० बी० ऐताल,
 53, ईस्ट ग्रान्जनेया टेम्पल रोड़,
 बेंगलूर-4

(अन्तरक)

2. मैसर्स लोट्स पवरगेर प्राइवेट लिमिटेड नं० 2994, 17 कोस, , मैन, के० ग्रार० रोड, बनशंकरी II, स्टेज, वेंगलूर-560070 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 578/82-83 ता० 15-8-82)। सम्पत्ति है जिसका सं० सर्वे नं० 50/3बी, जो दोड्डाकाला-सन्द्रा विलेज, बेंगलूर सौत तालुक में स्थित है।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, बेंगलूर

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात:——

दिनांक: 4-4-1983

- मोहरः

प्रकृप आई. टी. एन. एस. -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भन्दा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बिहार पटना पटना, दिनांक 15 अप्रैल 1983

निदेश सं०-III 713/ग्रर्जन/83-84——ग्रतः मुझे, प्रबोध कमार प्रबे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पुराना प्लाट नं० 120, पुराना खाता नं० 1, श्रार० एस० प्लाट नं० 956, नया प्लाट नं० 13 (ए) (क्षी), खाता नं० 265, बार्ड नं० 10 है, तथा जो मौजा डिमना, थाना मागो जमशेवपुर जिला सिहभूम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय, जमशेवपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 5-8-1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण में हुई किसी ग्राय की बाबत छक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उगये बचने में सुविधा के निए; और/छा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन म अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर मिलियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम मा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया एका था किया जाना चाहिए वा कियाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः **धव,** उक्त **विशिष्यम** की श्रारा 269-न के ग्रमुसरन में, में, उक्त विशिष्यम की वारा 269-घ की उपधारा(1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. श्रथीत्:— 16—56GI/83

- श्री बच्चा सिंह पिता स्व० जगदेव सिंह,
 हाउस नं० 26, हियूम पाईप बस्ती, थाना, साक्वी,
 जमशेदपुर, जिला सिंहभूम।
 (ग्रन्सरक)
- बी० एल० शर्मा, पिता स्व० केदारमलशर्मा, पार्टनर मैसर्स ए० ई० इन्टरप्राइसेज, कालो माटो रोड, साक्ची थाना, साक्ची जमणेदपुर, जिला सिंह-भूमि। (अंतरिती)

को यह सूचना जारी क्रुच्चे पूर्वीक्त स्पित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

ुस्पष्टीकरणः---इसमॅ प्रयुक्त शब्दा और पदाँका, जो उक्त अधिनियमः के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

मनुत्तृची

जमीन मय चार दीवारी के 12 कट्ठा, खुली जमीन तथा जो मीजा डिमाना, थाना मांगो, जिला सिंह-भूम, में स्थित है एवं पूर्ण रूप से वसिका संज्या 6755, दिनांक 5-8-82 में विणित है तथा जिसका निबंधन श्रवर निबंधक पदाधिकारी जमशेषपुर के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> प्रबोधकुमार दूबे सक्षम प्राधिकारी लिरीक्षक सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त ग्रर्जन रेंज, पटना

तारीख : 15-4-83

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 14 अप्रैल 1983

निदेश सं०-III-697/श्रर्जन/83-84--अतः ,सुझे, प्रबोध कुमार दूखे,

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पार्ट आफ आर० एस० प्लाट सं० 1401, खाता सं० 72, एम० एस० प्लाट सं० 1701, होउस सं० 656/ए, वार्ड सं० VII, बी है तथा जो ग्राम हतमा (लोअर बर्दवान कम्पाउन्ड) जिला रांची में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय रांची में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 7-8-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विरुवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूरयमान प्रतिफल से,, ऐसे रूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के किए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ण को अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :— सुधीन्दु कुमार बनर्जी, वल्द स्व० सुबोध चन्द्र बनर्जी निवासी—बर्दवान कम्पाउन्छ, पोस्ट लालपुर, जिला रांची ।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती बन्दना सिन्हा, जोजे श्री रंजीत कुमार सिन्हा निवासी-श्रमला पारा, पोस्ट-झरिया, जिला-धनबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी <u>कर</u>के पूर्वोक्त, सम्पृत्ति के अर्थन के तिए। कार्यवाहियां क<u>र</u>ता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्त्वी

जमीन सय मकान जिसका रक्तबा 13 कठ्ठा है तथा जो ग्राम-हतमा, (लोबर बर्दवान कम्पाउनंड), जिला-रांची में स्थित है एवं पूर्ण रूप से विसका संख्या 7197 दिनांक 7-8-82 में विणित है और जिला अवर निबंधक पदाधिकारी रांची के दिवार पंजीकत है।

प्रयोध कनुमार दूर्व सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पटना

तारीख ; 14-4-1983

मोहर ः

प्ररूप बाइ .टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) को अधीन सुचना

भारत, सरकार

कार्बालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 14 म्रप्रैल 1983

निर्वेश सं अधा-706/मर्जन/83-84--यतः मुझे, प्रबोध कुमार युवे,

अप्रयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उन्कत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संव्वसिका संख्या-9887, दिनांक 16-8-82 के अनुसार है, तथा जो बैंक मोर के नजदीक, कतरास रोड़ पर, जिला—धनबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, धनबाद में रजिस्ट्रीकरण अधियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16 अगस्त 1982

को पूर्वीक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास के रने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपर्ति का उचित आजार भूम्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए सम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्ति में बास्तविक इप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अजने में सुविधा केलिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:---

 श्री पूरन लाल चावड़ा वस्त श्री भी० जी० चावड़ा मैनेजिंग ट्रस्टी, वास्ते धालाभाई विद्योतोजक मंडल, निवासी—— कतरास रोड, जिला-—धनबाद ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री माधवेन्द्र सिंह वल्द श्री जंग बहादुर सिंह द्वारा उषा टाकीज, पो० झरिया, जिला—धनबाद । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकी।

स्थब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जन्स्यों

जमीन मय मकान जिसका रकवा एक कठ्ठा है तथा जो बैंक मोर के नजदीक, कतरास रोड़ पर, जिला—धनबाद में स्थित है एवं पूर्ण रूप से वसिका संख्या 9887 दिनांक 16-8-82 में विणित है एवं जिला प्रवर निबंधक पदाधिकारी धनबाद के द्वारा पंजीकृत है ।

> प्रबोध कुमार दूवे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पटना

तारीख : 14-4-1983

मोहर 🗓

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 14 प्रप्रेल 1983

निर्वेश सै० III-701 अर्जन|83-84——यतः मुझे, प्रबोध मार दुबे,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० विसका सं० 9882, दिनांक 16-8-82 के अनुसार है, तथा जो बैंक मोर के नजवीक, कतरास रोड पर, जिला —धनबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण इप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, धनबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 अगस्त 1982

को प्वोंक्त सम्मस्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विषवास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपक्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एरयमान प्रतिफल से एसे एरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ;---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उसते बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपानें में सूविधा के लिए;

भतः अस्त, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण भो, भी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- 1. श्री पुरनलाल चावड़ा वल्द श्री भी० जी० चावड़ा मैनेजिंग ट्रस्टी, वास्ते धालाभाई विद्यातोजक मंडल, निवासी—कतरास रोड, जिला—धनबाद। (अन्तरक)
- श्री सुनील कुमार सिंह वल्द श्री राम बहादुर सिंह द्वारा, उषा टाकीज, पो० झरिया, जिला——धनबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्थव्योकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन मय मकान जिसका रकवा एक कठठा है तथा जो बैंक मोर के नजदीक, कतरास रोड़ पर जिला—धनबाद में स्थित है एवं पूर्ण रूप से वसिका संख्या 9882 दिनांक 16-8-82 में, विणित है एवं जिला श्रवर निबंधक पवाधिकारी हारा पंजीकृत है ।

> प्रबोध कुमार दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पटना

तारीख : 14- -1983

प्रकृप माई. टी. एन. एस. -----

भासकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 अप्रैल 1983

मिर्देश सं० पानीपत/132/82-8-3-यतः मुझे, ग्रार० के० भयानाः,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 250/एल है, तथा जो माडल टाऊन पानीपत में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफ के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिमों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बुधने में सूबिधा के लिए; और/वा
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या अस्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 260-च के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तित्यों, जुर्धात् :—

- श्रीमती विद्यावती पत्नी मोहन लाल पुत्र भैया दास निवासी — म० नं० 172-ई०, कमला नगर, दिल्ली। (श्रन्तरक)
- श्री नीरज गोयल पुत्र ज्योति प्रसाद गोयल मार्फत मै० ग्रग्रवाल धूल स्पिनिंग एवं विविंग मिल्ज, इंडस्ट्रीयल एरिया, पानीपत ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयूक्त काब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं कुर्य होगा को उस अध्याय में दिवा क्या है े

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 250/एल माडल टाऊन, पानीपत में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय पानीपत में, रजिस्ट्री संख्या दिनांक 13-8-82 पर दिया है।

श्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 16-4-1983

मोहर 👙

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत गरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनाँक 16 अप्रैंल 1983

निर्देश सं० पानीपत/120/82-83—यतः, मुझे, ग्रार० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि 1/2 कनाल है, तथा जो पानीपत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में

ंरजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के श्रधीन, ंतारीख श्रगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त- विक क्य से किथान नहीं किया गया है:—

- (क) जनसरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त जीध-नियम के बधीन कर दोने के बम्सर्क के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; बीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय गा किसी अन रा प्रस्य कार्यनारों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11). या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के. लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भाग 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री विधू भूषण पुत्र श्री राम लाल बजरिए श्री सुरेश कुमार नि० 62 माडल टाउन, पानीपत

(अन्तरक)

 श्री राजेन्द्र कुमार पुत्र श्री मुलख राज नि० 16/7 पानीपत

(म्रन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 1/2 कनाल पानीपत में स्थित है। जिसका ग्राधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, पानीपत में, रजिस्ट्री-संख्या 28/3 दिनांक 20-8-82 पर दिया है।

म्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज. रोहतक

तारीख : 16-4-1983

मोहर 🖫

प्ररूप भाइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, विनांक 16 श्रप्रैल 1983

निर्देश सं० पानीपत/121/82-83---यतः, मुझे, स्रार० के० भयाना,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उर्चित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 1/2 कनाल है, तथा जो पानीपत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रितिक को लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उाचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/था
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :.—

- श्री विधू भूषण पुत्र राम लाल नि० 62 माडल टाउन, पानीपत श्री सुरेश कुमार पुत्र भगवान दास पानीपत (श्रन्तरक)
 - 2. श्री सुरेन्द्र कुमार पुत्र श्री मुलख राज नि॰ 16/7 पानीपत

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाष्ट्रियां करता हूं।

उक्त सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 1/2 कनाल पानीपत में स्थित है जिसका विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, पानीपत में, रजिस्ट्री संख्या 2874 दिनांक 20-8-1982 पर दिया है ।

> श्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, रोहतक

तारीख : 16-4-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 15 भ्रप्रैल 1983

निर्देश सं० सोनीपत/143/82-83---यतः, मुझे, श्रार० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

- भीर जिसकी सं० भूमि 71 कनाल 17 मरले ट्यूब वैल व मकान के साथ है, तथा जो राठ धान में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सोनीपत में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख प्रगस्त, 1982
- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——
 - (क) अंतरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- सर्वश्री हरीचन्द, तारा चन्द, जय दयाल पुतान श्री गंगा राम गांव व डाक--लाडो सराय, देल्ली
 - (भ्रन्तरक)
- (1) श्रीमती कुसुम सिगल पत्नी श्री सुरेन्द्र कुमार सिगल पुत्र जानकी दास नि०ए-108, गुजरवाला टाउन, दिल्ली
 - (2) श्रीमती विभ् सिंगल पत्नी श्री कुलबीप सिंगल पुत्र श्री जानकी दास नि० एच 2/2, माडल टाउन, दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पदौं का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वसुस्वी

सम्पत्ति 71 कनाल 17 मरले राठधान में स्थित है जिसका प्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय सोनीपत में रजिस्ट्री संख्या 1958 दिनांक • 0-8-1982 पर दिया है ।

> म्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 15-4-1983

मोह्रर:

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 4 ग्रप्रैल 1983

निर्देश सं० हिसार/299/82-83---यतः, मुझे, भ्रार० के० भयाना,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 1 कनाल 12 मरले हैं, तथा जो हिसार में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह जिस्त्रास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धेने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--17-56 GI/83

- श्री भगवान दास पुत्र श्री नूनियामल पुत्र दुनी चन्द नि० काठ मण्डी हिसकर ।
 - (भ्रन्तरक)
- 2. श्री निहाल सिंह पुत्र श्री जोत राम नि० हिसार (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काइ भा आक्षप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के ते 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सृघना के राजपत्र म प्रकाशन की लगरीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

सम्पत्ति भूमि 1 कनाल 12 मरले हिसार में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय हिसार में , रजिस्ट्री संख्या 8788 दिनांक 23-8-1982 पर दिया है ।

> ग्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 4-4-1983

प्रक्ष वाह्रं.टी.एन.एस.-----

मायकर म्भिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 भ्रप्रैल 1983

निर्देश सं० पानीपत/180/82-83—-यतः, मुझे, श्रार० के० भयाना,

जायकर जिथिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि 28 कनाल 19 मरले हैं, तथा जो डिवाना (पानीपत) में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख अगस्त, 1982

को पूर्वों कत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार बृह्ब उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्ताह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/भा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कार्य, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री रिवन्द्र कुमार पुत्र नारायण दत्त पुत्र रामजीदास, श्रीमती सन्तोष कालडा पत्नी श्री रिवन्द्र कालडा नि० म०नं० 440 माङल टाउन, पानीपत । (श्रन्तरक)
- 2. सर्व श्री श्रशोक कुमार, विनोद कुमार, श्रिनल कुमार पुतान श्री खुशाल चन्द पुत्र श्री सीता राम नि० मार्फत मैं० सीताराम खुशाल चन्द, पैट्रोल पम्प, जी० टी० रोड, पानीपत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्होकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया म्या है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 28 कनाल 19 मरले गांव डिवाना में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, पानीपत में रजिस्ट्री संख्या 3399 दिनांक 23-8-1982 पर दिया है ।

> श्चार० के० भयाना . सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 14-4-1983

मोहर : ं

प्रकृष आइ. टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 भ्रप्रैल 1983

निदेश सं० बल्लभगढ़/166/82-83—प्रतः मुझे, आर० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से विभिक्त है

और जिसकी सं० भूमि 521 बीचे 11 बिस्वे हैं, तथा जो गांव सिकन्दरपुर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय बल्लभगढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इहयमान्
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इहयमान प्रतिफल से एसे इहयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिहात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाण गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
क्ष्म से कृषित नहीं कि बा गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ जन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. (1) श्रीमती रामकली पत्नी श्री नाथू राम नि० हालेका त० सिकन्दराबाद जिला—बलन्दशहर
 - (2) राम किशन पुत्र राम जी लाल, प्रैस कालोनी, सारन, फरीदाबाद
 - (3) छोटे लाल पुत्र काशोराम, श्रीमती कृवी कंवर पत्नी काशी राम

(ग्रन्तरक)

- (1) श्री श्रमर चन्द जैन पुत्र हरजस राय
 इन्द्र मूर्ति पुत्र श्रमर चन्द नि० ई-15, कालिन्दी
 कालोनी, नई दिल्ली
 - (2) भूपिन्दर नाथ पुत्र हरजस राय, प्रमेश बराड पुत्र भूपेन्द्र नाथ एन० श्राई० टी० फरीदाबाद विद्या भूषण पुत्र हरजस राय, श्ररुण बराड पुत्र विद्या भूषण श्ररविन्द वराड पुत्र विद्या भूषण, फरीदाबाद श्रीमती प्रत्का पत्नी सुदेव, सुदेव पुत्र रमेश चन्द नि० एन० ग्राई० टी० फरीदाबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृतित में हित- सब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए वा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्यक्ति भूमि 521 बीघे 11 बिस्ते गांव सिकन्वरपुर में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यानय बल्लभगढ़ में, रजिस्ट्री संख्या 5950 दिनांक 23-8-82 पर दिया है।

> ग्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 16-4-1983

मोहर 🕹

प्ररूप ग्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

श्रायकर प्रधितियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 मार्च 1983

निर्देश सं० पानीपत/124/82-83- यतः, मुझे, श्रार० के० भयाना,

ग्रायकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) (असे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 का के प्रधीन समान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,090/- क० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 12 बिस्वे 6 बिस्वानी हैं, तथा जो तरफ राजपूताना, पानीपत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय पानीपत में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख ग्रगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के वृगमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रमृह प्रविश्वत से ग्रीयक है और भन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित छहेश्य है डक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक अप से कथित नहीं किया स्था है

- (क) अन्तरम से हुई किया आय की बाबत, उन्त अधिनियम के अधीन कुर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में मुखिला के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आर या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, आ बन-कर प्रिविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा त्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए बा. छिटाने में सुविधा के लिए;

श्रता अन, उन्त श्रविनियम की बारा 269-म के सनुसरण में, में, उक्त श्रविनियम की बारा 269-च की उपवारा (1) के बबीन, निम्निखित व्यक्तियों श्रवीत् :—

- श्री ग्रनिल कुमार पुत्र श्री खुशाअ चन्द नि० सीताराम हाऊस, गीता मन्दिर रोड, पानीपत । (ग्रन्तरक)
- श्री जय दयाल पुत्र तारा चन्द दयाल कालोनी, जी० टी० रोड, पानीपत।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

वनत सम्पत्ति के अर्जन के लंबंध में कोई भी आक्षेप !--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्जीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति हारा, भधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कों।

स्वब्दीकरणक्ष्य-इसम प्रयुक्त शन्दों और पदों का; जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क परिभाषित है, वही सर्व होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 12 बिस्वे 6 बिस्वानी तरफ राजपूताना पानीपत में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय पानीपत में, रजिस्ट्री संख्या 2784 दिनांक 17-8-1982 पर दिया है।

> म्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 14-3-1983

मोहर 🤢

प्ररूप बाई .टी एन .एस .----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 स्रप्रैल 1983

ग्नार॰ ए॰ सी॰ नं॰ 58/83-84--यतः मुझे, एम॰ जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट न० डी है, जो सइफाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भार-तीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रगस्त 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रियमान प्रतिफल से, ऐसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतिरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अरि/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छितान मो सविभा के सिए;

अतः अत्र त्रक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— मैंसर्स धनंनजय होटल्स प्रा० लि० बाइ डायरेक्टर, श्री ए० जीतेन्द्रनाथ नं० 5-9-12, साइफाबाद, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

2 वाई० भ्रम्मान्नम्मा पति लेट वाई० पी० रेड्डी, 8-2-625/ए०, रोड़ नं० 12, बंजाराहिल्स, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखन में विष् दा सकी गे।

स्पष्टिकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्ची

फ्लैट न० 'डी॰' प्रथमतल एम॰ नं० 5-9-12, सइ-फाबाद, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1052 चै॰ फुट रजिस्ट्रीकृत विलेख न॰ 5598/82, रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-4-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर भिष्मित्यम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के धानीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 श्रप्रैल 1983

धार० ए० सी० नं० 57/83-84--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 'ए' है, जो सइफाबाद, हैवराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैवराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के धिनत बाजार पृष्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐने दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के धीच ऐसे अन्तरिण के लिए तय गाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित इदृश्य से उक्त अन्तरिंग लिखन में वास्तविक इप से कथिन गहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/आ
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैंसर्स धनंनजय होटल्स प्रा० लि० बाइ डायरेक्टर, श्री ए० जीतेन्द्रा नाथ, नं० 5-9-12, सङ्फाबाद, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

श्री बी० एच० बरलक्ष्मी केर म्राफ म्रानंब वरमा,
 श्री रामापूरम, भीमावरम।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियों. करता है ।

उका सम्पत्ति के प्रार्वन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस पूजना के राजपत में त्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से लिसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भोतर उक्त क्यावर सम्बत्ति में हितक कि कि प्रक्य क्यक्ति द्वारा, प्रजोहरू जा करों के पास सि सि वित में किए जा सकेंगे।

एक्टोकरण: —इसमें प्रयुक्त शब्दों धीर पर्वो का, जो उक्त धिः नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही भर्थ होगा, जो उस धक्याय में विया नया है।

वम्स्ची

फ्लैट नं० 'ए०' गार्डन एम० नं० 5-9-12, सइफाबाद, हैदराबाद, विस्तीणं 1628/बौ० फुट, रिजस्ट्रीकृष्त विलेख नं० 5568/82, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हैदरा-बाद।

एम० जेगन मोह न सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, हैंदराबाद

तारीख: 4-4-1983

प्ररूप माई० टी • एन० एस •--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 4 ग्रप्रैल 1983

न्नार० ए० सो० नं० 56/83-84--यतः मुझे, एम ० जेगन मोहन,

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाप करने का कारण हैं कि स्थावर संगत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० 'ए०' है, जो सङ्फाबाद में स्थित है (और इससे उपबाद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रगस्त 1982

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पस्द्र ; प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और पन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नविधित उद्श्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्व से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसो किनी भाष या किसी धन या भ्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में, सुविधा के लिए;

बतः अध उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुस्रण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्लिंद व्यक्तियों, व्यक्ति :---

 मैसर्स धनंनजय होटल्स, प्रा० लि० बाई० डाइरेक्टर श्री ए० जीतेन्द्रा नाथ, नं० 5-9-12, सइफाबाद, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

 मैसर्स लक्ष्मी रेट्ल्स, बाई० के० एअ० एन० प्रसाद, रोड नं० 12, बंजारा हिल्स, हैदराबाद। (ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीका समिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई मी ग्राक्षेप:--

- (क) इत सूजन के राजात में तकागत को तारीख के 45 दिन की अवित्र या तस्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविश्व, जो भी अविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसो व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजरंत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण: -इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उस्त भिविनयम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्ष होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं ॰ 'ए' प्रथम तल एम. नं ॰ 5-9-12, मुइफा-बाद, हैदराबाद विस्तीर्ण 1962 चौ ॰ फु ॰ रजिस्ट्रीकृत विस्रेख नं ॰ 5567/82 रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-4-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 4 भग्नेल 1983

म्रार० ए० सी० नं० 55/83-84--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,∄

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 'ए' है, जो सहफाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख प्रगस्त 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिशा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- मैसर्स धनंनजय होटल्स प्रा० लि० वाई० डायरेक्टर श्री ए० जीतेन्द्रनाथ, नं० 5-9-12, सइफाबाद, हैदराबाव।

(भ्रन्तरक)

2. कु० विपीका केरम्राफ व्ही० राजगोपालरेड्डी, 6-3-661/8, सोमाजीगडा, हैवराबाद। (भ्रन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंने।

स्यव्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

फ्लैंट नं० 'ए०' ग्राफिस का परिसर एम० नं० 5-9-12, सईफाबाद, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1961.27 ची० फुट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 5566/82, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-4-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 ग्रप्रैल 1983

निवेश न श्रार० ए० सी० नं० 54/83-84--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 'सी०' है, जो सइफाबाद, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनायम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1982

(1908 का 16) के प्रधीन, तारीख प्रगस्त 1982 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नेलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (भ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के सभीत, निस्तिचित व्यक्तियों, अर्थात् :——
18—56 GI/83

 मैसर्स धनंनजय होटल्स प्रा० लि०, बाई० डायरेक्टर श्री ए० जीतेन्द्रनाथ, नं० 5-9-12, सृह्फाबाद, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती लक्ष्मी व्यब्ल सुक्षमिनयम पति के० ह्वी० सुक्षमिनयम 1--1-230/21/ए० चीक्कडपल्ली, हैदराबाद। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उम्त संपत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अच्छ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित हाँ, बही अर्थ होगा जो उसअध्याय में दिया गया हाँ।

वन्स्ची

फ्लैट नं० 'सी०' 6वी मंजिल एम० नं० 5-9-12, सङ्फाबाद हैदरावाद, विस्तीर्ण 303.38 चौ० फूट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5608/82, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जेगत मोहन सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-4-1983

मोहर 🗟

परूप बार्ड. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 श्रप्रैल 1983

निर्वेश नं श्रार० ए० सी० नं ० 41/83-84--यतः मृझे, एम० जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 'सी' फ्लैंट है, जो सहफाबाद, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण प्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख प्रगस्त 1982

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिवां) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीनिवात उद्योदनों से उच्छ अन्तरण लिसित मे वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुर्द किसी जाम की बाबत, उक्त जिथिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दासित्य में कज़ी करने मा उसको बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) एसी किसी आय वा किसी धन वा बन्च वास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर किभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए।

अहः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, सभीत :—

 मैसर्स धर्नेनजय होटल्स प्रा० लि० बाई डायरेक्टर, श्री ए० जीतेन्द्रनाथ नं० 5-9-12, सङ्गाबाद, हैदराबाद।

(भ्रन्तरकं)

2. डा० एल. वेंकटरत्नम पिता लक्ष्मीनारायणा, 1-1-230/21/ए०, चीनकउप्पल्ली, हैदराबाद। (ग्रन्तरिती)

को मह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप: ---

- (क) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिथ या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जनिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्व व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त निधनियम के तथ्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस जथ्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 'सी०' एम० नं० 5-9-12, सइफाबाद, हैदराबाद, विस्तीर्ण 303 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5609/82, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

तारीख: 4-4-1983

प्रक्य आई. टी. एन. एस. -----

आयकंर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 4 अप्रैल 1983

निदेश नं श्रार ए० सी० नं 42/83-84--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- राज्य अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 'सी०' 6वी मंजिल है, जो सइफाबाद, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण प्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण प्रधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के प्रधिन प्रगस्त 1982 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मून्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके देवयमान प्रतिफल को पन्दह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में थास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की वायत उपक जिभिनयम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे जचने वे सृधिया के सिए; जौर/या
- (ण) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, जर्थात् :-- 1. मेसर्स धनंन जय होटलस प्रा० लि बाइ० डायरेक्टर श्री ए० जीतेन्त्र नाथ, नं० 5-9-12, माइफाबाद, हैदराबाद

(अन्तरक)

2. श्रीमती इंदीरा सारतकुमार पति के० ह्वी० सारत-कुमार 1-1-230/21/ए०, चीनकडपल्ली, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्स सम्परिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: "-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

वन्त्रची

फ्लैट नं o 'सी o' एम o नं o 5-9-12, सइफाबाद, हैदराबाद विस्तीर्ण 303 चौ o फुo रिजस्ट्रीकृत विलेख नं o5610/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-4-1983

प्ररूप बार्षः टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 अप्रैल 1983

निदोग नं० आर० ए० सी० नं० 43/83--84---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रू. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 6 सी है जो सइफाबाद हैंदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबब अनुसूची में और पूर्ण-रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैंदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1982

को पूर्वो कत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बाजार मूल्य, उसके दश्मान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्न्तिचित उच्चेष्य से उच्त बन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जीध-रिन्द्य के बधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में तुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों कारे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

बतः जब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) े अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— मैसर्स धनंनजय होटल्स प्रा० लि०, बाई डायरेक्टर श्री ए० जीतेन्द्रनाथ नं० 5-9-12, सङ्फाबाद, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती पी॰ संध्यारानी पति पी॰ रामम्मम, 1-1-230/21/ए॰, चीक्कडपल्ली, हैदराबाव। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्मत्ति में हितबद किसी चन्य क्यक्ति द्वारा, घधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

नगराची

्र पलैट नं० 6 'सी०' एम० नं० 5-9-12, सइफाबाद, हैदराबाद विस्तीर्थ 303 चौ० फु०, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5611/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 4--- 1983

मुख्य आई. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के स्थीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनोक 4 अप्रैल 1983

आर० ये० सी० नं० 44/83-84—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संव फ्लैंट नंव 'सीव' है, जो सहफाबाद हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के प्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल के, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दर्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आव की बाबत, उक्त जिथीनयज्ञ के अधीन कर दोने के जन्तरक के वाबित्य में सभी करने या उत्तस बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी भन मा अन्य आस्तियाँ का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——ं मैंसर्स धनंनजय होटल्स प्रा० लि० बाई डायरेक्टर श्री ए० जी० तेन्द्रनाथ नं० 5-9-12, सइफाबाद, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुधाचेट्टी पिता यस० यम० के० चेट्टी, 1-1-230/21/ए०, चीक्कडपल्ली, हैदराबाद

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के टुलए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्प्रित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सकींगे।

स्थव्यीकरण: — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

फ्लैट नं॰ 'सी॰' एम॰ नं॰ 5-9-12, सइफाबाद हैदराबाद, विस्तीर्ण 303 चौ॰ फुट रॉजस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 5612/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैट्टराबाद

तारीख: 4-4-1983

मोहर 🔢

प्ररूप जाई. टी. एन. एस.------

नायकर निभित्तियम, 14961 (1961 का 43) कीं भारा 269-म् (1) के नभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालग्न, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैवराबाद हैवराबाद दिनांक 4 अप्रैल 1983

आर० ये० सी० नं० 45/83-84--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन स्थम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर स्थपित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 'बीं०' हैं जो सइफाबाद हैवराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) कि अधीन, तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गमा प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया ग्या है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधीनबा के बधीन कर घेने के अंतरक के दायित्व में कानी करने वा उबते बचने में त्विधा के सिए; श्रीट्र/वा
- (व) एति किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में त्विधा के लिए;

कक्षः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निस्नसिधित स्यक्तियों, अर्थात्ः— मैसर्स धनंनजय होटल्स प्रा० लि० बाई० डायरेक्टर श्री ए० जीतेन्द्रनाथ, नं० 5-9-12, सङ्फाबाद, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती गीरीजा मसारघ केर आफ जस्टीस धाम-रेस्वरी, 3-5-696, हीमायतनगर, हैंदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वजाहियां करता हुई।

जनस सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :------

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिबित में अन्य किए भा सकींगे।

स्पथाकिरण: ---इसमें प्रयापत शन्यों आहि पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गता है।

अनस जी

फ्लैट नं० 'बी०' एम० नं० 5-9-12, सइफाबाद, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1158 चौ० फुट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5199/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सिक्षम् प्राधिकारी सङ्गायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रेज, हैवराबाद

तारीख: 4-4-1983

मोहर 🕄

प्ररूप बार्षः, टी. एत्. एस.-------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के ब्योन् सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 अप्रैल 1983

सं ् आर ० ये० सी० नं० 46/83-84--यतः मुझे, एम०

जेगन मोहन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्र इतनें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. सं अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट मं० डी० है, जो सहफाबाद, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबस अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1982

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यभाव्योंक्त संवित्त का उचित बाजार मूल्या, उसके क्ष्यमान प्रतिकल हो, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या

(F)

(का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में तृतिधा के लिए;

जत्३ अब, उक्त निर्धानयम् कौ नारा 269-न के जनूसरण कौ, भी उक्त अधिनियम की धादा 259-न की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तित्वों, अधीत् ु— मैसर्स धनंनजय होटल्स प्रा० लि० बाई डायरेक्टर भी ए० जीतेन्द्रनाथ, नं० 5-9-12, सङ्फाबाद, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2 के० सुधाकर रेड्डी पिता वेंकट रेड्डी, मारेडपल्ली पोस्ट, वाया नंदीपेट, निजामाबाद जिला। (अन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृतित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जनींच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति में से किसी व्यक्ति व्यापा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिस वर्ष किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकति।

स्पब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्तों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया हैं।

अनुसुची

पर्लैट नं० 'सी०' एम० नं० 5-9-12, सङ्फाबाद, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1088 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5600/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-4-1983

मोह्नर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 अप्रैल 1983

आर० ये० सी० नं० 47/83-84--यतः मुझे, एम० जेगन मोहम,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं • फ्लैट नं ॰ 'सी ॰' है, जो सइफाबाद, हैद-राबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण-रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैसर्स धनंनजय होटल्म प्रा० लि० बाई डायरेक्टर
 भी ए० जीतेन्द्रनाथ नं० 5-9-12, साइफाबाद,
 हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री मोहम्मद शफीउद्दीन खान पिता मोहम्मद फया-जुद्दीन खान, 11-5-121, रेड हीलस्, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सूम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्वां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

मनुसूची

प्लैट नं० 'सी०' एम० नं० 5-9-12, सद्दुफांबाद, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1088 चौ० फुट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5601/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4~4-1983

प्ररूपः, आर्घः दीः, एनं, एसः -----आयकर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, हौदराक्षाव हौदराबाद, दिनांक 4 अप्रील 1983

आर. ये. सी. नं 48/83-84--यतः म्फे, एम. जोगन्मोहन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. पर्लंट नं. 'ए.' है, जो सहफाबाद हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1983

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का ग्नेड्ड प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया वया है:—

- (क) अन्तरण⊥से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरत के दायित्व में कभी करने का उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

1. मैससं धननजय होटल्स प्रा० लि० बाई डायरेक्टर श्री ए० जीतेन्द्रनाथ न० 5-9-12, सहफाबाद, हैधराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री अब्बास मोहम्मद मनसुरी, फ्लैट नं० 'ए०' 8वीं मंजिल, 5-9-12, सम्रारट काम्पलैक्स, सष्काबाद, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उपस स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 'ए०' 8वीं मंजिल, एम० नं० 5-9-12, सहकाबाद, हैदराबाद, विस्तीणें 1122 चौ० फुट र्रिजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 5602/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदरा- गाव।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-4-1983

मोहर 🛭

प्ररूप बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰-

ग्रायकर ग्रिप्तिनयम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के ग्रिप्तीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 4 अप्रैल 1983

नं० आर० ये० सी० 49/83-84--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

अगयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 'ए•' है, जो सइफाबाद, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1982

को पूर्वीक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर देने के अन्तरक के अधिहर में कमी करने वा अससे उचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसा हिमी आपया किसी धन या अन्य आस्तियों को, दिन्हें आरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 वा 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाता चाहिए था खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

मैसर्स धनंजय होटल्स प्रा० लि० बाई डायरेक्टर,
 श्री ए० जीतेन्द्रनाथ, नं० 5-9-12, सङ्फाबाद,
 हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जी० विजयालक्ष्मी पति राजेन्द्र रेड्डी, फ्लैट नं० 'एच०' 6वां फ्लोर, 5-9-12, सइ-फाबाद, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

उनत सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना क राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पब्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

फ्लैंट नं० 'एच०' एम० नं० 5-9-12, सद्दफाबाद, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1122 चौ० फुट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5603/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-4-1983

मोहर 🔣

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुषना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद हैवराबाद, दिनांक 4 अप्रैल 1983

मं० आर० ये० सी॰ 50/83-84--यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्मित्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 'एच०' फ्लैट है, जो सइफाबाद, हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिशत उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपभारा (1) के अधीन, निम्मिसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

मैससं धनंनजय होटल्स प्रा० लि० बाई हायरेक्टर, श्री ए० जीतेन्द्रनाथ, नं० 5-9-12, सङ्फावाद, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. मैसर्स बोम्बे ट्रस और सप्लाइंग एजेन्सी प्रा० लि०, 5-9-22/36, आदर्शनगर, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियां शुरू करता हूं।

उबत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध मां तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध अो भी अविध बाद में समाप्त होती हां, के भीतर पृत्रीयत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्व में प्रकाशन की तारीक से 45 किन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, जधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दि! गया है।

मन्सूची

फ्लैट नं० 'एच०' एम० नं० 5-9-12, सहफाबाद, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1122 चौ० फुट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5604/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैवराबाय

सारीख: 4-4-1983

त्रस्य नाइ⁴. टी. एन्, एस्.----

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 4 अप्रैल 1983

आर० ये० सी० 51/83-84--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्ते अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थायर सम्पन्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/रु से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 'ए०' है, जो सहफाबाद, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से बॉणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1982

ना पूर्वोक्त सम्प्रित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए कम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियमू या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव ं उन्त अधिनियमं की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क्रो अधीन, निम्नलिचिल व्यक्तियों, अधीत् ∷--- . 1. मसर्स धनंनजय होटल्स प्रा० लि० बाई डायरेक्टर,
 श्री ए० जीतेम्ब्रनाथ, नं० 5-9-12, सइफाबाद,
 हैदराबाद।

(अन्तरक)

श्रीमती पुष्पा लालवानी पति किशनचंद,
 3-4-340/1, लिंगमपस्ली, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सुखना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थानितयों में से किसी अयुक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्यं किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लि में किए वा सकेंगे।

स्पथ्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त करूरों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20 क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

and the sale

फ्लैट नं० 'ए०' 6वीं मंजिल, एम० नं० 5-9-12, सहफाबाद, हैदराबाद, विस्तीण 1122 चौ० फुट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 5605/82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निसीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-4-1983

प्रकृष थाईं । ही । व्यक एस ---

नाम्फर नीभीनस्म, 1961 (1961 का 43) की भाउर 269-व (1) के नभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मापुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 अप्रैल 1983

सं० आर० ए० सी० 52/83-84:—यतः मुझे एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इप्समें इसके पश्जात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्रीधिकारी को, यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर संपरित फिसका जिल्ह बाबार मूच्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० पलेट नं० 'सी' है जो सइफाबाद हैवराबाद में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैवराबाद में भारतीय रजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि निम्निसिच उद्देश्य से उक्त बन्तरण सिचित में बास्तिक क्ष्म से सीभद नहीं किया स्वा है है—

- (क) नन्तरण ते हुई हिस्ती भाव की बाबत बचल मीध-नियम के वधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या अस्त्रे स्थाने में सुविधा के लिए; बीट/वा
- (व) एसी किसी बाद या किसी भन या बन्य शास्तियों की, जिन्हें भारतीय नायकर सिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निर्मियम या भन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाजनार्थ अन्तरिती व्यापा प्रकट नहीं किया गया भाषा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बद: अब, उपत वॉपितियम की भारा 269-ग के, जनुसरण वो, में, अवल वीभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के सभीन, निम्निजितिस व्यक्तियों, मर्भात :--- 1. मैसर्स धनंनजय होटलस प्रा० लि० बाइ डायरेक्टर श्री ए० जी तेंद्रनाथ नं० 5-9-12 सहफाबाद हैदराबाद।

(अन्तरक)

 श्री मोहमद मीनहाजूल हासन फ्लैट नं० 'सी' चोथा फ्लोर 5-9-12 सङ्काबाद हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी कर्क पूर्वों कत सम्परित के शर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, को भी जविष बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इताराः
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास मिनित में किए जा तकांगे।

मनुसूची

पलेट नं० 'सी' 4 थी मंजिल एम० नं० 5-9-12 सद्दफाबाद हैदराबाद विस्तीर्ण 1955 चौ० फुट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5606/82 रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 4-4-1983

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष् (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 4 अप्रैल 1983

सं० आर० ए० सी० नं० 53/83-84---यतः मुझे एम० जेंगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पलेट नं० 'सी' है जो सहफाबाद हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1982

को प्रांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गैंया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उचक अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में अभी करने या उससे स्वने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

कतः अस, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं,, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात् :---

 मैं ससें धनंनजय होटलस प्रा० लि० बाईडारेक्टर श्री ए० जी तेन्द्रनाथ नं० 5-9-12 सङ्फाबाद, हैदराबाद।

(अन्तरक)

 श्री रजनी वली रमन पिंता डा० के० बी० रामन, 1-1-230/21/ए., चीक्कड़पल्ली, हैदराबाद। (अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी हुं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त प्रक्रियों में से किसी अविवत ब्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्ची

फ्लेट नं० 'सी' 6धीं मंजिल, एम० नं० 5-9-12 सइफाबाद हैदराबाद, विस्तीर्ण, 303.3, चौ फुट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 5607/82, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैडराबाद ।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 4-4-1083

प्रक्ष बाइं.डी.एन.एस.-----

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं भारा 269-थ (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनाक 31 मार्च 1983

सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपास/3535--अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त जोधिनियम' कहा नया है), कौ बारा 269-व के अधीन सक्तम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, दिस्तका बीचत बाजार मृस्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं. 3, मकान नं० 15/3 है, तथा जो ओल्ड पलासिया, इन्दौर में स्थित है) श्रौर इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 26 अगस्त, 1982 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिकल से, एसे ख्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर रिती (अन्तिरित्यों) के तीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया राया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में एविधा के सिए;

- श्री किशोर सिंह पुत्र महाराज बहावुर सिंह, ओल्ड पलाँसिया, इन्दौर।
 (अन्तरक)
- 2 श्री नवीन चन्द पुत्र श्री आलमचन्द जैन 2, श्रीमती केंसर जैन पत्नी श्री नवीन चन्द जैन, 3(श्री नील जैन पूत्र श्री नवीन चन्द जैन, मार्ग, 149, जावरा कम्पाउन्ड, इन्दौर।

(अन्तरिती)

कारे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यमाहियां शुरू करता हुं।

उनत् सम्परित् के वृर्वत् के सम्बन्ध् में कोई भी बाक्षेपुर---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध नाव में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी क्विक्ट ब्राह्माराष्ट्र
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 विन के भीतर उन्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति वृत्रारा वधाहस्ताकरी के पास सिहित में किए वा सम्बेग।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची :

प्लाट नं० 3, मकान नं० 1.5/3, ओल्ड पलॉसिया, इन्दौर।

देवप्रिय पन्त, मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त(निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः :---

तारीख: 31-3-1983

मोष्ठर:

प्ररूप आर्धः टी. एन. एस्.-----

कायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जैन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 31 मार्च 1983 ० अर्फ्ड० ए० सी *अ*र्जैन/भोपाल/3536:—

सं० आई० ए० सी./अर्जन/भोपाल/3536:—अतः मुझे देवप्रिय पन्त,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या म्यूनिसिपल मकान नं० 34 है तथा जो मुराई मोहरूला संयोगितागंज इन्दौर में स्थित है)और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-8-1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (का) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— मैंसर्स टी० चोईयराम फाउन्डेशन 30 गोधा कालोनी.
 इन्दौर द्वारा ट्रस्टी लेखराज ज्ञानचन्द जी पागारानी,
 20, गोधा कालोनी, इन्दौर।

(अतरक)

- 2. (1) श्री किशन लाल गेंदालाल जी एरन,
 - (2) श्री अशोक भुमार किशन लाल एरन 24/2. मस्हारगंज, इन्दौर।
 - (3) श्री कन्हेंया लाल किशोरी लाल मित्तल,
 - (4) श्रीमसी मनोरमा देवी पत्नी श्री कन्हैया लाल जी मित्तल,
 - त(5) शान्ती बाई विधवा स्वर्गीय श्री प्रभुलाल जी मित्तल व (6) श्री इन्द्रकुमार प्रभुलाल जी मित्तल मार्ग 61-62, पीर गली, इन्दौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पन्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन 'की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना को राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाय अधोहस्ताक्षरी को पास लिखिस में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और म्युनिसिपल मकान नं० 34, मुराई मोहस्ला, संयोगितागंज, गली नं० 3, इन्दौर।

> देव प्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रेंज, भोपाल

सा**रीख**: 31-3-1983

मोहर 🖫

प्रस्प धार्ड० टी • एन • पस०---

भ्रायकर अधिनियम; 1961 (1961 का-43) की धार 269-घ (1) के अधीन सूचन। मारत सरकौर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 31 मार्च, 1983

सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3537:—अतः मुझे देवप्रिय पन्स,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-२० से प्रधिक है

और जिसकी संख्या कमरा नं० 2, है, तथा जो 12, पंडरी नांथ, पथ इन्दौर में स्थित है, (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 16-8-1982

को पूर्वों कर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि युभापृष्ठित संपृत्ति का उचित् बाजार मृह्य, उसके बृश्यमान प्रतिफान से. ऐसे पृश्यमान प्रतिक का पश्चह प्रतिशत से शिव के है भीर मन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किला बाग की बाबल उपने अधिनियम के अधील कर देने के अन्तरफ के दर्शयर में कमी करने वा ७ससे वर्षने में सुविधा के लिए, खीद/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर धिधिनियम, 19. (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वर् धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अभ्वरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा किया में सुविधा के लिए।

1. श्री गजेन्द्र सिंह, पृत्न श्री शिवनारायण राय होल्कर, भार्ग 12, अदा बाजार, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्री देवी काई पत्नी श्री आसनदास, मञ्जी मण्डी, नन्दलाल पुर, इन्दौर।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (व) इस सूचना के राजपश्च में प्रकाशन की सारीख 45 दिन की अवधि या तस्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की धविष, जो भी अवधि बाद न समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोकर व्यक्तियों में से कियी ध्यक्ति दार.
- (खा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को वारोख ः 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में दितब के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोत्रस्वाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

वनस्पी

कमरा नं० 2, (शाप) फस्ट फ्लौर, 12, पंडरी नाथ पथ, इन्दौर।

> ्देव प्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल।

नारीख: 31-3-1983

प्ररूप वाहाँ. टी. एन. एस. - - - ----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, 31 मार्च 1983

सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3538:--अतः मुझे देवप्रिय पन्त,

अग्रेयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या दुकान नं० 6 है, तथा जो 12 पंडरी-नाथ पथ इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908, (1908 का 16) के अधीन, 30-9-1982

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित नाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई क्रिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए और/पा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण ' में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री प्रताप सिंह पुत्र मल्हार राव होल्कर 12, अदा बाजार, इन्दौर, द्वारा आ मु० ग्याम राव कृष्ण राव होल्कर, 75, रूपराम नगर, इन्दौर।
 - (अन्तरकं)
- श्री बसन्त कुमार पुत्र श्री गंभीर मलजी डोसी,
 12 अवां बाजार, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वांगः;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्पारा मधांहस्ताक्षरी कें पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 6, भूमितल 12, पंडरी नाथ पथ, इन्दौर

देव प्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षीण) अर्जन रेंज, भोपाल।

नारीख: 31-3-1983

प्रक्य नाइं. टी., एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- ज़ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 अप्रैल, 1983

सं० आई० ए० सी० /3539:--अत: मुझे, देव प्रिय पन्स

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि ख० नम्बर 468 है, तथा जो ग्राम महमंदपूरा, तह 0 बूरहानपूर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) र्राजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, बुरहानपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 23 अगस्त,

को पूर्नोक्त संपत्ति के उचित बाजार मत्य में अम क दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिकत उद्वरेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

 श्री बन्सी लाल पिता राम नाथ सीनी, 1114, महाजन पेठ, बुरहानपूर।

(अन्तरक)

2. अध्यक्ष, नगर सुधार न्यास, छ बुरहानपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परितः के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मन्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हन्न

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , शूरे भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वास्;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी जन्य स्थावत द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किये जा सकींगे।

स्यब्दीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, चो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

मन्स्ची

भूमि जिसका नया नम्बर 468 है ग्राम महमन्दपुरा तह० बुरहानपुर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्न सक्षम प्राधिकारी निरीक्षीण सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित क्योंक्तियों, अधीत रे---

तारीख: 4-4-1983

मोहर 🕄

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 अप्रैल, 1983

सं अाई ० ए० सी ०/अर्जन/भोपाल/ 3540 अतः मुझे देवप्रिय पन्त,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्तास करने का कारण, है कि स्थावर सम्पत्ति, चिसका उभित बाजार मृत्य 25,000/~ रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या भूमि खसरा नं० 252/2 है, तथा जो ग्राम सिंहासा, तहसील इन्दौर में स्थित है)और इससे उपा-बढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनौंक, 28-8-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पृत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्दार्थ से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के निए, और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गंगा था या किया जाना चाहिए था., छिपाने में श्रीवधा के लिए.

1. श्रीराम पुत्र मूलचन्व सहानी, (2) श्रीमती कैलाश कुमारी पत्नी श्री नानकचन्द जी, निवासी हाथीपाल रोड, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. योगेन्द्रलाल (2) श्री जगदीश लाल पिता श्री प्रताप सिंह खुराना, चौथमल कालोनी, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत स्वत्यों में से किसी क्यकित द्वारा,
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसब्बंध किसी अन्य स्थावत स्थाय अभोहस्ताक्षरी के पास तिचित में किए जा सकोंगे।

स्थळकिरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गवा है।

अन्स्ची

भूमि ग्राम सिहासा, तहसील इन्यौर, खसरा नं० 252/2, एरिया 0.890 है स्टर।

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

तारीख: 7-4-1983

मोहर ः

भक्ष बाइ. टी. एन. एस.-----

नायकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

-भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाअ, विनांक 6 ग्रप्रैल, 1983

सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3541--श्रत मुझे, वेवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और

और जिसकी संख्या पलाट प्यात नं 138, पर बना है तथा जो इन्दौर विकास प्राधिकरण स्कीम नं 44 (खातीवाला, (टैंक) इन्दौर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध प्रमुस्ची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ती प्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, 9 प्रगस्त, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदय के उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-निवम को ब्यौन कर दोने के बन्तरक को दायित्य में कभी करने था उससे बचने में सुविभा को लिये; बौद्ध/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, धिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ बन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया आना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभार (1) के ब्योम, निक्तिवित व्यक्तियों, ज्यात् :--- श्री प्रेमकुमार पिता श्री किशनदास जी, निवासी 65, जयरामपुर कालोनी, इन्दौर द्वारा मुख्याम श्री जवाहर लाल पिता वीपचन्द जी।

(अन्तरक)

2. सत्यम बिल्डर्स, 378 जवाहर मार्ग (दूसरी मंजिल) इन्दौर द्वारा पार्टनर श्री प्रकाशचन्द पिता भोजराज-मल।

(भ्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुने।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन की सर्वाचिया तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविच, जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थ्वावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो प्लाट नं० 138, इन्दौर विकास प्राधिकरण स्कीम नं० 44 (खातीवाला टैंक) इन्दौर पर बना है।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 6-4-1983

प्रारुप आइ. टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यान्य, सहायक जायकर जायुक्त (निर्देशण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 श्रप्रैल, 1983

सं० म्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3542--म्रतः मुमे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269 के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित गाजार मूल्य 25,000/- रूठ. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि कमांक 390, 391, 392, 395 396 है, तथा जो ग्राम अन्तरवेत्या नहमील झाबुआ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है,) रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, झाबुआ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 13 अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; नौर/या
- (स) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना शाहिए था, किया में सुविधा के लिए।

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधार (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्रीमती कैलाश बाई पत्नी श्री चन्द्रकान्त घोड़ावत, निवासी थन्दला।
- (2) श्री कनकमल श्रात्मज श्री रखबचन्द घोड़ावत, निवासी थन्दआ।
- (3) श्री विमल चन्द ग्रात्मज श्री रामेश चन्द घोड़ावत, निवासी थन्दला।

(ग्रन्तरक)

2. मैंसर्स हर्षवर्द्धन केमिकल्स एण्ड मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड पंजीकृत कार्यालय काठोर भवन 33 सी न्यू फतेहपुरा, उदयपुर राजस्थान।

(अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में क्रोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तृत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उसे अध्याय में दिया गया हैं।

अनसची

प्राम प्रनरवैत्या, तहसील झाबुग्रा भूमि खाता नं० 153, सर्वे नं० 390, 391, 392, 395, 396, कुल क्षेत्रफल 10.506 हेक्टेयर तथा पुरानी औद्योगिक इकाई का एक मकान, कच्चा कुग्रां भरा हुग्रा व टूटा हुग्रा बोध पेड़ पौधे सिह्त जैसा कि फार्म नं० 37-जी, जो कि ग्रन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है, में विणत है।

देव प्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख: 7-4-1983

प्रकृष आर्थः टी. एम. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर माम्बन (नि**रीक्षण**)

म्पर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 अप्रैल, 1983

सं० ग्नाई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3543—-ग्रतः, मुझे वेषप्रिय पन्त,

शायकर सभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं० 6 है, तथा जो मिनक बाग धनेक्स, फनदिस कालोनी, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में और पूर्ण स्प से विणत है), रजिस्ट्रकर्ती अधिकारी के कार्यालय इन्धौर में रिजस्ट्रीकरण ध्रधिनियम, (1908 का 16) के श्रधीन, 7-8-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्वित सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फज निम्निसित सुव्यश्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी बाग की बाबत, उक्त जिमित्रम के अभीन कर दोने के जन्तरक के वाणित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के निए;

- (1) फिदा अलि पुत्र हाजी फखरूदीन, रानीपुर इन्दोर,
- (2) श्री भ्रसगर भ्रली पुत्र हाजी भ्रली भ्रकबर श्रली, वकराबखर, इन्दौर।
- (3) श्री श्रकबर श्रली पुत्र युसूफ श्रली, जवाहर मार्ग, इन्दौर।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती कमला बाई पत्नी श्री रामरतनजी द्वारा मु० श्राम गयाप्रसाद जी, बरगोन।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र का श्राधन को रारोच स 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में भमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाराः
- (स) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में द्वित-बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 6 मनिकबाग भ्रनेक्स फनदिस कालोनी, इन्दौर।

> वेव प्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रंज, भोपाल।

बत: वब, उक्त विभिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त व्यभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को बचीन, निम्नीलिखत व्यक्तियों, वर्षात् :---

तारीख: 6-4-1983

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मृ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 श्रप्रैल, 1983

सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/3544:---म्रतः मुझे देवप्रिय पन्तः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषवास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित गाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं० 56, 57, 58, 59 व उस पर बने हुए झोपड़े, जवाहर मार्ग है, तथा जो इन्दौर में स्थित है। (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 28 अगस्त, 1982

को प्रवेषित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय दाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप किया गया है:-

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर जिल्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अअ-कर अधिनियम, या अअ-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया अया था या किया जाना था, छिपाने में सर्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निज्निलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :---

- पार्वती बाई पत्नी स्व० श्री सदाशिवराम जोगी, मार्ग मकान नं० 306, इन्द्रपुरी कालोनी, इन्दौर। (ग्रन्तरक)
- एणुका माता पार मार्थिक न्यास, 306, इन पुरी कालोनी, द्वारा सिषव श्री ध्ररिवन्द पुत्र सदाशिव जोशी, निवास 306, इन्द्रपुरी कालोनी, इन्दौर । ('ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविश्व, जो भी अविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत स्विकता में से किसी स्वित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिक एण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियम गया है।

अंतस ची

प्लाट नं० 56, 57 58, 59, व झोंपड़े ज<mark>वाह</mark>र मार्ग, इन्दौर।

> देवप्रिय पन्सः ृसक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षणः) भर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख: 5-4-1983

मोहर

प्रकृप आहु". टी. एन्. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-षु (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 5 श्रप्रैल 1983

सं० धाई० ए० सी०/म्रर्जन /भोपाल/ 3545 -श्रतः, मुझे देवप्रिय पन्त

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राध्कितरी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छित्रत बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

अौर जिसकी संख्या 424 एम, स्कीम नं० 44 इन्दौर विकास प्राधिकरण है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रुप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, 7 प्रगस्त 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इच्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इव्यमान प्रतिफल से, एसे इव्यमान प्रतिफल का पल्यह प्रसिश्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नसिक्त उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिकित में पास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाबित्व में अभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्यू आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब जनन अधिनियम की भारा 269-ग के जन्मरण में, में, अनत अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, नर्थात् :-21-56GI/33

- 1 श्री खियलदास ग्रात्मज श्री मप्पूमल, निवासी 72, राधानगर कालोनी , इन्दौर । (श्रन्तरक)
- श्रीमती मंजुला पत्नी श्री महेन्द्रकुमार संधवी, निवासी 230 श्रीनगर, इन्दौर । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के शर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध , बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममसूची

प्लाट हैं नं के के 424-एम, स्कीम नं 44, इन्दौर विकास प्राधिकरण तथा गेरेज जो इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण प्रन्तिरती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रैंज , भोपाल गंगौन्नी बिल्डिंग; चौथी मन्जिल टी० टी० नगर, भोपाल

तारीख : 5-4-1983

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल , दिनांक 5 श्रप्रैल 1983

सं० ग्राई० ए० सी० / ग्रजैंन/ भोपाल 3546 — ग्रतः, मुझे देवप्रिय पन्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- का से अधिक है और जिसकी संख्या प्लाट नं० एन-9 ग्रनूपनगर कालोनी इन्दौर है, तथा जो प्रनूपनगर कालोनी इन्दौर में स्थित है और इससे उपाबद्ध ग्रनुस्वी में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीक्तां प्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1980 का 16) के ग्रधीन , 9 ग्रगस्त 1982

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान पृतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिद्यात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति- फल निम्तलिका उद्देशय के अक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आयु की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती हवारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा की लिए:

अतः अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिशित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री प्रकाश चन्द्र पुत्र श्री धम्पालालजी जैन 2/7 पारजी मोहल्ला इन्दौर ,

(श्रन्तरक)

श्री हासानंद पुत्र श्री किशोर रामजी,
 13 फी गंज, एम० टी० क्लाथ मार्केट इंदौर,
 (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्साक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० एन-- १ अनूपनगर कालोनी, इन्दौर

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्तर आयुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल गंगोली बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

तारीख : 5-4-1983

प्रकृषाद्वी, एत्. इक.-----

भावकार मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनाक 6 ग्रप्रैल 1983

सं॰ म्राई॰ ए॰ सी॰/ म्रर्जन/भोपाल 3547— म्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त

अधिक शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), को पारा 269-सं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हु" कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृक्य 25,000 रह. से अधिक है

और जिस्ति संख्या गोदाम बना हुन्या, प्लाट नं पर है, तथा जो संयोगिता मंज (नया) इन्बौर, में स्थित है (और इससे उपांबद्ध प्रमुस्ची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 10 प्रगस्त 1982

को पूर्वेकित सम्परित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- फल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से किथा नहीं किया सवा है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर योने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृदिधा के लिए; आर्थ/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

भतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मुभीन, निम्नीतियत स्पृक्तियों, अर्थादः—

- 1. श्रीमती मोहिनी बाई पत्नी श्री किशनचंदजी,
- · निवासी 112, काट्जू कालोनी , इन्दौर

(भ्रन्तरक)

 श्री घनध्यामदास श्रात्मज लक्ष्मनदास, निवासी 72, स्रिवेणी कालोनी, इन्दौर, । (श्रन्तरीति)

को यह सूचना चारी करके पृत्रों कत सम्परित के सर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- ब्रिंश किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के शम लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिभिनियम के जभ्याय 20-क में परिभामित ह⁵, बही जर्भ होगा जो उस अभ्याय में विया गया है।

अमुसूची

प्लाट नं॰ 27 पर बना हुआ गोवाम, संयोगिता गंज उप प्रांगय (नवीन) इन्वौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) गंगोकी बिल्डिंग, चौथी मिलन्स, टी० टी० नगर भोपाल

तारीख: 6-4-1983

प्रस्प भार टी. एन., एस. ----

जायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनाक 6 ग्रप्रैल 1983

निर्वेश सं० ध्राई० ए० सी०/धर्जन/भोपाल/3548—— ध्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त क्रमान्त्र स्पिरिकार - 1061 (1064 का 42) (विको सम्बं

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि सर्वे नं० 513 है, तथा जो ग्राम पिथमपुर, धार में स्थित है (और इससे उपांबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, धार में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 14) के श्रधीन, 6 श्रगस्त 1982

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) जल्लूरण से क्ष्यू के किसी जाय की बाबत्, उनस्त अधिनियम के अधीन कर बोने के जन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अजने में सुविधा के लिए; ज़ौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भीरतीय आय-कर अधिकारी, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

कतः अब उक्स अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 श्री रामरतन भारमज श्री कालूजी निवासी पिथमपुर, धार।

(भ्रन्तरक)

 श्री मेसर्स हाजी मोहम्मद, रसूल कोल्ड स्टोरेज, प्रीप्रायटर हाजी मोहम्मद रसूल पिता अब्दुल रहमान निवासी पिथमपुर, धार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्सि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के सूज्यक में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

अनुसूची

भूमि सर्वे मं० 513, ग्राम पिथमपुर, घार ।

वेवप्रिय पन्स, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल गंगोली बिह्बिंग, जौथी मस्जिल, टी० टी० नगर, भोपाल

तारीख : 6-4-1983

प्रकप कार्ष , टी , एव , एस , ------

आधकर आंधानयम, 1961 (1951 को 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारते सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल कार्यालय भोपाल, दिनांक 12 अप्रैल 1983

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3549—-यतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं प्रकान नं 12, वमरा नम्बर 3 है, तथा जो पंडरीनाथ पथ, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9 श्रगस्त, 1982

को पूर्वांकत सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रिक्षण के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वांकत सम्परित का उधित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अभ्वरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्क जिन्मीलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित से वास्तिवर्क रूप से कथित नहीं किया ग्या हैं:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनयम के अधीन कर बोने के जन्दरक के दासिस में कमी कड़ने या उससे ब्यूने में सुविधा के लिए; ब्रॉड्स्या
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, खिपाने में सृतिथा के लिए:

अतः अयः, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-- श्री सरदार प्रताप सिंह राव आत्मज मल्हार राव होल्यर, आ० मृ० श्यामराव कृष्णराव होल्कर, निवासी 12, पंडरीनाथ, इन्दौर

(अन्तरक)

2. गागनदास आत्मज श्री रेवाचन्द, निवासी प्रिंसयशवंत रोड़, मकान नं० 27 स्टेन्डर्ड बेकरी, इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस् सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिसनव्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा न्थाहस्ताकरी के पाद सिवित में किए जा सकोंगें।

स्यव्योकरण: — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पिक्सावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 12, प्रथम मंजिल, कमरा नं० 3 पंडरीनाथ पथ, इन्दौर ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 12-4-1983

माह्य 🗓

प्ररूप आई.टी.एन.एस.,-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 अप्रैल 1983

निर्वोश सं० आई ए सी/अर्जन/भोपाल/3550—यतः, मृक्षे, देवप्रिय पन्स,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 64 है, तथा जो जयवारी रोड़, खण्डवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खण्डवा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17 अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दृश्य से उक्त अंतरण लिखित में बारतिक रूप से किथा गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सृविधा के लिए;

 श्री सफुदीन वल्द श्री गुलाम अली बोहरा, निवासी बाम्बे बाजार, खंडवा, पूर्व निमाज्

(अन्तरक)

2. श्री सुरजीत सिंह आत्मज श्री अर्जुन सिंह निर्मल, श्रीमती जोगिन्दर कौर पित श्री सुरजीत सिंह निर्मल, श्रीमती भूपिन्दर कौर पित श्री सतिवदर सिंह सल्जा, श्रीमती निरन्दर कौर पित श्री मनजीत सिंह सल्जा, श्रीमती सुरिन्दर कौर पित श्री रणजीत सिंह सल्जा, सब निवासी हरदा, जिला होगंगाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविधि बाद में संख्याप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थाक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

भूमि खसरा नं० 64, एरिया 4 एकड़ खसरा 618 हेक्टर जयवारी रोड़ स्थित, खंडवा ।

> देव प्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्तित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीच : 7-4-1983

प्रकृष बाइं.टी.एन.एस.-----

प्रायक्तर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ(1) के धर्धीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 11 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आई ए सी/अर्जन/भोपाल/3551—यतः, मुझे, देव प्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा उत्त है), की धारा 269-द के अधीन सक्षम पाधिकारी को, 'पर विक्ताम करने का गारण है कि स्यावर संगीति, जिस ा उचित बाजार स्मूच्य 25,000 कि से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 26, 27 एवं 39/2 है, तथा जो ग्राम देवपुरी, रायपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय, रायपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22 ग्रगस्त 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीम निम्निलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् ह—

- 1. श्री कोरबहरा आत्मज साहसराम एवं अन्य, निवासी ग्राम देवपुरी ब्लाक धारिशवा, तहसील रायपुर (अन्तरक)
- 2. श्री बलबीर सिंह आत्मज रघुबीर सिंह निवासी सिविल लाइन्स, प्रेमकुंज, रायपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप् :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नं० 26, 27, 39/2, एरिया, 3.39 एकड़, ग्राम देवपुरी ब्लाक धारिशवा तहसील रायपुर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 11-4-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सुरकार

कार्याल्य, सहाय्क आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 अप्रैल 1983 निर्देश सं० आई ए सी/अर्जन/भोपाल/3552—यतः, मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 761, 762, 763 है, तथा तथा जो मोजा मोआ, रायपुर में स्थित है (और इससे उपाबब अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25 अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिवाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल निम्नलिचित उच्चेद्य से उचत अन्तरण लिचित में शास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बायत, उपत अधिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, औं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) श्री पीरबख्श,
 - (2) श्री जानबख्श आत्मज पीसरान खुदाबख्श,
 - (3) नाबालिग जसीरबख्श,
 - (4) श्री नाबालिंग रशीदबख्श,
 - (5) श्री नाबालिंग हफी बख्श पुत्र लालबख्श,
 - (6) श्रीमती जुलेखाबाई विद्यवा लाल बख्श,
 - (7) लालकी पुत्री खुदावरुश,
 - (8) जानबी पुत्नी खुदाबरूश,
 - (9) मानबी पुत्री खुदाबरूश,
- (10) श्री आमनाबी बैंवा विधवा खुदाबडण, निवासी मोआ मोवा, तहसील रायपुर

(अन्तरक)

 श्रीमती सरोजगुक्त धर्मपत्नी डा० प्रकाश नारायण शुक्त निवासी चौबे कास्रोनी, रायपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुक्क करता है

उनत संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृयोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकी।

स्पस्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि 0.6 27 हेक्टेयर खसरा नं० 761, 762, 763 मौजा मोवा, रायपुर ।

> वेवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपास

तारीख : 11-4-1983

प्रकृष् भाषी, क्षी. स्व 🤊 एच्चे.,------

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्बाक्य, सहायक प्रायक्तर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 अप्रैल 1983

निर्वेश सं० आई ए सी/अर्जन/भोपाल/3553—यतः, मुझे, वेवप्रिय पन्त,

नामकार मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त निधिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 हि. से अधिक हैं

और जिसकी सं खसरा नं 144/1 है, तथा जो राजनांद गांव में स्थित है (और इससे उपानक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजय है), रिज़स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजनांद गांव में रिज़स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28 ग्रगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बबापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और जंतरक (जंतरकों) और अंतरिती (जंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कित निम्नितिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त- विक कम से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरन से हुई जिसी बाव की वावत्, उनकः जिमीनयम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बार/वा
- (य) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, चिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का ११) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट गहीं किया गया भा या किया जाना साहिए था, छिपाने में सुविधा के लिएह

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंखत व्यक्तियों, वर्धात :--- 22-56GI/83

 श्रीमती अमृतकौर धर्म पत्नी सरदार गुलाब सिंह भाटिया, निवासी कैलाश नगर राजनांद गांव

(अन्तरक)

 श्री प्रवीण कुमार रायदा आरगज स्व० श्री लक्ष्मीदास रायदा, अस्पताल रोड़ राजनांद गांव

(अन्तरिती)

न्द्रे यह सूचना चाड़ी कड़के पूर्वोंक्त सम्परित के अर्थन के जिए कार्यवाडियां करता हो।

उक्त सम्पृतित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस तें 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी ववधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तुवारा;
- (च) इस सूचना के रावपच में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकोगे।

स्वव्यक्तिस्वः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों कर पर्वो का, वो उक्त व्यक्तियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित ह, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ज्या है।

अनुसूची

भूमि खसरा नं 0 144/1 व एकिकता पुरामा गोवाम, स्थित टाकापारी वार्ड नं 0 14 राजनांद गांव हदू नगर माजिका राजनांद गांव में स्थित है।.

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 11-4-1983

मोहर 🕆

प्ररूप बाइ : टी. एन्. एस. ----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 अप्रैल 1983

निर्वेश सं अाई ॰ए.०सी ०/अर्जन/भोपाल/ 3554--यतः मुझे, देवप्रिय पन्त.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रविध्वारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० खसरा नं० 144/1 है, तथा जो टाकापारा, राजनांद गांच में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजगांव में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25 अगस्त, 1982

को पूर्वेक्त सम्मित्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्वत उद्दिष्यों से उक्त अन्तरण सिवित में वास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी अपने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को अन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

अतः अब उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

 श्रीमती अमृतकौर पत्नी श्री सरदार गुलाबसिंह भाटिया, कैलाश नगर, राजनांद गांव

(अन्तरक)

 श्री कान्तिलाल पुत्र प्रयागजी भाई रायचा, निवासी अस्पताल रोड़, राजनांद गांव।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी वक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस अपूजा के उक्य के में प्रकासन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वाच अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं क्यें होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नं० 144/1 गोदाम सिंहतं ग्राम टाकापारा, बार्ड नम्बर 14, राजनीय गोव में स्थित है ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 11-4-1983

मोहर 🛭

प्रकप बाहै, दौ, एन, एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन त्यना

भारत रहकार

कार्यालय, सहायक धायकर भागुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, भोपाल, भोपाल, तारीख 14 अप्रैल 1983

सं० आई० ए० सी० /अर्जन / भोपाल / 3555— अतः, मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या एकमंजिला मकाम का भाग है, तथा जो गंजपारा दुर्ग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुर्ग में , रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 25 अगस्त 1982

को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्ष निम्निसिक उद्वेष्य से उक्त बन्तरण सिकित में बास्त-

- (क) कृष्यरण से हुई जिली नाम की सावत जनत विध-निमन के सभीन कह दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी कहने या उससे वृषने में बृत्तिभा के सिए; और/मा
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय नाय-कर निभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था कियाने में विभाने किया

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्नील्कित व्यक्तित्यों, अर्थात् ः—

- श्री लाभवंद राठी पुत्त ह्र्यखंद राठी, निवासी खापरी, तहसील बेमेतरा, जिला दुर्ग । (अन्तरक)
- श्रीमती पापूबाई पत्नी श्री केसरीमलजी, निवासी अलीराजहरा, जिला दुर्ग,

(अन्तरिती)

का यह स्थान जारी करके प्वोंक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप:~~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत अपिकतमों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त बन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एकमंजिला मकान का भाग, गंजपारा, दुर्ग में स्थित है।

देवप्रिय पन्त .
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निर्धाक्षण)
अज-य रेंज, भोपाल
गंगोली बिस्डिंग, चौथी मंजिल
टीं० टी० नगर, भोपाल

तारीख: 14-4-1983

प्रकृत आहु", टी. एवं . एवं .. प्रमानकारकारक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भाउँव स्टब्स

कार्यालय, सहायक मायकर मायकत (निर्कासण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, तारीख 14 अप्रैल 1983

सं० आई० ए० सी० / अर्जन / भोपाल / 3556 ---अतः, मुझे, देवप्रिय पन्त

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं प्लाट, खसरा नं 1373 एकम 1374, है, तथा जो मालवीय नगर, दुर्ग में स्थित है (और इससे उपबाद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुर्ग में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1982 को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिचित उद्देष्य से उच्न अन्तरण सिचित में बास्त्विक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायिख्य में कमी करने या उसते बचने में सूबिशा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय बाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त्रिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना पाहिए था, छिमाने में स्विधा के सिए;

जतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के जनसरण कों, मां, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को सधीन, निस्त्रसिंहिक व्यक्तियों, अर्थात् ध—— भी न्यास भी लक्ष्मीनारायण नेहाराज, किला मंदिर द्वारा भी विनोदकुमार अग्रवाल, दुर्ग,

(अन्तरक)

(1) श्री गोपीचंदं पुत्र केवलमल सिन्धी,
 (2) श्री सुरेश कुमार पुत्र केवलमल सिन्धी,
 किराना मर्चेन्ट, निवासी विकित काकोनी,
 पुर्गे,

को यह सूचना चाड़ी करके पूर्वांकत सम्पृत्ति के अर्थन् के हैंब्र् कार्यवाहियां करता हुं।

उन्तु संप्रीति के मुर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, को भी अवृधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं बहुी अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गमा

वन्सूची

प्लाट, खसरा न० 1373 / एवंम 1374/ मालगीय नगर , दुर्ग में स्थित है /

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल, गंगोत्री बिल्डिंग, भौषी मन्जिल, टी॰ टी॰ नगर, भोषाल

सारी**ज : 14-4-**1983

मोहर 🛭

प्रकप नाइ^र. टी. एन. एस. - - - --

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, तारीख 14 अप्रैल 1983

सं अर्घि ए० सी० / अर्जन / भोपाल 3557 ---अतः, मुझे, देवप्रिय पन्त

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ते इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धित, जिसका उचित् बाजार मूस्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट, खसरा नं० 1374/1 है, तथा जो मौजावुर्ग में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वुर्ग में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1982

को पृशांकत सम्मित्त को उचित बाबार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृत्रों यह विद्यास अरने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल हे, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गाया प्रतिकल, निम्निसित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण सिवित्त में भास्तीकक रूप से कथित नहीं किया जवा है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के शांवित्य में कमी करने वा उसते वचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यास्त प्रकट नृहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए भा, कियाने में सुविधा के निवस हा

अतः अब उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिंसित व्यक्तियों, अर्थात् हि——

- श्री न्यास श्री लक्ष्मीनारायण महाराज,
 िकलामंदिर द्वारा विनोदकुमार, निवासी दुर्ग.
 (अम्सरक)
- श्री गेबरीमल अन्डराड साईमन, 'पुत्र श्री साईमन अन्डराड वर्गरह, (निवासी जी०ई०, रोड, दुर्ग, (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जवधि बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रागरा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में प्रिशाजित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

प्लाट खसरा नं० 1374/1, मोजायुर्ग में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

तारीब : 14-4-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

भाभकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

भोपाल तारीख, 14 अप्रैल 1983

संव आई० ए० सी० / अर्जन/भोपाल/ 3558 ---अतः, मुक्ते, देषप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् र्वे कि मधिनियम कहा गया है), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- कि. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि खसरा न॰ 1373/1 एवंम 1374/1 हैं, तथा जो दुर्ग में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनूसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुर्ग में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 16-8-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे वृश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और बंतरिक (जंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नितित उद्देश्य से उच्त मंतरण जिल्हा में वास्तरिक रूप से करित नहीं किया प्रया हैं:--

- (क) जन्तरण ने हुई किसी भाव की बावत उपत जिंध-कियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए और/जन
- (क) होती किसी जान वा किसी भन या कर्य जास्तिनी की, किन्हुं भारतीय नामकर निर्मित्तम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निर्मित्तम, या भन-कर निर्मित्तमम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. श्री त्यास श्री लक्ष्मीनारायण महाराज किलामंदिर द्वारा श्री विनोदकुमार अग्रवाल, निवासी दुर्ग, (अन्सरक)
 - श्री अर्जुनदास पुत्र श्री ज्ञानदास, निवासी पाटनकर कालोनी दुर्ग,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उनत संपत्ति के गर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सीयं की व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, ओ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- '(ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-विश्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियस के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्वा

भूमि खसरा नं० 1373/1, 1374/1 दुर्ग में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, भोपाल गंगीक्षी विस्त्रिय, जौथी मंजिल,

तारीख : 14-4-1983

प्रकृष काइ[‡]. टी. एम. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, तारीख 14 अप्रैल 1983

सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3559 ---अत: मुझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपय से अधिक हैं

और जिसकी सं ख्रांसरा नं 1373/1 एवंस 1374/1 है, तथा जो दुर्ग में स्थित है (और इसमे उपब्रद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुर्ग में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908-का 16) के अधीन , अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उण्यत बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उण्यत बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित स्पितयों, अर्थात् ह--- श्री न्यास श्री लक्ष्मीनारायण महाराज, किलामंक्षिर दुर्ग द्वारा विनोदकुमार अग्रवाल,

(अन्तरक)

 श्रीमती सुहजण बाई पत्नी श्री केवलमल, निवासी दिक्षित कालोनी, दुर्ग,

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहरूताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारो।

स्पध्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उन्हार अधिनियम, के अध्याय 20-अः में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नं 1373/1, 1374/1, दुंग में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेन्ज, भोपाल गंगौती बिल्डिंग, चौथी मन्जिल, टी० टी० नगर, भोपाल

तारीख : 14-4-1983

प्ररूप् भाष्ट्री. दी. एम. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्याक्रय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रजैन क्षत्र भोपाल

भोपाल. तारीख, 13 अप्रैल 1983 अर्जन/भोपाल /3560 -सं० आई० ए० सी० श्रतः मुझे देवप्रिय पन्त आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की भार 269-स के नपीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार सृत्य 25,000/- रह. से **मिक हैं** और जिसकी सं० मकान नं० 5/692 व607 है, तथा जो मोदहापारा, रामपुर में स्थित है (और इससे उपबद्ध भ्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्दीकर्सा, ग्रधिकारी के कार्यालय, रायपुर में, रजिस्द्रीकरण अधिनियम 1908 (1098 का 16) के अधीन, 28 अगस्त 1982 को पूर्वीक्त सभ्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपर्लित का उचित् वाबार मुल्य, उसके व्ययमान प्रतिकल से एसे व्ययमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिवात से अभिक्ष है और ज़न्तरक (जन्तरकाँ) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तब पावा नवा प्रतिकल, निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिवित में वास्तविक रूप से कवित् मृहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण ते हुन्दै किसी जाय की नावर, उजस जीधीनग्रम की जधीन कर दोने को जन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उत्ते ब्यूने में सुविधा के बिए; बीड/वा
- (च) एसी किसी बाय या किसी वन वा अन्य जास्तिवाँ को, जिन्हों भारतीय जाय-अंद अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में सविधा के सिए;

अतः अब, उद्भक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्नसिधित व्यक्तियों, गर्यात् ि— श्री चास्तिलाल बस्द जेठा भाई बगेरह, निवासी फाफाडीह, रायपुर तहसील रायपुर,

(अन्तरक)

2. श्रीमती **जपश्री सामुद्री गृह** निर्माण सहकारी समिति मर्यादित मूढ़ापारा, रायपुर, (अस्तरिती)

को यह भूमना मारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

उनत संपृत्ति के वर्षन संबंध में कोई भी नाओब :----

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन की सबिंग तारावना में पर सूचना की तामील से 30 बिन की अविभि, को भी नविभ नाम में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्मिनता में से किसी स्मिनत बुवारा;
- (क) इस सूचना के राष्प्रण में प्रकाबन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिटबब्ध किसी मृत्य व्यक्ति वृद्याः मुभोहस्ताक्षरी के पास सिनियत में किए वा सकती।

स्पस्टीकरणः --- इसने प्रवृत्यते वृद्धि नौर प्रवे का, जो सक्त अभिनियम, के नध्याय 20-क में परिशाविक है, वही नर्थ होता, जो उस नध्याय में दिया गया है।

नगुसुची

भूमि तथा मक्षान नम्बर 5/692 व 607, मोह्वापारा रायपुर में स्थित है ।

> वेत्रप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेन्ज , भोपाल गंगीती निर्हिष्ण, चौथी मन्जिल, टी० टी० नगर, भोपाल

तारीख: 13-4-1983

मोहर 🖫

प्ररूप मार्ड. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, तारीख 12 अप्रैल 1983

सं० आई० ए० सी० /अर्जन/भोपाल / 3561 — अतः मृष्ट्रो देवप्रिय पन्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० भूमि सर्वे नं० 94:1,94:2, 97, 98, 99, 93:1, 93:2, 93:3, 94:4, 56:2, 95:2,है, तथा जो ग्राम

93:1, 93:2, 93:3, 94:4, 56:2, 95:2, हैं, तथा कि प्राम्न मंगरोला, तहसील उज्जैन में स्थित हैं (और इससे उपावड़ अनूसूची में और पूर्ण रुप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्सा मिश्रमारी के कार्यालय उज्जैन में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 20 अगस्त 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम् के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूरयमान प्रतिफल से, एसे रूरयमान प्रतिफल के पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त जन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; और/या
- (ख) एसे किसी काय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 23--56GI/83

- 1. श्री (1) वजीरखां आत्मज मोहम्मद खां मुसलमान
 - (2) उसमान भाई पिता करीम भाई मुसलमान, निवासी – उज्जैन

(अन्तरक)

 श्री फखरूद्दीन पिता इब्राहीम भाई चामछावाला निवासी —बम्बई

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितंबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकोंगे!

स्पव्यक्तिरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

कृषि भूमि सर्वे नं० 94:1, 94:2, 97, 98, 93:1, 93:2, 93:3, 94:4, 56:2, 95:2, 95:2, ग्राम मगरोला तहसील उज्जैन ,

(देवप्रिय पन्त) सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त ंअर्जन रेन्ज भोपाल

तारीख: 12-4-83

प्ररूप काई. टी. एन एस. -----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल , तारीख 12 अप्रैल 1983 सं० धाई० ए० सी० /अर्जन/भोपाल/3562 ---असः मुझे देवप्रिय पन्त अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अभिक हैं • और जिसकी संख्या प्लाट नं० 229 है, तथा जो अनूपनगर इन्दौर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (2,908 का 16) के अधीन, 6 अगस्त 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उम्तरित की गई है और मुक्के वह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके द्ययमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्त्रहप्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती

> (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(अन्तरितियों) के बीच एेसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-

विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की., जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नेही किया गय धा या किया जाना चाहिए था., छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः जब, उम्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उस्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधित :---

- श्री महेन्यरनाथ कोहली आत्मण श्री तीरघराम कोहली, निवासी 233, अनूपनगर, इन्दौर (म॰ प्र॰) (अन्तयक)
- श्री कृष्णलाल आत्मज श्री सु दरदास डाबर,
 72, सियागंज, इन्दौर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के वर्षन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की बविध, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श्व) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन ह भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवद्व किसी प्रान्य स्थित खाराह प्रकोहस्तीक्षरी के, पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त विधिनयम, के बध्याम 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

फ्ताट तम्बर 229, अनूपनगर, इन्दौर (्म० प्र०)

(देवप्रिय पन्त) सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेन्ज, भोपाल गंगौत्री बिल्डिंग , चौथी मजिल टी० डी० नगर, भोपाल

तारीब : 12-4-1982

प्रकम आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 🛮 69-ष (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 12 भ्रप्रैल 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी:०/अर्जन /भोपाल/ 3563---मतः मुझे देवप्रिय पन्त

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उपित बाजार मृल्य 25,000/- रूठः से अधिक ह^{*}

और जिसकी संख्या प्लाट नम्बर 5 है, तथा जो नंदनवन कालोनी , इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावक अन्सूची में और पूर्ण रुप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय , इस्वौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 3 प्रगस्त 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित आजार मृल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल सं, एसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्युदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से **हुई कि सी आ**य की बाबत , उक्ते अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/वा
- (क) भूरेरी किसी अगय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भागा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविभा के लिए।

जतः जब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निक्तिकत व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. भी गोकुलप्रसाद पिता भी मुलचन्दजी निवासी हरसूद तहसील, पूर्वी निमादः

(अन्तरक)

2. श्रीमती रेखा पति मनोहरलालजी, निवासी 32 महारानी रोड, इन्दौर

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त संपत्ति को वर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्घन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों सुचनाकी तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस स्कुना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अगे उक्स अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिष है, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में विदा गया है।

प्लाट नम्बर 5, नंदनवन कालोनी, इन्दौर में स्थित है।

देवप्रिय पत्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) क्षर्जन रेंज, भोपाल गंगोबी बिल्डिंग, चौची मन्जिल, टी॰ टी॰ नगर, भोपाल

तारीच : 12-4-1983

٠Ħ

मोज्य ह

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोषाल, दिनाँक 12 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन भोपाल/3564—— श्रतः मुझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात (उक्त अधिनियम) कहा गया है), की धार 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं० 6 है, तथा जो नंदनवन कालोनी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अंमुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 3 श्रगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की साबत, उक्त अधिनिवम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री रमेशचन्द्र पिता श्री मूलचन्दजी गौर निवासी हरसूद तहसील, पूर्वी निमाड म० प्र० (अन्तरक)
- 2. श्रीमती पूनम पति श्री हासानंदजी निवासी 38 महारानी रोड़, धन्वीर (अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वेक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना को स्वापन में जिनासन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारक अंधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वनस्या

प्लाट नं० 6, नंदनवन कासोनी, इन्दौर

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल गंगौस्री बिल्डिंग, चौथी मन्जिल, टी० टी० नगर, भोपाल

तारीख: 12-4-1982

प्रखप श्राई • दी • एनं • एस •---

भायकर मिलियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी 2/अर्जन/भोपाल/ 3565—यतः मुझे देवप्रिय पन्त

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व्यए से अधिक है

और जिसकी सं० खसरा नं० 1373/1, 1374/1 है, तथा जो दुर्ग में स्थित है (अगैर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुर्ग में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के 'उचिन बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल ता ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दइ प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया पया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वाक्तिक रूप ने किया नहीं किया गया ह:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के निय; कर्त्र्या
- (स) एसी किसी नाम या किसी धन या नन्स नास्तियों को, विण्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निर्धितयम् या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध न्तियो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् हि—

- न्यास श्री लक्ष्मीनारायण महाराज, किला-मंदिर दुर्ग द्वारा श्री विनोदकुमार अग्रवाल। (अन्तरक)
- 2. श्री गजानंद प्रसाद आत्मज गोपाल प्रसाद, निवासी सिविल लाइन, दुर्ग।

(अन्तरिती)

को यह इतका गरा घर व्यूवींका समात्ति । अवेन के विष् कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से '
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित. बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्यास में दिया गया है।

अन्स्ची

भूमि खसरा नं० 1373/1, 1374/1 दुर्ग में स्थित है। देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेन्ज, भोपाल

तारीख: 14-4-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एम. एस.-----

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागवत (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 14 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3566—-यतः मुझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्तिः, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 2176, है, तथा जो राइट टाउम जबलपुर में स्थित है (और इससे उपावत अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के के अधीन, 9 अगस्स 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुभ्ठे यहिवश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (वंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण ते हुइ किसी शाय की यावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए।

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-श की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 1 श्री हरि कृष्ण, गुप्ता कल्द नारायणदास गुप्ता, निवासी 489 हनुमानताल जबलपर

(अन्तरक)

2. श्री राजेशकुमार झात्मज श्री रामेशचंद्र तिवासी, द्वारा श्री पी० पी० भागव, मकान नं०, 79, चाकोडी, गंजीपुरा, राइट टाउन, जबलपुर:

(अन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्पना के राजपन में प्रकारन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारी अधोहस्ताक्षर के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवा का, जो उक्त जिभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन समी

सीट नं० 7, प्लाट नं० 81, मकान नं० 2176 का भाग राइट टाउन, जबलपुर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपास

तारीख: 14-4-1983

मोहरः

प्ररूप आइं. टी. एन. एस.-----

सायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के सधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 अप्रैल 1983 निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जेन/भोपाल/3567—~यतः मुझे देवप्रिय गंत

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं कि मकान नं के 2176 है, तथा जो राइट टाउन, जबलपुर में स्थित है (और इससे उपान्द्र अमुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9 अगस्त 1982

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिषत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय याया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दरेग्य से उवत अन्तरण निल्लिख में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए:

जतः अब, उन्त जिभिनियम, कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों; अर्थात् :---

- श्री शिवकुमार आत्मज श्री बलीराम गुण्ता, निवातो 19 लाजपत कुंज, नेपियर टाउन, जबलपुर। (अन्तरक)
- 2. श्री गौसूश कुमार आत्मज श्री रामेशचन्द्र निवासी द्वारा श्रो पी० पी० भागेंब, निवासी मकान नं० 39 छाकोडी साहू का बाड़ा, गंजीपुरा, राइट टाउन, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थितियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिए;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्सूची

सीट नं० 7 प्लाट नं० 81, मकान नं० 2176 का भाग राइट टाउन, जबलपुर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 14-4-1983

प्रकः प्राई । टो० एन० एस०---

भायकर म्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) धारा 269-व (1) के भ्रधीन नुबना

मारत भरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/ 3568—यतः मुझे देवप्रि पन्त

म्रायकर मिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिविनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन पत्रम पाविकारी की. यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर पश्चति. जिनका उचित्र बाजार मूख्य 25,000/- स्पर् में मिकिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 23 है, तथा जो यशवंत रोड़, इंदौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27 अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिश्वल के लिए अन्तरित का गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा। विकल संग्रे एसे व्हयमान प्रतिश्वल संग्रे एसे व्हयमान प्रतिश्वल का पत्थ्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बोज ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया भया प्रतिकल, निम्नतिबित उद्देश ग उक्त अन्तरण लिश्वित में बास्तिब का संग्रे से स्वीवत नहीं। किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर की के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचते में सुविधा के लिए:
- (ख) ऐता किस अध या किसा धन या प्रन्य प्रास्तियों का जिन्हें भारतीय प्राय-कर मृतिनियम 1922 (1922 का 11) या उन्न अधिनियम, या जन-कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च भन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया या जिया जनन बाहिए था, छियाने में अविद्यो जिल्हा।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 श्रीमती माधुरी, पति कमल चुग निवासी ——ित्रविणी कालोनी, इंदौर।

(अन्तरक)

2 श्रीमती ज्योतिबाई पति मुरलीधर, निवासी-23, यशवंत रोड, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी इरके पूर्वीक्न सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां मुख्करता है।

उस सम्पति ६ ग्रजैन के नम्बन्ध्र में कोई मो अपनेर :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकालन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी है ने 30 दिन की खबिध, जो भी खबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श्र) इस यूचना के राज्ञपत्र में प्रकातन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किंगी अन्य व्यक्ति द्वारा सधोइस्ताक्षरी के पास लिख्ति में किए जा सकेंगें।

स्य स्टाकरण: --इतने अयुक्त शक्तों और पत्तों का, जो इका अधि-तियन के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही सर्वे क्षीता, का उन्न प्रकाय में दिलागर है।

अन्सूची

मकान नं० 23, यशवंत रोड, इंदौर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकःरी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 15-4-1983

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) व्यी धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

निरीक्षीं सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 अप्रैल 1983 निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन / भोपाल/3569—— यतः मुझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ए के अवीन 'अभ राजियमारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थान सम्बोध का जिसका उचित वाजार मूल्य -25,000 राज से अधिक हैं

और जिसकी सं० मकान का भाग है, तथा जो गंजपारा, दुर्ग में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुर्ग में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25 अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिकृत से अधिक है और अंतरित (अंतरकों) और अंतरिती (अन्त्रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवृक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उचत अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए; और/या
- (य) ऐसी किसी पान पा निसी धन या अन्य आस्तियों कार्त जिल्हों भारतीय नारण प जी गीन्य मा 1972 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, था धनुकर अधिनियम, था धनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-य की स्वय्यारा (1) के अधीन, निम्बलिखित व्यवितयों, अर्थात् :--24-56GI/83

- श्री लाभचंद राठी आत्मज श्री हरखचंद राठी, निवासी खापरी, तह० बेमेतरा, जिला दुर्ग। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती पापूबाई एत्नी श्री केसरीमलजी, निवासी— रलीराजहरा, जिला दुर्ग। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्पर्कत के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित की अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप;--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर स्वितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा यकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्यी

एक मंजिल मकान का भाग, गंजपारा, दुर्ग में स्थित है।

(देवप्रिय पन्त) सक्षम प्राधिकारी सहायक बायकर बायुक्त (निरौक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 14-4-1983

भोहर 🖫

प्रस्त्व आई. टी. एन. एस. - - - ----

आर्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाच

भोपाल, दिनांक 13 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3570—येतः

मुझे देवप्रिय पन्त

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा र 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, गत्र विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नंबर 2, है, तथा जो रेसकोर्स रोड़, हंबीर में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूधी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर में, राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2 श्रगस्त 1982

को पूर्वों कर संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के श्रममान प्रतिफल के लिए जन्तिरित की गई है और सभे यह जिस्तान सरने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपत्ति का अचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे श्रममान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत अधिक है और अन्तरिती (अन्तरिशियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि निम्निलिख में वास्तिविक रूप से किथा गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई मिली आम की बामत, उभत अधिनियम के अभीन कर दोने के अभ्तरक के स्विधिस्य में कभी करने या उससे समने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्ष्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. मैसर्स भाग्यलक्ष्मी गृह निर्माण सहकारी संस्मा, इंदौर (अन्तरक)
- 2. मैंसर्स श्रीनाच नगर गृह निर्माण सहकारी संस्था इंदौर तरफे अध्यक्ष श्री नवेंदा प्रसाद पिता भगवती प्रसाद तिवासी, निवासी-शंकरगंज, इंदौर।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यभाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की जविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की त्रमील से 30 दिन की जविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वास;
- (का) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का सै 45 दिन के भीतर उच्चत स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अस्व व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्सित में किए जा सकोंगे।

स्वक्षीकरण — इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, को उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁴, वहीं नर्भ होगा, को उस नध्याय में दिवा गया हु²।

अनसची

ज्लाट नं० 2, **रेसकोर्स** रोड, इंदौर में स्थित है।

वेत्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाान

तारीख: 13-4-1983

मोहादु 🖫

प्ररूपु आहरें. टी. एन. एस.-----

ं जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्याचय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)

> अर्जन क्षेत्र, भोपास भोपास, विनोक 13 अप्रैल 1983

मिदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन /भोपाल/3571—यतः, मुझो देवप्रिय पन्त,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खसरा नं० 155, 156, 157 है, तथा भो ग्राम उमरिया, तहसील व जिला इन्बौर में स्थित है (और इससे उपायक अनुसूची में और पूर्णें क्ष्म से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में , रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17 अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिष्ति से अधिक है और ऐसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितिगों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निखित् में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) ब्रन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त विधिनियम के बधीन कर दोने के ब्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; ब्रीट्र/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी अन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, खिपाने में सुविधा के लिए;

ज्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्खिल स्थितसमें, अर्थात् :--- श्री अमृतराय पिता श्री जीमलगी, निवासी-29; पलगीकर कासोनी इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्री सत्यनारायण अग्रवाल पिता श्री रामचन्द्र अग्रवाल, 19, मालगंज (शहीद भगतसिंह मार्गे) इन्दौर। (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्विस्तु संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उन्ते स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पद्धोकरण: ---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्युक्ते

भूमि खसरा नं० 155, 156 व 157 है जो ग्राम उमरिया व तहसील, जिला इन्दौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायमर ग्रायमुद्ध (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीच : 13-4-1983

मोहर 🕄

प्ररूप नाहाँ, टी. एन. एस. ----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 18 अप्रैल 1983

निदेश सं अर्ध ए० सी ०/अर्जन/भोपाल/ 35732 -- यतः मुझे देवप्रिय पन्त,

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो ग्रामशंकरा जाथरा में स्थित है (और इससे उपावक अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय जावरा में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19 ग्रगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूं अे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिचित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से सुद्ध किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर वामें के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे स्वने में सुविभा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

अतः अब् उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के वृधीन निम्नतिकित स्पिकत्यों, अर्थात्ः

 श्री अजय र्कुमार गुप्ता, निवासी—सिरवारी बाजा र, मुरैना।

(अन्तरक)

2. श्रीमती बसंतो देवी पत्नी स्व० देवचंद सराफ।
2. श्रीमती कांति देवी पत्नी हरीयांचंद सर्राफ निवासी—जोरा, आलापुर, मुरैना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उत्कत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध भें कोई आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तार्माल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिया,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विवित्त में किए जा सकेंगे [ध]

स्पष्टीकरण: ----इसमों प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम शंकरा, जावरा में स्थित है। एरिया 16 विस्वा।

> देवप्रिय पन्त मक्षम प्राघिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 18-4-1983

प्ररूप आई० टी॰ इस॰ ्स॰--

नायकर निधिन्यम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक वायकर जायकत (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 अप्रैल 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3573—यतः मुझे देवप्रिय पन्त,

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अभेर सक्ष्म प्राधिकारी हो, तह विकास करने या दारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूखण्ड कमांक बी०-2 है, तथा जो ईदगाह हिल्स भोपाल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णेरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारों के कार्यालय भोपाल, में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31 अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल को लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में बास्तिक रूप से कथित नहीं दिख्या नया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनियम, विद्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) श्री दिनेश कुमार तायल।
 - (2) श्री कृष्ण कुमार।
 - (3) श्रीमती मुलक्षणा ।
 - (4) श्री सुदेश गर्ग।
 - (5) श्रीमती अर्चना गुप्ता।
 - (6) श्रीमती पुष्पा अग्रवाल पुत्रगण व पुत्री स्व० शोभारामजी निवासी—गोविन्दपुरा, भोपाल। (अन्तरक)
- श्रीमती प्रेमवती अग्रवाल पत्नी श्री एम० एल० अग्रवाल, निवासी—श्यामला हिल्स, भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त संपत्ति के ग्रर्जन के लि कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी सक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- वद्ध किमी अन्य करिन द्वारा नभाहिस्ताकरी के नम किन्त में किए जा नकारी।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याद 20 क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

एक किता भूखण्ड क्रमांक बी-2, ईदगा हिल्स भोपाल में स्थित हैं।

देवप्रियं पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 18-4-1983

मोहर 🖫

प्ररूप बार्ड: टी. एन. इस.-----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निद्रीक्षण) अर्जन को ज, भोपाल

भोपाल, विनांक 18 अप्रैल 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3574---यतः, मुझे देवप्रिय पत्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उथत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नंबर 5 है, तथा जो बैरिसिया रोड़, भोपाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय भोपाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11 अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययसान प्रितिक्त के लिए बन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित में कमी अप्तेया उससे अवने में सविधा के लिए; और/वा
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की. जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-फर अधिनियम, या भन-फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था छिपान में त्विभा के सिए;

 श्री मोहम्मद एहसान पुत्र मोहम्मद उस्मान निवासी— धोडा नक्कास, भोपाल।

(अन्तरक)

श्री नानकचंद पिता रामलाल निवासी---हमीदिया
रोष्ट, भोपाल।

(अन्तरिती)

को बह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कामधाहिया करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन को भीतर उक्त स्थिति सम्पत्ति में हित- सक्ष किसी अन्य स्थिति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्कीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अन्स्की

प्लाट नंबर 5, बैरिसिया रोड़, भोपाल में स्थित है,

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधि**कारी** सहामक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, **भोपा**ल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, नर्भात् :---

सारीख: 18-4-1983

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-घ(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहामक भारकर बार्क्त (निरक्षिण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3575—यतः मझे, देवप्रिय पन्तः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 स के अधीन अअम प्राधिकारी को यह विश्वान करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नंबर 11, स्कीम नंबर 13 है, तथा जो महराणा प्रताप नगर, मेंजर शांपिंग सेंटर, भोपाल में स्थित है (और इससे ज्याबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भोपाल में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19 अगस्त 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनिय्व के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे दचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती स्वारा अकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्निचिसत व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री एस० एन० गुप्ता पुत्र एम० एल० गुप्ता निवासी निवासी—एच० आई० जी०-39, शिवाजी नगर, भोपाल।

(अन्तरक)

2. श्री बी॰ एम॰ अग्रवाल पुत मथुरा प्रसाद अग्रवाल निवासी—ई०-4, अरेरा कालोनी, भोपाल । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्क्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताशील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मं से-िकसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्तित द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास जिस्का में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह⁴ं

अनुसुची

ब्लाट नंबर 11, स्कीम नंबर 13, महाराणा प्रताप नगर, मेंजर शापिंग सेंटर, भोपाल में स्थित है। एरिया 2445 स्क० फीट ।

> देवप्रिम पन्त सक्षम प्राधिकारी स**हाग**क आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल

तारीख: 18-4-1983

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर लाग्यत (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 18 अप्रैल 1983

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3576---यतः मुक्ते देवप्रिय पन्त

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिर्रा इसमें इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-वा को अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० मकान नंबर 44/472 है, तथा जो लक्कड़ खाना — ब्रिगेड हास्पीटल के पींछे लक्कर-ग्यालियर में स्थित है (और इससे जपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप ते विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24 अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकत से अभिक है और अंतरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल निम्निलिचित उद्देश्य से उक्त बंतरण निस्तित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) म्लारण से इंडि किसी बाव की बाबत, उक्त जीभीनयम के मधीन कर देने के मन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे भवने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की शारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री भाऊसाहब पुत्र वामनराय फुल्वे य जान्ता ब परेनी भाऊसाहेब फुल्वे व आनन्दराय त्र दिगकर राय पुत्रगण भानु हाहिंब फुल्वें निवासी श्रद्धसदाबाद हाल लक्क इखाना नगर लक्कर ग्वालियर (म०प्र०)। (अन्तरक)
- 2. श्री गनपतराव आत्मज रामचन्द्रराय खेडकर निवासी खेडकर का बागी निया बाजार लश्कर ग्वालियर (म० प्र०)।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हुं।

उपत सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित इतारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा ओ उस अध्याय में दिया गया है।

अमृत्यो

मकान नम्बर 44/472 जो कि लक्कड़खाना बिगेड इास्पीटल के पीछे लक्ष्कर-खालियर में स्थित है।

> देवप्रिय प न सजन प्राधिकारी, सहायक थायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, भोपाल

गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

सारीख: 18-4-1983

मोहर 🖫

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 अप्रैल, 1983

सं० आई० ए. सी०/अर्जन/भोपाल/3577:--अतः मुझें, देवप्रिय पन्त,

ग्रायकर ग्रिप्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवान् 'उक्त अविनियम' कहा गया है), की श्राप्त 269-व के अबीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यान, दिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- २० से मधिक है

और जिसकी संख्या निगम नम्बर 33/230 है, तथा जो लाला का बाजार, लक्ष्मर ख़ालियर में स्थित है, (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, खालियर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन; 18 ग्रगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व कों कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी अध्य वर्ष किश धन या अन्य धर्म स्वार को, जिन्हें भारतीय आप्रतर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्त प्रधिनियम, या धन-वर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाता चाडिए वा. जियानों में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—— 25—56GI/83

- श्री उमा भान पत्नी जगतारणनाथ 2. विष्णु मोहन, 3. डा० प्रकाश मोहन, 4. शशि मोहन 5. डा० चन्द्रमोहन भान पुत्रगण जगतारणदास भान निवासी भान साहब का बाड़ा, जीवाजी, गंज, लश्कर। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती पदमादेवी पत्नी हेमनदास निवासी लाला काछ बाजार, लश्कर। अन्तरिती

को यह सूचता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उनत सम्पति के मर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते।

स्पच्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अब्दाय में वियागया है

अमुसुची

निगम नम्बर 33/230, लाला का बाजार, लश्कर $^{\frac{1}{4}}$ स्थित हैं।

ेदेवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (दिरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल!

तारीख: 18-4-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचरा

भारत सरकार '

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 अप्रैल 1983

निर्देण सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/ 3578---अतः मुक्त देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या निगम नम्बर 33/230 हैं, तथा जो लाला का बाजार लग्कर, ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 18 अगस्त, 1982।

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इर्यमान प्रतिफल से ऐसे इर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्देश्य से उन्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी साय की बाबत प्रकत सिंध-नियम के मधीन कर देमें के प्रस्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/था
 - (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

- श्रीमती उमा भाम परनी जगतारणनाथ 2. विष्णु मोहन 3. डा० प्रकाश मोहन, 4. शिण भिनेहन 5. चन्द्रमोहन भान पुत्रगण जगतारणभान निवासी— भान साहब का बाड़ा जीवाजी गंज, लश्कर।
- 2. श्री हेमनदास पिता मापारीमल निवासी——लाला का बाजार, लक्ष्कर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से #8 विक की किया में तिसम्बद्धी व्यक्तियों चर सूचना की तामील से 30 विन की अविभि, जो भी अविभ बाव में सम्मान होती हों, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्नीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

निगम नम्बर 33/230, लाला का बाजार, लक्कर ग्वालियर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त. सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण में ,मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीच: 28-4-1983

प्रकृष बाइं. टी. एन. एस.-----

भाषकर अधिनिज्ञम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) को अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 अप्रैल, 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/ 3579:---अत: मूझे देवप्रिय पन्त,

अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या किया तम्बर पुराना 33/230 नया नम्बर 29/225 है, तथा जो लाला का बाजार, लक्कर में स्थित है, (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 19 अगस्त, 1983।

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिमां) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से अधिक नहीं किया गया हैं:---

- (क) बन्तरम वे हुई किसी बाप की वार्यत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए, और/वा
- (च) एंसी किसी आय जा किसी भन या अन्य आस्तियों कारे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के विशः

क्त: वय, उक्त विधिनयम, की भारा 269-ग के जन्दरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :—— श्रीमती उमाभान परनी जगलारणनाय व 2. विष्णु प्रकाश मोहूँन 3. शशिमोहन, 4. चन्द्र मोहन भान पुत्रगण जगतारणनाथ जी भान निवासी- जीवाजी गंज, लक्ष्कर।

(अन्तरक)

2. श्री भगवान दास खेंसचन्द 2. जीयन्दमल जी पुक्षमण का सूकजी निवासी लाला का बाजार, लक्कर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश्व से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकरा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गया है।

मनुसूची

सम्पत्ति दिवास 33/230 पुराना, नया नम्बर 29/225, लाला का बाजार लक्ष्कर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 18-4-1983

प्ररूप बाइर. टी. एन. एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-ज (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 अप्रैल, 1983

सं० आई ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3580:- ग्रतः मुर्झे देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित साजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या नि॰ नम्बर 44/986 है, तथा जो माधोगंज लक्कर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ती अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर, में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, 13 प्रगस्त, 1983। को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से एसे द्वयमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिशत से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और जंतरिती (अन्तरितिमों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्तनिविद्य उद्योध से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उत्तर, अधिनियम के अधीन कर दोने के अम्तुरक के दासित्व में कभी करने या उत्तरसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था स्थिनने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनूसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीर :--- श्रीमती विघ्या बाई पत्नी आशरदास जी निवासी फर्म वाली गली, लग्कर।

(अन्तरक)

 श्री नरेश कुमार अव० पुत्र भगवान दास बसर पिता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के मुर्चन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

चनत् सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप् :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवां के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपूज में प्रकाशन की तारीब से 45 विज के मीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, बधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरणः ---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची ४

निवासी निवास नम्बर 44/986, माधोगंज फर्म वाली गली लम्बर, ग्वालियर में स्थित है।

> वेवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, भोपाल

ता**रीख: 18-4-**1983

प्रारूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुल्सा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 अप्रैल, 1983

सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपा /3581:— यत: मुझे देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25 000/ का से अधिक है

25,000/ रु. से अधिक हैं
और जिसकी संख्या 43, मालवीय नगर, भोपाल है, तथा
जो मालवीय नगर, भोपाल में स्थित है (और इससे उपबद्ध
प्रनुस्ची में और पूर्ण के हप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में, रिजस्ट्रीङरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, 10 गस्त, 1982।
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास
कैरने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संयति का उचित वाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और
अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तिवक रूप से कृथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीर कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/य
- (स) ऐसी किसी अग्र था किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण माँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :---

 श्री प्रभुदयाल सक्सेना पिता रघुबीर दयाल सक्सेना, निवासी मकात नम्बर 3, बड़वाली मस्जिद, जांह जहांगीराबाद, भोपाल।

(अन्तरक)

2. मैसर्स रंजीत रेस्टोरेंट हमीदिया रोड भोपाल द्वारा पार्टनर अमरीक सिंह पिता सरदार गुरबख्श सिंह, निवासी हमीदिया रोड, भोपाल।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में बन्ने भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपेतृ में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास दिखा में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमों प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बंगला नम्बर 43, दो फिनेट नुमा, 43 मालवीय नगर, भोपाल में स्थित हैं।

> .देव प्रिय पन्त, सक्षम प्रादिकारी, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख: 18-4-1983

प्ररूप आहरे. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्**य**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 18 अप्रैल 1982

सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3582:—म्ब्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या नजूल प्लाट नम्बर 15 शिंट नम्बर 4 है तथा जो भीजा सूरजगंज आर्यनगर, मेहरागांव, होशंगाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, होशंगा-बाद में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 18 अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तरों सचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विध के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीतः ----

- 1. श्री राधाक्ष्ण सहारिया पुत्र स्व० डा० पूनम जन्द सहारिया निवासी नारोजी नगर, नई दिल्ली हाल मुकाम मंगल वारा, होशंगाबाद (म० प्र०)। (अन्तरक)
- 2. श्री कमल किशोर मिश्रा पुत्र लक्ष्मीनारायण मिश्रा निवासी आर्यनगर इटारसी जिला होशंगाबाद। (म० प्र०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से कि की कार्यका बुतारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के औतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मध्योतरम '--इनर्ने प्रमृत मध्यं प्रीट पश्चौ का, जो उक्त प्रीवित्यन के प्रध्याग 20-क ने परिभाषित है, बहा अर्थ होगा, जो उन अध्याप में दिया गरा है।

अनुसुची

परिवर्तित भूमि नजूल प्लाट नम्बर 15 शीट नम्बर 4 क्षेत्रफल 3200 वर्गफुट, मकान दो मंजिला—कुंआ, स्थित मौजा सूरजगंज, आर्थेनगर, महरागांव, होशंगाबाद।

> देवप्रिय पन्तं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्द आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 18-4-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भ्रायकर मर्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 अप्रैल 1983

सं॰ आई॰ ए॰ सी॰/अर्जन/भोपाल 2583:--- श्रतः, मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर औधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् एकत अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान नम्बर 752/1 का भाग है तथा जो न्यू क्लाक कालोनी, शिक्पुरी में स्थित है, (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवपुरी में, रिजस्ट्रीकरण प्रधि-मियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, प्रगस्त, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) भ्रत्यरण से हुई किसो भ्राय की बाबत, उक्त भ्रष्टि-नियम के भ्रष्टीन कर देने के अक्तरक के दायिश्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए, बीर/या
- (च) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य बास्तियों की, जिन्हें भारसीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या चक्त प्रधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अतः, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधित् :---

- 1. श्री किसोरी लाल पुत्र श्री अर्जुन दास गोस्वामी निवासी----न्यू ब्लाक कालोनी, णिवपुरी (म० प्र०) (अन्तरक)
- 2. श्री महेन्द्र कुमार गोयल पुत्र रामजीदास गोयल, निवासी—सदर बाजार णिवपुरी (म० प्र०)। (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए फार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नम्बर 752/1 का भाग जो कि न्यू ब्लाक कालोनी, शिवपुरी (म० प्र०) में स्थित है।

> दिव प्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीच: 18-4-1983

प्ररूप आदि. टी. एस. एस. -----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 अप्रैल 1983

सं॰ आई॰ ए॰ सी॰/अर्जन/भोपाल/3584:—-श्रतः, मुझे, वेविप्रिय पन्त,

मायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान नम्बर 752/1 है तथा जो न्यू इलाक कालोनी, शिवपुरी में स्थित है (और इससे उपावब प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवपुरी में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1982

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की भावत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे क्ष्मने में सुविभा के लिए; ओर/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विस्ता जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री किशोरी लाल पुत्र श्री अर्जुन दास गोस्यामी, निवासी—न्यू ब्लाक कालोनी, श्रिवपुरी (म० प्र०)। (अन्तरक)

2. श्री राजेन्द्र कुमार् गोयल पुत्र रामजीदास गोयल निवासी—सदर बाजार शिवपुरी (म॰ प्र०)। (अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हु।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 किया की अविधि आ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अमस ची

दों मंजिला मकान नम्बर 752/1 जो कि न्यू ब्लाक कालोनी, शिवपूरी में स्थित है।

> ्रें देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 18-4-1983

प्रकण आहें, हो, एन, गम्.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र , भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 अप्रैल, 1983

सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3585:—ग्रतः, मुझे, देवप्रिय पन्त,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/- रु. से अधिक है

25,0007-रा. संजाबक ह और जिसकी संख्या दोमंजिला मकान है, तथा जो बार्ड नम्बर 13 घोसीधुरा शिवपुरी में स्थित है (और इससे उपा-बुद्ध श्रुन्यूची में अपेर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवपुरी में, रिजस्ट्रीकरण श्रुधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 20 श्रगस्त, 1982 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान श्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दश्यमान श्रितफल में, ऐसे दश्यमान श्रितफल का पन्द्रह श्रितशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिकों: जो बीच एसे अन्तरिण के लिए तथ पाया गढा श्रितिका, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; करेर/या
- (स) एंसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारताय आयंक्टर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त रिधिनियम, या धन-कंटर ऑधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया नाम बाहिए था. कियाने में स्रोतिक के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 26—56GI/83

1. श्रो चतुर्भ्ज पुत देवीलाल राठौर, निवासी घोसीपुरा शिवपुरी (म॰ प्र॰)।

(अन्तरक)

 तनकूराम एवम् मोहन पुत्रगण श्री रतनाराम राठौर, निवासी, घोसीपुरा शिवपुरी (म० प्र०)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी डाक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीह से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास विस्ता में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में तथा परिभाषित ह⁵, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह⁵।

अन्स्ची

दो मंज़िला मकान जो कि वार्ड नम्बर 13 घोसीपुरा शिव-पुरी में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 18-4-1983

प्रकप. आई. टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार -

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 अप्रैल 1983

सं० आई ए० सी०/एक्यू०2/एस० आर०-1/8-82/9563⁵ यतः, मुझे, सुधीर चन्द्रा,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विक्ते इसकें इसकें पहचात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विधवात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या 4422-23 है तथा जो पार्ट मं० 4497, नई सड़क, बार्ड नं० 6, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख ग्रगस्त, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित वाजार मृत्य में कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संस्पत्ति का उपित बाजार मृत्य उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह्म प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरका) जौर अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नीलिसित उप्योध्य से उपस जन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी शाय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-यं के अनुसरणं को, मों, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-वं की उपधारा (1) के अधीनः निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः दं म

1. म० सुरजीत बुक डिपो, 4074-75 नई सड़क, दिल्ली मार्फत श्री हरनाम सिंह, सतनाम सिंह सुपुत्र श्री लाल सिंह, कवलजीत सिंह सुपुत्र श्री हरनाम सिंह, निवासी फ्लैंट नं० 1, लाहना सिंह मार्केट, सङ्जी मण्डी, दिल्ली।

(अन्त**रक**)

2. श्रीमती ज्ञान कौर सुपुत्र श्री हरनाम सिंह, निवासी—7/के, कोल्ह्यपुर रोड, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वनाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासीच के 30 किन की अवधि, जो भी कियाँ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंगरा;
- (व) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, न्धोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्त्रकोकारण: ----इक्सें प्रयूक्त कथा और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याम में दिवा गमा है।

अनुसुची

1/2 अविभाजित हिस्से प्रो॰ मं॰ 4422 और 4423, पार्ट नं॰ 4497, तादादी 96 वर्गगज, स्थापित नई सङ्क, बार्ड नं॰ 6, दिल्ली-6।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सद्दायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली

सारीच : 12-4-1983

प्रकप भार्च. थी. एत. एस्. - - - - --

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर आंयुक्त (निरीक्षण) अर्जेन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली, दिनांक 12 अप्रैल 1983

सं ॰ श्राई ॰ ए० सी ॰ /एक्यू ॰ ॰ 2/एस ॰ ग्रार-1/8-82/9564:---

यतः, मुझे, सुधीर चन्द्रा,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धाण 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सुम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

मौर जिसकी संख्या 4422 4423, है तथा जो पार्ट नं० 4497, नई सङ्क, वार्ड नं० 6, दिल्ली-6 में स्थित है (और इससे उपाबक्क अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख भ्रगस्त, 1982

को पृत्रों क्स संपत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रभोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा को लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिकित व्यक्तियों, मर्थात् ह 1. मै० सुरजीत बुक डिपो, वाक्य 4074-75, नई सड़क, दिल्ली द्वारा हरनाम सिंह, सतनाम सिंह, सुपुन्न श्री लाल सिंह, कैवलजीत सिंह सुपुन्न श्री हरनाम सिंह, निवासी पलैट नं० 1, लहना सिंह मार्केट, संब्जी मण्डी, दिल्ली-7।

(अन्सरक)

2. श्रीमती जसकीर कौर परनी श्री सतनाम सिंह, निवासी फ्लैट नं० 1, लहना सिंह मार्केट, सब्जी मण्डी, दिल्ली

(अन्तरिती)

का यह सूचना आर्री करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि; जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण: --- इसमें प्रयुवत शब्दों और पदो का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भाधा हिस्सा बिला बटा हुआ मिनजुमले सालिम जायदाद दो मंजिला बमय तहत आराजी लगभग 96 वर्गगज, श्रो० नं० 4422, 4423, पार्ट नं० 4497, नई सड़क, दिल्ली, इलाका नं० 6, दिल्ली-110006।

सुधीर जन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,-2 दिल्ली

ता**रीख**: 12-4-1983

मोह्नर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, नई विल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 अप्रैल 1983 सं० आई० ए० सी०/एक्यू/2/एस० आर०-1/8/82/ 9548--- श्रतः मुझे सुधीर चन्द्रा, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 / - रत. से अधिक हैं भौर जिसकी संख्या 1410 है तथा जो मालीवारा, नई सड़क, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त, 1982। को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्स्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती

(अन्ती'रितियों) के बीच ए'से अन्तरण के लिए तथ पाया गया

प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में

वास्तविक रूप से कश्यित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (वा) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा को लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निक वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री राधे ज्याम सुपुत्र श्री हीरा लात, नियासी 6/381, मुहल्ला डंगर, शाहदरा दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्री हिरि राम णर्मा, का नारायण शर्मा, स्वरूप नारायण शर्मा, शुभाप चन्द शर्मा, बाबु राम गर्मा, पपेन्द्रा कुमार शर्मा सुपुत्रगण स्व० श्री इन्द्राज, निवासी 1410 माली वारा, नई सड़क, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति, सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु-।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंय ---

- (क) इस रूचना के राजपत्र में एकाशन की तारीं से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाण होती हो, के भीतर पूर्वीकृत व्यक्तियों में से कि.सी. स्थावक द्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारी ब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्भित्त में हित- बद्ध किसी अन्य क्येक्ति द्वारा अयाप्स्ताक्षरों के पास लिखित मा किस् पार प्रकार ।

स्पष्टीकारण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम की अध्याध 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्यो

प्रो० नं० 1410 माली वारा, नई सड़क, दिल्ली-6, तादादी 138.83 वर्ग गज,

> सुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 2 दिल्ली नई दिल्ली-110002

तारीखा: 12-4-1983

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज 2 नई दिल्ली गई दिल्ली, दिनांक 2 मर्प्रैंअ, 1983

सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू/2/एस० भ्रार०-1/8-82/ 9579:—-श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गग्ना है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वीस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या एफ० 10/10 है, तथा जो माडल टाउन, दिल्ली में स्थित ह, और इससे उपत्वद्ध प्रमुसूची में पूर्ण रूपसे वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता प्राधकारा के कार्यात्त्य, नई दिल्ली में भारतीय राजिस्ट्रीकरण प्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ब्रधीन तारीख ब्रगस्त, 1982।

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के रहममान प्रतिफल के लिए जन्मिरत की गई है और भूझे यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्विकत सम्पति का उचित वाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिनक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी अपने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपराक्त (1) नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-- शीमती शान्ती देवी, दीपक गुण्ता, मीना गुप्ता पीठ मीठ गुज्ता मदन लाग, आशा गुप्ता, प्रेम लता बंसल, सन अग्रवाल, अंजाना गुप्ता सभी निवासी वी-3/8 माडल टाउन, दिल्ली।

(भन्तरक)

 श्री दौलत राम सुपुत्र श्री श्राशा राम, निवासी मी०-3/25, श्रशीय बिहार, भाग-11, दिल्ली। (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन कं लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तारसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रा० नं० एफ० 10/10, तादाद्ये 274.82 वर्ग गज, स्थापित माडल टाउन, दिल्ली, एरिया ग्राम मलाकपुर, छावनी दिल्ली राज्य दिल्ली।

मुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्दत (निरीक्षण), प्रार्जन रेंज, दिल्ली∼110002

तारीखा: 2-4-1983

मोहर 🗯

परूप आइंटी. एन. एस. -----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज 2 दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 प्रप्रैंअ, 1983

सं० आई० ए० सी०/एक्यू/2/एस आर०-1/8-82/9574-श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-ए. से अधिक ही

और जिसकी संख्या 55, ब्लाक एफ० हैं, तथा जो मानसरोवर गार्डेन, मई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख ग्रगस्त, 1982। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुके यह विश्वास करते का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय प्रया गया प्रतिक्त, निम्निचित उद्वेष्य से उक्त जन्तरण हैं सिचत में भारतिक एप सं किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबतु, उक्तः विधीनयत्र के अभीत् कर दोने के बुन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ति अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः, अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मनिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रीमती अनिता गुप्ता पत्नी श्री श्रणोत कुमार और श्रीमती गुजगन गुप्ता पत्नी श्री बृज मोहन गुप्ता; निवासी-की 7 सी० सी० कॉलोनी, दिल्ली-7। (श्रन्तरक)
- 2. श्री प्रश्वानी कुमार कालरा और श्री प्रशोक कुमार कालरा, मुपुत्रगण स्व० श्री वेद प्रकाश कालरा, निवासी की-14-की, राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली। (प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दूर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी श्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्रियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की हारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति त्वारा अभोहस्ताक्षरी से पाच ितायत में रक्ष जा सकीय ।

स्पथ्बीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्स अधिनिसमा के अध्याय 20-क मे**ं परिभाषित** हों, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

प्लाट नं० 65, ब्लाक एफ० तादाधी 249.8 वर्गगज, स्थापित मानसरोवर गार्डेन, नई विस्ली, एरिया ग्राम बसई दारापुर, विल्ली राज्य, दिल्ली।

> सुधीर भन्ता, सक्षम प्राधिकारी सङ्गामक भ्रामकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली-110002

तारीच: 6-4-1983

(भ्रन्तरक)

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, 2 दिल्ली,

नई दिल्ली दिनांक 6 श्रप्रैल, 1983

सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू 2/एस० म्रार-1/8-82/9586-मतः मुझे सुधीर चन्द्रा,

नायकर निधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसमें पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु. से विध्वा है

और जिसकी संख्या 479 बी, ब्लाक सी है तथा जो मजलीस पार्क, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजर्स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजर्स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- कल विम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तिबक क्य से किशत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उचत अधिनिवस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आहर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) दे। एक्ट अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा शा का किया जाना चाहिए था, कियाने में मृतिधा के लिए;

बतः अव, उवत अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री पारस राम सुपुत श्री घनश्याम दास, निवासी मकान नं० 479-सी, मजलीस पार्क, दिल्ली।
- 2. श्री दया नन्द सुपुत्र श्री लक्ष्मी नारायण निवासी सी-479, मजलीस पार्क, दिल्ली, श्री हरी ओम सुपुत श्री लक्ष्मी नारायण, निवासी-सी 479 बी, मजलीस पार्क, दिल्ली।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की जबधि या तत्सम्बन्धी क्यिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबधि , जो भी अबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सकेंगे।

स्यव्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों जार वदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

वग्स्वी

त्रो० नं० 479-बी०, ब्लाक सी, एरिया III वर्ग गज, खसरा नं० 262/258/217/4, स्थापित ग्राम भारौला, दिल्ली जो मजलीस पार्क के नाम से जाना जाता है, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रामकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली नई दिल्ली-110002

तारीख: 6-4-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - -- -

भायकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 6 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०/1/8-82/ 9587/(ए)—यतः, मुझे सुधीर चन्द्रा

वायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- के से बाधिक है

और जिसकी संख्या 1444-48, है तथा जो चान्दनी चौक, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 82

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के इदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तर पाया गया प्रति-फल, निम्न जिलित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी विसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण काँ, माँ, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधररा (1) को अधीग निस्निलिखित न्यक्तियों, अर्थात् :------

- (1) श्री मत्यवती मोहता
 - (2) रवि कुमार
 - (3) गजी कुमार और श्री गिरधारी नाल एम० मोहता सभी दिल्ली निवासी—31-32 लोटस कोर्ट, चर्च गेंट, रीकलेमेशन, बम्बे-1

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रेम लता जैन और श्री अजय कुमार लोधा दोनों निवासी 10 बाबर रोड, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता ह्यां।

उक्त सम्पन्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप:--

- (क) इस गूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित ह³, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० 1444-48 (जो कोठा चन्द के नाम से जाना जाता है) चान्दनी चौक दिल्ली, भूमि तादादी 180 वर्गगज, जो ग्राउण्ड तल पर 5 दुकान, एक हॉल और टिन केबीन, लेटरीन वाथ प्रथम मंजिल, एक हॉल और लेटरीन दुसरी मंजिल पर, दो कमरा और टेरेस तीसरी मंजिल पर है।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 6-4-83

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रिंज 2,

नई दिल्ली, दिनांक 6 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/2/एस० आर०-1/8-82/9584-अतः मुझे सुधीर चन्द्रा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 4 व्याक-वी 9 है तथा जो सजीरी गार्डेन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याख्य नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 82

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्क अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृष्धि। के सिए; सौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अर्थातः :—— 27—56GI/83

(1) श्री एस० सुरजीत सिंह सुपुत्र एस० तारासिंह रेयत निवासी जे-13/3, राजौरी गार्डेन, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री शंकर दास सुपुन्न स्व० एल० उत्तम चन्द, निवासी-2-बी/20 रमेश नगर, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाकत तम्मेरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को वर्णन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें
 45 विच की अवधि या तरसम्बन्धी क्यक्तियों पर
 सूचना की तानीन सै 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वों करें
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीय वै 45 दिन के भीतर उत्पन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्यक्तोकरणः ----इसमें प्रमुक्त सन्दों और वर्तों की, को उन्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्राहिं।

अनुसूची

म्लाट नं० 4, ब्लाक-बी-9, तादादी 458.3/10 वर्गगज, स्थापित—राजोरी गार्डेन, नई बिल्ली, एरिमा ग्राम—असईदारा पुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, बिल्ली, नई दिल्ली – 110002

ता**रीख**: 6-4-83

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज 2, नई दिल्ली

मई दिल्ली, दिनांक 4 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/8-82/9552--अतः मुझे सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या ए-22, है तथा जो सी० सी० कालोनी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, ऐसे द्रायमान प्रतिफल का पेद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के वधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ वर्षात् ध— (1) श्रीमती शिलावती मक्कड़, पत्नी श्री सत्यपाल मक्कड, निवासी-ए/22, सी०सी० कालोनी, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री कमल चन्द जैन
सुपुत्र श्री हिरालाल जैन,
रिवन्दर कुमार जैन
सुपुत्र श्री कमल चन्द जैन,
निवासी 765 गली नं० 10,
रघबरपुरा नं० 2,
गांधी नगर, दिल्ली—31

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सस्पन्नि के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- कक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

2-1/2 मंजिल मकान का सादावी 300 वर्गगज, प्लाट नं० 22, ब्लाक ए, सी० सी० कालोनी, जी०टी० रोड, दिल्ली

> मुधीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2 विल्ली, नई विल्ली-110002

तारीख: 4-4-83

मोहर 🖫

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, नई विल्ली नई विल्ली, विनोक 31 मार्चे 1983

निवस सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/एल० आर०-1/ 8-82/9517---अतः मुझे सुधीर चन्द्रा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या जी-2 है तथा जो बी॰ डी॰ स्टेट, दिल्ली-7 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिता (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उचता विभिन्नियम के व्योग कर दोने के बन्तरक के दायित्व वो कभी कड़ने या उन्ने बचने में तृतिभा के लिए; वौर/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिय;

अतः अयः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्तः अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्री कृष्ण कुमार गुप्ता सुपुन्न श्री एम० पी० गुप्ता निवासी-24/24 अंसारी रोड, दरिया गंज, नई विल्ली-2

(अम्तरक)

(2) श्री ब्रायन अंथोनी गार्डनर सुपुत्र श्री ओक्रायन गार्डनर, निवासी-5-डी, लानसर्स रोड, बनारसी वास इस्टेट, दिस्ली-7

(अन्तरिती)

स्त्रे यह सूचना चारी करके पृद्धांक्त सम्मृत्ति के कर्धन के सिए कार्यवाहियां करता हां।

उनत सम्पत्ति के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षंप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास स्विखित में किए जा मर्कोंगे।

स्पव्यक्तिरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० जी-2, ग्राउन्ड फ्लोर प्रो० नं० 100, बनारसी वास इस्टेट, दिल्ली-7

> सुधीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 31-3-83

प्रकल बाह्". ही, एत्, एच.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज,

नई दिल्ली, दिनांक 7 अप्रैल ् 1983

बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक **ह**ै

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०1/8-82/9582-ए- श्रतः मृझे सुधीर चन्द्रा । प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रद्धीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित

जौर जिसकी संख्या 3467 + 69, है तथा जो निकलभान रोड, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित्त है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख भगस्त, 82

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे धश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी अग्य या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री शिव नारायण सुपुत्रश्री मूल नारायण, बृज भवन, टैगोर रोड, बम्बे-400054,

(अन्तरक)

(2) श्री राम चन्द जुनेजा सुपुत्नश्री गनेश दास, 14-ईश्वर नगर, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रितः के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

जनत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी शक्षपे:--

- (का) विकास की राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अर्थां भाग तल्लाम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वामा की सामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि कार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्वितायों में से किसी व्यक्ति हुवार।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कुछ 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्मित्त में हितबहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पत्तीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शन्तों और पर्वों का, जो जक्त विधिनियन, के अध्याय 20 क में प्रिशाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

अविभाजित 1/2 भाग प्रो॰ नं॰ 3467-69 स्थापित-निकलशन रोड, दिल्ली, ताबादी 277.25 वर्गगज

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2 दिल्ली, नई दिल्ली—110002

तारीखा: 7-4-83

प्ररूप आई. टी. एन. एत.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन नुभंग

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज 2, मई विल्ली

नई विल्ली, दिनांक 6 अप्रैल 1983

निर्बेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/8-82/9541--अतः मुझे सुधीर चन्द्रा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा म्या है), की धारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उष्टित बाजार मृस्य

25,000/- रा. से अधिक हैं और जिन्नभी संख्या 1, ए, ब्लाक-जी 28, है, तथा जो राजीरी गार्डेन, मई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण

रूप से बंधित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के क्तर्यालय नई विल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषयों से उक्त अंतरण लिखित में

वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (श) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः वस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकरों, अधीन :--

(1) श्री शिवचरन दत्ता शर्मा सुपुत्र श्री हरभगवान, निवासी --जे-6/79 राजोरी गार्शेन, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री लक्षमण प्रसाद शर्मा सुपुा श्री मूंगी लाल, निवासी-जी-28/I-ए, राजोरी गार्डेन, नई विल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में तमान्त होती हो, के भीवर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्यव्हिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

प्रो॰ नं॰ 1-ए, ब्लाक नं॰ जी-28, तादादी 140 वर्ग-गज, स्थापित राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली एरिया ग्राम बसईवारापुर नई दिल्ली, दिल्ली राज्य।

> सुधीर चन्त्रा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, दिल्ली नई दिल्ली-110002

तारीख: 6-4-83

प्ररूप आई० ही० एन० एस०-----

धायकर **नविनयन, 1961** (1961का 43) की घारा 269-म (1) के ग्रधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई विल्ली, विनांक 2 अप्रैल 1983

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एवयू०/2/एस०आर०/81-82/9551—अतः मुझे सुधीर चन्द्रा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अजीन सक्षम बाबकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से धांकक है और जिसकी संख्या एम/50 है तथा जो किर्ती नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त, 1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतिरती (अतिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्रया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उस्हें बचने में सुविधा के लिये; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी अन अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या-उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविभा के निए;

अतः अव, उक्त विधिनियम, की भारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अभीन निम्मलिस स्थानितमों सर्थात् :— (1) श्रीमती महिन्दर कौर सुपुत्री श्री गुरदीत सिंह और पत्नी श्री अत्तर सिंह निवासी 45/3 इस्ट पटेल नगर, नई विल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री धरम पाल बन्ना सुपुत्र श्री कुन्दन लाल बन्ना और श्रीमती लक्षमी बाई पत्नी श्री कुन्दन लाल बन्ना निवासी एन/20 किर्ती नगर, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपन सम्मन्ति के वर्षन के सम्मन्त्र में सीई भी भाषोप:---

- (क) इस सूचता के राज्यक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घर्यां पर सूचना की तामील से 30 दिन की घर्यां, जो भी धर्यां बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्क व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सुचना के राजपन में प्रकाशन की तारीकास 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्वका किसी क्रन्य व्यक्ति द्वारा, धोहस्कारी श्र्य सम्पत्ति के पास लिखाद में किये जा सक्तेंगे।

स्पन्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त जन्दों मौर पदौं का; को उक्त प्रितिथम के प्रश्याय 20-क में परिधावित है, वही धर्ष होगा, को उस प्रस्थाय में विया गवा थे:

नगृज्ञी

प्लाट नं॰ एन/50, तादादी 1681/3 वर्गेगज, स्थापित किर्ती नगर, एरिया ग्राम-वसर्दै वारापुर विल्ली

> सुधीर वन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, विल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 2-4-83

भोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 26 मार्च 🖊 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-81/-82/9532--यतः मुझे सुधीर चन्त्रा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्वा की/6-10 है तथा जो माइल टाउन, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 को 16) के अधीम तारीख अगस्त, 82

को पूर्वीभत सम्पत्ति के उजित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंशरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेषय से उक्त अंतरण जिलित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे दचने में सृष्धिम के लिए; और/या
- (का) एसे किसी जाय का किसी भन का अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्क्रिश के निए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीर निम्नतिसित स्पिकतमाँ, नुभति :—— (1) श्रीमती सुशीला देवी सुपुत्री श्री बलदेव प्रसाद पत्नी स्व०श्री चिमनलाल, निवासी-4075 गली मान्दीर बाली, पहारी धीरज, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री महिन्दरसिंह, श्री राजिन्दरसिंह, श्री बीरेन्दरसिंह, सपुत्रगणश्री पन्ना लाल, निवासी बी/6-9, माडल टाउन, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुने।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्भावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वधाकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो॰ नं॰ बी/6-10, माडल टाउन, दिल्ली-9

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज 2, षिल्ली, नई विल्ली—110002

तारीख: 26-3-83

मःहरः

प्ररूप आहें. टी. एन्. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भादा 269-व (1) के ब्रधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

न्हें दिल्ली दिनांक 2 झप्रैल 1983

निर्देश सं व प्राई व ए वे सी व/एक्यु व/2/एस व प्रार व-18

82/9571--यतः मुझे सुधीर चन्द्रा

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक **ह**ै

और जिसकी संख्या डब्ल्यु० जेड-8/2, है तथा जो फीर्ती नगर, इन्डस्टीयल एरिया, दिल्ली में स्थित है और इससे उपान्त्र अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख धर्गस्त, 1982 को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्तिकत संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके प्रत्यमान प्रतिफल् से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नृष्टीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की भावत, अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को वायित्व में कामी कारने वा उससे बचने में सुविधा के लिए: और/वा
- (स) ऐसी किसी अगय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा केलिए:

क्तः अब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्रोमती राजदोप कौर पत्नी एस० जोगिन्दर सिंह सन्धु निवासी सी-27, कीर्ती नगर, नई विल्ली

(भन्तरक)

(2) श्रीमती ग्राशा ग्रवरोल रवि चैन्द पत्नी श्री भवरोल. 75-वेस्ट म्रवन्यू, पंजाबी बाग, नई विल्ली

(भ्रन्तरिती)

को पह सुमना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन को लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप :~

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकालन की तारीख 45 विन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, भी मीलद पूर्वायत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवादा;
- (स) इस स्वयमाको राजपत्र में प्रकाशन की तारीका क्षे 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पछीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है.।

मन्त्री

सम्पत्ति के पिछे का भाग, म्युनिसीपल नं बब्ल्यु जेड-7: 8/2, तादादी 182 वर्गगण, स्थापित कीर्ती नगर इन्डस्टीयल एरिया, खसरा नं ० 3112/2940, एरिया ग्राम-बसई धारारपुर विल्ली ।

> सुधीर चरद्रा सक्षम् श्रधिकारी (निरीक्षण) सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त धर्जन रेंज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

सारीख : 2-4-83

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण).

म्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, बिनांक 2 भ्रप्रैल 1983 निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू/2/एस० म्रार०—1/8—

82/9565--भतः मुझे सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या एफ० 112, है तथा जो बिहार, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के क्या बाजार प्रतिक ल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निष्यात करने का कारण है कि यथापूर्वोकत संपरित का उणित बाजार बृल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकल, निम्नलिसित उद्वेषय से उक्त अन्तरण किमित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गवा है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वाबत, उक्त अधिनियन के अभीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे बक्तने में सुविधा के सिद्द; और /या
- (क) एसी किसी आम का किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह³ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए।

अतः अन, उक्त निधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित न्यक्तियों अर्थात् :--- 28--56GI/83

(1) श्रीमती सुदेश कुमार पत्नी श्री रणजीत सिंह, निवासी-178, शादीक नगर, नई दिल्ली

(म्रन्तरक)

(2) श्री परणोत्तम दास सुपुत्र श्री बिशन घन्द, निवासी 61, कृष्णा क्लौथ मार्केट, चान्दनी चौक, दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के जिस् कार्यमाहिमां करता हूं।

उन्त तम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 किन की जबीध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए जा सकींगे।

स्यक्कोकरणः ----इसमें प्रवृक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त नौधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्सूची

एक मंजिला मकान नं ० एफ-112, भाग-1, ग्रशोक बिहार, दिल्ली

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली—110002

तारीख: 2-4-83

भोहार 🕃

प्ररूप कार्द, टी. एन. एस. ----

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजीन रेंज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 31 मार्च, 1983

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यु०/2/एस० ग्रार०-1/8-82/9583--मतः मुझे सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या 18, ब्लाक डी है तथा जो मानसरोवर गार्डेन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपांबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारों के कार्यीलय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख ग्रगस्त, 82

को पूर्वांक्स संपत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विक्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह
प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पावा गवा
प्रतिफल, निम्मलिखित उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से किंग्त नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आन की नावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे अर्थने में सुविधा के सिष्ठ; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री खेम चन्द सुपुत्र श्री लालू राम, निवासी 39 ए, कमला नगर, विल्ली-7

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कृष्ण गोपाल भाटिया सुपुत्र श्री बिशन दास भाटिया निवासी 18, विवेकानन्द पुरी, दिल्ली-7

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकासन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्भन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां से से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (व) इत स्वानंत्र के यावनंत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उनत् स्थान्य सम्पत्ति में हितनक्षं किसी जन्म स्थानत ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों को जो उच्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मूर्च होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा हैं।

अनुसूची

फी-होल्ड प्लाट नं० 18, ब्लाक डी, तादादी 297 वर्गगज, स्थापित मानसरोवर गार्डेन, नई विस्ली, एरिया ग्राम---बसई-दारापुर विल्ली राज्य, दिल्ली

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 31-3-83

मोहार 😘

मन्य भाद^र, हो एस एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 मार्च, 1983

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/2/एस० ग्रार० 1/8-82-9572---श्रतः मुझे सुधीर चन्द्रा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या डब्ल्यू० 8/2, है तथा जो कीर्ती नगर, इन्टस्ट्रीमन एरिया, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वाम्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त खिनियम के वधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपये बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिंबधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्रीमती राज दीप कौर पत्नी एस० जोगिन्दर सिंह सन्धू निवासी——सी--27, कीर्ती नगर, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रिवन्दर ग्रवरोल
सुपुत्र स्व० श्री प्रकाश चन्द ग्रवरोल,
और श्रीमती नीता ग्रवरोल पत्नी श्री सुरेन्दर चन्द
ग्रवरोल,
निवासी-75, वेस्ट ए वन्यू
पंजाबी बाग, नई दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ' भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे:

स्वक्दीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्द अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा के उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसुची

प्रो० नं० डब्ल्यू०-जेड-8/2ह तादादी 117-1/3 वर्गगज (अत्यधिके) कीर्ती नगर, इन्डस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली खसरा नं० 3112/2940 एरियाग्राम बसई दारापुर दिल्ली

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 31-3-83

प्रकप् गार्चः, टर्नः, एवः, एवः,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुपना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 14 अप्रैल, 1983

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एक्यु०/2/एस० आर०-1/8-82/ 9566—अतः मुझे सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परकात 'उस्त निधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269- म के नधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- राज्य संस्थिक है

और जिसकी संख्या 2975, है तथा जो आर्यापुरा, गली गऊ लाली, एस० मंडी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बींच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आरि/या
- (च) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृतिथा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, एक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीग, निम्निसिलित व्यक्तियों, अर्थातः :— (1) श्री मिलाप चन्द किशन चन्द सुपुत्र गण श्री होया राम, निवासी—154, राजा गार्डेन, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पा देवी गोयल पत्नी श्री सुभाष गोयल, निवासी 772/3 कार्ती मुंगी किरपा राम, तिलक बाजार, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृत्रों क्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त बुम्मित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्शेय :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ब) इत स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-भव्य किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

हम्बद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, आर्थे उनक अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु^द, मही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया **ह**ै।

अनुसूची

2 मंजिला बिल्डिंग तावावी 222 वर्गगण, प्रो० नं० 2975 आर्यापुरा, गली गऊ वाली, सब्जी मंडी, विल्ली

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली—110002

तारीख: 14-4-83

प्ररूप आहं. टी. एन. एस. ------

बायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीत त्वृता

भारत चरकार

कार्याक्षय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2 नई विल्ली नई दिल्ली दिनांक 14 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्यू०/2/एस० आर० 1/ 8-82/9582--अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विष्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या 1630 है, तथा जो सोहन गंज, गली कृष्णा, सब्जी मंडी दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है),रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिकायम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके खरमान प्रतिफल से, एसे खरमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पामा गया प्रति-कल जिम्मीसिवा खूब स्थ से उसते अन्तरण विविद्य में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुई किल्बी अपन की नानत, उक्त अभिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायिल्य में कमी करने या उससे बचने में सृष्ठिया के लिए; अदि/या
- (च) एसी किसी आब वा किसी भने या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या भनकर जीधीनियम, या भनकर जीधीनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विभा के लिए;

जतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ए के जनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के सभीन, निम्नीलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :---

- 1. श्रीमित लाजावती यमधागनी, निवासी 1630 गली कृष्णा, सोहन गंज दिल्लीन्6। (अन्तरक)
- 2. श्री जौहरी लाल जैन, दिवासी एस० सो० 6, लेन, चेम्सफोड रोड, नई दिल्ली-55। (अन्तरिती)

को यह तुषना बारी करके पूर्वीक्त बस्पत्ति के अर्थन के बिह कार्यनाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश से 45 दिन की जबीध मा दल्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जब्धि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत म्यामितमों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निचित में फिए जा सकोंगे।

स्वय्वकिरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त विधिनियम, के जभ्याय 20-क में परिभाषित हूँ, नहीं अर्थ होगा जो उत् अभ्याय में दिवा नमा है।

अनुसूची

मकान नं 1630 सोहन गंज, गली कृष्णा, सम्जी मंडी विल्ली-6।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

विनांक: 14-4-1983

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस्≒-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 14 अप्रैल 1983
निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०1/
8-82/9567—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य
25,000/-रु. से अधिक है

बौर जिसकी संस्था ई 2/16 है तथा जो वरीया गंज, नई विस्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्योलय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसितयों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

 मैं० सरस्वती बिल्डर्स केस-2, सी-1/16 दरिया गंज, मई दिल्ली ।

(अम्तरक)

2. श्री लभू राम सुद निवासी-64 आनन्दलोक, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) व्यक्त स्वेचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उन्तेत स्थावर कम्पत्ति में हितबत्थ किसी क्वा व्यक्ति व्वाच अभोहस्ताकारी के प्राप्त सिकार में किए जा सकोंगे।

नगृत्वी

सामने का भाग 5 मंजिला प्रा० नं० एक-1 प्रो० नं० ई-2/16, दरिया गंज, नई दिल्ली ताखदी 430 वर्ग गज् ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम[्]त्राधिकारी स**हायक आयकर आयुक्त** (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

विनांक : 14-4-83

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर भायुक्त (निरीकण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 14 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर-1/8-82/9560—-अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उण्चित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं ० ए/71, है तथा जो कीर्ती नगर, नई विस्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिमांक अगस्त, 1982

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उमित बाजार मूल्य से कमें के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत संपत्ति का उम्बत बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उस्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अक्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

सतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के संधीन, निम्नसिंखित व्यक्तियों, स्थात् ः—

- श्री भगवान दास सुपुत श्री शकर दास, निवासी-सी-30, राजन बाबू रोड, आदर्श नगर, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- श्री टिकम चन्व बेलानी सुपुत्र श्री शंकर वास, निवासी-ए/71 किर्ती नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्जन के लिए: कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इ्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पर्व्याकरणः--इसमें प्रयुक्त धब्दों और पर्दों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 हिस्से (अविभाजित) मकान नं० ए/71 किर्ती नगर, नई दिल्ली तादादी 75 वर्गगज, टोटल एरिया 300 वर्गगज।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई विस्ली

दिनोक 14-4-1983 मो**हरु** ध प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज-2, नई विरूली नई विरूली, विनोक 14 अप्रैल 1983 निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/8— 82/9511—अतः सुक्षे, सुधीरर चन्द्रा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या 12/8276, है तथा जो प्रो॰ नं॰ 3 रोशनारा रोड, सब्जी मंडी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उदस अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की मान्त, उन्त् अधिनियम की अभीन कर दोने की जन्तरक की दाजित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धम या अन्य आस्तियाँ काँ, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, द्विपार्व में स्थिता के जिन्हे;

जतः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- उमेश नाथ टक्यार सुपुत्र श्री प्रेम नाथ टक्यार, निवासी 8276/12, (प्राइवेट नं० 3), राम सरूप बिल्डिंग, रोशनारा रोड, सन्जी मंडी दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्री कमल स्वरूप कक्कड़ सुपुत श्री राम स्वरूप कक्कड़ निवासी 2268 चुना मंडी, पहाड़ गंख नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

स्त्रे बहु सूचना जारी करके पृत्रोंकत सम्परित के अर्थन के सिंधू कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध के कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित्यक्थ किसी सम्म स्थावन क्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात सिवित में किए आ सकींगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्च होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 22/8276 (प्राइवेट नं० 2), एरिया 90 वर्गगज, राम स्वरुप बिहिंडग, रोशनारा रोड, सन्जी मंडी, दिस्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधि कारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 14-41-983

मोहर 🖫

प्ररूप आई ० टी० एन० एस० मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

्रिंअर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 14 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/ 8-82/9503—अतः, मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी 38, है तथा जो मजलिस पार्क कालोनी विल्ली में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में पूर्ण रुप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ला अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनिधम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार भूल्य उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथानहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन्न या अन्य अफ़ितयों को जिन्हों भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गदा था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 29-56 GI/83

- 1. श्रीमिति अंतरा वेथी परित श्री जुगल किणोर गुप्ता, निवासी बी-38, मजलिस पार्क कालोनी, नई दिल्ली (अन्तरक)
- 2. श्री महेश चन्दर गुप्ता सुपुत्र श्री बैज नाथ गुप्ता बी-15, महात्मा गांधी रोङ, आदर्श नगर, दिल्ली 33।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्वन के कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की बबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यांबत में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस सध्याय में दिया गया है।

नप्सची

मकान नं बी 38, मजलिस पार्क कालोनी, नई दिल्ली तावादी 100 वर्गगज, ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

दिनांक 14-4-1983। मोहर:

प्रकप बार्च ुटी ु एव ु एस ु-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज 2 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 14 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०1 8-82/9527--अतः मुझे सुधीर चन्द्रा

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी ए/9 है तथा जो राणा प्रताप बाग, दिल्ली-7 में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 1.6) के अधीन अगस्त 1982

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ष्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कृथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्र) एेसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

जतः जज, उन्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के जभीन, गिम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्री हरी राम सुपुत श्री वाधवा मल निवासी सी-4 वजीरपुरं इन्डस्ट्रीयल एरिया, दिल्ली 52 ।

(अन्तरक)

2. श्रीमिति राधा देवी पत्नी श्री ठाकुर वास, निवासी सी-3/19, राणा प्रताप बाग, दिल्ली।

(अतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इसे सूर्यमां के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

प्रो० मं० ए/9 (पार्क) तादावी 113-6/10, वर्ग गज, राणा प्रताप बाग, विल्ली-7।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 14-4-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, अर्जन रेंज, 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 14, अप्रैल 1983 निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु० 2/एस० आर०-1/ 0-82/9504--अतः मुझे सुधीर चन्द्रा अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का ∡43) (ब्रिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं 95 ब्लाक एच है तथा जो अजीरपुर, अशोक विहार, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई विल्ली में भारतीय राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त 1982 को पूर्वोक्त सम्पृत्ति के उचित् बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार

मुल्य, उसके इश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का

पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) **के बीच** एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्द**े**य से उक्त अन्तरण लिखित में

बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, नियालिस्ति व्यक्तियों, अर्थात्:—— श्री सूरज प्रकाश गुम्बर सुपुत्र श्री. नन्द लाल, निवासी 5457, प्लाट नं० 7, बस्ती हरफूल सिंह सदर थाना रोड. दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री ण्याम लाल मुपुत्र श्री सुरता मल, निवासी जे-144 भाग-1, अमोक विहार, दिल्ली 52। (अतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जिला मकान प्लाट नं० 95, ब्लाक 'एच' एरिया 150 वर्गगंज, स्थापित वजीपुर, अशोक विहार, दिल्ली। सुधीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

दिनांक 14-4-1983 मोहर: प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी० आर० बिल्डिग, इन्द्र प्रस्थ स्टेट क नई दिल्ली, दिनांक 14 अप्रैल 1983

निर्देश आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/ 8-82-9549—अतः मुझे सुधीर चन्द्रा

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह बिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या 32/55, है तथा जो वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसुची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से; ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्द्रह् प्रतिणत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरितीं (अन्तरितिबां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया अतिकत. निम्नानिखित नदेश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नदीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हर्ड किसी धाय की बाबत उकत अधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या,
- (ख) ऐसी जिसी आय या जिसी बनया अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या अस्त अधिनियम; या अनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तिरिती द्वारा बकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः ग्रब, उक्त ग्रिवितयम की वारा 269-ग के ग्रनु-भरण में, में, उक्त अधिनियम की वारा 249-व की उपवारा (1) वे ग्रिवीन निस्तिवित स्थिकतो ग्रायति —— एस० हजुर सिंह सुपुत्र श्री सुन्दर सिंह, निवासी 32
 वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमित संन्तोष कुमारी ढींगरा पत्नि रमेश चन्दर ढींगरा, निवासी आर 63 वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 5 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
 हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखिन में किए जा सकेंगे

स्पद्धशिकरण !-- इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पदीं का, को उन्त ग्रीधिनयम के ग्राष्ट्रपाय 20-क में परिभाषित हैं, बही शर्म होगा जो उप ग्राष्ट्रपाय में किसा गया है

अनुसूची

गवर्मेंट द्वारा निर्मित मकान नं० 32/53 वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

दिनांक: 14-4-1983

योहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

भी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टैट नर्इ दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 14 अप्रैल 1983

निर्वेश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/2/एस० आर०-1 8-82/9546--अतः मुझे सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूझ्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 95, ब्लाक ए है तथा जो इदन्रलोक विल्ली में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली से रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त 1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के हृश्यमान प्रितिफल के लिए जन्तरित की गर्इ है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे हृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है जौर अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कै लिए तैय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कै लिए तैय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कै लिए तथा गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क्रो अधीन, निम्निलिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1 राम किशम वास और श्री केदार नाथ सुपुत्रगण श्री दी प चन्द निवासी-4739 वार्ड नं० 14 पहाडी धीरज, विल्ली

(अन्तरक)

2 विनोष कुमार रजन, और परमोद कुमार दन्डन, सुपुत्रगण श्री अरनकिस लाल रजन, निवासी 313/17-ए, इन्दर लोक कालोनी दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपरित के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपति के नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यांक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

मकान र्नं० प्लाट नं० 95, सावादी 183 वर्गगण, म्युनिसिपल नं० 313/17, ब्लाक ए इवदरलोक, एरिया ग्राम चौकरीमुबारकाबाव, दिल्ली राज्य दिल्ली

> सुधीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

ंदिनांक 14-4-1983 मो**हर**ः इक्ष् अर्थः, टी. एत्. एस.,------

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-2/ 8-82/7822-अतः मुझे सुधीर चन्द्रा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसकें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करनें का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम थेवरा, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक अगस्त 1982 ।

को प्वेंक्स संपरित को उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, अक्त जीभीनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने मा उससे जजने में सुविका के सिए; जीर/का
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या अन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए

 श्री ओम प्रकाण मुपुत्र श्री ईश्वर सिंह, निवासी ग्राम बकरवाला, विल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री गुरचरन लाल मुपुत श्री मोती राम, निवासी डी 10, राजोरी गार्डन, दिल्ली और अमृत लाल सुपुत्रं श्री मोती राम, निवासी डी-10, राजोरी गार्डन नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पृत्रांचित सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप हिन्स

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खु से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य ध्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरणः --इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, को उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसुची

कृषि पूमि तावादी 6 बीचे 19 बिश्वे, खसरा नं० 69/ 16, 81/5/2, स्थापित ग्राम चेवरा दिल्ली।

सुघीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात ः--

दिनांक: 11-4-1983।

प्रक्ष भार्दं.टी.प्न.एस्. ------

भायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना भारत सुरकार

कार्बास्य, सहायक शायकर शायुक्त (निरिक्षण) अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 31 मार्च 1983

निर्वेश सं० आ**ई**. ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर० 2/ 8-82/7760--अतः मुझे सुधीर चन्द्रा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या जै-5/167, है तथा जो राजोरी गार्डन, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त 1982

को पूर्वों कत सम्पत्ति को उचित बाजार मृस्य से कम के करमान् प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एक दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्दाहम से हुइ फिबी बाद की बादत, उनक् अधिनियम के बधीन कहा दोने के बन्दाहक के वाधिरव में कभी करने वा उन्हों बुचने में तृष्टिभा के सिए; बाद/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः जय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री श्रीकृष्णा सर्मा सुपुत्र श्री नाथु राम निवासी एए 149 मालीमार बाग, दिल्ली।
 - (अन्तरक)
- 2. श्री गुरचरन सिंह सुपुत्र स्व० एस० सरवार सिंह, निवासी ए०-43, विशाल इन्क्लेव, नई दिल्ली और श्री देवकी नन्दन सुपुत्र स्व० श्री केदार नाथ, निवासी ई-3, रतन पार्क, नई दिल्ली।

[/]अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

जक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस सूचना के राजयत्र मा अकाशन की तारीं का सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हिलक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकोंगे।

स्यब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त स्वार्धे और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भगुसुची

प्रो॰ नं॰ जे॰-5/167 तादादी 160 वर्ग गज, स्थापित राजोरी गार्डन, नई दिल्ली एरिया ग्राम रतारपुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण), अर्जन रेंज-2, नई विल्ली

दिनांक 31-3-38) मो**हर** ; प्रकृष् बार्षः टी. एत्. एस्.-----

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक सायकार सायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 नई बल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 अप्रैल 1983

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-2/ 8, 82/7837--अतः मुझे सुधीर चन्द्रा

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निक्षास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं।

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम होलम्बी खुर्व, विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नर्ष विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्मिर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निस्चित उज्जेष्य से उक्त अंतरण निषित् में अस्तिविक क्यू से किश्त नहीं किया ज्या है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन 'कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सूनिभा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, खिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, मिस्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- भीमति जगवन्ती सुपुत्री श्री मौजी राम, पत्नी श्री सत्तवीर, निवासी ग्राम और प्रो० देवली, नई दिल्ली (अन्तरक)
- श्रीमित आशा नहता पत्नी श्री लिलत कुमार नहता, निवासी 9 बी, सागर अपार्टमेंट, 6 तिलक मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 बिन को भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित- सूचभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकेंगे।

स्यक्कीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा ओ उस अध्याय में दिया ग्या है।

अमुसुची

भूमि तादादी 8 बीघे और 16 बिध्वे, जो 35 बीघे 12 बिध्वे का भाग है खसरा नं० 30/1 (4–16), 9(4–16) 10 (4–16), 11(4–0), 12 (4–0), और 31/1 (4–0) ग्राम होलम्बी खुवें, दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षरण), अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

विसांक 7-4-1983। मोहर: प्ररूप. आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज् (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

नर्ष्ट् विल्ली, विनांकः 7 अप्रैल 1983 निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर० 2/8-82/7850--अतः मुझे, मुधीर धन्द्रा

श्रायकर धिक्षित्यम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु., से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम झटिकरा, विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त 1983 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वत में वास्तिवक रूप से किथन नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

 श्री घरम सिंह, ओम प्रकाश, आणा राम, दौलत राम, मनोज कुमार सुपुत्रगण श्री काहिया निवासी ग्राम शिकरपुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री शिव राम सुपुत्र श्री भगवन्त निवासी ग्राम झटि-करा, दिल्ली राज्य, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हं

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में काहर भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधुद्धस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उनस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि तादावी 40 बीघे 10 बिश्वे, खसरा नं० 10/2 (5-9), 3/2 (3-0), 4/2 (2-18), 7/1 (1-0), 8/1 (1-16), 9/1 (1-16), 10/1 /1 (0-9), 69/20 (4-12), 21 (4-12), 70/16/2(2-16) 17/2 (2-16), 24 (4-16), 25 (4-16), 25 (4-16) 115/1(0-10) ग्राम सटिकरा, विल्ली ।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2 नई दिस्ली

दिनांक 5-4-1983 मोहर इ प्रक्ष आई. टी. एन. एस्. ------

भायकर भिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के श्रधीन सूचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 7 अप्रैल 1983 निर्देश सं० आई० ए० सीं०/एक्यू० /2/एस० आर०-2/ 8-81/7755--अतः मुझे सुधीर चन्द्रा

आयक्र प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रिवित्यम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-र० से प्रिधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बकरगढ़, तहसील नजफगढ़ नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से विल्ली में रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त 1982

की पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक एन से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई कियी ग्राप की शबंत, उसत प्रधिनियम के श्रश्लीन कर देने के प्रस्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। भौर/या
- (ख) मंगो किसी आप या किसी घन या प्रत्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राप-कर ग्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या : उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ पन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गथा था था किया जाना चाहिए था, डिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधीत् श्री बीर सिंह सुपुत्र श्री चोटु निवासी ग्राम इसापुर, तहसील नजफगढ, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमिति खजानी पहिन श्री राजा राम निवासी मकान नं० 156, वार्ड नं० 9, किशन गढ़, महरौली, नई विल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियो करता है।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षी। :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भो भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत अवितयों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजधात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भग्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पच्टीकरणं:---इसमें प्रयुक्त गन्यां ग्रीर पर्यो का, जो समत अधिनियन के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही ग्रां होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

वस संची

कृषि भूमि तावादी 17 बीघे और 16 बिश्वे, ख्सरा नं 5/9, 5/12, 5/19, 5/22, स्थापित ग्राम बकरगढ़, तहसील नजफगढ़ नज दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा, सक्षम प्रधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज् 2 नई दिल्ली

दिनांक 7-4-1983 मोहर : प्रस्य शाही, टी. एन , एस ,-----

जायकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 7 अप्रैल 1983

निदश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-2/ 8-82/7836--अतः मुझे सुधीर चन्द्रा क्षायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्कात् 'उक्तः अभिनिय्म' कहा ग्या है")., की भारा 269- क् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाजार मृल्य 25,000 /-रा. से अभिक हैं और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम गढ़ी खसरो, दिल्ली में स्थित है (और इसमें ज़्पाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ग्रीकरण अधिनियम, 1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के अध्यक्षान . प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पस्ति का उचित वाजार मृत्य उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्त्रण के लिए तथ पाया गया

> (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में

वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- श्री मुखतियार सिंह निकासी सिंह और बलवान सिंह सुपुल्लगण श्री नरपत, निवासी मुहम्मद पुर, दिल्ली। (अन्तरक)
- थी रणधीर सिंह, रणबीर सिंह और रधिवन्दर सिंह सुपुत श्री चिरजी लाल, निवामी ई-ए-11/79, इन्दरपुरी, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप्रक:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि तादादी 11 बीघे 14 बिश्वे, खसरा नं 8, 9/2, 10, स्थापित ग्राम गढ़ी खसरो, दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

दिनांक 7-4-1983 मोहर :

प्ररूप ग्राई० टी॰ एत॰ एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 369-ध (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आई. ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-2/ 8-82/7857 (ए)--अतः मुझे सुधीर चन्द्रा आयक्ट ग्रधिनियम, 1961 (1961 কা (जिसे इसमें इमने पश्चात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा ३६७-च के प्रतीन नजम याधिकारी की, यह विश्वास करने का कारग है कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाजार प्तर 25,000/- धारे ने पश्चिक है और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम झंगोला, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली मैं रजिस्ट्रोकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक ग्रगस्त 1982 को पूर्वीक्त सम्मति हे उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यभान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पुरुष, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पण्डत् प्रतिशत से अधिक है और ग्रन्तरक (जन्तरकों) और श्रन्धिती (जन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तम पाया गया प्रतिफन, निम्नलिखित

(क) अन्तर्ण में हुई किया आया की बाबन उनत अधि-नियम के प्रधीन कर देने के भग्तरक के दायित्व में कमी करने या उसते बनने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या

उद्देश्य में उन्त प्रस्तरम निज्ञितानों सस्तविक रूप से कथित

नरी कि। गया है:---

(ब) पुर्वा किनो प्राय या किसी बन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय यायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त मधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाता चाहिए वा, छिपाने में म्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिष्टित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री बिहारी लाल सुपुत्र श्री भगवान दास, निवासी ग्राम झंगोआ, दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री नरेश कुमार सुपुत श्री पूरन चन्द निवासी ग्राम श्रकबरपुर माजरा, दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप !--

- (क) इस यूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तायील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी म्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हरब्दोकरग:--इमने त्रयुक्त सन्दों घीर परों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के प्रध्याय 20-क में वरिमाधित है, बहो अर्थं किया जो उस अध्याय में दिया गया है

. अनुसूची

भूमि तादादी 14 बीघे अर 8 बिश्वे, खसरा नं० 118 (4-16), 119 (4-16), और 120 (4-16), स्थापित ग्राम झंगोआ, दिल्ली ।

> सुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक 17-4-1983 मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एसै.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 प्रप्रैल 1983

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्रार०-2/ 8-82/7838--श्रतः मुझे सुधीर चन्द्रा

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिया है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम होम्लबी खुर्द, विल्ली में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक ग्रगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुभ्ने यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिति उद्योग से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबस, उक्त जिमित्स के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; जौर/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, सक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्रोमित जगवान्तां पितन श्री सत्तजीर सुपुत्ती श्री मौजी राम, निवासी ग्राम और पो० देवली, दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- श्रीमित राम रर्ता पत्नी श्री मौली राम, निवासी ग्राम होलम्बी खुर्द, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्सूची

कृषि भूमि का 1/3 भाग जो सावाबी 35 बीघे 12 बिम्बे का भाग है खसरा नं० 39/10(4-12), 11 4-16), 20 4-16), 21(4-16), 45/1 (4-16), 10 (4-16) 11(4-16), और 20-(2-4) ग्राम होलम्बी खुर्द दिल्ली ।

मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

दिनांक: 7-4-1983

प्रस्पा शाई । टी । एवं । एस ।

धायकर ध्रिवनियम, 1961 (1961 हा 43) की **धारा** 269-ध (1) के धर्थीन सु**ब**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज नई विल्ली

नई दिल्ली दिनांक 11 प्रप्रैल 1983

निर्वेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू० /2/एस० प्रार०-2/ 8-82/7824--श्रतः मुझे सुधीर चन्द्रा अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. ये अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम घेवरा विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक ग्रगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने था कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का धिका बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पग्द्रह प्रतिश्वत से प्रधिक है भीर अम्बर्क (अम्बर्क) भीर अम्बरित (धम्बरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अम्बरण लिखित में गाक्तिविक स्वप से किसित नहीं किया यया है कि

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त जिल-नियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

 श्री मन मोहत जाल सुपुत्र श्री राम दास, निवासी 14/32, पंजाबी बाग, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री गुरचरन लाल सुपुत्र श्रो मोनो राम और श्रम्क लाल सुपुत्र श्रो मोती राम, निवासी डो-10, राजोरी गर्डन, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को वक्ष्र सूचना कारो करके पू**र्वो**नन सम्पत्ति के धर्जन के नि**ड कार्यवाहियां करता है**।

जबत सम्पत्ति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षीर 🗁

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अवधि, जो भी अवधि नाव में समाप्त हुनेती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टोकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

कृषि भूमि तादादी 5 बीघे, 17 बिश्वे, खसरा नं० 81/ 6, 84/4/2, स्थापित ग्राम घेवरा, दिल्ली।

> मुधीर चन्द्रा मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

दिनांक: 11-4-1983

प्ररूप. बार्इ. टी. एन. एस. -----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के भ्रषीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 अप्रैल 1983

निर्देश सं० ध्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० ध्रार०-2/8-82/7825---ध्रतः मुझे सुधीर चन्द्रा आमकर प्रवित्यम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उका अधितियम' कहा गया है), को धारा 289-ख के अधीन सजन प्राधिकारा का प्रविक्षात करने का कारण है कि

स्थावर संपत्ति जिमहा उचित बाजार मृह्य 25,000/- र∙ से

भ्रधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम घेवरा, दिल्ली में स्थित है (और इस उपाबद्ध धनुसूची में पूर्व रूप विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारों के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक श्रगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से,ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्ष निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बाह्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अस्तरण से हुई किसो प्राय की बावत जवत प्राध-नियम के प्रधीन कर वेते के प्रश्तरक के वायित्व में कमी करने था जससे बचने मे सुविधा के मिए। श्रीर/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए।

श्रवः श्रवं, उपत श्रीधनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उपत श्रीधनियमं की धारा 269-थ की उपश्रारा (1) के. अधीन, गिम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- .1. मनमोहन लाल सुपुत श्री राम दास, निवासी 14/32 पंजाबी बाग, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री गुरचरन लाल सुपुत्र श्री मोती राम और श्रमृक लाल सुपुत्र श्री मोती राम, निवासी डी-10 राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस यूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की प्रवधि या तस्तम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधिवास में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोसन व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति शारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में ख़ितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्ष्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वद्धीकरण -- इसमें प्रयुक्त अन्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रीधितयम के श्राच्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

कृषि भूमि तादादी 3 नीये और 11 निष्ये, खसरा नं० 81/4/1, ग्राम धेयरा, दिल्ली ।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सङ्गयक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 11-4-1983 ।

मोहर 🕸

अस्य आहाँ, टी. एन. एस. -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/ 2/एस० आर०-2/ 8-82/7823—यतः मझे सुधीर चन्द्रा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269- घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. मं अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम घेवरा, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1982

को प्रांकित संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण सं हुई िकसी आप की बाबत, उक्त अधिनिय्म, के अभीन कर देने के अन्तरक के दासित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं, किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

अप्तः कब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हों, मैं उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिथित व्यक्तियों, अर्थीत् :---

1. श्री मनमोहन लाल सुपुत्र श्री राम दास, निवासी 14/32 पंजाबी बाग, दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री गुरचरन लाल और अमृक लाल सुपुत्रगण श्री मोती राम, निवासी निर्माटी ०-10, राजोरी गार्डेन, नई विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की सविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मित्त में हित्बक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्यव्याकरणः---६समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 5 विधे और 15 विष्वे, खसरा नं० 81/5/1, 15, स्थापित—ग्राम—घेवरा, दिल्ली।

सुधीर चन्त्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 11-4-1983

प्ररूप आहें , दी , एन् , एस ,-=५/८---

भावकर विभिन्धम्, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) के भावीस सुचना

कार्या सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निर्धिक्षण) अर्जन रेंज-2, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 अप्रैल 1983

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर० 2/8-82/7859(ए)---यतः मुझे, सुद्यीर चन्द्रा; धायकर धिक्तियमः 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त धिक्तियम' कहा नया है); की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि क्वाबर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूक्य 25:000/चपए से धिक है और जिसकी सं० किष् भूमि है तथा जो पाम धनमा हिल्ली

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम धनसा, विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1982 को पूर्वोक्त सम्पति के उधित बाजार मूल्य कम से कम दृष्यमान

के उचित बाजार मूल्य कम स कम दृष्यमान
प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की पई है और मुझे यह विश्वास करन
का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह
प्रतिगत प्रधिक है भीर पन्नरक (पन्तरकों) थीर अन्तरिती
(खन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरन के सिए तय पाया गया
प्रतिफन; निम्नतिथित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्त-

- हैं(स) ग्रन्तरम से हुई किसी बाव की बावत करत ग्रीध-विवन के सजीव कर देने के बावरफ के वावितन में कमी करने या क्लासे बचने में सविधा के जिए। बीर/या
 - (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ज्तः। अब, उक्त जिथितियम् की धारा 269-ग को अनुसरण धों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-मृकी उपधारा (1) को अधीन, निम्नृतिवित् व्यक्तियों, वर्धात् ः—— 31—56GI/83 1. श्री बुधराम, चन्द्रा, लक्ष्मण और रामेश सुपुत्रगण श्री मौजी राम, निवासी—धनसा, विल्ली राज्य; विल्ली।

(अन्तरक)

 श्री मान सिंह सुपुत्र श्री मोहर सिंह निवासी—ग्राम सुरेहरा, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्स सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन् के भीतर कवत स्थानक संपतित में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति धृषारा व्योहस्ताक्षरी के पास विविध्त में किए जा सकने।

स्युष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हा अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्स्ची

भूमि खसरा नं० 4/19(4-12); 20(4-12), 21(4-16); 22/1(2-8), 5/16(4-12), 17 (4-12), 25(4-16), ग्राम धनसा, दिल्ली।

सुधीर बन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, विस्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 6-4-1983

मोह्र 🖫

प्रकार नार्ड., टी. पुनु., पुरु --

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

मई दिल्ली, दिनांक 7 अप्रैल 1983

निर्वोग सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-2/ 8-82/7783---यतः मुझे सुधीर चन्द्रा,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम निजामपुर रसीदपुर दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1982

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्र हु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्हा में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (अ) ऐसा किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री छोटे लाल सुपुत्र मांगे राम, निवासी—ग्राम— निजामपुर रसीदपुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. मैं० विष्णु भटा कं० 2365 राजगुरू रोड़, पहाड़ गंज, नई दिल्ली द्वारा कि श्री सुमेर कुमार। (अन्सरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्टित के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पृतित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप?--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीख सैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्पना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरी।

स्पक्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

समय की

भूमि तादावी 25 बिमे 19 बिम्बे, ग्राम—निजामपुर रसीदपुर, दिल्ली मुस्तातील नं \circ 14, किला नं \circ 3, 4, 7/2, 8, 9, 12/1 दिल्ली राज्य, दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 7-4-1983

प्रकप बाइ .टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अविकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-2/8-82/7765-अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बपरीला, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से घणित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1982

को पूर्विकत संपरित के उचित माजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ने दृश्यमान प्रतिक के विष् तय पाया गया प्रतिक कल, निम्निलिखत उद्देश्य से उन्ते अंतरण लिखित में बास्त्विक क्ष्य से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुएं किसी बाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के वास्तिक में कमी करने या अससे वजने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भून-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया स्या था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में स्तिया वी सिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम् की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, रिक्शनिक्त व्यक्तियों, अधीतः :---

- श्री रतन सुपुत्र श्री जमना, निवासी—ग्राम—बपरौला,
 विल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्री इन्दर सिंह सुपुष श्री रतन, निवासी—ग्राम वपरौला, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांकित सम्मरित को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेषित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (प) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वव्यक्तिरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि तादादी 14 बिघे 8 बिख्वे, खसरा नं० 46/9, 12 और 53/3 जो ग्राम--विरोता दिल्ली में स्थित है।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई बिल्ली-110002

तारीख: 7-4-1983

प्रकल बाहु े ही पुन् पुरस्कार

सायकर स्थितियम, 1961 (1961 का 43) की 269-म (1) के सभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज 2-, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 अप्रैल 1983

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-2/8-82/7766—-यतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास कर्ने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रूट. से अधिक हैं

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बपरौला, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में पूर्ण रूप से बिणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्शित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिस्त उद्देश्य से उद्देश कृत्तरण लिचित् में बास्त-दिक रूप से कियत नहीं किया ग्या है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधि-र्नियम के ज्थीद कर बने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीडि/बा
- (क) ऐसी किसी आप वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना खाहिए था, छिपाने में सूबिशा के लिए;

मत: भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मुर्थात् है— श्री रतन सुपुत्र श्री जमना निवासी ग्राम—-बपरौला विल्ली।

(अन्तरक)

 श्री रमेश्वर सुपुत्र श्री रतन निवासी—ग्राम—वपरौला दिल्ली।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

वक्त सम्मित्ति के अर्थन के सम्बन्ध के कोई भी बाक्रोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुबना के ट्राक्प्त में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-व्यथ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

भूमि तादावी 14 विघे 8 विश्वे, खसरा नं० 46/19 22 और 53, स्थापित —ग्राम वपरौला, दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन-रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

सारीख: 7-4-1983

मोहर 🔹

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत बरकार

कार्यान्य, सहायक नायकर नायक्त (निर्धाक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-2/8-82/7851(ए)---यतः मुझे, सुधीर चन्द्रा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ध के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/रु. से बिधक हैं

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—धानसा, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है): रिजस्ट्रीकर्ता विधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1982

को पृत्राँकत सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के पत्यमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्त से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जन्, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त मृत्यरण लिखित में वास्तिक कम् से कृथित मही किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के बार्यित्व में कमी करने या उससे ब्यने में सृविधा के सिष: क्रींड/वान
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें आर्तीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट महीं किया गमा आ या किया आना आहिए था कियाने में स्विभा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनूसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :--- श्री मौजी राम सुपुत श्री हर नरायण, निवासी — ग्राम धानसा, दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्रीमती छोटो पत्नी श्री मौजी राम, निवासी—ग्राम घानसा, दिल्ली, राज्य, दिल्ली।

(अन्तरिती)

की यह सूचना बारी कार्ज पृश्नींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उथत सम्पृतित् के अर्थन् के सम्बन्ध् में कोई भी माक्षेप् :--

- (क) इस सूज्ता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त जीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि तावावी 25 बिमे 8 निष्ये, खसरा नं० 39/11(3-12), 12/1(2-9), 19/2(3-11), 22/1(2-8), 45/10(4-16), $1^{1}/1(2-8)$, 46/11(2-12), 20/1(2-12), 226(1-0) ग्राम—घानसा, दिल्ली राज्य, दिल्ली।

मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 7-4-1983

त्रस्य नार्वं .टी .एन .एस . ------

भाग्कार म्भिनिय्म्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मुभीन सुमृता

माउव सहकाड

कार्याल्य, सहायक आयुक्त आयुक्त (निर्फाक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-2/ 8-82/7759—यतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ईसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाव्य सम्मृत्ति, जिसका उन्ति बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बखतावरपुर विल्ली में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1982

का पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से एसे व्हयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सूविधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या बन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कुर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण मॅं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— श्री भगत राम गोदलिया हुआ सुपुत्र श्रीमती नानो निर्वासी—प्राम और पो० बखतावरपुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री खुशीराम (माइनर) सुपुत्र श्री सुख राम निवासी ग्राम—ताजपुर कलाँ दिल्ली द्वारा उसके सही अविभावक और ग्रेन्हैं फादर श्री सुलतान सुपुत्र श्री काले निवासी—ग्राम—ताज़कलाँ दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्मृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बनत सुम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:----

- (क) इस सूचना के दाजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की ज्वधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की ज्वधि, जो भी जवधि वाद में समाप्त होती हो, की भीत्र पूर्वित्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृत्तार,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपृत्ति, में हित-ब्रुथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिबित में किए जा सकती।

स्वव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त गृष्टों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्वा

अन्स्ची

कृषि भूमि तादादी 13 बिषे और 16 बिश्वेः स्थापित ग्राम—बखतावरपुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली।

> सुधीर धन्त्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, विल्ली, नई विल्ली-110002

तारीख: 7-4-1983

मोहर 🚁

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस्नै - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्द्रीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली मई दिल्ली दिनांक 13 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर० 2/ 8-82/7784—यतः मुझे, सुधीर चन्द्रा;

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है स्था जो ग्राम दिर्जीय कर्जी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावस अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निष्ठित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखितः म्यक्तियाँ, अर्थात् :---

श्री राम सिंह सुपुत्र श्री सिरी चन्द निवासी—ग्राम
 —दिचांव कलां: दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री राम पाल, धरम पाल, सिरी चन्य, सुपुत्रगण श्री सुलतान सिंह निवासी-ग्राम—दिचांव कलां विल्ली।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

1/5 हिस्से जो टोटल भूमि 52 विषे है। ग्राम—दिचांव कलां, दिल्ली में स्थित है।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सक्षम प्राधिकारी सक्षम प्राधिकारी सक्षम स्थापक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली 110002

सारीख: 13-4-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर मिश्रिमियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 व (1) के मधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आई० ए०सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-2/8-82/7845—यतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है और जिसकी सं०

जे०-7/12, है तथा जो राजौरी गार्डेन, नई विल्ली ग्राम ततारपुर, में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम केदूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है धौर मृत्रे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, पेसे
दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और
भन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिखल, निम्नखिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
महीं किया गया है।—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी मान की नावत, उक्त विकि नियम, के अप्रीत कर देने के प्रस्तरक के वादित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; प्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन ना अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीन भागकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिनियम, या धन-कर भिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा भक्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था क्रियाने में सुविधा के सिए।

ग्रतः सब, एक्ट ग्रिविनियम की बारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिविनियम की धारा 269-व की उपबादा (1) मैं अभीन जिस्निसिद व्यक्तियों है। वर्षोद्ः श्रीमती राम पीयारी बाली पत्नी स्व० डा० राम जन्य बाली निवासी---जे-7/12 राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री राजीन्दर कुमार अरोड़ा सुपुत स्व० श्री हंस राज अरोड़ा निवासी — 3-सी/5, न्यु रोहतक रोड़, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरु करता हुं।

उपत सम्यति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवित्रि, जो की भवधि वाद में समाप्त होती हो, के कीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त क्यावर सम्पत्ति में हितकद किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण :--ह अमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, जो उक्त सक्षि-नियम के प्रव्याय 20-मा में परिभाषित है; बहुर सर्वे होगा, जो उस प्रव्याय में दिया गया है।

जनसर्वी

प्रो॰ मं॰ जै-7/12, तादादी 143.3 वर्गगज् राजोरी गाउँन एरीया ग्राम—ततारपुर नजफगढ़ रोड़, नई दिल्ली।

> सुधीर वन्त्रा सक्षम प्राधिकारी. सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 14-4-1983

मोहरु 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 14 अप्रैल 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-2/8-82/7790-ए०--प्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसके परचात 'उत्तत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ क. से अधिक है

और जिसकी सं० 285 (पुराना) है तथा जो रिशीनगर, एस० बी० दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिक्त उद्देश्य में उन्त अन्तरण लिखित में वास्तांबक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बागत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृत्रिया के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीष, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत :-- 32—56GI/83

1. श्रीमती पारसंडी देवी पत्नी श्री ताज किशन बंसल, निवासी-1108, रानी बाग, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री किमती लाल सुपुत्र श्री खैराती लाल, निवासी बी०-107 रिशी नगर, एस० बी० दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह मृचना जारी करके पृत्रों कस सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उबत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्याराः
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच थे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत किंपनियम, के अध्याय 20 क में प्रिभाषित हैं, वहीं वर्ध होंगा जो इस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसुची

मकान नं 285 (पुराना), न्यु नं 726, तादादी 176 वर्गगज, (33×48) 3 मोप, 4 रूम, 2 किनेन, जिना, रिणी नगर, एस० बी० दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 14-4-1983

प्ररूप आर्ड. दी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 अप्रैल 1983

िनवि^{क्र}शानं . ए. . पी. न . 4235—~यतः मुक्ते, जे . एल . विरुधन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी गं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)

के अभीन, तारींख अगस्त, 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य सं कम के इस्यमान प्रतिफल केलिए अंतरित को गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्) और अन्तरिती (अन्तरितियार) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत., उन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्य में कमी करने या उसमे बचने में स्विशा के सिए; बौर/बा
- (क) ऐसी किसी जाय का किसी धन या जन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्क अधिनियम, 27) धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था कियाने से स्विभा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियमं की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिन्दित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री तेज राम पुत्र तिलक त्राम 2. धर्मपाल, वासी भटिन्छा ।

(अन्तरक)

- 2. श्रीमती निर्मला देवी पत्नी गगन सरूप और दर्शना कुमारी पत्नी माधो प्रकाश वासी भटिन्छा । (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि न. 2 में तिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबबुध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिने की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पर्वक्रीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

सम्परित तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न . 3862 दिनांक अगस्त 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिन्डा ने लिखा ।

जे. एल. गिरभर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रंज, जानन्धर

तारील : 7-4-1983

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 4th April 1983

No. F.6/83-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has appointed Shri D. R. Luthra, permanent Count Master who was working as Principal Private Secretary on ad hoc basis to officiate as Principal Private Secretary to the Hon'ble the Chief Justice of India in the cadre post with effect from the forenoon of February 9, 1983 until further orders.

H. S. MUNJRAL, Dy. Registrar (Admn. J.) Supreme Court of India.

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 4th April 1983

No. A. 32013/1/80-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints Shri M. L. Rustogi, a permanent Programmer in the office of Union Public Service Commission to officiate as Sr. Programmer (Group 'A' Rs. 1100-50-1600) in the office of Union Public Service Commission on ad hoc basis for a period of three months or till the Recruitment Rules are notified whichever is earlier w.e.f. 23-3-83.

2. The appointment as Sr. Programmer is purely on ad hoc basis and will not confer upon him any title for regular appointment or seniority to the post of Sr. Programmer.

Y. R. GANDHI, Under Secy. (Admn.) for Chairman Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 5th April 1983

No. A.35014/2/80-Admn.II.—In continuation of this office Notificiation No. A.35017/1/81-Admn.II U.P.S.C dated 13th January, 1982 the Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Sh. Sudershan Kumar, a Section Officer of CCS Cadre, U.P.S.C. to officiate as Accounts Officer (Ex-Cadre post) in the office of U.P.S.C. on ad hoc basis upto 31-5-1983, or until further orders, whichever is earlier.

Shri Sudershan Kumar, will be on deputation to the post of Accounts Officer and his pay will be regulated in accordance with the provisions of the Ministry of Finance (Department of Expenditure) O.M. No. F.1(11)-E.III (B) dated 7-11-75 as amended from time to time.

Y. R. GANDHI, Under Secy. (Admn.) for Secy Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 25th March 1983

No. A. 11016/1/83-Admn_HI.—The President is pleased to appoint the following Section Officers of the Union Public Service Commission to perform the duties of Desk Officer in the office of the U.P.S.C. for the periods indicated agains each or until further orders, whichever is earlier:

Sl. No.	Name	Period
2. 3.	Shri S. C. Jain Shri P. S. Rana Shri Krishan Kumar Shri N. M. L. Bhatnagar	8-3-1983 to 7-6-1983 8-3-1983 to-7-6-1983 8-3-1983 to 30-4-1983 11-2-1983 to 25-3-1983

The above officers shall draw Special Pay @ Rs. 75/- per month in terms of D. O. P. & A. R. O.M. No. 12/1/74-CS dated 11th December, 1975.

The 28th March 1983

No. A.32013/1/80-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri R. R. Shimmray permanent Grade I officer of the CSS cadre of Union Public Service Commission to officiate in the Selection Grade of CSS as Deputy Secretary in the office of Union Public Service Commission on ad hoc basis for a further period of three months with effect from 17-2-83.

The 6th April 1983

No. A. 32014/1./83-Admn. I—The President is pleased to appoint the following Senior Personnel Assistants (Grade B of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission to officiate as Private Secretary (Grade A of CSSS) in the same cadre on a purely temporary and ad-hoc basis for the period shown against their names or until further orders, whichever is earlier:

SI.	Name	Period
	Shri I. N. Sharma Shri Tarsama Singh	28-3-1983 to 27-6-1983 11-1-1983 to 10-7-1983

Y. R. GANDHI Under Secy. (Admn.) Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMINISTRATIVE REFORMS)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 13th April 1983

No. A. 19036/5/83-AD-V.—The Director, CBI and Inspector General of Police, SPE hereby appoints Shri R. K. Joshi, Inspector of Police, Delhi Police as officiating Dy. Supdt, of Police in C.B.I., S.P.E. on deputation with effect from 5-4-1983 (F.N.) until further orders.

The 15th April 1983

No. A.*19029/2/81-AD-V.—In continuation of this office Notification of even number dated 18th March, 1982, the President is pleased to appoint Shri K. N. Dhar, Income Tax Officer, Group 'B' Delhi as Chief Technical Officer (Accounts & Income Tax) Central Bureau of Investigation, Head Office on ad hoc basis with effect from 1st June, 1982 to 31st May, 1983 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

The 16th April 1983

No. A-19021/1/77-AD-V.—The services of Shri S. M. Cairae, IPS (Bihar-1967) Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment, CIU (III) Branch on repatriation, are placed at the disposal of the Government of Bihar with effect from 11-4-1983 Afternoon.

The 18th April 1983

No. A-20024/1/83-AD-V.—The Director, Central Bureau of Investigation, and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri Thakuri as Assistant Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation with effect from the afternoon of 18th March, 1983.

R. S. NAGPAL, Administrative Officer (E) Central, Bureau of Investigation

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi, the 12th April 1983

No. O.II-32/78-Estt.—Consequent on expiry of terms of deputation, Shri P. M. Sen an IA & AS officer relinquishes

the charge of the post of Deputy Financial Adviser of Dte. General CRPF on the forenoon of 2-4-83.

The 13th April 1983

No. O.II-1792/83-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. B. N. Mallik as General Duty Officer Grade-II (Deputy Superintendent of Police/Coy. Commander) in the Central Reserve Police Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 25th February, 1983, subject to his being declared medically fit.

No. O.II-1795/83-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Prom Narain as General (Duty Officer Grade-II Deputy Superintendent of Police/Coy. Commander) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the foremon of the 11th March, 1983, subject to his being deciared medically fit.

The 14th April 1983

No. O.II-1759/82-Pstt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. Vinay Kumar as Junior Medical Officer in the CRPF on ad hoc basis with effect from the forenoon of the 20th March, 1983 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

A. K. SURI, Assistant Director (Estt.).

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA New Delhi, the 18th April 1983

No. 11/10/82-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Lalbiakthuama, an officer of the Government of Mizoram and at present working as Assistant Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Mizoram, Aizawl, on deputation basis, as Deputy Director of Census Operations in the aforesaid office, on deputation basis, with effect from the forenoon of the 30th March, 1983, until further orders.

2. The headquarters of Shri Lalbiakthuama will be at Aizawl.

P. PADMANABHA, Registrar General, India.

New Delhi, the 16th April 1983 CORRIGENDUM

No. 11/72/80-Ad.I.—Paragraph '2' of this office's Notification of even number dated the 7th April, 1983 may be read as under:—

"The headquarters of Shri Murthy will be at Bangalore"
K. C. SETH,
Dy. Director

MINISTRY OF FINANCE

(DEPARTMENT OF REVENUE) OFFICE OF THE CUSTOMS, EXCISE & GOLD CONTROL APPELLATE TRIBUNAL

New Delhi, the 12th April 1983

No. F.6-CEGAT/82.—Shri P. D. Bakhru, formerly working as Assistant Chief Accounts Officer in the Central Excise Collectorate, Delhi, assumed charge as Assistant Registrar, Customs, Excise & Gold Control Appellate Tribunal, New Delhi in the forenoon of 12th April, 1983.

F. S. GILL, President

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I, GUJARAT

Notice of termination of service issued under Rule 5(1) of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules, 1965

Ahmedabad, the 24th March 1983

No. Estt. (A)GR(D)Hamal/KMS/1981/67.—In pursuance of sub-rule (1) of Rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules, 1965, I Shri K. D. Dave, Sr. Dy.

Accountant General (Admn.) hereby give notice to Shri Khetsingh Mulasingh that his scruices shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is served on, or as the case may be, tendered to him.

The 4th April 1983

No. Est.(A), GO/6.—Th: Accountant General-I, Gujarat, Ahmedabad is pleased to appoint S/Shri P. N. Sundarraman and P. M. Sharda permanent members of the (Proforma) Subordinate Accounts Service to officiate as Accounts Officers in the office of the Accountant General-I, Gujarat, Ahmedabad with effect from 24-3-1983 (FN) until further orders

The above promotions have been made on ad hoc basis and subject to the final orders of the Gujarat High Court in the Special Civil Application No. 735 of 1980.

K. D. DAVE, Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 12th April 1983

No. Adm.I/8-132/83-84/459.—Sri V. V. Sriramulu Accounts Officer, Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad retired from service on 31-3-83 (A.N.).

No. Admn.I/8-132/83-84/459.—Sri K. N. Palanivelu Accounts Officer, Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad retired from service on 31-3-83 (A.N.).

• (Sd.) ILLEGIBLE Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I, MADHYA PRADESH

Gwalior, the 24th March 1983

No. OE.I/PF-MDP/543.—Shri M. D. Pathak, Accounts Officer (01/129) a permanent Accounts Officer of the Office of the Accountant General-I, M.P. will retire from Central Government service on 30th April, 1983 (afternoon) on his attaining the age of superannuation.

The 25th March 1983

No. OE,I/PF-NRJ/545.—Shri N. R. Jungley (01/130) a permanent Accounts Officer of the Office of the Accountant General-I, M.P. will retire from Central Government service on 30th April 1983 Afternoon, on his attaining the age of superannuation.

B. K. ROY, Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi 110066, the 7th April, 1983

No. AN/I/1402/4/VOL.II — The President is please to appoint the following officers of the Indian Defence Accounts Service to officiate in the Senior Time Sc of that Service (Rs. 1100-50-1600) with effect from dates shown against them, until further orders:

		,	
SI· N	o. Name	Date from which appointed	
1.	Shri V. P. Gupta	06-12-1982	
2.	Shri M. Haribara Subramanian	27-05-1982	
3,	Shri Arunaya Datt	12-07-1982	
4.	Kum. Vandana Srivastava	12-07-1982	

\$.N.	Name	Date from which appointed
5.	Shri Jacob David	06-12-1982
6.	Shri Mohan Das Paliath	06-12-1982
7.	Smt. Bindu Agnihotri	06-12-1982
8.	Shri R. D. Ahir	06-12-1982
9.	Shri Shanti Swaroop Sharma	06-12-1982
10.	Shri Khem Chand Agarwal	04-01-1983
11.	Shri Harbans Lal Anand	06-12-1982
12.	Shri Satya Praash Behl	06-12-1982
13.	Shri Sat Pal Sohgal	15-12-1982
14.	Shri A. V. Prakasam	06-12-1982
15.	Shri R, K, Raina	06-12-1982
16.	Shri K. S. Arunachalam	06-12-1982
17.	Shri N. Somasundaram	06-12-1982

Additional Controller General of Defence Accounts (Admin)

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi, the 13th April 1983

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENT)

No. 6/1084/75-ADMN(G)/2106.—On attaining the age of superannuation Sarvashri K. K. Ray, Assistant Chief Controller of Imports and Exports and S. R. Moitra, Controller of Imports and Exports, Calcutta have been permitted to retire from Government service with effect from the afternoon of the 28th February, 1983.

V. K. MEHTA,
Dy. Chief Controller of Imports and Exports
for Chief Controller of Imports & Exports

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 4th April 1983

No. 5(2)/83-CLB/5.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 4(2) read with Clause 9 of the Art Silk Textiles (Production & Distribution) Control Order, 1962, I hereby make the following further amendments to the Textile Commissioner's Notification No. 5(2)/81-CLB.II dated 23rd November, 1981 namely:—

In the said Notification No. 5(2)/81-CLB.II dated 23rd November, 1981.

- (1) For sub-para (d) of paragraph I, the following shall be substituted, namely:--
 - "(d) Art Silk Cloth and art silk yarn manufactured for export and not for sale in India:

Note:—For the purpose of this Notification, Art Silk Cloth and art silk yarn shall be deemed to be manufactured for export and not for sale in India only when the manufacturer himself exports it or sells it, in pursuance of a contract, to any registered exporter for export in accordance with the provisions of the Imports & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947)".

- (2) For sub-para (g) of paragraph I, the following shall be substituted, namely:—
 - "(g) Art Silk Cloth sold to processors for processing or delivered to processors for processing on job work basis."

- (3) After sub-paragraph 'h' of paragraph I, new sub-paragraphs (i) & (j) shall be added to read as under namely .--
 - "(i) Hard Waste.
 - (j) Art Silk Cloth and art silk yarn meant for captive consumption by the producer."
- (4) After sub-nein (ii) of item (f) of sub-paragraph (1) of paragraph 11, the following proviso shall be inserted, namely:—

"Provided that when the percentage of any fibre is less than two percent of the total fibre content in the blended art silk yarn, the percentage of such fibre need not be stamped."

(5) In paragraph III. for the words beginning with the words, "The following markings shall be made" and ending with the words "both ends of the piece of art silk cloth", the following shall be substituted namely:—

"The following markings shall be made at the front end of each piece of art silk cloth. When the portion containing the markings is not sold last, the said markings shall be made on both ends of the piece of art silk cloth".

(6) After item (ii) of the sub-paragraph (f) of paragraph III, the following proviso shall be inserted, namely:—

"Provided that when the percentage of any fibre is less than two percent of the total fibre content in the blended art silk cloth, the percentage of such fibre need not be stamped."

SURESH KUMAR, Additional Textile Commissioner (F. No. ASB/9/80/146/Vol.II)

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 8th April 1983

No. E11(7).—In this Department's Notification No. E11(7) dated 11th July, 1969 under Class 2 Nitrate Mixture in the entry "GFELEX SD" and "GEELEX LD" the words and figures "31-8-82" shall be substituted by the words & figures "31-8-83".

The 12th April 1983

No. E-11(7).—In this Department's Notification No. E11 (7) dated 11th July, 1969 under Class 2 Nitrate Mixture add "INDOGEL-704, INDOGEL-724, INDOGEL-734; INDOGEL-774 (pumpable slurry explosives) for onsite trial manufacture inside a pump truck and carrying out field trials directly into the specified bore holes for a period upto 30-4-84", before the entry "INDOMITE".

CHARANJIT LAL, Chief Controller of Explosives

MINISTRY OF STEEL & MINES (DEPARTMENT OF MINES)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta, the 8th April 1983

No. 3081B/A-19012 (4-RT)/82-19B.—Sri Ram Tirath, J.T.A. (Drilling) of the Geological Survey of India is appointed as Driller in the same Department on pay according to rules in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 9th February, 1983, until further orders.

No. 3114B/A-19012(4-GDS)/82-19B.—Shri Gaitri Dutt Sharma, S.T.A. (Drilling) of the Geological Survey of India is appointed as Driller in the same Department on pay according to rules in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 24th January, 1983, until further orders.

S. K. MUKERJEE, Director General

ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA

INDIAN MUSEUM

Calcutta, the 8th April 1983

No. 4-188/83/Estt.—The Director, Anthropological Survey of India, is pleased to appoint Dr. Jitendra Singh to a post of Assistant Anthropologist (Cultural) in this Survey at N.W. Region, Dehra Dun, on a temporary basis with effect from the forenoon of 14th March, 1983, until further orders,

M. S. RAJAGOPALAN, Scnior Administrative Officer

SURVEY OF INDIA Dehradun, the 6th April, 1983

No. C-5934/707—The undermentioned Officers are appointed to officiate as Officer Surveyors (Gorup 'B' post), Survey of India in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date as shown against each, purely on ad-hoc povisional basis.

Sl. No.	Name and Designation	Unit/Office	with effect from.
1	2		4
1.	Shri H. K. Dev. Draftsman Div.I Scl.Gd.	No. 56 Party (NWC), Chandigarh.	2-2-83(FN)
2.	Shri D. R. Sharma, Draftsman Div. I Sel. Gd	No. 66 (ACCM Party (Surair), New Delhi.	25-1-83 (FN)
3.	Shri Daljit Singh, Draftsman Div. I Sel. Gd.	No. 15 D. O. (MPDte) Dehra Dun.	25-1-83 (FN)
4.	Shri Daya Krishan, Surveyor Scl. Gd.	No. 81 Party (NRC) Shillong,	26-2-83 (FN)
5.	Shri J. K. S. Negi, Surveyor Sel. Gd.	No. 4 Party (WC) Ajmer.	28-2-83 (FN)
6.	Shri S. P. Das, Surveyor Sel. Gd.	No. 12 Party (NEC), Shillong.	4-2-83 (FN)
7.	Sori S. B. Mukherjee, D'man Div. I Sel. Gd.	No. 65 (TCM) Party, (Surair), New Delhi.	25-1-83 (FN)
8.	Shri R. B. Dey, Surveyor Sel. Gd.	No. 81 Party (NEC) Shillong.	4-2-83 (FN)
9.	Shri R. L. Vaid, Surveyor Sel. Gd.	No. 51 Party (SCC), Hyderabad.	14-2-83 (FN)

The 8th April, 1983

No. C-5935/707—The undermentioned officers who were appointed to officiate as Officer Surveyor, purely on ad hoc provisional basis, are now appointed to officiate as such on regular basis with effect from the date as stated against each:—

Sl. No.	Name	No. and date of Notification under which appointed on ad hoc provi- sional basis	Unit/ Office to which posted	Date of promo- tion
1.	S/Shri R. L. Gangwal	Notification No C-5395/707 dt. 24-7-78.	No. 29 Party (NEC) Shillong	17-11-82
2.	B. L. Choudhary	Notification No. C-5837/707 dt. 5-7-78.	No. 91 Party (NC) Lucknow	13-7-82

No. C-5936/107.—The undermentioned officers, who were appointed to officiate as Officer Surveyor, purely on ad hoc provisional basis, are now appointed to officiate as such on regular basis with effect from the date as stated against each:

SI. No.	Name and Designation	No. & date of Notification under which appoint on adhoc provisional basis	o, Office j whic me posted	ate of pro- otion
S	/Shri			
`1.	Khushi Ram	Notification No	No. 16	10-5-82
		No. C-5403 dt. 17-8-78	D. O. (M.P. Dte Dehra Dun	(FN)
2.	Bansidhar Ghil- dhiyal	Notification No. C-5837/707 dt.	- ,	17-9-81 (FN.
		5-7-7 8	No. 27 Part (NC)Mussoo	-
3.	S. R. Biswas	Notification No C-5832/707 dt. 5-7-78.	No. 30 (Photo) Party (EC), Calcutta.	18-9-81 (AN)
4.	Shri Malook Singh	Notification No. C-5395/707 dated 24-7-78	No. 9 Party (NEC), Shillong.	27-1-82
(ii) The date of	appointment of S	hri K. L. Kar	arha as

(ii) The date of appointment of Shri K. L. Kararha as notified vide this Office Notification No. C-5879/707 dated 4th November, 1982 is amended to read 10-9-81 (FN) instead of 22-7-82 (FN),

The 12th April 1983

No. C-5937/718-A.—Shri M. S. S. Parte, Officiating Superintendent, Surveyor General's Office, who was appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer, on ad hoc basis vide this office Notification No. C-5746/718-A dated the 30th July, 1981, is now appointed to officiate as such on regular basis with effect from 3rd June, 1982.

No. C-5938/718-A.—Shri N. Mohan Raj, Officiating Superintendent, Surveyor General's Office, who was appointed as Establishment and Accounts Officer, on ad hoc basis vide this office Notification No. C-5790ff1718-A dated 9th February, 1982, is now appointed to officiate as such on regular basis with effect from 3rd June, 1982.

No. C-5939/707.—Shri H. K. Kharbade, Surveyor (Selection Grade) is appointed to officiate as Officer Surveyor (Group 'B' post), Survey of India in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 11-2-82 (FN), purely on ad boc provisional basis and posted to No. 31 Party (SCC), Pune.

The 13th April 1983

No. C-5941/707.—Shri Krishan Lal, Survey Assistant (Selection Grade) is appointed to officiate as Officer Surveyor (Group 'B' post), Survey of India in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 27-2-82 to 2,3-3-82 purely on ad-hoc provisional basis, in No. 51 Party (SCC), Survey of India, Hyderabad.

G. C. AGARWAL, Major General Surveyor General of India. (Appointing Authority)

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO New Delhi-1, the 14th April 1983

No. 4(12)82-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Smt. Papiya Chakraborty (Basu) as Programme Executive, A.I.R., Calcutta in a temporary capacity

with effect from 21st March, 1983 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 4(60)/82-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Ghayasur Rehman Syed as Frogramme Executive, A.I.R., Gorakhpur in a temporary capacity with effect from 23rd March, 1983 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

The 14th April 1983

No. 4(62)82-S1.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Anil Kumar Srivastava. as Programme Executive, A.I.R., Jalgaon in a temporary capacity with effect from 1st March, 1983 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

Dy. Director of Administration for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 12th April 1983

No. A.32012/1/83-Est.—The Director of Advertising & Visual Publicity hereby appoints Shri S. K. Gupta, an ad hoc Senior Accountant, to officiate as Accounts Officer in the Directorate in a temporary capacity on ad-hoc basis with effect from the afternoon of 31st March, 1983, until further orders.

> S. K. GOEL for Director of Advertising & Visual Publicity.

MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION, Faridabad, the 16th April 1983

No. A. 19023/2/78-A-III.—Shri R. L. Grover, Marketing Development Officer of this Directorate at New Delhi, retired voluntarily from Government Service with effect from 30-12-1980 (AN), in terms of rule 48-A of C.C.S. (Pension) Rules,

No. A.19023/28/78-A-III.—On his reversion from the post of Dy. Senior Marketing Officer ad hoc in this Dte. at Tuti-corin, Shri K. V. Prasada Rao stands reverted to the post of Marketing Officer (Group I) in this Dte. at Nagpur, w.e.f., 16-11-82 (AN). He may report for duty as Marketing Officer there on the expiry of the leave.

No. A.19024/1/81-A-III.—The ad hoc appointment of Shri R. D. Gupta to the post of Jr. Scientific Officer under this Dte. at Central Agmark I aboratory, Nagpur, has been extended for a further period of 3 months i.e. upto 31-3-83 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

No. A.19025/2/83-A.II.—On the recommendations of the Union Public Service Commission Shri Narayan Singh Rana has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in this Directorate with effect from 28-2-83 (forenoon) until further orders.

No.A.19025/3/83-A.JII.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Bishan Chand, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group II) in this Directorate at New Delhi with effect from 5.3.83 (FN) until further orders.

> G. S. SHUKLA Agricultural Marketing Adviser to the Govt, of India

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES Bombay-400 001, the 11th April 1983

Ref. No.DPS/41/1/83-Adm./12654.—The Director, Director, torate of purchase and Stores, Department of Atomic Fnergy

appoints Shri Vasant Kumar Girdharlal Jobanputra, a Permanent Purchase Assistant to officiate as an Assistant Purchase Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 20.12.82 (FN) to 30.6.83 (AN) in the same Directorate.

Ref. No.DPS/41/2/83-Adm./12712.-The Director, Directorate of purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Muliyappurath Raju, a permanent Storekeeper to officiate us an Assistant Stores Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 21.2.1983 (FN) to 25.3.1983 (AN) in the same Directorate vice Shri M. S. Gangnaik Assistant Stores Officer, promoted as Store Officer.

B. G. KULKARNI Administrative Officer-II.

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-16, the 10th April 1983

No.AMD-1/1/81-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri C. Murugan, as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of March 30, 1983 until further orders.

No. AMD-1/25/82-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Rakesh Kumar as Scientific Officer Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of March 26, 1983 until further orders.

The 12th April 1983

No.AMD-2/3317/81-Adm.—The resignation tendered by Shri V. R. Sowmingrayanan, Scientific Officer/SB in the Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy has been accepted by Director, Atomic Minerals Division with effect from the afternoon of March 24, 1983.

No AMD-1/25/82-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Nabi Sher Khan, as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of March 26, 1983 until further orders.

> T. D. GHADGE. Senior Administrative & Accounts Officer.

MININSTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 13th April 1983

No.E(I)00232.- In continuation of notification of even number dated 16th December, 1982, the President is pleased to continue the ad-hoc appointment of Dr. Virendra Saxena as Hindi Officer in the General Central Service Group 'A' (Gazetted) in India Meteorological Department from 1st April, 1983 to 7th September 1983 or until further orders which ever is carlier.

> S. K. DAS Director General of Meteorology

New Delhi-3, the 14th April 1983

A.38019/Π/83-E.I.—The undermentioned of India Meteorological Department have retired from the Government service on the dates mentioned against their names, on attaining the age of superannuation :-

S. Name No.	Designation	Date on which officer retired
1. Shri B. Chatterjee	Meteorologist Grade I	28-2-1983
2. Shri Sadananda Roy	Assistant Meteorologist	-do-
3. Shri S. P. Bhattacharya	-do-	-do-

K. MUKHEKJEE Meteorologist (Establishment) for Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 13th April, 1983.

No. A.19011/113/80-E.I.—On attaining the age of superannuation Shri R. L. Pereira. Director of Aerodromes, Bombay retired from government service on the afternoon of 31.3.1983

S. GUPTA Deputy Director of Administration.

FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehraduq, the 13th April, 1983

No.16/280/77-Ests-I.—Consequent upon his selection to the post of Scientist 'SD' (Forestry) at Space Application Centre, Indian Space Research Organisation, Ahmedabad, the President, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun has been pleased to relieve Dr. V. K. Srivastava, Research Officer, Forest Ecology Branch with effect from 31-1-1983 (AN).

RAJAT KUMAR Registrar, Forest Research Institute & Colleges.

MINISTRY OF ENERGY DEPARTMENT OF COAL

COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION

Dhanbad, the 8th April 1983

No. Adm.12(17)G/75.—Shri H. P. Sinha, Assistant Secretary (Adm) has been appointed on ad-hoc basis to the post of Junior Analyst in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EL-880-40-1000-EB-40-1200 w.e.f. 2nd March, 1983 (F/N) by transfer on deputation.

D. PANDA Commissioner

OFFICE OF THE DIRFCTOR GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 13th April 1983

No. 33/2/80-ECIX.—The Director General of Works is pleased to appoint Shri P. S. Negi, Nominee of the Union Public Service Commission against the temporary post of Assistant Architect (G.C.S. Group 'B') in the Central Public Works Department on a pay of Rs. 650/-P.M in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200 plus usual allowances with effect from 19.4.82 on the usual terms and conditions. He is already working as Assistant Architect (on ad-hoc basis) with effect from 31.5.80 and he will continue to draw the pay as per earlier fixation.

2. Shri P. S. Negi is on probation for a period of two years with effect from 19-4-82.

A. K. NARANG Deputy Director of Administration

DIRECTORATE OF ESTATE

New Dolhi, the 6th April 1983

No A-19012/7/83-Adm. B'.—Smt. Shail Kumari Goel, Superintendent (Legal) in the Ministry of I aw, Justice and Company Affairs (Department of Legal Affairs), is appointed concurrently as Assistant Director of Fstates (Litigation) in the Directorate of Estates, Ministry of Works and Housing with effect from the forenoon of the 25th March. 1983 until further orders vide Shri S. B. Shæran transferred.

VEENA BRAHMA Dy. Director of Estates (E).

MINISTRY OF SUPPLY NATIONAL TEST HOUSE. ALIPORE Calcutta-27, the 11th April, 1983

No. DG-318/A.—The Director General, National Test House, Calcutta has been pleased to appoint Smt. Lila Sarkar,

Jr. Accounts Officer of the office of the Pay & Accounts Officer, Ministry of Law, Justice & Company Affairs to officiate as Accounts Officer in the National Test House, Calcutta on deputation for two years w.e.f. 1-3-83 (F/N).

A. BANERJEE
Dy. Director (Admn.)
for Director General
National Test House, Alipore

MINISTRY OF LAW. JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of Companies Act, 1 of 1956 and

In the Matter of Malda Transport Co. Limited
Calcutta, the 23rd March 1983

No. Lffl18848/H-D/1953.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act 1 of 1956 that an order for winding up of the above-named company was made by the Hon'ble High Court, Calcutta on 6-12-1979 and the Official Liquidator/Court Liquidator, High Court Calcutta has been appointed the Official Liquidator.

Sd./ILLEGIBLE
Asstt. Registrar of Companies
West Bengal, Calcutta.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Valabai Trading & Chit Funds Private Ltd.

Bangalore, the 12th April 1983

No. 1853/560/83-84.—Notice is hereby given pursuant to sub section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s Valabai Trading & Chit Funds Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Sri Balaji Auto Enterprises Private Ltd.,

Bangalore, the 12th April 1983

No. 2286/560/83-84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s Sri Balaji Auto Enterprises Private Itd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Mangalore Agencies & Services Private Ltd.,

Bangalore, the 12th April 1983

No 2902/560/82-83—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Mangalore Agencies & Services Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. K. L. N. Filters Private Ltd.,

Bangalore, the 12th April 1983

No. 3606/560/83-84.—Notice is hereby eiven pursuant to sub-rection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. K. L. N. Filters Private Ltd., unless cause is shown to the contrary will be struck off the Revister and the said company will be dissolved.

(Sd) ILLEGIBLE Registrar of Companies, Karnataka, Bangalore In the matter of the Companies Act, 1956 and of Bihar Medical Experts Polyclinic Private Limited

Patna, the 11th April 1983

No. 1107/560/171.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Bihar Medical Experts Polclinic Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Janta Tea Private Limited

Patna, the 13th April 1983

No. 1279-560/269.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Janta Tea Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Bihar Chitralok Private Limited

Patna, the 13th April 1983

No. 990/560/273.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Bihar Chitralok Private Limited,

unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be Jissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Bihar Electricals and Electronics Limited

Patna, the 14th April 1983

No. 1011/560/323.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Bihar Electricals and Electronics Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Sabharwal Brother Private Limited

Patna, the 14th April 1983

No. 1390/560/326.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date belief the name of the Sabharwal Brothers Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

A. W. ANSARI Registrar of Companies, Bihar, Patna

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th April 1983

Ref. No. A.P. No./4239.-Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule

situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Officer at Bhatinda on Aug. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 279D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri Sher Singh S/o Amar Singh R /o Bhatinda.

(Transferor)

(2) Smt. Bhagwant Kaur W/o Joginder Singh,

2. Balbir Singh S/o Ganda Singh, 3. Raj Kumar S/o Ramji Dass,

4. Madan Lal S/o Kishore Chand, 5. Rajinder Kumar S/o Chanan Ram,

6. Suresh Kumar S/o Sh. Baboo Ram R/o Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 3558 of Aug. 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 11-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR Jalandhar, the 11th April 1983

Ref. No. A.P. No./4240.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Anthority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. as per schedule

situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Officer at Bhatinda on Aug. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Sarbjit Singh S/o Sarwan Singh R/o Vill. Balhar Bunjoo Distt, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Smt. Usha Gupta W/o Dr. Ramesh Gupta R/o Goniana Mandi.

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 4017 of Aug. 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th April 1983

Ref. No. A.P. No./4241.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under he Registraion Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on Aug. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Chanan Singh S/o Boota Singh R/o Mehna Chowk, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Sneh Lata W/o Dr. Jagdish
Rai Singh Talwandi Bhal,
2. Sheela Devi W/o Munna Lal Mittal Jaina Mondi,, 3. Sashi Bala D/o Dr. Sohal Lal, Raman Mandi.

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration Sale deed No. 4030 of Aug. 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 11-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE UNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th April 1983

Ref. No. A.P. No./4242.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing situated at Bhatinda

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Bhatinda on Aug. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the ransferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Chanan Singh S/o Boota Singh R/o Mehna Chowk, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Charanjit Kaur W/o Kulwant Singh Vill. Lalbai, Near Giddarbaha.

(Transferce)

- (3) As per S. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 4008 of Aug. 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR.
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 11-4-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th April 1983

Ref. No. A.P. No./4243.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-mevable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on Aug. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the tollowing persons, namely :-

Chanan Singh S/o Boota Singh R/o Mehna Chowk, Bhatinda,

(Transferor)

(2) Rajinder Singh S/o Kapur Singh, Goniana Mandi, 2. Parma Devi D/o Kastur Chand C/o Gulmarg Hotel, Bhatinda, 3. Anuradha D/o Sham Singh, Bhatinda, Nahianwala, 5. Kartar Singh S/o Partap Singh Vill. Matta and 6. Kaka Singh S/o Niranjan Singh, Bhatinda.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
- (Person in occupation of the property)
 (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 4045 of Aug. 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 11-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th April 1983

Ref. No. A.P. No./4244.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on Aug 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Chanan Singh S/o Boota Singh R/o Mehna Chowk, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Sunil Kumar Aggarwal S/o Sh. Mukand Lal Aggarwal, Taxation Advisor, The Mall, Bhatinda.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 4085 of Aug. 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 11-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR
Jalandhar, the 11th April 1983

Ref. No. A.P. No./4245.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule

situated at Hoshiarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Hoshiarpur on Oct. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weakh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Saranjit Singh Pental S/o
 Sh. Nirmal Singh
 R/o Amba Bhawan, Station Road,
 Hoshiarpur Mukhtara-am of Mohinder Singh
 Parmar, R/o 116th Avenue,
 British Columbia, Canada.

(Transferor)

(2) Gurnam Singh S/o Swaran Singh Vill. Naura Distt, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above, (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this sastice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as ere defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 3222 of Oct, 1982 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 11-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th April 1983

Ref. No. A.P. No./4246.--Whereas, 1, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

situated at Hoshiarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Hoshiarpur on Oct. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-34-56GI/83

(1) Saranjit Singh Paintel S/o Sh. Nirmal Singh R/o Amba Bhawan, Station Road, Hoshiarpur Mukhtara-am of Sh. Mohinder Singh Parmar S/o Mohan Singh R/o 116 Avenue, British Colambia, Canada. (Transferee)

(2) Gurcharan Singh S/o
Sh. Swaran Singh Vill. Naura Distt. Jalandhar.

(Transferec)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to

be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said anmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 3230 of October, 1982 of the Registering Authority, Hoshlarpur.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Aequisition Range, Jalandhar.

Date: 11-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th April 1983

Ref. No. A.P. No./4247.--Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Rampura Phul

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Rampura Phul on Aug. 89

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sohan Singh S/o Jagat Singh Vill. Rampura Phul.

(Transferor)

(2) Devinder Singh S/o Albel Singh Vill. Rampura Phul,

(Fransferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to

whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration Sale deed No. 2106 of Aug. 1982 of the Registering Authority, Rampura Phul.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assett. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 11-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th April 1983

Ref. No. A.P. No. 4248.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter 16ferred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule Rampura Phul in Aug. 1982

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1988 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rampura Phul on Aug, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforceaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Gurdev Kaur W/o Albel Singh Vill. Rampura Phul.

(Transfero1)

(2) Bhupinder Singh S/o Albel Singh Vill. Rampura Phul.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above. (4) Any other person interested in the property.

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2107 of Aug. 1982 of the Registering Authority, Rampura Phul.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-4-1983

(Person in occupation of the property)

interested in the property)

FORM ITNS-

(1) Gurdev Kaur W/o Albel Singh Vill. Rampura Phul.

(Transferor)

(2) Devinder Singh S/o Albel Singh Vill. Rampura Phul.

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th April 1983

Ref. No. A.P. No. 4249 .-- Whereas, I,

J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule

situated at Rampura Phul

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rampura Phul in Aug. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2108 of Aug. 1982 of the Registering Authority, Rampura Phul.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority
> Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandha

Date: 11-4-1983 Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th April 1983

Ref. No. A.P. No. 4250.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. as per schedule situated at Muktsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muktsar in Aug. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Raghubir Singh S/o Malkiat Singh, R/o Malout Road, Muktsar.

(2) Sukhdev Kaur W/o Beant Singh of H. No. 6347, Malout Road, Muktsar now V. & P.O. Chet Singh Wala, Teh. Faridkot.

(Transferee)

(Transferor)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Plot situated in Muktsar and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1720 of August, 1982 of the Registering Authority, Muktsar,

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMEN'T OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th April 1983

Ref. No. A.P. No. 4251.-Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. as per Schedule situated at Kot Kapura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Faridkot in Aug. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mehar Singh S/o Pirthi Singh Kohar Wala through Babu Singh S/o Pirthi Singh, Ward No. 2, Faridkot Road, Kotkapura.

(Transferor)

(2) Nachhatar Singh, Harmandar Singh Ss/o Ram Singh, Ward No. 2, Faridkot Road, Kotkapura.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 5 Kls. 15 Mls. situated in V. Kot Kapura & persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2425 of August, 1982 of the Registering Authority, Faridkot.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parameter and the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th April 1983

Ref. No. A.P. No. 4252.—Whereas, I,
J. L. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No as per schedule situated at Kot Kapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Faridkot in Aug. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Shri Kartar Singh S/o Partap Singh r/o Partap Nagar, Kot Kapura.

(l'ransferor)

- (2) 1. Shri Janak Raj S/o Nanak Chand Grover r/o Ferozpur City.
 2. Lakhbir Singh S/o Mehtab Singh r/o V. Wander Jatana (Faridkot).
- Ram Parkash S/o Jagan Nath r/o Partap Nagar, Kot Kapura.
 As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property) (Transferee)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of of any of the aforesata persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 2 Kls. 10 Mls. situated in V. Kot Kapura & persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2466 of August, 1982 of the Registering Authority, Faridkot.

J. L. GIRDHAR

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR Jalandhar, the 11th April 1983

Ref. No. A.P. No. 4253,---Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Kot Kapura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot in August, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Tara Chand S/o Devi Dass R/o Ward No. 9, Kot Kapura Distt. Faridokot.

(2) Shri Bhim Sain S/o Devi Dass R/o Ward No. 9, Kot Kapura

(Transferor)

Distt. Faridokot.

(Transferce) (3) As per S. No. 2 above,

(Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of netice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property plot situated at Kot Kapura & persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2591 of August, 1982 of the Registering Authority, Faridkot.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar,

Date: 11-4-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th April 1983

Ref. No. A.P. No. 4255.—Whereas. I.

L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing.

No. as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in August, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other sasets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Ajmer Singh S/o Boota Singh Mehra Chowk, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shrimati Surjit Kaur W/o Bikkar Singh Bhullar S/o Baboo Singh Vill, Guggar near Tapa Teh, Barnala.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nodes in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3577 of August, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 13-4-1983

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--35-56GI/83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th April 1983

Ref. No. A.P. No. 4262.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhatinda in August, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ough! to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

.(1) Ginder Singh S/o Mastan Singh Chandsar Basti, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Gian Chand Garg S/o Sh. Amar Nath C/o Krishan Lal, Industrial Training Institute, Bhatinda.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3973 of August, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda,

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 13-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th April 1983

Ref. No. A.P. No. 4263.—Whereas, I,

J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule situated at Bhannda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in August, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Ginder Singh S/o Mastan Singh, Chandsar Basti, Bhatinda.

(Transferor)

9299

Shrimati Shanti Devi W/o Pritam Chand,
 Satya Devi W/o Prem Lal
 C/o Krishan Lal, Industrial Training Institute,
 Bhatinda,

(Transferec)

- (3) As per S. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3974 of August, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar,

Date: 13-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th April 1983

Ref. No. A.P. No. 4264.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in August, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Vijay Kumar, Vinod Kumar S/o Sh. Piara Lal, Ludhlana.
- (Transferor)
- Shri Parkash Chand S/o Parma Nand Civil Station, Bhatinda.

(Transferce)

- (3) As per S. No. 2 above, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3829 of August, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Pate: 13-4-1983

Scal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

)FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR Jalandhar, the 13th April 1983

Ref. No. A.P. No. 4265.—Whereas, I,

I. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the noome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to se the 'said Act'), have reason to believe that the mmovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Bhatinda in August, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Roop Singh S/o Nand Singh Vill. Lohgarh Teh. Sangria Distt. Ganganagar.

(Transferor)

 Shri Iogin.Jer Singh S/o Nand Singh Kothi Mithu Wali, Bernala Road, Bhatinda.
 Shri Gurdev Singh Alias Mithoo S/o Karnial Singh (P. S. E. B. Thermal Employee)
 R/o Chandsar Basti, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires latter;
- (b) by any other person interested in the said immovable of property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 3688 of August, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Juspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Aquisition Range, Jalandhar

Date: 13-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th April 1983

Ref. No. A P. No./4254.—Whereas, 1, J. L. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason of believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

has been transferred under the Registeration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on August, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Surinder Singh S/o Udham Singh Vill. Babar Mazara, Teh. Nawanshahar.

(Transferor) (2) Shrimati Charan Kaur W/o Lachman Singh Vill. Manak, Teh. Phagwara.

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 1248 of August, 1982 of the Registering Authority, Phagwara.

J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 11-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th April 1983

Ref. No. A.P. No. 4256.—Whereas, I J. L. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Bhatinda,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on August, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1982 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Shri Ginder Singh S/o Mastan Singh Chandsar Basti, Bhatinda. (Bibiwala Road) (Transferor)
- (2) Shri Jagdish Chand Gupta S/o Tulsi Ram. Bhatinda and Nirmala Devi W/o Hargopal Singh Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The and expressions terms herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCEDUHLE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 3565 of August, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar

Date: 13-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th April 1983

Ref. No. AP. No./4257.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhatinda on August, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, In respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceatment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Ujaggar Singh S/o Sh. Bachan Singh, Jewellers, Hospital Bazar, Bhatinda.

(Transferor)

2) Shri Gurpaiar Singh S/o Gurlal Singh, and Gurtej Singh SS/o Gurdip Singh Vill, Ratia Teh. & Distt. Sirsa.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be

interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 3643 of August, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 13-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th April 1983

A P. No./4258. - Whereas, I, Ref. No. J. L. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on August, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Balwant Singh S/o Bachan Singh Jewellers, Hospital Bazar, Bhatinda.
- (2) Shri Gurpier Singh, Gurlal Singh and Gurtej Singh Ss/o Gurdip Singh Vill. Ratia Teh. & Distt. Sirsa.

(Transferee)

(Transferor)

(3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3644 of August, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--36-56GI/83

Date: 13-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th April 1983

Ref. No. AP. No./4259.-Whereas, I. J. L. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsefter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing 140.

as per schedule situated at Bhatinda.

(and more fully described in the schedule annexed here has been transferred under the Registration Act, 1908 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on August, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

Shri Ajmer Singh S/o Nerain Singh near Canal /Gatta Factory, Paras Ram Nagar, Bhatinda. (Transferor)

 Shri Ranjit Singh S/o Diwan Singh
 Malkiat Kaur W/o Hardev Singh, 3. Kaur W/o Surinder Singh, 4. Manmohan Singh S/o Sant Singh, 5. Savittri Devi W/o Pirthi Chand, 6. Jamna Devi W/o Amar Nuth, 7. Rajinder Kumar S/o Nathu Ram, 8. Kapur Chand S/o Prabhdyal C/o Sant Ram Dalal, Paras Ram Nagar, Bhatinda.

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows

to be interested in the prop

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the conceaument of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3891 of August, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

THE SCHEDULE

J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Jalandhar

Date: 13-4-1983 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th April 1983

Ref. No. AP. No./4260.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule situated at Bhatinda.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bhatinda on August, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 279D of said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Chamkaur Singh S/o Surjit Singh and Balbir Kaur W/o Surjit Singh, Bhatinda.

 (Transferor)
- (2) Shrì Gurmukh Singh S/o Ram Singh R/o Rampura Phool.

(Transferce)

- (3) As per S. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said A.t., shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3905 of August, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 13-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR Jalandhar, the 13th April 1983

Ref. No. AP. No./4261.-Whereas, I, J. L. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-lax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Bhatinda.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on August. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Gulab Singh S/o Ganda Singh Opp. P. S. E. B. Civil Station, Power House Road, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Mohan Lal & Bidhi Chand 2. Brij Lai S/o Baboo Singh, 3. Baru Ram, S/ Aya Ram, 4. Darshan Singh S/o Gurnam Singh Baru Ram. S/o Vill. Ballianwali, Teh. Phool.

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above.

(4) Any other person in occupation of the property)
(Person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immev-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

E-LANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3912 of August, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 13-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th April 1983

Ref. No. AP. No./4266.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as per schedule situated at Bhatinda.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhatinda on August, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coonsideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

persons, namely:—
58—36GI[83

(1) Shri Gulab Singh S/o Ganda Singh S/o Hari Singh Sarpanch of Village Jodhpur Romana R/o Power House Road, Opp. Electricity Office, Civil Lines, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Mukhtiar Singh S. o Sarwan Singh Bhatinda.

(Transferce)

*(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 3796 of August, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda,

> J. L. GIRDHAR Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 13-4-1983

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th April 1983

Ref. No. A.P. No. 42..7.—Whereas, 1, J. L. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule situated at Bhatinda.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on August, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Gulab Singh S/o Ganda Singh S/o Hari Singh, Sarpanch of Village Jodhpur Romana R/o Power House Road, Opp., Electricity Officer, Civil Lines, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shrimati Jaswant Kaur W/o Mukhtiar Singh. Bhatinda.

(Transferee)

*(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3797 of August, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 13-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, IALANDHAR

Jalandhar, the 13th April 1983

Ref. No. AP. No./4268.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beaing No.

as per schedule situated at V. Mithapur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer

at Jalandhar on August, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I, have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gurmakh Singh S/o Thakur Singh R/o V. Mithapui Teh. Jalandhar. (Transferor)
- (2) Shri Darshan Singh S/o Amar Singh R/o. Mathapur. Teh. Jalandhar.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above

(Persons in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Preperty land 21 Mls. situated in V. Mithapur and Persons as mentioned in the registration sale deed. No. 3167 of August, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 13-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th April 1983

Ref. No. AP. No./4269,—Whereas, I, J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at V. Wariana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on August, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the ransferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Siv Singh & Surain Singh Ss/o Bhagat Singh R/o V. Wariana Teh. Ialandhar.

(Transferee)

(2) Shrimati Chand Reni W/o Tilak Raj and Smt. Vijay Rani W/o Romesh Chander R/o 2, Shakti Nagar, Jalandhar.

(Transferor)

- (3) As per S. No. 2 above, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other persons interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 2 Kls. situated in V. Wariana & persons as mentioned in the registeration sale deed No. 3724 of August, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 13-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th April 1983

Ref. No. AP. No./4270.—Whereas, I. J. I. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at V. Mithapur.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on August, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Narinder Singh S/o Ralla Ram R/o V. Mithapur Teh. Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Gian Singh S/o Gulwant Singh & Puran Singh S/o Mehar Singh, R/o V, Mithapur Teh, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Land 1 Kl. 2 Mls. situated in V. Mithapur & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 3742 of August, 82 of the Registeration Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

37--56GI/83

Date: 13-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th April 1983

Ref. No. AP. No. 4271.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Chak Hussaina.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on August, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afoersaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice nuder sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) Shri Kishan Singh S/o Biru, Dip Singh Lal Singh, Ss/o Kishan Singh R/o Chuk Hussaina, Teh, Jalandhar.
- (2) Shrimati Ranjit Kaur W/o Amar Singh Soni R/o 434, New Jawahar Nagar, Jalandhar. (Transferee)
- *(3) As per Sr. No. 2 above,
- *(4) Any other person in occupation of the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE,

Property land 32 Mls. situated in V. Chak Hussaina & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 3346 of August, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDIJAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 15-4-1983

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th April 1983

Ref. No. AP. No./4272.-Whereas, I,

J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Chak Hussain. (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on August, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Labh Singh S/o Biru & Tara Singh, Jarnail Singh, Sidh Singh Ss/o Kishan Singh R/o Chak Hussain, Teh. Jalandhar.

(Transferce)

(2) Shrimati Ranjit Kaur W/o Amar Singh Soni R/o 434, New Jawahar Nagar, lalandhar.

(Transferor)

*(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 32 Mls. situated in V. Chak Hussain & Persons as mentioned in registeration sale deed No. 3347 of August, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 15-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th April 1983

Ref. No. AP. No. 4273.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR

at Jalandhar on August, 1982

being the Competent Authority under Section. 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable proprety, have a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at V. Maksoodpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been rtuly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shrimati Kamlesh Kakar R/o 5-147, Industrial Area, Jalandhar, (Transferee)

(2) Shrimati Rajni Devi W/o Tejinder Singh R/o Sodal Road, Jalandhar City. (Transferce)

*(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property) *(4) Any other person interested In the property, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforeşaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Land 18 Mls. situated in V. Maksoodpur & Persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 3524 of August, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR Competent Authority, Inspection Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 15-4-1983

Seel :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR Jalandhar, the 15th April 1983

Ref. No. AP. No./4274.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as per schedule situated at Central Town, Jalandhar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on August, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Mohinder Singh Jabbal S/o Jagat Singh R/o 373/9, Central Town, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Inder Abnash S/o Hazari Lal R/o 430/9, Central Town, Jalandhar.

(Transferec)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land plot 6 -Mls. situated in Central Town, Jalandhar & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 3640 of August, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, 1 amely:-

Date: 15-4-1983

(Person in occupation of the property)

to be interested in the property)

FORM ITNS-

(1) Shri Pritam Singh Bhogal S/o Sh. Mela Singh, Phagwara G. A. of Mrs. Pritpal Kaur.

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Transferee) -

(2) M/s Sukhjit Starch & Chemicals Ltd., Phagwara through Kuldip Krishan

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th April 1983

Ref. No. AP. No./4275.—Whereas, I,

J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as per schedule situated at Phagwara, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on August, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for which dight to be discrossed by the transfere to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned knows

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 1134 of August, 1982 of the Registering Authority, Phagwara.

J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspection Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 15-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (#3 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th April 1983

Ref. No. AP. No./4276.—Whereas, I,

J. I. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at V. Nandan Pur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on August, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Rattan Singh S/o Mchnga Singh R/o V. Nandan Pur, Teh. Jalandhar.
- (Transferor)
- (2) Shri Surjit Singh S/o Amir Chand, R/o NM-42, Neela Mahal, Jalandhar.

(Transferce)

- *(3) As per Sr. No. 2 above.
- (Person in occupation of the property)
 *(4) Any other person interested in the property,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the afroesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 9 Kls. 8 Mls. situated in V. Nandan Pur & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 3765 of August, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar,

Date: 15-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR
Jalandhar, the 15th April 1983

Ref. AP. No./4277.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

Jalandhar in August, 1982

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule situated at V. Nandan Pur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in parsuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this motice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

- (1) Shri Ratten Singh S/o Menga Ram, R/o V. Nandan Pur Teh.—Jalandhar. (Transferor)
- (2) Shri Amir Chand S/o Attar Singh, R/o NM-92, Mohalla Qurar Khan, Jalandhar. (Transferee)
- *(3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- *(4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 9 Kls. 8 Mls. situated in V. Nandan Pur & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 3766 of August, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 15-4-1983

(1) Smt. Phool Rani Banerjee & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Md. Salauddin Khan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. CALCUTTA

Calcutta, the 8th April 1983

Ref. No. TR-175/82-83/Sl. No. 732.—Wherea, I. C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding. Rs. 25,000/and bearing

No. 18A situated at Miajan Ostagar Lane, Calcutta-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sealdah, Calcutta on 18-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

·EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957); One storied building having corrugated iron structure on land measuring 2K 7Ch 2½ sft. at premises No. 18A, Miajan Ostagar Lane, Calcutta, transferred vide Deed No. 748 dt. 18-10-82 in the office of S. R. Sealdah.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Calcutta
54 Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-700 016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 8-4-1983

Seal :

38---56GI/83

FORM I.T.N.S. -

(1) Shantiniketan Estate (Pvt.) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. D. P. Kohri Through Mrs. R. Kohri. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Calcutta, the 8th April 1983

publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. TR-182/82 83/Sl. 733,---Whereas, I, C. ROKHAMA

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Space No. 4 on the 7th floor situated at 8 Camac Street, Calcutta
(and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 17-8-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the sald Act, in
respect of any income arsining from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transftree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Office space No. 4 on 7th floor at "Shantiketan", 8 Camac Stree, Calcutta-17, being plinth area of 910 sq. ft. registered vide Deed No. 1-7167 dated 17-8-82 in hte office of S.R.A. Calcutta.

THE SCHEDULE

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta
54 Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-700 016.

Date : 8-4-1983

(1) Shri Sisir Kumar Gupta & ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sila Dev.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 8th April 1983

Ref. No. TR-174/82-83/Sl. 731.—Whereas, I, C. ROKHAMA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12/1B situated at Ashgar Mistry Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sealdah, Calcutta on 31-8-1982 for an apparent consideration which is less than the

Sealdah, Calcutta on 31-8-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3 cottahs of homestead land with tally shed brick walls rooms at 12/1B, Ashgar Mistry Lane, Calcutta, transferred vide deed No. 649 date 31-8-82 in the office of S. R., Sealdah, Calcutta,

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta
54 Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-700 016.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date: 8-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 8th April 1983

Ref. No. TR-190/82-83/Sl. 735.—Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing

No. 14 situated at Maniall Shaw Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Calcutta on 4-8-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuaunce of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Narendra Ch. Ghosh,

(Transferor)

(2) Shri Trijugilal Shaw.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immavable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3 cottahs 5 chittacks 5 sq. ft. of land with a partly one and partly two storied building at 14. Manilal Shaw Lane, Calcutta, registered vide Deed No. 6727 dated 4-8-82 in the office of R.A., Calcutta.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Calcutta
54 Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-700 016.

Date: 8-4-1983

(1) Smt. Kunti Chowdhury.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sreepati Apartments (P) Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 8th April 1983

Ref. No. TR-189/82/83/Sl. 734.—Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No.

48B, situated at Dr. Sundari Mohan Avenue, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act. 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Calcutta on 2-8-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share in the land measuring 3K 13 Ch 35 sft. situated at premises No. 48B, Dr. Sundari Mohan Avenue, Calcutta, registered vide Deed No. I-6631 dated 2-8-82 in the office of S.R.A., Calcutta.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Calcutta
54 Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-700 016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:—

Date: 8-4-1983

Scal:

(1) Shri Harendra Nath Das & Kajal Lata Das.
(Transferor)

(2) Smt. Bharati Jas & Smt. Ching. Jas.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 8th April 1983

Ref. No. TR-140/82-83/Sl. 736.—Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No.—Situated at Atal Sur Road, Calcutta-15 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at D.S.R., Alipore on 17-8-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 279D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter, XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2K 8Ch of land with structure at Atal Sur Road, Cal-15, registered before the D.S.R., Alipore, Calcutta vide deed No. 11625 dated 17-8-82.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Calcutta
Acquisition Range-I, Calcutta
Alpha Kidwai Road, Calcutta-700 016.

Date: 8-4-1983

Scal:

(1) Smt. Pratima Das Gupta.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferor)

9327

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sujit Sengupta.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th April 1983

Ref. No. 1258/Acq. R.-III/83-84.—Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

bearing
No. 23 situated at Lake Terrace, Calcutta
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Calcutta on 4-8-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that undivided 1/4th share of partly two and partly three storeyed building having land area 3K 4Ch being situated at 23, Lake Terrace, Calcutta.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54 Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-700 016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-4-1983

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th April 1983

Ref. No. 1259/Acq. R-III/83-84.—Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 12/1, situated at Hemendra Send Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 4-8-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bimal Chandra Dutta, Shri Pashupati Nath Dutta, and Shri Ashit Kumar Dutta.

(Transferor)

(2) Shri Bikash Chandra Ghosh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that partly one and partly two storeyed brick built house together with piece or parcel of land measuring 3K, 6Ch, 17sfts, situated at 121, Hemendra Son Street, Calcutta.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54 Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-700 016.

Date : 8-4-1983

(1) Shri Ramendra Mohan Chatterjee.

(Transferor)

(2) Smt. Alokananda Mukherjee.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA
Calcutta, the 8th April 1983

Ref. No. 1260/Acq. R-III/83-84.—Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

2 (Flat C on 1st floor) situated at Mandeville Gardens, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 27-8-82

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat C on 1st floor, known as Flat No. 1C, having covered area 675 sft. being situated at 2, Mandeville Gardens, Calcutta.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54 Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-700 016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' is the following persons, namely:—
39—56 GI/83

Date: 8-4-1983

(1) Nabarag Samabaya Abasan Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Anjali Burmon.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th April 1983

Ref. No. 1261/Acq. R-III/83/84.—Whereas, 1, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

15 (Flat No. 4C) situated at Mayfair Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 21-8-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4C on 4th floor having covered area 720 sft. being situated at 15, Mayfair Road, Calcutta.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquission Remarkation Calcutta
Adquission Remarkation Calcutta-700 016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 8-4-1983

(1) Shasanko Mohan Bhowmick.

(Transferor)

(2) Shri Pratul Chandra Paul & ors.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th April 1983

Ref. No. 1262/Acq. R-III/83-84.—Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable perty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
situated at Mouza-Jadavpur, Dist. 24-Parganas
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under he Registraion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 3-8-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 3K 14Ch 38 sft. situated at Mouza-Jadavpur, Dist. 24-Parganas.

> C. ROKHAMA Competent Authority.
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, 54 Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-700 016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 8-4-1983

Scal:

(1) Smt, Renu Rekha De.

(Transferor)

(2) Smt. Rukmani Devi Khandelwal.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th April 1983

Ref. No. 1263/Acq. R-III/83-84.—Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 40-A situated at Chitta Ranjan Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-8-82

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preperty by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided half share of partly two and partly three storied brick built house with land measuring 1K 11Ch 40 sft, situate lying and being the demarcated southeast portion of the premises No. 40-A. Chitta Ranjan Avenue, Calcutta, registered before R.A., Calcutta, vide deed No. 7572 dated 28-8-82.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-700 916.

Date: 8-4-1983

Scal:

FORM NO. ITNS

(1) Smt. Jyotirmoyee Dass.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Rehana Siddique.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th April 1983

Ref. No. 1264/Acq. R-III/83-84.—Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 40-B situated at Chitta Ranjan Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the deduction or evasion of the liability of the transftror to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided half share of the building being premises No. 40-B, Chitta Ranjan Avenue, Calcutta, together with land measuring 4K 5Ch 20 sft. registered before R.A., Calcutta, vide deed No. 7568 date 28-8-2.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta

Date: 8-4-1983

(1) Smt. Jyotirmoyee Das.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kadhulika Khandelwal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th April 1983

Ref. No. 1265/Acq. R-III/83-84.—Whereas, 1, C. ROKHAMA,

bearing the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 40-B situated at Chitta Ranjan Avenue Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-8-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer the agreed between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); All that undivided half share of the building together with land measuring 4K 5Ch 20 sft, being premises No. 40-B. Chitta Ranjan Avenue, Calcutta, registered before R.A. Calcutta, vide deed No. 5767 dated 28-8-82.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269B of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date: 8-4-1983

Soal:

FORM ITNS----

(1) Smt. Renu Rekha De.

(2) Shri Rajiv Khandelwal.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th April 1983

Ref. No. 1266/Acq. R-III/83-84.—Wheeras, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 40C situated at Chitta Ranjan Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-8-82

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen persont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided half share of the building (partly two and partly three storied) together with land measuring 4K 5Ch 10 sft. being premises No. 40C, Chitta Ranjan Avenue, Calcutta, registered before R.A., Calcutta vide deed No. 7569 dated 28-8-82.

> C. ROKHAMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-III, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-4-1983

(1) Smt. Renu Rekha De.

(2) Smt. Amina Siddique.

(Transferor)

(Transferce).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th April 1983

Ref. No. 1267/Acq. R-III/83-84.—Whereas, I, C. ROKHAMA,

at Calcutta on 28-8-82

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 40C situated at Chitta Ranjan Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided half share of a partly two and partly three storied building together with land measuring 4K 5Ch 10 sft. being premises No. 40C, Chitta Ranjan Avenue. Calcutta, registered before R.A., Cal. vide deed No. 7570, dated 28-8-82.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta

Date : 8-4-1903

Soul ;

FORM 1.T.N.S.....

(1) Shri Dilip Dutta Shri Biswanath. Choudhury.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Hem Hingorani.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th April 1983

Ref. No. 1268/Acq. R-III/83-84.—Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 52-A situated at Sambhu Nath Pandit Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Calcutta on 14-8-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—40—56 GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided half share of land measuring 12.22 cottahs together with building and structures being Premises No. 52-A, Sambhu Nath Pandit Street, Calcutta.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-700 016.

Date: 8-4-1983

Şeal ;

(1) Shri Dilip Dutta Shri Biswanath Choudhury,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Nirmala Devi Jain.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th April 1983

Ref. No. 1269/Acq. R-III/83-84.---Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 52-A situated at Sambhu Nath Pandit Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 14-8-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided half share of land measuring 12.22 cottans together with building and structures being Premises No. 52-A, Sambhu Nath Pandit Street, Calcutta.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-700 016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-4-1983

Scal:

NOTICE NOTICE NOTICE SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th April 1983

Ref. No. 1270/Acq. R-III/83-84.---Whereas I. C. ROKHAMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a feir market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing
No. 95 situated at Netaji Subhas Chandra Bose Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Calcutta on 5-8-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' is the following persons, namely :---

(1) Smt. Savitri Devi Shri Probodh Nath Shri Rayindra Nath Kumari Mrinalini Gupta

(2) Shri Hemada Prosad Mukherjee Shri Tapas Kr. Majumder Shri Ashoke Dutta,

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 11 cottahs with an old and dilapidated building being premises No. 95, Netaji Subash Chandra Bose Road, Calcutta.

> C. ROKHAMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. 54 Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-700 016.

Date: 8-4-1983 Seal:

(1) Smt. Ratna Sinha

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pulak Kumar Bhowmick

may be made in writing to the undersigned-

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TEX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th April 1983

Ref. No. 1271/Acq. R-III/83-84.—Wheeras I, C. ROKHAMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Mouza-Dhakuria, Dist. 24-Parganas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 13-8-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, '1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 3K 1Ch 35aft. situated at Mouza-Dhakuria, Dist 24-Paraganas.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-700 016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 8-4-1983

Seal : ·

(1) Smt. Renu Rekha De.

(Transferor)

(2) Shri Arshad Jamal

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th April 1983

Ref. No. 1272/Acq. R-III/83-84.—Whereas, I, C. ROKHAMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 40-A, situated at Chittaranjan Avenue, Calcutta

40-A, situated at Chittaranjan Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-8-82

Calcutta on 28-8-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided half share of partly two and partly three storeyed building together with land measuring 1K 11Ch 40 sft. being premises No. 40A, Chitta Ranjan Avenue, Calcutta.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-700 016.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date: 8-4-1983

(1) Smt. Shibani Sinha

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Pathik Ranjan Bhowmick

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th April 1983

Ref. No. 1273/Acq. R-III/83-84.—Wheeras I, C. ROKHAMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.—situated at Mouza-Dhakuria, Dist. 24-Parganas

(and more fully described in the Schedule annexed fiereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 13-8-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 3K 2Ch 24 sft. being situated at Mouza-Dhakuria, Dist. 24-Parganas.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-700 016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 8-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th April 1983

Ref. No. 1274/Acq. R-III/83-84,---Whereas I, C. ROKHAMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

situated at Mouza-Santoshpur, Dist. 24-Parganas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 16-8-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evation of the linbfilty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jadulal Dutta

(Transferor)

(2) Shri Arun Kr. Basak

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 3K 2Ch being situated at Mouza-Santoshpur, Dist. 24-Parganas.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-700 016.

Date: 8-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 8th April 1983

Ref. No. 1275/Acq. R-III/83-84.—Whereas I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. —— situated at Mouza-Nimakpoktan, Dist. 24- Parganas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 19-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Usha Rani Ghosh, Dilip Kr. Ghosh, Biswanath Ghosh, Tarak Nath Ghosh, Shibnath Ghosh,

(Transferor)

(2) M. Chopra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 7 cottahs situated at Mouza-Nimakpoktan, Distt. 24-Parganas registered before the R.A., Calcutta vide Deed No. 7291 dated 19-8-1982.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-7000016

Date: 8-4-1983

Scal:

FORM ITNS-----

(1) Smt. Usha Rani Ghosh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Manjury Kapoor. Mrs. Venna Kapoor.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 8th April 1983

Ref. No. 1276/Acq.R-III/83-84.--Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

- situated at Mouza-Nimakpoktan, Dist. 24- Parganas

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 19-8-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the Tair market value of the property as aforesaid extend the coverent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 7 cottahs situated at Monza-Nimakpoktan, Distt. 24-Parganas registered before the R.A., Calcutta, vide Decd No. 7289 dated 19-8-1982.

> C. ROKHAMA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-7000016

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Seal:

Date: 8-4-1983

41--56 GI/83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri Dilip Kr. Ghosh Sri Biswanath Ghosh Sri Tarak Nath Ghosh Sri Shibnath Ghosh.

(Transferee)

(2) M/s. Unity Metal Craft.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 8th April 1983

Ref. No. 1277/Acq.R-III/83-84.—Whereas I, C. ROKHAMA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'soid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. — situated at Mouza-Nimakpoktan, Dist. 24- Parganas (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 19-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the parties has not been fruly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hareby initiate proceedings for the acquisition of the official property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following parsons, namely:—

Objections; if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 7 cottahs situated at Mouza-Nimakpoktan, Distt. 24-Parganas registered before the R.A., Calcutta vide Deed No. 7290 dated 19-8-1982.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-7000016

Date: 8-4-1983

(1) Sri Sudhir Kr. Ghosh Smt. Amiya Rani Ghosh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Associated Pigments Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 8th April 1983

Ref. No. 1278/Acq.R-III/83-84.—Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

1 & 2, situated at Russa Road South, 1st Lane, Calcutta (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 21-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor for more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days form the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that demarcated land measuring 2K 8Ch with structure being portion of the premises No. 1 & 2, Russa Road South 1st Lane, Calcutta.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III.
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Date: 8-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Monorama Chowdhury Shri Dipak Chakraborty.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

(2) Sri Babi Dutta.

(Transferee)

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta-700016, the 8th April 1983

Ref. No. 1279/Acq.R-III/83-84.—Whereas, I, C. ROKHAMA,

C. ROKHAMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

12/1B situated at Jamir Lane, P.S. Ballygunge, Calcutta (and more fully described in the Schedule, annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 10-8-82

A Calcutta on 10-8-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 5 cottahs with structure being premises No. 12/1B, Jamir Lane, Calcutta.

> C. ROKHAMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-700016

Date: 8-4-1983

Scal:

(1) Shri Ashok Kumar Sirkar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Bhagwan Mahabir Charitable Trust.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 8th April 1983

Ref. No. 1280/Acq.R-III/83-84.—Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

5/C, situated at Heysham Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 29-8-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 14K 8Ch 43 aft. with building being premises No. 5/C, Heysham Road. Calcutta.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafl Ahmad Kidwai Road, Calcutta-700016

Date: 8-4-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Indian Industrial Traders and Dealers Ltd.
(Transferor)

(2) Panchamukhi Investment & Trading Co. Ltd.
(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III CALCUITA

Calcutta, the 8th April 1983

Ref. No. 1281/Acq.R-III/83-84.—Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 18A, situated at Gurusaday Road, Calcutta

18A, situated at Gurusaday Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 6-8-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1937 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The telms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 408.1 sq. metres with building being premises No. 18A, Gurusaday Road, Calcutta,

C. ROKHAMA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54. Rafi Ahmad Kidwal Road, Calcutta-700016

Date: 8-4-1983 Seal:

Sem

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN 60/61 ERANDAVANE, POÓNA-4

Poona-4, the 31st March 1983

Ref. No. CA-5/832/SR/Maval.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovproperty having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Gat No. 267, Hissa No. D-Kusgaon Khurd situated at Tal Maval, Dist. Pune

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Maval on August, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following gorsons, namely :---

(1) 1. Shri P. N. Chordia,

Shri B. K. Bharne,
 Shri P. F. Bhandari
 Shri V. M. Mutha

All residing at Kamshet, Tal. Maval, Dist. Pune.

(Transferors)

(2) 1. Shri S. M. Jirayati, 2. Shri A. M. Jirayati, 3. Mrs. C. M. Jirayati, 4. Mrs. N. I. Jirayati,

All are residing at House No. 95, Ward-5, Lonavala, Tal. Mayal, Dist. Pune.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land or ground bearing Gut No. 267-Hissa No. 'D' admeasuring H-1 62 Are, situated at Village Kusgaon Khurd, Tal. Maval, Dist. Pune.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sab-Registrar, Maval, in he month of August, 1982 under registration No. 1418).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 31-3-83

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/61 ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 31st March 1983

Ref. No. CA-5/824/SR-Maval/82-83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 166, Village-Karla, Tal. Maval situated at Tal Maval, Dist. Pune

9352

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Maval on August 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- Shri Mohmed Gaus Husseinsab, Ayesh Villa, Amarwadi, Bombay-Pune Road, Lonavala, Dist. Pune.
- (2) Shri Raj Nangrani, 503, Sharad Chambers, New Marines Lines, Bombay-20.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Survey No. 166, Village-Karla, Tal. Maval-Dist. Punc. (Area...3H...05A)

(Area—3H—05A)
(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Maval under Document No. 1396 dated August, 1982.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 31-3-1983

FORM ITNS——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Vshwakarama Builders, Mahendra Palace, Vasai Station, Vasai (W) Thane.

(Transferor)

(2) Mr. R. D. Mastud, Kapdiya Chawal Parsiwad, Ghatkopar, Bombay-86.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/61 ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 31st March 1983 Ref. No. CA-5/87-37EE/82-83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
Flat No. 211, Mahendra Palace, Plot No. 47/48—S. Nos. 4,
5, 6, 7 situated at Village-Navghar Vasal—Dist. Thane
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
IAC Acquisition Range, Pune on 27-9-82
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesald property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesald
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of and bearing

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Flat No. 211, Mahendra Palace, Plot No. 47/48, S. No. 4, 5, 6, 7 Village Navghar—Vasai (Area—365 Sq. ft.)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Punc, under No. R-140 dated 27-9-1982.)

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

42-56 GI/83

Date: 31-3-1983

FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/61 ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 31st March 1983

Ref. No. CA-5/834/SR Maval/82-83.—Whereas. I, SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 146, Hissa No. 2B S. No. 147 Hissa No. 2 Plot A—Post Karla situated at Tal Maval, Dist. Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Maval on August 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any lacome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Padma Ganpat Ranjit Little Star Co-op. Housing Society, Santacruz, Bombay-400054.

(Transferor)

(2) M/s. Peshwa Hotels and Holiday Reserts Pvt. Ltd. At and Post Karla, Tal Maval, Dist Pune.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazene.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land—Survey No. 146, Hissa No. 2B and S. No. 147 Hissa—No. 2, Plot A, Karla Village—Tal Maval, Dist. Pane. (Area—9122.5 sq. mtrs.)

(Property as described in the sale deed which is registered in the office of the Sub-Registrar, Maval under Document No. 794 in the month of August, 1982.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 31-3-1983

Scal ;

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Subodh Mahadeo Khandelwal, Lonavala, Tal. Maval, Dist. Pune.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Smt. Bindu V. Madan, A/3, Jeet Nagar, Bombay-400061. 2. Miss S. B. Kapoor, 162-G, Ratan Mahal, Sion, Bombay.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/61 ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 31st March 1983

Ref. No. CA5/830/SR.Maval/82-83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Mouje Khandala, S.: No. 176/1 and 176/2, Plot No. 2 situated at Tal Mayal Dist. Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Maval on Auguust 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concolment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mouje Khandala, S. No. 176/1 and 176/2, Plot No. 2, Taluka Mavala, Dist. Pune.
(Area—1210 sq. yards)
(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Maval under Document No. 723 in the month of Avent 1982.

in the month of August, 1982.)

SHASHIGANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 31-3-1983 Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 M/s. Vishwakarma Builders, Mahendra Palace, Station Road, Vasai.

(Transferor)

(2) Mr. Govind P. Bobade, Coat Wadi B. J. Road, Mahim, Bombay-16.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, PUNA

Poona, the 25th March 1983

Ref. No. CA-5/37EE/82-83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 210, Mahendra Palace, S. No. 4, 5, 6, 7 Plot No. 47/48, Navghar situated at Vasai—Dist, Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune on 27-9-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 210—Mahendra Palace—Survey No. 4, 5, 6, 7—Plot No. 47/48 Navghar—Tal. Vasai—Dist. Thanc. (Area—360 sq. ft.)

Property as described in the sale of agreement which is registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under Document No. R-110 dated 27-9-82.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date: 25-3-1983

eal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, PUNA

Poona, the 8th April 1983

Ref. No. CA-5/2-SR.Haveli/82-83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Apartment No. 5.03, Malhar Apartment 358/1-A Shaniwar Peth, situated at Puno

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Haveli on August, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) Shri D. M. Dhekane, 358/A, Shaniwar Peth, Pune.

(Transferor)

(2) Mrs. Parvatibai S. Oswal, 359, Shaniwar Peth, Pune.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Malhar Apartment—No. S-3. 358/1A, Shaniwar Peth, Pune. (Area—97 sq. ft.)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Haveli, Pune under Number 3487 in the month of August, 1982.)

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Pouna

Date: 8-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, PUNA

Poona, the 31st March 1983

Ref. No. CA.5/828/SR-Maval/82-83.—Whereas, I. SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Mouje Khandala, S. No. 176/1 and 176/2, situated at Tal. Maal, Dist. Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Maval on August 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and

I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent or such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Subhodh Mahadeo Khandelwal, Lonavala, Tal. Maval, Dist. Pune.

(Transferor)

(2) 1. Shri Omprakash Fakirchand Marva, 181, Sion (W) Bothbay-22.

and
2. Spot Kultwent Kaur Streinder Single Bir

 Smt. Kulwant Kaur Surinder Singh Bindra, 101, Vikram Apartment, Janaki Kutir, Juhu, Bombay-400049.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions need herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mouje Khandala, S. No. 176/1 and 176/2, Plot No. 4, Tal. Mayal, Dist. Pune.

(Area—1686 sq. yards.)
(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Maval under Document No. 724 in the month of August, 1982.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 31-3-198°

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNA

Poona, the 8th April 1983

Ref. No. CA-5/3 S.R. Haveli/82-83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 66, H. No. 6, Khadkvasala

situated at Haveli, Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Haveli-I on August 1982. Tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stoad in the aid instrument. the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of(1) 1. Shri Shanji Baburao Mate,

Shri Mahesh Shahji Mate,
 Shri Umcsh Shahji Mate,
 Kumari Vaishali Shahji Mate,

5. Shri Nilesh Shahji Mate, R/o Khadakwasala Tal, Haveli, Dist. Pune.

(Transferor)

(2) Nandavanyan Shahkari Krishi Falodpadak Sanstha (Proposed) through fts Chief Promoter— Shri Hasmukh Shivbhai Patel, R/o 501, Rasta Peth, Punc-411011.

(Transferee)

Objections, if any, to was acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as give? in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;-

THE SCHEDULE

S. No 66, H. No. 6, Khadakwasala, Tal. Haveli, Disc. Pune.

(Admeasuring—1H—23R.)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar Haveli, under Document No. 4140 in the month of August, 1982.)

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona

Date: 8-4-1983

Seel:

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-PUNA

Poona, the 5th April 1983

Ref. No. CA-5/1/SR Haveli/82-83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 55-A, C.T.S. No. 3647 Survey No. 599 A-Munjeri, situated at Pune City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 or 1908) in the office of the Registerias Officer at S.R. Haveli-II on August, 82.

The for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument. the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Col. Rao Adharapurapu Varasha Narasinha 10-G Dilkush Gardens, Lucknow-220026. (Transferor)
- (2) Mrs. Gopal Devi Chawla, partner of M/s. Nutck Builders, A-4, Park Vie Salisbury Park, Pune-411 001. Park View Appartments (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 55-A, CT.S. No. 3647, Survey No. 599-A Munjerl Pune City.

(Area—511.5 sq. meters). (Property as described in the sale deed registered ni the office of the Sub-Registrar, Haveli-II, Pune under document No. 5031 in the month of August, 1982).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 5-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/61 ERANDAVANE, POONA-4

Poona, the 11th April 1983

Ref. No. CA-5/4/S.R. Haveli-II/82-83.--Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

C.S. No. 929 and 933—Sadashiv Peth situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Haveli-II in August, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
43—56 GI/83

Shri K. M. Bhatwadekar, and
 Shri M. M. Bhatwadekar
 Sadashiv Peth, Pune

(Transferor)

(2) M/s. Mahalasa Narayani Saha Griha Samstha Maryadit, 929, Sadashiv Peth, Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C.S. No. 929 and 933 Sadashiv Peth, Pune-30. (Area-182-3 sq. meters) and (37.6 Sq. Meter.)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Haveli-II, under document No. 5592 in the month of August, 1982).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poons

Date: 11-4-1983

Soal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN 60/61 ERANDAVANE, POONA-4

- Poona, the 28th March 1983

Ref. No. CA-5/825/SR Maval/82-83.--Whereas 1,, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the mmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Survey No. 113, Hissa No. 2, Waksai, situated at Tal. Maval, Dist. Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Maval in August, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) 1. Mrs. Sheru Jal Talathi,2. Mr. Jal Hormusji Talathi Navrantha Society, Bombay Pune Road,

(Transferor)

(2) Shri Bhima Shankar Kamble, Palus Taluka-Dasgaon Dist. Sangli,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesnid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same mosning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Survey No. 113, Hissa No. 2, Village Waksai Tal. Maval, Dist. Punc.

(Area,--3H--25A)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Maval under document No. 366 in the month of August, \$2.)

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 28-3-83

(1) Shri Pundlik M. Patil, Sunade, Post Tandalwadi, Tal. Raver Dist. Jalgaon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Rambhao V. Sarode.
2. Shri Bhagwan Vithal Sarode,
Post Maskapath. Tal. Raver, Dist. Jalgaon. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
PRAPTIKAR SADAN, 60/61 ERANDAVANE, POONA-4

Poona, the 31th March 1983

Ref. No. CA-5/SR-826-Saveda/82-83.-Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Mouje Sanode, Gat No. 5/1, Post Tandalwadi situated at Tal, Raver, Dist. Jalgaon.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1968 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Savda in August, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANTION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Monje Sunode, Gat No. 5/1, Post Tandalwadi, Tal. Raver, Dist. Inlgaon. (Area—5H 18A) 1/3 Hissa.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Savda under document No. 858 in the month of August, 1982).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

· Date: 31-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/61 ERANDAVANE, POONA-4

Poona, hte 31st March 1983

Ref. No. CA-831/SR Maval/82-83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing
Plot No. 1, S. No. 176/1 & 176/2, Khandala, stuated at Tal.
Maval. Dist. Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at S.R. Mayal in August, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this noice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Subhodh Mahadeo Khandelwal Lonavala Tal. Mayal. Distt. Pune.

(Transferor)

(2) hri Vasakhsingh G. Madan, A/3, Jeet Nagar, Bombay-61. Smt. Kulwantkaur S. Bindra, Room No. 101, Vikram Appartment, Janaki Kutir, Juhu. Mumbai-400 049.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Plot No. 1, Survey No. 176/1 & 172/2, Khandala, Tal. Maval. Dist. Pune)

(Area-2472-Sq. Yd.)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Maval under document No. 722 in the month of August, 1982).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 31-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
PRAPTIKAR SADAN,
60/61 ERANDAVANE, POONA-4

Poona, the 30th March 1983

Ref. No. CA-5/89-37EE/82-83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 301, Pravin Palace Plot No. 37/38 S. No. 5, 6, 7 village Navghar situated at Vasal—Dist. Thene (and more fully described in the Schedule annexed Fercto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acquisition Range, Pune on 27-9-82 for rapparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 M/s. Vishwakarma Builders, Pravin Palace, Station Road, Vasai. Dist. Thane.

(Transferor)

(2) Shri Vijaykumar Uuni Kinattinkara, Accounts Department, Indian Oil Corporation Ltd., Mahalaxmi, Bombay-400 039.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, Pravin Palace, Plot No. 37/38 S. No. 5, 6, 7 Village Navghar, Vasai, Dist. Thane.
(Area—630 Sq. ft.)

(Property as described in the sale of agreement, which is registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under No. 98 dated 27-9-1982).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Dato: 30-3-1983

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
PRAPTIKAR SADAN,
60/61 ERANDAVANE, POONA-4

Poona, the 31th March 1983

Ref. No. CA/5/833/SR A' Nagar/82-83.—Whereas, I SHASHIKAN'T KULKARNI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Mouje Bolhegaon, S. No. 69/1, situated at Tal. Ahmednagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Ganpat Balaji Bhagat, Bolhegaon, Tal. Ahmednagar, Dist. Ahmednagar.

(Transferor)

(2) Sou. Mangalabhai S. Mutha, 83, Manik Nagar, Station Road, Dist. Ahmednagar.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, white ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

'HE SCHEDULE

Mouje Bollhegaon, 69/1, Survey No. Tal. Ahmednagar, Dist. Ahmednagar.

(2H---61A)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Ahmednagar under No. 2596 in the month of August, 1982).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 31-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
PRAPTIKAR SADAN, 60/61 ERANDAVANE, POONA-4

Poona, the 31th March 1983

Ref. No. CA-5/829/SR-Maval/82-83.-Whereas, 1 SHASHIKANT KULKARNI SMASHIKANT KULKARNI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Rs. No. 8, Hissa No. 2/18, Village Tungarli-Lonavala situated at Lonavala Distt. Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Maval on August, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid affected the apparent consideration therefor by more than fifteen par cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Manohar Narayan Chande Purchit Lodge, C-Ward, Lonavala, Dist. Pune.

(Transferor)

(2) I. Dr. Bhuremal Chunilal Oswal,

2. Mrs. Devibai Bhuremal Oswal,

(Transferee)

Both residing at F Ward, Lonavala and 3: Shri Gulabchand Chandulal Bafna, 280/1, Mahatma Phule Lakud Bazar, Pune. 4. Mrs. Vijaya Kantilal Parekh,

34-D-Ward, Lonavala.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE.

All that piece of land situate at village Tungarli within the limits of Lonavala Municipal Council, Tal. Maval, Dist. Pune bearing R.S. No. 8 Hissa 2/18. Area-3004 sq. yards.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Malaval under docu. No. 570 in the month of August, 1982).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poons

Date: 31-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/61 ERANDAVANE, POONA-4

Poona, the 11th April 1983

Ref. No. CA-5/5/SR A' Nagar-83-84.--Whereas, I SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Land Gat No. 91, Ukadgaon situated at Tal. Ahmednagar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registeing Officer at

S.R. Ahmednagar on August, 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have tensor to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Kisan Ishwar Mhaske, Ukadgaon, Tal. & Dist. Ahmednagar.

(Transferor)

- (2) 1. Mrs. Satwant Kaur Indersingh Dhuppu
 - 2. Mr. Amrulla Asdulla Irani

(Transferee)

Mr. Kalimuddin Enayatdi Merchant
 Mr. Hakimuddin Enayaldi Merchant
 All are residing at 3182, Old cloth Market,
 Ahmednagar.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land—Gat No. 91, Village—Ukadgaon, Tal. and Dist. Ahmednagar.—(Area—3H—57A)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Ahmednagar under document No. 2837 dt. Aug. 82).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 11-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
III. BOMBAY.

Bombay, the 16th April 1983

Ref. No. AR-III/2279/82-83.—Whereas, I S. H. ABBAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 52D situated at Andheri Kurla Road, Andheri East (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 10-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of trus notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—
44—56 GI/83

(1) Shri Kishore Lachmandas, Ramesh Girdharilal. (Transferor)

(2) Nav Samrat Co-op Housing Society Ltd. (Transferee)

(3) Members of Nav Samrat Co-op. Housing Society Ltd.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule mentioned in the Registered Deed No. 977/1969 and Registered with the Sub-Registrar, Bombay, on 10-8-1982.

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 16-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 12th April 1983

Ref. No. ASR/83-84/8.—Whereas, 1 R. B. SINHA, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property situated at Mall Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in August 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

(1) Smt. Prabha Devi Wd/o Shri Hira Lal Narang, Mehra Apartments Altamount Road, Bombay, through Sh. R. A. Bora 5/o Shri A. . Boga, Hide Market, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Harbhajan Singh Chadha HUF, through M/s. Deva Singh Sham Singh, O/s Chatiwind Gate, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within p period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property, situated at Mall Road near SSP's residence, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 9077 dated, 30-8-82 of the registering authority, Amritsar.

R. B. SINHA, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 12-4-1983

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 26 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 12th April 1983

Ref. No. ASR/83-84/9.—Whereas, I

R. B. SINHA, IRS. being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Rs. 25,000/- and bearing
No. One property situated at Mall Road, Amritsar,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
S.R. Amritsar in September 1982,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Inian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the Other ing persons, namely :-

- (1) Smt. Prabha Devi Wd/o Shri Hira Lal Narang, Mehra Apartments, Altamount Road, Bombay, through Shri R.A. Boga, S/o Shri A. E. Boga, Hide Market, Amritsar.
- (2) Shri Sarbhaan Singh Chadha HUF, through M/s Deva Singh Sham Singh, O/S Chattiwind Gate, Amritsar.

(Transferce) ·

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property, situated at Mall Road, near SSP's residence, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 10506 dated 28-9-82 of the registering authority, Amritsar.

> R. B. SINHA, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range, Amritsar

Date: 12-4-1983

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 12th April 1983

Ref. No. ASR/83-84/10.—Whereas, I R. B. SINHA, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property situated at Mall Road, Amritsar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in September 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Prabha Devi Wd/o Shri Hira Lal Narang, Mehra Apartments Altamount Road, Bombay through Shri R. A. Boga S/o Shri A. E. Boga, Hido Market, Amritsar.
- (2) Shri Harbhajan Singh Chadha HUF, through M/s Deva Singh Sham Singh C/S Chattiwind Gate, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property, situated at Mall Road, near SSP's residence, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 10576 daed 29-9-82 of the registering authority, Amritsar.

R. B. SINHA, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritant

Date: 12-4-1983

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

🧀 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 12th April 1983

Ref. No. ASR/83-84/11.—Whereas, I

R. B. SINHA, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable respective respective respective reasons and the second respective respective respective respective. property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. One property situated at Mall Road, Amritsar, Tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of

1908) in the office of the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at S.R. Batala in September 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affects are consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of fransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

- (1) Smt. Prabha Devi Wd/o Shri Hira Lal Narang, Mehra Apartmente Altamount Road, Bombay, through Shri R. A. Boga S/o Shri A. E. Boga, Hide Market, Amritsar,
- (2) Smt. Jagir Kaur W/o Shri Kalyan Singh R/o Taru Taran, Distt. Amritsar.
- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Mall Road, near SSP's residence, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 10507 dated 28-9-82 of the registering authority, Amritsar.

> R. B. SINHA, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-4-1983

Seel:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMÍS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 12th April 1983

Ref. No. ASR/83-84/12.—Whereas, I. R. B. SINHA, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have mason to believe that the income

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property situated at Mall Road, Amritsar,

has been transferred under the Registering Officer at

S.R. Amritsar in September 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Prabha Devi Wd/o Shri Hira Lal Narang, Mehra Apartments Alamount Road, Bombay Through Shri R. A. Boga S/o Shri A. E. Boga, Hide Market, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Jasbir Singh S/o Shri Kalyan Singh, r/o Tarn Taran, Distt. Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any. (Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property, situated at Mull Road, Near SSP's residence, mritsar, as mentioned in sale deed No. 10747 dated 30-9-82 of the registering Authority, Amritsar.

R. B. SINHA, IRS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Date: 12-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 12th April 1983

Ref. No. ASR/83-84/13.--Whereas, I

R. B. SINHA, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. One property situated at Vijay Nagar, Amritsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Amritsar in August 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Kabul Singh S/o Shri Moola Singh, r/o Vijay Nagar, Batala Road, Amritsar.

(2) Shri Dalip Singh s/o Shri Narain Singh, r/o Patti, Tch. Patti, Dista Amritsar.

(Transferec)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.

(Person in occupation of the property) (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Vijay Nagar, Batala Road, Amrit-sar, as mentioned in sale deed No. 9119 dated 31-8-82 of the registering authority, Amritsar.

> R. B. SINHA, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Date: 12-4-1983

interested in the property)

FORM TINS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR.

Amritsar, 'the 13th April 1983

Ref. No. ASR/83-84/14.—Whereas, ¶R. B. SINHA, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. One property situated at Sarai Lala Sant Ram, Amritsar, (and more fully described in the Schedule transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on August 1982,

for an apparent consideration which is less than the tarr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Prithvi Raj Chopra S/o Shrl Aroor Chand r/o Chowk Chida, Katra Karam Singh, Amritar. (Transferor)
- (2) S/Shri Tara Singh, Hati Singh, ss/o Shri Ujaggat Singh S/o Shri Chanda Singh, R/o Naushera Dhalla, Teh. Tarn Taran, Amritsar.
- (Transferee)
 - (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
 - (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property measuring 252 sq. yds 7 sq. ft., situated at Sarai Lala Sant Ram, Outside Hall Gate, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 9099 dated 31-8-82 of the registering authority, Amritsar.

R. B. SINHA, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 13-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 11th April 1983

Ref. No. ASR/83-84/3,—Whereas, I R. B. SINHA, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot of land situated at East Mohan Nagar, Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed heroto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in August 1982,

for an apparent consideration which is less than the state market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by many than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
45—56 GI/83

(1) Improvement Trust. Amritsar.

(Transferor)

- (2) M/s Guru Nanak Lace Weaving Factory, Through Shri Bhim Sen s/o Shri Puran Chand, r/o 269-A, East Mohan Nagar, Amritsar.
 - (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

TION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land, measuring 1535.66 sq yds., situated at East Mohan Nagar, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 7895 dated 3-8-1982 of the registering authority, Amritsar.

R. B. SINHA, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 11-4-1983

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 11th April 1983

Ref. No. ASR83-84/1.--Whereas, I, R. B. SINHA, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property situated at Near Cinema Road, Batola (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Batala in August 1982.

S.R. Batala in August 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consumeration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Harjit Singh, Gursharan Singh ss/o Shri Bhagat Singh, r/o Batala.

(Transferor)

- (2) Shri Ajay Kumar S/o Shri Om Parkash and Smt. Anuradhu w/o Shri Vijay Kumar, r/o Batala (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any. (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXECUTION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One proporty situated Near Cinema Road, Batala, as mentioned in sale deed No. 3040 dated 2-8-82 of the registering auhority. Batala.

> R. B. SINHA, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 11-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR
Amritsar, the 11th April 1983

Ref. No. ASR/83-84/2.—Whereas, I, R. B. SINHA, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot of land situated at Kashmir Avenue, Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in August 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have remon to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any incention of moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Bimla Sharma w/o Shri Surinder Kumar, r/o Nawan Kot, Gali No. 20, House No. 2888, Amritser.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar s/o Shri Dharam Pal, r/o Bazar Tahli Sahib, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned known the undersigned

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land, measuring 275 sq. yds., situated at Kashmir Avenue, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 8865 dated 25-8-82 of the registering authority, Amritsar.

R. B. SINHA, IRS
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 11-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 11th April 1983

Ref. No. ASR/83-84/4.—Whereas, I

9380

R. B. SINHA, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing
No. One plot of land situated at Tung Bala, Amritsar,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
S.R. Amritsar in August 1982,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration beautiful.

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Hans Raj s/o Shri Sant Ram, r/o Dale Chak, Teh. Batala, Distt., Gurdaspur.

(Transferor)

(2) Smt. Nirmal Kaur d/o Shri Sudagar Singh r/o Habib Pura, Tali No. 3, Sultanwind Road, Amyitsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said preserty may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as ase defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One flot of land measuring 210 sq. yds., situated at Tung Bala, Urban T.P. Scheme No. 53, as mentioned in sale deed No. 8091 dated 9th Adgust 1982 of the registering authority, . Amritsar.

R. B. SINHA, 1RS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 11-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR Amritsar, the 11th April 1983

Ref. No. ASR/83-84/5.—Whereas, I R. B. SINIIA, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. One property situated at Tung Bala, Amritsai,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in August 1982,

for an apparent consideration which is less than the thirmarket value of the aforesaid property and I have reason to be the that that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Hans Raj s/o Shri Sant Ram r/o Dale Chak, Teh. Batala, Distt., Gurdaspur.

(Transferor)

- (2) Shri Jagdish Chander s/o Shri Balwant Rai, r/o 4375/9; Gali Dai Wali, Katra Khazana, Amritsar. (Transferce)
- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
 (Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 dys from the date of publicatio nof this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One properly measuring 220 sq. yds., situated at Tung Bala, F.P. Scheme No. 53, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 8090 dated 7-8-82 of the registering authority Amritsar.

R. B. SINHA, IRS
Competent Authority
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 11-4-1983

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 12th April 1983

Ref. No. ASR/83-84/6.—Whereas, I, R. B. SINHA, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property situated at Inside Sultanwind Gate, Amritsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in August 1982,

for an apparent consideration which he has then the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Mohinder Kaur Wd./o Dr. Kartar Singh self and Attorney Shri Shamsher Jang Bahadur Singh, Tejinder Bahadur Singh, Jai Hind Bahadur Singh, Smt. Jasbir Kaur, Smt. Harinder Kaur, r/o Inside Sultanwind Gate, Amritsar, Shri Balram Singh s/o Shri Hari Singh Through Shri Daljit Singh, Special Attorney.

('Transferor

(2) Shri Dev Chand s/o Shri Daya Bhai Patel, r/o Abadi Mahant Ram Saran Dass, Inside Sultanwind Gate, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- b) by any other person interested in the said happovable property, within 45 days from the date of the multisetion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property measuring 500 sq. yds., situated at Inside Sultanwind Gate, Abadi Mahant Ram Saran Dass, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 8217 dated 11-8-82 of the registering authority, Amritsar.

R. B. SINHA, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex, Acquisition Range, Amritsar

Date: 12-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 12th April 1983

Ref. No. ASR/83-84/7.—Whereas, I,

R. B. SINHA, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property situated at Inside Hathi Gate, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Amritsar in August 1982,

S.R. Admitsal in August 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforemaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fatter for cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income at the moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shii Charan Dass s/o Shri Karam Chand, r/o Haveli Aroor Singh, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri R. K. Misra s/o Shri Bhag Mal and Smt. Sushila w/o Shri R. K. Misra r/o Vill. Haryana, Distt. Hoshiarpur.

(Transferce)

(3) As at S. No. 2 above & tenants as under:

(Persons in occupation of the property)
(1) Shri Jugal Kishore S/o Shri Darshan Lal—
Rs. 150/- p.m.
(2) Shri Tilak Raj S/o Shri Gurbachan Lal—

Rs. 80/- p.m.
(3) M/s. Varindera Bakery—Rs. 300/- p.m.

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days, from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property measuring 164.6 sq. yds., situated at Inside Hathi Gate, Katra Misar Bell Ram, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 8827 dated 24th August 1982 of the registering authority, Amritsar.

> R. B. SINHA, IRS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Date: 12-4-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 2nd April 1983

C.R. No. 62/35705/82-83/Acq.-B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12, situated at Harris Road, Bancalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, under document No. 1140/82-83 on 23-8-1822 for an apparent consideration, which will be the fair market value of the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) Miss Audrey Heaton, 12, Harris Road, Bangalore-560 005.

(Transferor)

 M/s. The Society of the Sisters of Divine Saviour, 12, Harris Road, Bangalore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANTATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1140/82-83, Dated 23-8-1982).
All that property bearing No. 12, situated at Harris Road,

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 2-4-1983

Seal:

Bangalore.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Smt. Koushalya Kishinchand, No. 4, Narayanaswamy Street, Seshadripuram, Bangalore-20.

(Transferor)

(2) Smt. Koshy N. Sakhrani, No. 4, N. S. Iyengar Street, Nehru Circle, Bangalore-20.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 2nd April 1983

C.R. No. 62/35970/82/83/Acq. B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. 38 and 39 (Western and frontal portion), situated at Coles Road, Civil Station, Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at. Shivajinagar under Document No. 1714/82-83 on 8-9-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1714/82-83 Dated 8-9-1982).

All that property bearing No. 38 and 39 (Western and Frontal portion) situated at Coles Road, Civil Station, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-4-1983

Seal :

46---56 GI/83

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 28th March 1983

62/35893/82-83/Acq.-B.-Whereas, I, MANJU

MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3, situated at A. M. Lane, Chickpet Cross, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Residual annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar under document No. 1549/82-83 on 12-8-1982. for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as and the perfect of the consideration for such transfer as and the perfect of the consideration for such transfer as and the perfect of the consideration for such apparent consideration and the consideration for such apparent consideration for su the consideration for such transfer as a positive the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

 Smt. K. Puttamma,
 K.A. Rudraprasad,
 No. 3, A.M. Lane, Chickpet, Bangalore-53.

(Transferor)

(2) Shri M. R. Kumataswamy, Sri M. R. Niranjana Murthy, Maravagere, Tiptur Taluk, Tumkur District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given In that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1549/82-83 Dated 12-8-1982).

All that property bearing No. 3, situated at A. M. Lane, Chickpet Cross, Bangalore.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority, Inspecting Assistant. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 28-3-1983

- Smt. Munilakshamma W/o Late J. V. Venkateshwara,
 No. 182, 15th Cross, RT Street, Bangalore.
- (2) Smt. Munirathnamma W/o K. S. Dhanpal, No. 238, Rashtrapet, Somwarpet Cross, Poona-11. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 2nd April 1983

C.R. No. 62/35891/82-83/Acq.-B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 182, situated at 15th Cross, R.T. Street, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar under document No. 1438/82-83 on 2-8-1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of he aforesaid property and I have reason to believe that the fair merket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given the true Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1438/82-83 Dated 2-8-1982). All that property bearing No. 182 situated at 15th cross, R.T. Street, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 2-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 28th March 1983

C.R. No. 62/35962/82-83/Acq.-B.—Whereas, J, MANJU MADHAVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4, situated at HAL III stage, Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar under document No. 1761/82-83 on 13-9-1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Thomas Abraham, No. 3885, Indiranagar, Bangalore.

(Transferor)

(2) KMA Ltd., Whitefield Road, Mahadavapura, Bengalore-48.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1761/82-83 Dated 13-9-1982).

All that property bearing No. 4 situated at HAL III stage, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 28-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 25th March 1983

C.R. No. 62/35635/82-83/Acq.-B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6, situated at 1st stage, Domlur Lay-out, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar under document No. 1377/82-83 on 4-8-1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds—the apparent consideration therefor by an ore than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Kmr. M. R. Susheela Rajamma, No. 1151, A, 26th Main 4th T. Block, Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferor)

(2) M/s. Pecrbhoy Trust, 115-A, Rajmahal Vilas Exten., Bangalore-560 006.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as an Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1377/82-83 Dated 4-8-1982).

All that property bearing No. 6, situated at 1st stage, Domlur Lay-out, Bangalore-560 006.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 25-3-1983

IOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Shri P. V. Aithal, 53, East Anjaneya Temple Road, Bangalore-4.

(Transferor)

(2) M/s. Lotus Powergear Pvt. Ltd., No. 2994, 17th Cross, 2nd Main K. R. Road, Banashankari 2nd Stage, Bangalore-560 070.

(Transferco)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th April 1983

C.R. No. 62/35748/82-83/Acq.-B.—Whereas, I, MANJU

MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Sy. No. 50/3B, situated at S. Doddakalasandra Village, Bangalore South.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Heretonia United at Bangalore South Taluk under document No. 578/82-83 on 16.8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Inian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used hering as an defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 578/82-83 Dated 15-8-1982).

All that property bearing S. No. 50/3B, situated at Dodda-kalasandra Village, Bangalore South Taluk.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 4-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 15th April 1983

Ref. No. III-713/Acq./83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY. MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

portion of old plot No. 120, old khata No. 1, R.S. plot No. 956 New plot No. 130 (a) (b) khata No. 265 ward No. 10, situated at Mauza Dimna, P.S. Mango Jamshedpur, Dist. Stochbum,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamshedpur on 5-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said it, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresald property by the issue of this notice under sub-secon (1) of Section 269D of the said Act, to the following rsons, namely:—

(1) Shri Bacha Singh S/o Late Jagdeo Singh of 26, Home pipe Bustee, P.S. Sakchi, Jamshedpur, Dist. Singbbhum.

(Transferor)

(2) Shri B. L. Sharma S/o Late Kedarmal Sharma, Partner of M/s. A. E. Enterprises of Kali Mati Road, Sakchi, P. S. Sakchi, Jamshedpur, Dist. Singhbhum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 12 kathas duly bounded situated at mahalla moza Dimna P.S. Mango, Jamshedpur Dist. Singhbhum and morefully described in deed No. 6755 dated 5-8-82 registered with S. R. Jamshedpur.

P. K. DUBEY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bihar,
Patna

Date: 15-4-1983

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 15th April 1983

Ref. No. III-697/Acq./83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part of R.S. Plot No. 1401, Khata No. 72, M.S. Plot No. 1701, H. No. 656/A, Ward No. VII B situated at Village Hatma

(Lower Burdwan Compound), Dist-Ranchi, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 7-8-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and between that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Sudhindu Kumar Banerjee S/o Late Subodh Chandra Banerjee, R/o Burdwan Compound, P.O. Lalpur, Dist. Ranchi.

(Transferor)

(2) Smt. Bandana Sinha W/o Sri Ranjit Kumar Sinha, R/o Amla Para, P.O. Jharia, Dist. Dhanbad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Art; shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 13 Kathas with house situated at Village Hatma (Lower Burdwan Compound, Dist. Ranchi and more-fully described in deed No. 7197 date 7-8-1982 registered with D. S. Ranchi.

P. K. DUBLY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar,
Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely:-

Date: 15-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

> > Patna-800 001, the 14th April 1983

Ref. No. III-706/Acq./83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per deed No. 9887 dated 16-8-1982, situated at Near Bank Mor on Katras Road, Dist-Dhanbad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

1908) in the Office of the Registering Officer at Dhanbas on 16-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Secton 269D of the said Act, to the following persons, namely :-47---56 GI/83

(1) Shri Puranlal Chawda S/o Sri V. G. Chawda, Trustee, For Ghallabhai Vidyotojak Managing Mandal, R/o Katras Road, Dist. Dhanbad.

(Transferor) (2) Shri Madhabendra Singh S/o Sri Jang Bahadur Singh, C/o Usha Talkies, P.O. Jharia, Dist. Dhanbad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 Katha with house situated near Bank Mor on Katras Road, Dist. Dhanbad and more fully des-in deed No. 9887 dated 16-8-82 registered with D.S.R. Dhanbad.

> P. K. DUBEY Competent Authority Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 14-4-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 14th April 1983

Ref. No. III-701/Acq./83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition

Runge, Bihar Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable to the said Act is the said Act in the reason to believe that the immovable to the said Act is the said Act in the said A property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

As per deed No. 9882 dated 16-8-82, situated at New Bank Mor on Katras Road, Dist-Dhanbad,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Danbad on 16-8-1982,

for an apparent consideration which is least the fair market value of the aforesafe property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesail property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- (1) Shri Puranlal Chawda S/o Sri V. G. Chawda, Managing Trustee, For Ghallabhai Vidyotojak Mandal, R/o Katras Road, Dist. Dhanbad,
- (Transferor) (2) Shri Sunil Kumar Singh S/o Sri Ram Bahadur Singh, C/o Usha Talkies, P.O. Jharia, Dist. Dhanbad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property. may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 Katha with house situated near Bank Mor on Katras Road, Dist. Dhanbad and more fully described in deed No. 9882 date 16-8-82 registered with D.S.R. Dhanbad.

> P. K. DUBEY Competent Authority Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Biher. Patna

Date: 14-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 16th April 1983

Ref. No. PNP/132/82-83.-Whereas, I, R, K. BHAYANA, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

No. House No. 250/L, situated at Model Town, Panipat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in August 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by inotes than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Vidya Vati W/o Shri Mohan Lal, S/o Shri Bhaiya Dass, R/o H. No. 172E, Kamla Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Neeral Goval, S/o Shri Jyoti Parshad Goyal, C/o M/s. Aggarwal Wool Spinning & Weaving Mills, Industrial Area, Panipat. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expension 1—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said · Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 250/R, Model Town, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered on 13-8-82 with the Sub Registrar, Panipat.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Robtak

Date : 16-4-1983 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 16th April 1983

Ref. No. PNP/120/82-83.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land 1/2 kanals situated at Panipat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in August 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Vidhu Bhushan S/o Shri Ram Lal, through Shri Suresh Kumar, R/o 62 M. T. Panipat.

(Transferor)

(2) Shri Rajinder Kumar S/o Shri Mulakh Raj, R/o 16/7, Panipat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 1/2 kanal situated at Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2813 dated 20-8-82 with the S. R. Panipat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

-Date: 16-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 16th April 1983

Ref. No. PNP/121/82-83.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring & kanal situated at Panipa' (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in August 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Vidhu Bhushan S/o Shri Ram Lal, R/o 62-M.T. Panipat. Shri Suresh Kumar S/o Shri Bhagwan Dass, Panipat.

(Transferor)

(2) Shri Surender Kumar S/o Shri Mulakh Raj, R/o 16/7, Panipat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring ½ kanal situated at Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 25/4 dated 20-8-1982 with the Sub Registrar, Panipat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 16-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Ref. No. SPT/143/82-83.—Whereas, I. R. K. BHAYANA, D.L.F. COLONY

Rohtak, the 15th April 1983

Rcf. No. SPT/143/82-83.—Whereas, I, R. K. BHARANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovproperty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Land measuring 71 K. 17 Marla with construction & Tube-well situated at Rathdhan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sonepat in August 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as nared to between the parties has not been taken in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely :--

(1) 1. Shri Hari Chand, 2. Shri Tara Chand,

3. Shri Jai Dayal

S/o Shri Ganga Ram Vill. & P.O. Lado Sarai, Delhi State.

(Transferor)

Smt. Kusum Singhal W/o Shri Surender Kumar Singhal S/o Shri Janki Dass,
 R/o A-108, Gujra Wala Town Delhi.
 Smt. Vidhu Singhal W/o Shri Kuldeep Singhal,
 S/o Shri Janki Dass,

R/o H-2/2, Model Town, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette. -

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 71 kanals 17 marias situated at Rathdhan and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1958 dated 30-8-1982 with the Sub Registrar, Sonepat.

> R. K. BHAYANA $Competent_Authority$ Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 15-4-1983

(1) Shri Bhagwan Dass S/o Shri Nunia Mal, S/o Shri Duni Chand, Kath Mandi, Hissar. (Transferor)

(2) Shri Nihal Singh S/o Shri Jot Ram, R/o Hissar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFIFCE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE, ROHTΛΚ D.L.F. COLONY

Rohtak, the 4th April 1983

Ref. No. HSR/299/82-83.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Land 1 kanal 12 marla situated at Hissar tand more fully described in the Sebedule annexed heretal), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in August 1982

Hissar in August 1982, for an apparent consideration which is less than the

market value of the oforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said used herein shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 1 kanal 12 marla situated at Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 8788 dated 23-8-83 with the Sub Registrar, Hissar.

> R. K. BHAYANA Competent Authoria Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herely initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 4-4-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 14th April 1983

Ref, No. PNP/180/82-83.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 28 kanals 19 marlas situated at Diwana (Panipat)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in August 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid transfer to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ravinder Kumar S/o Shri Narain Dutt S/ Shri Ramji Dass, Smt. Santosh Kalra W/o Shri Ravinder Kalra, R/o H. No. 440, Model Town, Panipat.

(Transferor)

(2) S/Sh. Ashok Kumar, Vinod Kumar, Anil Kumar Ss/o Shri Khushal Chand S/o Shri Sita Ram, R/o C/o M/s. Sita Ram Khushal Chand, Petrol Pump, G.T. Road, Panipat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 28 kanals 19 marias situated at Village Diwana and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3399 dated 23-8-1982 with the Sub Registrar, Panipat.

R. K. BHAYAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 14-4-1983

NOTICE UNDER EECTON 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 16th April 1983

Ref. No. BGR/166/82-83.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the ommovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. Land measuring 521 bigha 11 Biswas situated at Vill.

Sikanderpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of, 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabhgarh in August 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to beween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay ax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--48-56 GI/83

(1) Smt. Ram Kail W/o Siri Nathu Ram,
 R/o Haleka Teh. Sinkanderbad Disstt. Bulandehahr.
 (2) Shri Ram Kishan S/o Shri Ramii Lal,

Press Colony, Saran (Faridabad). Chhote Lal S/o Shri Kanshi Ram, Smt. Kirpi Kanwar W/o Shri Kanshi Ram. (Transferor)

(2) (1) Amer Chand Jain S/o Shri Harjas Rai,

Amer Chand Jam S/o Shri Harjas Rat, Inder Murti S/o Shri Amer Chand, R/o E/15-15, Kalindi Colony, New Delhi,
 Shri Bhupinder Nath S/o Shri Harjas Rai, Permesh Barad S/o Shri Bhupinder Nath, NIT, Faridabad, Shri Vihdya Bhushan S/o Harjas Rai, Shri Arun Barad S/o Shri Vidhya Bhushan, Shri Arund Barad S/o Shri Vidhya Bhushan, Shri Arvind Barad S/o Shri Vidhya Bhushan, NIT, Faridabad, Smt. Alka W'o Shri Sudev, Shri Sudev S/o Shri Ramesh Chand, R/o NIT, Faridabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notce on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as give t in that Chapter.

THE CHEDULE

Property being land measuring 521 bighas 11 biswas situated at Village Sikanderpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5950 dated 23-8-1982 with the S. R. Ballabgarh.

> R. K. BHAYANA Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 16-4-1983

Scal:

FORM ITNS- --

- Shri Anil Kumar S/o Shri Khushal Chand, R/o Sita Ram House, Geeta Mandir, Panipat, (Transferor)
- (2) Shri Jai Dayal S/o Shri Tara Chand, Dayal Colony, G.T. Road, Panipat.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, RHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 14th April 1983

Ref. No. PNP/124/82-83.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land measuring 12 biswas 6 biswani, stuated at

Taraf Rajputana Paniput (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in August 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property an aforesaid exceeds the apparent coonsideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 12 biswas 6 biswani situated Taraf Rajputana, Panipat and as more mentioned in the Sub Registrar, Panipar

> R. K. BHAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Date: 14-4-1983

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 4th April 1983

RAC. No. 58/83-84.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5-9-12 (Flat No. D) situated at Saifabad, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tast under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Dhananjeya Hotels Private Ltd., Rep. of its Director, Mr. A. Jithender Nath, No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad.
- (2) Smt. Y. Ammaunamma W/o late Y. P. Reddy, 8-2-695/A/1 Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. D 1st floor in M. No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad admeasuring 1052 Sq. ft. plinth area, registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5598/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 4-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD Hyderabad, the 4th April 1983

RAC. No. 57/82-83.— Whereas, I. M JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Municipal No. 5-9-12 (Flat No. A) situated at Saifabad, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer, as agreed between the parties has not been transfer, as agreed anstrument of transfer with the object of:—

- (a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Dhananjeya Hotels Private Ltd., Rep. by its Director, Mr. A. Jithender Nath, No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad.
 - (Transferor)
- (2) B. H. Varalakshmi C/o Anand Verma, Shri Ramapuram Bhimavaram.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A Ground floor in M. No 5-9-12, Saifabad Hyderabad admeasuring 1628 sq. ft. plinth area, registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5568/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 4-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 4th April 1983

RAC. No. 56/83-84.—Whereas, I M, JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Municipal No. 5-9-12 (Flat No. A) situated at Saifabad

Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16, of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on August 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affecen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- M/s. Dhananjeya Hotels Private Ltd., Rep. by its Director, Mr. A. Jithender Nath, No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad.
- (2) M/s. I akshmi Rentals Rep. by K. L. N. Prasad Road No. 12 Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 'A' 1st floor in M. No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad admeasuring 1962 sf, ft. plinth area, registered by the S.R.O. Hyderabad vide Document No. 5567/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 4-4-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Dhananjeya Hotels Private Ltd., Rep. by its Director, Mr. A. Jithender Nath, No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad.

(Transferor) (2) Miss Deepika C/o V Rajagopal Reddy 6-3-661/8 Somajiguda, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 4th April 1983

RAC No. 55/83-84.—Whereas, 1 M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Municipal No. 5-9-12 (Flat No. A) situated at Saifabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 82

for an apparent consideration which is less than the latter market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 'A' Office Premises M. No. 5-9-12, Salfabad, Hyderabad admeasuring 1961.27 sq. ft. plinth area, registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5566/82.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 4-4-1983

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabd, the 4th April 1983

RAC. No. 54/83-84.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Municipal No. 5-9-12 (Flat No. C) situated at Saifabad Hyderabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Dhananjeya Hotels Private Ltd., Kep. by its Director, Mr. A. Jithender Nath, No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad.

(Transferor)

 Smt. Lakshmi Subrahmanyam W/o K. V. Subrhamanyam 1-1-230/21/A Chikadpally, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by may of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning us given in that Chapter.

THE SCHOOLE

Flat No. 'C' 6th floor in M. No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad admeasuring 303.38 sq. ft. plinth area, registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5608/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 4-4-1983

FORM I.T.N S.----

(1) M/s. Dhananjeya Hotels Private Ltd., Rep. by its Director, Mr. A. Jithender Nath, No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Dr. L. Venkatratnam S/o Lakshininarayana 1-1-230/21/A Chikadpally, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabd, the 4th April 1983

RAC. No. 41/83-84.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Municipal No. 5-9-12 (Flat No. C) situated at Saifabad Hydrophod

明如一個

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act; 1908) (To or 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any firementaring from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C in M. No. 5-9-12, Suifabad, Hyderabad admeasuring 303 sqft plinth area, registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5609/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Date: 4-4-1983 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I have by initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Dhananjeya Hotels Private Ltd., Rep. by its Director, Mr. A. Jithender Nath, No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad.

(Transferor) (2) Mrs. Indira Sarankumar W/o K. V. Sarankumar, 1-230/21/A Chikadpally, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabd, the 4th April 1983

RAC. No. 42/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Municipal No. 5-9-12 (Flat No. C) situated at Saifabad

Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Hyderabad on August 82

for an apparent consideration which is less than for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. C, 6th Floor in M. No. 5-9-12, Salfabad, Hyderabad admeasurin 303 sq. ft. plinth area, registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 560/82.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:— 49-56GI/83

Date: 4-4-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabd, the 4th April 1983

RAC. No. 44/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Municipal No. 5-9-12 (Flat No. C) situated at Saifabad Hyderabad on August 82

for an apparent consideration which is less than the fair has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesad property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agred to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) faciltating the concealment of any income or any moneys or other assets which has not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, o the following persons, namely:—

- M/s. Dhananjeya Hotels Private Ltd., Rep. by its Director, Mr. A. Jithender Nath, No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad.
- (2) P. Sandhya Rani W/o P. Ramabrahman 1-1-230/21/A Chikadpally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C in M. No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad admeasuring 303 sq. ft. plinth area, registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5611/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 4-4-1983 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabd, the 4th April 1983

RAC. No. 43/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Municipal No. 5-9-12 (Flat No. C) situated at Saifabad

Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registtration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by inorethan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act
 in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Dhananjeya Hotels Private Ltd.. Rep. by its Director, Mr. A. Jithender Nath, No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. Sudha Chetty D/o S. M. K. Chetty, 1-1-230/21/A Chikadpally, Hyderaad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C in M. No. 5-9-12 Saifaad Hyderabad admeasuring 303 sq. ft. plinth area, registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5612/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Hyderabad

Date: 4-4-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabd, the 4th April 1983

RAC. No. 45/83-84,--Whereas, I, M. JEGAN MHAN

being the Competen Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Municipal No. 5-9-12 (Flat No. B) situated at Saifabad, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afair exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) M/s. Dhananjeya Hotels Private Ltd., Rep. by its Director, Mr. A. Jithender Nath, No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Mrs. Girija Masarath C/o Justice Amareswari 3-5-696 Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B in M. No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad admeasuring 1158 sft. plinth area, registered by the S.R.O., Hydera-bad vide document No. 5199/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 4-4-1983

FORM IINS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1981 (43 OF 1961) M/s. Dhananjeya Hotels Private Ltd., Rcp. by its Director, Mr. A. Jithender Nath, No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri K. Sudhakar Reddy S/o Venkat Reddy, Marampally Post Vis Nandipet, Nizamabad Dt.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabd, the 4th April 1983

RAC. No. 46/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Municipal No. 5-9-12 (Flat No. C) situated at Saifabad Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed herew), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 82 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Inian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C in M. No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad admeasuring 1088 sft. plinth area, registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5600/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX *ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabd, the 4th April 1983

RAC. No. 47/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Municipal No. 5-9-12 (Flat No. C) situated at Saifabad Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hyderabad on August 82.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer us agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Inian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); M/s. Dhananjeya Hotels Private Ltd., Rep. by its Director, Mr. A. Jithender Nath, No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Mohd. Shafiuddin Khan S/o Mohd. Fayazuddin Khan 11-5-121 Red Hills, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C in M. No. 5-9-12, Saifabad. Hyderabad admeasuring 1085 aft. plinth area, Registered by the S.R.O., bad vide document No. 5601/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-3-1983

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Dhananjeya Hotels Private Ltd., Rep. by its Director, Mr. A. Jithender Nath, No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Abbas Mohd. Mansoori Flat No. A. 8th floor 5,9-12 Samrat complex Saifabad, Hyderabad.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

Objections if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :---

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Hyderabd, the 4th April 1983

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the

RAC. No. 48/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

publication of this notice in the Official Gazette.

Municipal No. 5-9-12 (Flat No. A) situated at Saifabad Hyderabad

> EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to: believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income, or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wcalth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. A 8th floor in M. No. 5-9-12, Salfabad, Hyderabad admeasuring 1122 sq. ft. plinth area, registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5602/82.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Acquisition Range, Hyderabad Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-

Date: 4-4-1983

Scal:

tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following рогворя, пациолу:-

FORM 1.T.N,S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabd, the 4th April 1983

RAC. No. 49/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Municipal No. 5-9-12 (Flat No. H) situated at Saifabad, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on August 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely s—

 M/s. Dhananjeya Hotels Private Ltd., Rep. by its Director, Mr. A. Jithender Nath, No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. G. Vijayalakshmi W/o Rajendra Reddy, Flat No. H, 6th floor 5-9-12 Saifabad, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a peroid of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of-the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. H 6th floor in M. No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad admeasuring 1122 sq. ft. plinth area, registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5603/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 4-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabd, the 4th April 1983

RAC. No. 50/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Municipal No. 5-9-12 (Flat No. H) situated at Saifabad Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on August 82

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of the transfer; from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

50---56GI/83

(1) M/s. Dhananjeya Hotels Private Ltd., Rep. by its Director, Mr. A. Jithender Nath, No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Bombay Tools & Supplying Agency (P.) Ltd. 5-9-22/36 Adarshnagar Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. H 4th floor in M. No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad admeasuring 1122 sq. ft plinth area, registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5604/82.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Date: 4-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabd, the 4th April 1983

RAC. No. 51/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Municipal No. 5-9-12 (Flat No. A) situated at Saifabad Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on August 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Dhananjeya Hotels Private Ltd., Rep. by its Director, Mr. A. Jithender Nath, No. 5-9-12, Salfabad, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa Lalwani W/o Kishanchand 3-4-340/1 Lingampally, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A 6th floor in M. No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad admeasuring 1122 sq. ft. plinth area, registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5605/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 4-4-1983

Seal ·

(1) M/s. Dhananjeya Hotels Private Ltd., Rep. by its Director, Mr. A. Jithender Nath, No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property-may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Sri Mohd. Minhajul Hasan, Flat No. C 4th floor, 5-9-12 Saifabad, Hyderabad.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderahad, the 4th April 1983

RAC. No. 52/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, kAU. No. 52/83-84.—whereas, 1, M. JLOAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Municipal No. 5-9-12 (Flat No. C) situated at Saifabad

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at

Myderabad on August 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partels has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of of transfer with the object of(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

whichever period expires later;

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

**Employment :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or associate of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. C 4th floor in M. No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad admeasuring 1955 sq. ft. plinth area, registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5606/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Date: 4-4-1983 Seal:

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD
Hyderabd, the 4th April 1983

RAC. No. 53/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Municipal No. 5-9-12 (Flat No. C) situated at Saifabad Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on August 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flatility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Dhananjeya Hotels Private Ltd., Rep. by its Director, Mr. A. Jithender Nath, No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Rajni Valli Raman D/o Dr. K. V. Raman 1-1-230/21/A Chikadpally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE .

Flat No. C 6th floor in M. No. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad, admeasuring 303.3 sq. ft. plinth area, registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5607/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 4-4-1983

Scal:

 Sh. Kishore Singh S/o Sh. Maharaj Bahadur Singh, R/o 15/3, Old Palasia, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Naveenchand S/o Sh. Alamchand Jain 2. Smt. Keshar Jain W/o Naveenchand Jain, 3. Neel Jain S/o Naveenchand Jain, R/o 149, Jaora Compound, Indore.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M.P.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Bhopal, the 31st March 1983

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Rcf. No. IAC/Acqn./Bpl/3535.—Whereas, I, D. P. PANTA,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 3, House No. 15/3 situated at Old Palasia, Indore

Gazetic.

situated at Old Palasia, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 26-8-1982

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 3, House No. 15/3 at Old Palasia, Indore.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotti
Building T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M.P.)

Bhopal, the 31st March 1983

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/3536.-Whereas, I,

D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Mucl. H. No. 34 situated at

Mohalla Murai, Sanyogithaganj, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 20-8-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(2) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M/s T. Choithram Foundation 30, Godha Colony, Indore—through Trustee Lekhraj Giyanchandji— Pagarani, 29, Godha Colony, Indore.

(Transferor)

(2) 1. Kishanlal Gendalalji Airen Ashokkumar Kishanlal Airen R/o

Ashokkumar Kısıanıaı Airen K/o
 Malharganj, Indore
 Kanhaiyalal Kishorilal Mittal,
 Manoramadevi W/o Kanhaiyalalji Mittal
 Shanti Bai Wd/o Late Prabhulalji Mittal
 Indrakumar Prabhulalji Mittal,
 R/o 61-62, Peer Gali, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Municipal House No. 34 at Murai Mohalla, Sanyogithaganj, Gali No. 3, Indore.

> D. P. PANTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 31-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M.P.)

Bhopal, the 31st March 1983

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/3537.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

bearing No. Room No. 2 situated at 12, Pandrinath, Path, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 16-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gajendra Singh S/o Sh. Shivnarayan Rao Holkar, R/o 12, Ada Bazar, Indore.
 - (Transferor)
- (2) Smt. Devi Bai W/o Sh. Asandas, Sabji Mandi, Nandialpura, Indore,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 2 (Shop) on first floor, 12, Pandrinath Path, Indore.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri
Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 31-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M.P.)

Bhopal, the 31st March 1983

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/3538.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 6 situated at

12, Pandrinath Path, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 30-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reductive transparency of the liability of the transferor to pay tax under the last Act is respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Shrimant Pratapsingh S/o Malharrao Holkar R/o 12, Ada Bazar, Indore—Power of attorney Shyamrao Krishnarao Holkar, R/o 75, Roopramnagar, Indore.

('Transferor)

(2) Shri Basantkumar S/o Sh. Ghambhirmalji Dosi, R/o 12 Ada Bazar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

HE SCHEDULE

Shop No. 6, on ground floor at 12, Pandrinath Path, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri
Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 31-3-1983

Scal;

(1) Bansilal S/o Ramnath Soni, 1114, Mahajanapeth, Burhanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Chairman, Nagar Sudhar Nyas, Burhanpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M.P.)

Bhopal, the 4th April 1983

Ref. No. IAC/Acqn./Bp1/3539.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land Kh. No. 468 situated at Vill. Mehmadpura, Teh, Burhanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Burhanpur on 23-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 19 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforcsald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land New No. 468 at Vill. Mahamadpura, Burhanpur.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of reaforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 4-4-83 Scal:

51-56GI/83

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M.P.)

Bhopal, the 7th April 1983

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/3540.--Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land Kh. No. 252/2 situated at

Vill. Simhasa, Teh. Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore on 28-8-1982 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any transfer; arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sh. Ram S/o Moolchand Sahanai,
 Smt. Kailashkumari W/o Nanakchandji,
 Hathipala Road, Indore.

 (Transferor)
- (2) Yogendralal 2. Jagdishlal Sons of Pratapsingh Khurana, Chouthmal Colony, Indore. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Vill. Simhasa, Teh. Indore, Kh. No. 252/2, area 0.890 Hector.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri
Building T. T. Nagai, Bhopal.

Date: 7-4-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M.P.)

Bhopal, the 6th April 1983

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/3541.—Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No.

House on Plot No. 138. situated at

Indore Development Scheme No. 44 (Khatiwala Tank),

Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 9-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not bee ntruly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Ac, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Prem Kumar S/o Shri Vishandasji, R/o 65, Jairampur Colony, Indore—through power of attorney Jawaharlal S/o Deepchandji.

(Transferor)

(2) M/s. Satyam Builders, 378, Jawahar Marg (2nd Floor), Indore—through Partner Prakashchandra S/o Bhojrajmal.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House built on plot No. 138, on Indore Development Scheme No. 44 (Khatiwala Tank), Indore.

D. P. FANTA,
Competent Authority
Inspecting Assstant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri
Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 6-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M.P.)

Bhopal, the 7th April 1983

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/3542.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.

25,000/- and bearing No. Land S. No. 390, 391, 392, 395, 396 situated at Vill. Antharvaliya, Teh. Jhabua.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jhabua on 13-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or --
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. Smt. Kailashbai Wd/o Chandrakant Ghorawet, R/o Dhandla 2. Sh. Kankamal S/o Rekhabchand Ghorawat, R/o Dhandla. 3. Sh. Vimalchand S/o Rameshchandra Ghorawat-Mahajan, R/o Dhandla.

(Transferor)

(2) M/s Harshvardhan Chemicals & Minerals Pvt. Ltd., Registered Office Rathore Bhayan, 33-C New Fatchpura, Udaipur, Rajasthan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE

Land situated at Vill. Anthervaliya, Teh. Jhabua. Land Kh. No. 153, Survey No. 390, 391, 392, 395, 396, total area 10.506 Hector including Industrial Unit House Kachha Kuva and 'Bandh' with trees as explained in the Form No. 37-G which is verified by the transferee.

> D. P. PANTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 7-4-1983 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M.P.)

Bhopal, the 6th April 1983

Ref. No. IAC/Acqn./Bp1/3543.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Plot No. 6 situated at Manikbagh Annex, Phandis Colony, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore on 7-8-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 1. Fida Ali S/o Haji Fkhruddin, R/o Ranipura, Indore.
 2. Sh. Asghar Ali S/o Haji Akbar Ali, R/o Bakra Bakhal, Indore.
 3. Sh. Akbar Ali S/o Yusufali, Jawahar Marg, Indore.

(Transferor)

 Kamla Bai W/o Ramratanji through power of attorney Gayaprasadji, Bhargone.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot No. 6 situated at Manik Bugh Annexe Phandis Colony, Indore.

D. P. PANTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotti Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 6-4-83

FORM ITNE-

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M.P.)

Bhopal, the 5th April 1983

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/3544.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value according Rs. 25,000/- and

bearing No. Plot No. 56, 57, 58, 59 and Jhopre thereon situated at Jawahar Marg, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 28-8-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability
 of-the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Parvati Bai W/o (Late) Sadashivrao Joshi, R/o House No. 306, Indraguri Colony, Indore. (Transferor)
- (2) Yenuka Matha Parmardhik Nyas, 306, Indrapuri Colony, through Secretary Sh. Arvind S/o Sadashiv Joshi, R/o 306, Indrapuri Colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 56, 57, .\%, 59 and Jhopre thereon at Jawahar Marg, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri
Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 5-4-83 Seal:

9431

FORM ITNS

 Khiyaldas S/o Mappumal, R/o 72, Radhanagar Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Manjula W/o Mahendrakumar Sandhvi, R/o 230, Shrinagar, Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 5th April 1983

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/3545.—Whereas, I, D. P. PANTA,

neing the Competent Authority under Section 269B of the ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to is the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Plot No. 424-M, Scheme No. 44, Indore

Development Authority situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 7-8-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) fachitating the reduction or evasion of the mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealmets of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 424-M. Scheine No. 44, Indore Development transfers and parrage. Situated at Indore. This is the immovable property described in the Form No. 37-G verified by the transferse.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri
Building T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 5-4-83

FORM ITNS----

(1) Prakashchandra S/o Champalaji Jain, 2/7, Parsi Mohalla, Indore.

(Transferor)

(2) Hasanand S/o Sh. Kishoreramji, 13, Freeganj, M.T. Cloth Market,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 5th April 1983

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/3546.-Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

Plot No. N-9, Anoopnagar Colony, Indore
situated at Anoopnagar Colony, Indore.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 9-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax' Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions usd herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. N-9, at Ancopnagar Colony, Indore.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopai.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 5-4-83

Seal;

(1) Mohini Bai W/o Kishanchandji, R/o 112, Katju Colony, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ghanshyamdas S/o Lachmandas, R/o 72, Triveni Colony, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 6th April 1983

Ref. No. IAC/Acqn./Bp1/3547.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and

bearing No. Godown constructed on plot No. 27 situated at Sanyogithaganj (New) Indore.

(and more fully described in the Shedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore_on_10-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in nursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

52-56GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION s—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Godown built on plot No. 27 at Sanyogitaganj (New) Indore.

D. P. PANTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax.
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotti
Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 6-4-1983

(1) Ramratan S/o Kalooji Matuta R/o Pithampur, Dhar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Hai Mohammad Rasool Cold Storage Prop. Haji Mohammad Rasool S/o Abdul Rahmen, R/o Pithampur, Dhar. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said premay be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

(b) by any other person interested in the said immov-

Bhopal, the 6th April 1983

ble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/3548.—Whereas, I, D. P. PANTA, Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

Expranation:—The terms and expressions used herein as are Jefined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

bearing No. Land Survey No. 513 situated at Vill Pithampur, Thar (and mere fully described in the Schedule annexed hereto), has been transforred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhar on 6-8-1982

Officer at Dhar on 6-8-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the shiest of the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income intelligence from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land Survey No. 513, at Vill. Pithampur, Dhar.

D. P. PANT $\overline{\Lambda}$, Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri
Building T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :---

Date: 6-4-1983

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Sardar Pratapsingh Rao S/o Malharrao Holkar, Power of attorney Shyamrao Krishnarao— Holkar, R/o 12, Pandrinath, Indore.

(Transferor)

(2) Gagandas S/o Rewachand, R/o Prince Yeshwant Road, House No. 27, Standard Baktry, Indore. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 12th April 1983

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/3549.--Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and hearing No. House No. 12, Room No. 3 situated at Pandrigath Path Indore

and tearing No. 12, Room No. 3 situated at Pandrinath, Path, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 9-8-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income pricing from the transfer;

and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 12, 1st Floor, Room No. 3, at Pandrinath Path, Indore.

D. P. PANTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 12-4-1983

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th April 1983

Ref. No. IAC/Acqu/Bpl/3550.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. Kand Kh. No. 64 situated at Jaiwari Road, Khandwa.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khandwa on 17-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparant consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following rersons, namely:

(1) Shri Saifuddin S/o Gulam Ali Bohara, R/o Bombay Bazar, Khandwa (East Nimad)

(Transferor)

(2) Shri Surjitsing S/o Arjunsing Nirmal
Smt. Joginder Kaur W/o Surjit Singh Nirmal
Smt. Bhupender Kaur W/o Satvinder Singh Saluja,
Smt. Narendra Kaur W/o Nanjeet Singh Saluja,
Smt. Surender Kaur W/o Ranjit Singh Saluja, R/o Harda, Distt: Hoshangabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 64, area 4 Acre equal to 1.618 Hector situated at Jaiwari Roard, Khandawa,

> D. P. PANTA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, 4th Flood, Gangotri Building T. T. Nagar, BHOPAL

Date 7-4-1983 Seal:

FORM ITNS ---

 Shri Khorbahara S/o Saharsiam & Others, R/o Village: Devpuri, Block, Dharsiva, Teh Raipur.

(Transferor)

(2) Shri Balbirsingh Chadha S./o Raghuvirsingh Chadha, R/o Civil, Lines, Premkunj, Raipur.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 11th April 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3551.—Whereas I. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land Kh. No. 26.27 & 39/2 situated at Vill: Devpuri, Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Raipur on 22-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monoys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purmance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Aut, shell have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 26.27 & 39/2 ara 3.39 Acres at Vill: Devpuri Block Dharsiva, Teh; Raipur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Flood, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL.

Date 11-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 11th April 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3552.-Whereas, I, D. P.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land Kh. No. 761, 762, 763 situated at Mouza Moowa,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 25-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Shri Peerbux,

Janbux S/o Khudabux, Master: Jasir Bux minor S/o Lalbux,

4. Master Rashidbux,

Master Hafizbux S/o Lalbux,
 Smt. Julekhabi W/o Lalbux,

Lalbi D/o Khudabux,

Janbi D/o Khudabux, 9. Manbi D/o Khudabux,

Smt. Amanabi Wd/o Khudazux, R/o Mowa, 10. Tch. Raipur.

(Transferor)

(2) Smt. Saroj Shukla W/o Dr. Prakash Narain Shukla, R/o Choubey Colony, Raipur.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 0.627 Hector bearing Kh. No. 761, 762, 763 at Mouza Mowa, Raipur.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range,
> 4th Flood, Gangotri Building
> T. T. Nagar, BHOPAL.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 11-4-1983.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 11th April 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3553.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Kh. No. 144/1 situated at Rajnandgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Rajnandgaon on 28-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:--

(1) Smt. Amrit Kaur W/o Sardar Gulabsingh Bhatiya, R/o Kailashnagar, Rajnandgaon.

(Transferor)

(2) Shri Praveenkumar Raicha S/o Shri Late Laxmidas Raicha, Hospital Road, Rajnandgaon.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 144/1 and Part of Godown at Station Road. Rajnandgaon, Ward No. 14, Takapara, Rajnandgaon.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Asatt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Flood, Gangotri Building T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 11-4-1983,

FORM ITNS----

- (1) Smt. Amrit Kaur W/o Shrl Sardar Gulabsingh Bhatiya, Kallashnagar, Rajnandgaon. (Transferor)
- (2) Shri Kantilal S/o Prayagji Bhai Raicha, R/o Hospital Road, Rajnandgaon.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

GOVERNMENT OF INDIA

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 11th April 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3554.—Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

And bearing No.

Kh. No. 144/1 situated at Takapara, Rajnandgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajnandgaon on 25-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor the said Act, in respect of any income arming from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE CHEDULE

Land Kh. No. 144/1 at Vill. Takapara, Ward No. 14, Rajnandgaon alongwith part of Godown.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

Date: 11-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 14th April 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3555.—Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Iscome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Portion of Single Storey House situated at Ganipura, Durg (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Durg on 25-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the imbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
53—56GI/83

- (1) Shri Labchand Rati S/o Harakchand Bari R/o Khapari, Teh. Bemetara, Durg. (Transferor)
- Smt. Papu Bal W/o Shri Kesarimalji, R/o Delirajhara, Durg.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of Single Storeyed House at Ganjpara, Durg.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Buildng
T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 14-4-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Nyas Shri Laxminarayan Maharaj, Kila Mandir, through Shri Vinodkumar Agrawal, Durg. (Transferor)

(2) Shri Gopichand S/o Kevalmal Sindhi 2. Shri Suresh Kumar S/o Kealal Sindhi, Kirana Mer-Suresh Kumar S/o Kevalal Sindhi, Kirana Mer-(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 14th April 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3556.—Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot Kh. No. 1373 & 1374 situated at Malviya Nagar, Durg (and more fully described in the schedule annexed heroto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Durg on August 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay the nader the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 ag 1923) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot, Kh. No. 1373/1 & 1374/1, at Malviya Nagar, Durg.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 14-4-1983

FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gabrial Andrad Saimen, S/o Shri Saimen Andrad etc., R/o G. E. Road, Durg.

Kila Mandir, (Transferor)

THE SCHEDULE

(1) Nyas Shri Laxminarayan Maharaj, through Vinodkumar, R/o Durg.

(Transferes)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE. BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 14th April 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3557.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot Kh. No. 1374/1 situated at Mouza Durg (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Durg on August 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the sald Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot Kh. No. 1374/1, at Mouza Durg.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 14-4-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Shantilal S/o Jetha Bhai, etc., R/o Fafadiha, Raipur.

(Transferor)

(2) Jaishree Samudri Griha Nirman Sahakari Samiti Ltd., Mutapara, Raipur.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE.

BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th April 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3560.—Whereas, I. D. P.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No.

House No. 5/692 & 607 situated at Modhapara, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 28-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this fotice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & House No. 5/692 & 607, Mohdapara, Raipur,

D. P. PANTA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tists
Acquisition Range,
4th Flood, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bheyal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

Date: 13-4-1983.

Soal :

(1) Nyas Shri Laxminarayan Maharaj, Kila Mandir, through Vinodkumar, R/o Durg.

(Transferor)

ME

(2) Shri Gabrial Andrad Saimen, S/o Shri Saimen Andrad etc., R/o G. E. Road, Durg. THE SCHEDULE

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 14th April 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3557.—Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot Kh. No. 1374/1 situated at Mouza Durg (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Durg on August 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot Kh. No. 1374/1, at Mouza Durg.

D. P. PANTA.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 14-4-1983.

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 14th April 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3558.—Whereas, I., D. P.

PANTA, being the Competent Authority under Setion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing
Land Kh. No. 1373/1 & 1374/1 situated at Durg
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at

Durg on 16-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Nyas Shri Laxminarayan Maharaj, Kila Mandir, through Shri Vinodkumar Agrawal, Durg. (Transferer)
- (2) Shri Arjundas S/o Shri Gyandas R/o Patankar Colony, Durg.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

. Land Kh. No. 1373/1, 1374/1 at Durg.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Reage,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 14-4-1983.

- (1) Nyas Shri Laxminarayan Maharaj, Kila Mandir, Durg, through Vinodkumar Agrawal.
- (2) Smt. Suhjan Bai W/o Shri Kevalmal, R/o Dixit Colony, Durg.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 14th April 1983

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/3559.--Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Kh. No. 1373/1 & 1374/1 situated at Durg

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Durg on August 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conscalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHOOLE

Land Kh. No. 1373/1, 1374/1, at Durg.

D. P. PANTA
Competent Authority
Anspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range,
4th Flood, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 14-4-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- Shri Shantilal S/o Jotha Bhai, etc., R/o Fafadiha, Raipur.
- (Transferor)
- (2) Jaishree Samudri Griha Nirman Sahakari Samiti Ltd., Mutapara, Raipur. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th April 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3560.—Whereas, I. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House No. 5/692 & 607 situated at Modhapara, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 28-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sensideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this fictice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & House No. 5/692 & 607, Mohdapara, Raipur,

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-test
Acquisition Range,
4th Flood, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhepal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

Date: 13-4-1983.

(1) Shri Wazir Khan S/o Mohd. Khan Muselman, (2) Usman Bhai S/o Karim Bhai Muselman, R/o Ujjain.

(Transferor)

(2) Shri Fakruddin S/o Ibrahim Bhai Chamrawala, R/o Bombay.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE.

BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th April 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3561.—Whereas, I, D. P.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land Survey No. 94:1, 94:2, 97, 98, 99, 93:1, 93:2, 93:3, 94:4, 56:2, 95:2 & 95:2 situated at Village Mangrola, Teh. Ujjain

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 20-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used libraria as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Survey No. 94: 1, 94: 2, 97, 98, 99, 93: 1, 93: 2, 93: 3, 94: 4, 56: 2, 95: 2 & 95: 2 at Village Mangrola, Teh. Ujjain.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Flood, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopai

Date: 12-4-1983. Seal:

(1) Shri Mahendranath Kohili S/o Shri Teerathram Kohili, R/o 233, Anoopnagar, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Krishnalal S/o Shri Sunderdas Dawar, 72, Sivagani, Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th April 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3562.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 229 situated at Anoopnagar, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16, of 1908) in the office of the Registering Officer

at Indore on 6-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the said instrument of transfer with the object of in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evenion of the Bability respect any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of may income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE MINISTER.

Plot No. 229, at Anoopnagar, Indore.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range
4th Flood, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afaceard property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-4-1983,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th April ,1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bol/3563.—Whereas, 1, D. P.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 5, situmed at Nandanyan Colony, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 3-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesoid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more when fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---54---56GI/83

(1) Shri Gokulprasad S/o Shri Moolehandji Gaur, R/o Harsood, Teh. East Nimar.

(Transferor)

(2) Rekha W/o Shri Manoharlalji, R/o 32, Maharani Road, Indore.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapte: XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE CHEDULE

Plot No. 5, at Nandanvan Colony, Indore.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range
4th Flood, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 12-4-1983.

FORM ITN9-

- (1) Shri Rameshchandra S/o Shri Moolchandji Gaur, R/o Harsood, Teh. East Nimar.
 - (Transferor)
- (2) Smt. Poonam W/o Shri Hasanandji, R/o 38, Maharani Road. Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43, OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th April 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3564.—Whereas, I, D. P.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 6 situated at Nandanvan Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 3-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHOOL SECTION

Plot No. 6, at Nandanvan Colony, Indore.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Flood, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 12-4-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th April 1983

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/3565.—Whereas, I. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land Kh. No. 1373/1, 1374/1,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Durg on August, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the hiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Nyas Shri. Iaxminarayan Maharaj. Kila Mandir, Durg. through Shri, Vinod kumar Agrawal.

(Transferor)

(2) Shri Gajanand Prasad, s/o Shri Gopal Prasad, R/o Civil Lines, Durg.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 1373/1, & 1374/1 at Durg.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 14-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th April 1983

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./3566.—Whereas, I. D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House No. 2176, situated at Wright Town, Jabalpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under he Registration Act., 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 9-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any become arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri Hari Krishna Gupta \$/o Shri Narayandas Gupta, R/o 489, Hanumantal, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Rajeshkumar S/o Shri Rameshchandra Tiwari, Through Shri P. P. Bhargav. R/o House No. 79, Ganjipura, Wright Town, Jabalpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House No. 2176, Sheet No. 7, Plot No. 81 at Wright Town, Jabalpur.

D. P. PANTA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, BHOPAL

Date : 14-4-1983 Scal : ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th April 1983

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./3567.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 2176

situated at Wright Town, Jabalpur

(and prore fully described in the Schedule annexed hereto), has transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 9-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Shivkumar \$/0
 Shri Baliram Gupta, R/0
 Lajpath Kunj,
 Nupfer Town, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Sailesh Kumar S/o Shri Rameshchandra Tiwari, through Shri P. P. Bhargav, R/o House No. 39, Chakori, Sahu-ka-Bara, Ganjipura, Wright Town, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of Sheet No. 7, Plot No. 81, House No. 2176, at Wright Town, Jabalpur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, BHOPAL

Date : 14-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th April 1983

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/3568.—Whereas, I. D. P. PANTA,

being the Competent authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing House No. 23,

situated at Yeshwant Road, Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1968 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indoce on 27-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Madhuri W/o Shri Kamal Chug, R/o, Triveni Colony, Indore.

(Transferor)

Shrimati Jyoti Bai W/o
 Shri Murlidhar, R/o
 Yeshwant Road, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 23, at Yeshwant Road, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 15-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Labhchand Rati S/o Shri Harakchand Rati, R/o Khapari, Bemetra, Durg.

(Transferor)

(2) Shrimati Papubai W/o Shri Kesarimalji, R/o Delirajhara, Durg.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th April 1983

Ref. No. IAC/Acqu./Bpl./3569.—Whereas I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Portion of House, situated at Ganjpara, Durg

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Durg on 25-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of Single Storeyed House at Ganipara, Durg.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dato: 14-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME/TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th April, 1983

Ref. No. IAC Acqn./Epl./3570.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable properly, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and being

Plot No. 2.
situated at Race Course Road, Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registeration Act 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Indore on 2-8 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Bhaglya Laxmi Griha Nirman Sabakari Sanstha, Indore.

(Transferor)

(2) Sri Nath Nagar Griffe Nirman Sahakari Sanstha, Indore, through Chairman Shri Narbada Prasad S/o Shri Bhagwati Prasad Tiweri, R/o Shankergani, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2, at Race Course Road, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, BHOPAI

Date : 13-4-1983 *

Scal

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Amrithtai S/o Shri Janjimalji, R/o 29. Pulsikar Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Satyanarain Agrawal S/o Shri Ramchandra Agrawal, 19, Malganj, Shaheed Bhagateingh Marg, Indore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th April 1983

Ref. No. IAC /Acqn./Bpl./3571.—Whereas I,

D. P. PANTA, being the Competent Authority under Sction 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Kh. No. 155, 156, 157 situated at Vill. Umariya, Teh. Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 17-8-1982 for an apparent consideration which is less than the fair D. P. PANTA.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforethan fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land Khe No: 155, 156 & 157, situated at Vill: Umariya, Teh : Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority.
Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotti Building,
T. T. Nagar, BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

55---56GI/83

Date : 13-4-1983 Seal :

(1) Shri Ajay Kumar Gupta, R/o Sikarwari Bazar, Morena.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 18th April 1983

Ref. No. JAC/Acqn./Bpl./3572.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agrl. land situated at Vill: Sankra, Jaora (and more fully described in the Sch

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaora on 19-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and?

(b) facilitating the concratment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE CHENTEL

Agricultural land at vill : Sankara, Jaora. Area 16.4 Biswa

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 18-4-1983

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 Ól· 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 18th April 1983

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./3573.—Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land No. B-2

situated at Idgah Hills, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 31-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) (1) Shri Dinesh Kumar Tayal,
 - (2) Shri Krishna Kumar,
 - (3) Smt. Sulckshena.
 - Sudesh Garg,
 - (5) Smt. Archana Gunta,(6) Smt. Pushpa Agrawal, Sons and Daughters of late Shri Shobbaramji, R/o Govindpura, Bhopal.

(Transferor)

(2) Smt. Premwati Agrawal W/o Shri M. L. Agrawal, R/o Shyamla Hills, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazietto.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Land No. B-2, at Idgah Hills, Bhopal.

D. P. PANTA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range, 4th Floor, Gengouri Building, T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 18-4-1983 Scal:

FORM ITNS----

 Shri Mohammad Ehsan S/o Shri Mohammad Usman, R/o Ghora Nakkas, Bhopal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nanakchand S/o Shri Ramlal, R/o Hamidia Road, Bhopal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 18th April 1983

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./3574.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 5,

situated at Berasia Road, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhopal on 11-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the pittherty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such mansfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

The second property

Plot No. 5, Berasia Road, Bhopal.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor. Gangotri Building,
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 18-4-1983

Scal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M.P.)

Bhopal, the 18th April 1983

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/3575.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 11, Scheme No. 13, situated at Maharana Pratap Nagar, Major Shoping Centre, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred the under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 19-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the secret and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sh. S. N. Gupta S/o M. L. Gupta, R/o HIG-39, Shivaji Nagu, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri B. M. Agrawal S/o Mathura Pd. Agrawal, R/o E-4/304, Arera Colony, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The-terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 11, situated at Maharana Pratap Nagar, Major Shoping Centre, Scheme No. 13, Bhopal. Area 2445 Sq. ft.

D. P. PANTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 18-4-1983

FORM ITNS------

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M.P.)

Bhopal, the 18th April 1983

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/3576.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), bave reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/end bearing No.

House No. 44/472, situated at Lakherkhana, Behind Brigade Hospital, Lashkar, Gwalior

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 24-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Bhavu Sahib S/o Baman Rao Phunde & Shenti Bai W/o Bhavu Sahib Phune & Anand Rao & Dinker Ruo Sons of Bhavu Sahib Phunde, R/o Ahmedabad, at present Lekherkhana City Lashkar, Gwalior.

(Transferor)

(2) Ganpat Roo S/o Ramchandra Roo Khedkar, R/o Khedkar-ka-Bagh, Naya Bazar, Gwalior. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the eforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 44/472 structer at Laurer name, Behind Brigade Hospital, Lashkar area 683.40 Sq. mrt.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri
Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 18-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M.P.)

Bhopal, the 18th April 1983

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/3578.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 33/230 situated at Lala-ke-Bazar, Lashkar, Gwalior

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gwalior on 18-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Uma Bhan W/o Jagtaran Nath &

2. Vishnumohan

3. Dr. Prakash Mohan

4. Shashimohan 5. Chandramohan Bhan sons of Jagtharan Das Bhan, R/o Bhan Sahed-ke-Bara, Jivaji Ganj Nagar, Lashkar, Gwalior.

(Transferor)

(2) Hemandas S/o Vyaparimal, R/o Lala-ke-Bazar, Lashkar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this natice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House M. No. 33/230, at Lala-ke-Bazar, Lushkar, Gwalior.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri
Building T. T. Nager, Bhopal.

Date: 18-4-1983

Seal ;

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Uma Bhan W/o Jagtharannath 2. Vishnu Mohan 3. Dr. Prakash Mohan

4. Shashi Mohan

5. Dr. Chandramohan Bhan S/o Jagtharandas Bhan R/o Bhan Saheb ke Bara, Jivaji Ganj, Lashker.

(Transferor)

(2) Padma Devi W/o Hemandas. R/o Lala-ke-Bazar, Lashkar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M.P.) Bhopal, the 18th April 1983

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/3577.--Whereas, I,

being the Competent Authority under Setion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaftre referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
House M. No. 33/230 situated at
Lala-ke-Bazar, Lashkar Gwalior
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 18-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable by any other person interested in the sate of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House M. No. 33/230, at Lala ke Bazar, Lashkar, Gwallor.

D. P. PANTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 18-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M.P.)
Bhopal, the 18th April 1983

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/3579.—Whereas, 1, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. (Old) 33/230, New No. 29/225 situated at Lala-ke-Bazar, Lashkar, Gwalior

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 19-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have, not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
46—56GI/83

(1) Smt. Umabhan W/o Jagtharannath 2. Vishnu Mohan Prakash Mohan

Shashimohan

4. Chandramohan Bhan S/o Jagtharanneth Bhan, R/o Jivajiganj. Lashkar.

(Transferor)

Bhagvandas Khemchand
 Jiyandmalji S/o Kasumalji
 R/o Lela-ka-Bazar, Lashkar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, stell have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. (Old) 33/230, New No. 29/225, at Lala-ke-Bazar, Lashkar.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri
Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 18-4-1983

(1) Smt. Vidya Bai W/o Ashar Das, R/o Farshwali Gali, Lashkar, Gwalior,

(Transferor)

- NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)
- (2) Shii Nareshkumar (Minor) S/o Bhagwandas, Legal Guardian Sh. Bhagwandas S/o Gandimal, Lashkar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 18th April 1983

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/3580.—Whereas, I,

D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 44/986 situated at Madhayganj, Gwallor (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 13-8-82 for an apparent consideration which it less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than officer per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of twasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property maye be made in writing to the undersigned :-

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 44/986, Madhav Ganj, Farshwali Gali, Lashkar, Gwalior, Area—468.69 Sq. mtr.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotts
Building, T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 18-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 18th April 1983

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/3581.—Whereas, 1, D. P. PANTA

D. P. PANTA, being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 43, Malviya Nagar, Bhopal situated at Malviya Nagar, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Bhopal on 10-8-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Prabhudayal Saxena S/o Raghuver Dayal Saxena, R/o House No. 3, Bera Wali Masjid, Jahangirabad, Bhopal.
- (2), M/s Ranjit Restaurant, Hamidia Road, Bhopal, Through Partner Amriksingh S/o Sardar Gurubux Singh, R/o Hamidia Road, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (2) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bungalow No. 43, Two flat type, situated at 43, Malviya Nagar, Bhopal.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tour
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri
Building, T. T. Nagar, Bhopal

Date: 18-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 18th April 1983

Ref. No. IAC/Acqn./Bp1/3582.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Plot No. 15, Sheet No. 04

situated at Mouza Surajganj, Arya Nagar, Mehragaon, Hoshangabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (1) of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshangabad on 18-8 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in temper of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Radha Krishna Sahariya S/o Late Dr. Poonamchand Sahariya, R/o Narazi Nagar, New Delhi—at present Mangalwara, Hoshangabad.

(Transferor)

(2) Shri Kamalkishore Mishra S/o Laxminarayan Mishra, R/o Arya Nagar, Itarsi, Hoshangabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Diverted Land Nazul Plot No. 15, Sheet No. 04, Area 3200 Sq. 1. The Land Storeyed House at Vill. Suraigani, Arya Nagar, Meragaon, N. V. 15, 250, Harra No. 67 Hoshangabad

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri
Building, T. T. Nagar, Bhopal

Date: 18-4-1983

المتحدد المتحدي

FORM I.T.N.S.--

(1) Shri Kishorilat S/o Arjundas Goswami, New Block Colony, Shivpuri.

(Transferor)

(2) Shri Mahendrakumar Goyal S/o Ramjidas Goyal, Sardar Bazar, Shivpuri.

(Transferse)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 18th April 1983

Ref. No. IAC/Acqn./Bp!/3583.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Double Storeyed House situated at New Block Colony, Shivpuri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivpuri on 25-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the liability and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Double storey House No. 752/1 at New Block Colony, Shivpurl. Area—108.2736 Sq. mtr.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri
Building, T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-4-1983

(1) Shri Kishorilal S/o Arjundas Goswami New Block Colony, Shivpuri.

(Transferor)

(2) Shri Rajendra Kumar Goyal S/o Ramjidas Goyal, Sadar Bazar, City, Shivpuri.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 18th April 1983

Ref. No: IAC/Acqn./Bpl/3584.-Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing House No. 752/1 situated at New Block Colony, Shivpuri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivpuri on 25-8-82

for an apparent consideration which is less than "the" fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed House No. 752/1, situated New Block Colony, Shivguri. Area—105.1218 Sq. mtr.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Railding T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 18-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 18th April 1983

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./3585.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing Double storied House

situated at Ghosipura, Shlvpuri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivpuri on 20-8-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Chaturbhuj S/o Devilal Rathore, R/o Ghosipura, Shivpuri.

(Transferor)

(2) Shri Nankooram & Mohan Sons of Ratnaram Rathore, R/o Ghosipura, Shivpuri,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double Storeyed House at Ward No. 13, at Ghosipura, Shivpuri, Area—1110 Sq. ft.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri
Building, T. T. Nagar, Bhopal

Date: 18-4-1983

FORM LT.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 12th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/8-82/9563.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing 1/2 undivided share in prop. No. 4422-23 situated at Nai Sarak, Delhi

New Delhi in August 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or events of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclose by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Surjeet Book Depot, situated at 4074-75, Nai Sarak, Delhi C/o Sh. Harnam Singh, Shri Satuam Singh Ss/o Sh. Lal Singh, Kanwaljeet Singh S/o Sh. Harnam Singh R/o Flat No. 1, Lahna Singh Market, Subzi Mandi, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Gian Kaur S/o Sh. Harnam Singh R/o 7/K, Kolhapur Road, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

1/2 undivided share in property No. 4422, 4423, Part No. 4497, mg. 96 sq. yds. situated at Nai Sarak, Ward No. 6, Delhi-6.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-4-83

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 12th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.-H/SR-I/8-82/9564.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

RS. 25,000/and bearing 1/2 undivided share in prop. No. 4422-23,
situated at Nai Sarak, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi in August 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestatic exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Surjeet Book Depot, 4074-75, Nai Sarak, Delhi C/o Harnam Singh, Satnam Singh Ss/o Sh. Lal Singh, Kanwaljeet Singh S/o Sh. Harnam Singh, R/o Flat No. 1, Lahna Singh Market, Subri Mandi Delhi 7 Subzi Mandi, Delhi-7.

(Transferor)

(2) Smt. Jasbir Kaur W/o Sh. Satnam Singh R/o Flat No. 1, Lahna Market, Subzi Mandi, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 undivided share in property No. 4422-4423, Part No. 4497 Nai Sarak, Ward No. 6, Delhi-6 mg. 96 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

57---56G1/83

Date: 12-4-83

(1) Sh. Radhey Shyam Sto Sh. Hira Lal R/o 6/381, Mohalla Dunger, Shahdara.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) S/Sh. Hari Rom Sharma, Roop Narain Sharma, Swarup Narain Sharma, Subhash Chand Sharma, Babu Ram Sharma, Pependra Kumar Sharma Sa/o Late Sh. Indraj R/o 1410, Maliwara, Nai Sarak, Delhi-6.
(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 12th April 1983

Rcf. No. IAC/Acq.-II/SR-I/8-82/9548.—Whereas, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1410, situated at Maliwara, Naj Sarak, Delhi-6

No. 1410, situated at Maliwara, Nai Sarak, Delhi-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16, of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in August 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or eventual of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLORATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the swid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 1410, Maliwara, Nai Sarak, Delhi-6 mg. 138. 83 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-4-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd April 1983

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/8-82/9579.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the improvable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F-10/10, situated at Model Town, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi in August 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Shanti Devi, Deepak Gupta, Meena Gupta, P. C. Gupta, Madan Lal, Asha Gupta, Prem Lata Bansal, Sain Aggarwal, Anjana Gupta ali r/o B-3/8 Model Town, Delhi.

(Transferor)

 Sh. Daulat Ram S/o Sh. Asha Nand R/o C-3/25, Ashok Vihar Phase-II, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta.

EXPLANATION 8—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. F-10/10, mg. 274.82 sq. yds. situated at Model Town, area of vill. Malikpur Chhaoni Delhi State, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 2-4-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 6th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/8-82/9574.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 55, Block F, situated at Mansrover Garden, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in August 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Anita Gupta W/o Sh. Ashok Kumar and Smt. Gulshan Gupta W/o Sh. Brij Mohan Gupta R/o B-70, C. C. Colony, Delhi-7.

(Transferor)

(2) Sh. Ashwani Kumar Kalra and Sh. Ashok Kumar Kalra Ss/o late Sh. Ved Parkash Kalra R/o D-14-B, Rajouri Garden, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 55, in Block F mg. 249.8 sq. yds. situated in the colony known as Mansrover Garden, New Delhi, area of vill. Bassai Darapur, Delhi State, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 6-4-83 Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th April 1983

Ref. No. IAC/Acq. $\Pi/SR-1/8-82/9586$.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. 479-B Block-C, situated at

Majlis Park, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on Aug. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 et 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Paras Ram S/o Sh. Ghanshyam Dass R/o H. No. 479-C, Majlis Park, Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Daya Nand S/o Sh. Laxmi Narain R/o C-479, Majlis Park, Delhi, Sh. Hari Om S/o Sh. Laxmi Narain R/o C-479-B, Majlis Park, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

TH SCHEDUL

Property No. 479-B Block-C area 111 sq. yds. out of khasra No. 262/258/217/4, situated in village Bharola, Delhi now known as Majlis Park, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 6-4-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Satya Wati Mohta 2. Ravi Kumar 3. Shashi Kumar and Sh. Girdhari Lel M. Mohta all r/o 31-32, Lotus Court, Church Gate, Reclamation Bombay-1.

(Transferor)

(2) Smt. Prem Lata Jain and Sh. Ajay Kumar Lodha both R/o 10-Babbar Road, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/8-82/9587(A).—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 1444-48, Chandni Chowk,

situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Delhi on Aug, 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957); Property No. 1444-48 (known as Kotha Chand) Chandni Chowk, Delhi, mg. 180 sq. yds. consisting of 5 shops on ground floor, one hall and tin cabin, latrine bath on 1st Floor, 1 hall and latrine on 2nd floor, two rooms and terrace on 3rd floor.

SUDHIR CHANDRA, Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 6-4-83

FORM ITNS----

(1) S. Surjit Singh S/o S. Tara Singh Reyat R/o J-13/3, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Shankar Dass S/o Late L. Uttam Chand R/o 2-B/20, Ramesh Nagar, New Delhi,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/8-82/9584.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Plot No. 4, Block-B-9,

situated at Rajouri Garden, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at a

Delhi in August 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House wa not No. 4, Block B-9, mg. 458.3/10 sq. yds. situated at Rajouri Garden, area of vill. Bassai Darapur, Delhi State, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 6-4-83 Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/8-82/9552.--Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A-22 situated at C. C. Colony, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in August 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evaluation of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the the purposes of the Indian Income tax set, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Shilawati Makkar W/o Sh. Satyapal Makkar R/o A/22, C. C. Colony, Delhi.

(Transferor)

(2) Kamal Chand Jain S/o Sh. Hiralal Jain, Ravinder Kumar Jain S/o Sh. Kamal Chand Jain, R/o 765, Gali No. 10, Ragbarpura No. 2, Gandhi Nagar, Delhi-31.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable of property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

2½ storeyed building mg. 300 sq. yds. Plot No. 22, Block-A, C. Colony, G.T. Road, Delhi.

SUDĤIR CHANDRA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 4-4-83 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,I. P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 31st March 1983

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-L/8-82/9517.—Whereus, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. G-2, situated at B. D. Estate, Delhi-7, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in August, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
58/56GI/83

 Shri Krishan Kumar Gupta S/o Shri M. P. Gupta R/o 24/24, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi-110002.

(Transferor)

(2) Shri Brian Anthony Gardner S/o O, Brian Gardner R/o 5D, Lancers Road, Banarsi, Dass Estate, Delhi-110007.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. G-2 on ground floor out of property No. 100, B. D. Estate, Delhi-7.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority. Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Delhi/New Delhi

Date: 31-3-1983

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 7th April 1983

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/8-82/9582(A),—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. 3467-69 situated at Nicholson Road, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in August 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- of distance for the pay tax under the said Act in respect of any tax under the said Act in respect of any tax under the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Shiv Narain S/o Mool Narayan Brij Bhuvan, Tagore Road, Bombay-400 054.

(Transferor)

(2) Shri Ram Chand Juneja S/o Ganesh Dass 14-Ishwar Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided one-half share in the property No. 3467-69, situated at Nicholson Road, Delhi. mg. 277.25 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I' Delhi/New Delhi.

Date : 7-4-1983

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 6th April 1983

Ref. No. IAC/Acq II/SR-I/8-82/9541.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1-A, in Block G-28, situated at Rajouri Garden, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in August 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Shiv Charan Datta Sharma S/o Shri Harbhagwan R/o J-6/79, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Lakshman Prasad Sharma S/o Shri Moongi Lal R/o G-28/1-A, Rajouri Garden, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 1-A, in Block G-28 mg. 140 sq. yds. situated at Rajouri Garden, area of vill. Bassai Darapur, Delhi State, Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority. Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 6-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 2nd April 1983

Ref. No. IAC/Acq II/SR-I/8-82/9551.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. N/50, situated at Kirti Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in August 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent possideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely:—

 Smt. Mahinder Kaur D/o Shri Gurdit Singh and W/o Shri Attar Singh R/o 45/3, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Dharam Pal Batra S/o Shri Kundan Lal Batra & Smt. Lachmi Bai W/o Shri Kundan Lal Batra R/o N/20, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property built on plot No. N/50, mg. 168.1/3 sq. yds. situated at Kirti Nagar, area of vill, Bassai Darapur, Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax. Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 2-4-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 26th March 1983

Ref. No. IAG/Acq-II/SR-4/8-82/9532.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

B/6-10, situated at Model Town, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in August 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excepts the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Sushila Devi D/o Shri Baldev Pershad W/o Late Shri Chimman Lal R/o 4075, Gali Mandir, Wall, Pahari Dhiraj, Delhi.

Transferor)

(2) Shri Mahinder Singh, Shri Rajinder Singh, Shri Virender Singh Ss/o Shri Panna Lal R/o B/6-9, Model Town, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHOOLE

Property No. B-6/10, Model Town, Delhi-9.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority. Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 26-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 2nd April 1983

Ref. No. 1AC/Acq-II/SR-I/8-82/9571.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
WZ-8/2, situated at Kirti Nagar, Indi. Area, New Delhi

WZ-8/2, situated at Kirti Nagar, Indl. Area, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi in August 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Raj Deep Kaur W/o S. Joginder Singh Sandhu R/o C-27, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Asha Abrol W/o Shri Ravi Chand Abrol R/o 75, West Avenue, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the field Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SOURDHIE.

Back portion of property Mpl. No. WZ-8/2, mg. 182 sq. yds. approx. situated at Kirti Nagar Indl. Area, out of kh No. 3112/2940, area of vill. Bassai Darapur, Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P., ESTATE NEW DELHI.

New Delhi, the 2nd April 1983

Rof. No. IAC/Acq II/SR-I/8-82/9565.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

F-112, situated at Phase-I, Ashok Vihar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi in August 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sait. Sudesh W/o Shri Ranjit Singh R/o 178, Sadiq Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Purshotam Dass S/o Shri Kishan Chand R/o 61, Krishna Cloth Market, Chandni Chowk, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXXLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Activehall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storgyed bldg, bearing No. F-112, Phase-I, Ashok Vihar, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delai

Date: 2-4-1983

NOTICE UNDER STOTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, 31st March 1983

Ref. No. IAC/Acq-11/SR-J/8-82/9583.—Whereas, J, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot No. 18, Block-D, situated at Mansrover Garden, New Delhi.

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in August 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability the transferor to pay tax under the said Act, in respect of sincome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in putsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Shri Khem Chand S/o Shri Lalloo Ram R/o 39/A, Kamla Nagar, Delhi-7.
 - (Transferor)
- (2) Shri Krishan Gopal Bhatia S/o Shri Bishan Dass Bhatia, R/o 18, Viveka Nand Puri, Delhi-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

HE SCHEDULE

Free-hold Plot No. 18, in Block-D mg. 297 sq. yds. situated in the colony known as Mansrover Garden, New Delhi, area of vill. Bassai Darapur, Delhi State, Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Delhi/New Delhi.

Date: 31-3-1983 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,I.P. ESTATE, NEW DELHI,

New Delhi, 31st March 1983

Ref. No. IAC/Acq II/SR-I/8-82/9572.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. WZ-8/2, situated at Kirti Nagar, Indl. Area, N. Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in August 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coonsideration therefor by more than diffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of th aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

59-56GI/83

 Smt. Raj Deep Kaur W/o S. Joginder Singh Sandhu R/o C-27, Kirti Nagar, N. Delhi. (Transferor)

(2) Shri Ravi Chand Abrol S/o Late Shri Parkash Chand Abrol & Smt. Nceta Abrol W/o Shri Surinder Chand Abrol R/o 75, West Avenue, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SOME OLE

Property bearing No. WZ-8/2 mg. 117-1/3 sq. yds. approx. at Kirti Nagar Indl. Area out of khasra No. 3112/2940, area of village Bassai Darapur, Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 31-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, 14th April 1983

Ref. No. IAC/Acq II/SR-I/8-82/9566.--Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Ac. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding sa. 15.000/- and bearing No. 2975, situated at Aryapura, Gali Gaui Wali, S. Mandi, Dalbi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in August 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor, by more than liften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (u) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay sax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri Milap Chand, Kishan Chand ss/o Sh. Hoya Ram r/o 154, Raja Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa Devi Goyal W/o Shui Subhash Chand Goyal, R/o 772/3, Katra Munshi, Kirpa Ram, Tilak Bazar, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2 Storeyed buld, mg. 222 sq. yds. property No. 2975, Aryapura, Gali Gaui Wali, Subzi Mandi, Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assit, Commissioner of IncomeAcquisition Range Delhi / New Della

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby intrate proceedings for the acquisition of the abovesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act, to the following pason, ramely :--

Date: 14-4-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-TIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 14th April 1983

Reft No.. ...IAC/Acq II/SR-1/8-82/9582.—Whereas, I.

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immov-

as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1630, situated at Sultan Ganj, Gali Krishna,
Subzi Mandi, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in August, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Lajjawati Yamdagni, 1630, Gali Krishna, Sohan Ganj, Delhi-6 (Transferor)

(2) Mr. Johri Lal Jain, SC-6, Basant Lane, Chelmsford Road, New Delhi-55

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1630, Sohan Ganj, Gali Krishna, Subzi Mandi, Delhi-

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, II Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-4-1883.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(1) M/s Saraswati Builders, Phase--II, C-L/16 Darya Ganj, N. Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Labhu Ram Sud R/o 64, Anandlok, New Delhi-49.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 14th April 1983

Ref. No. IAC/AcqII/SR-I/8-82/9567.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No. E-2/16, situated at Darya Ganj, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at relhi in August, 1982

for an apparent' consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-ax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning at given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Front portion of first floor (Private No. F-1) of property No. E-2/16, Darya Ganj, New Delhi (Area 430 sq ft.).

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,II
Delhi/New Delhi

Date: 14-4-1883.

Shri Bhagwan Dass S/o Shanker Dass R/o C-30, Rajen Babu Rd. Adarsh, Nagar, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrì Tikam Chand Belani S/o Shrì Shanker Dass R/o A/81, Kirti Nagar New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE. NEW DELHI.

New Delhi, the 14th April 1983

Ref. No. IAC/AcqII/SR-I/8-82/9560.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. 1/4th share H. No. A/71, situated att Kirti Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in August, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1/4 share (undivided) of H. No. A/71, Kirti Nagar, N Delhi mg. 75 sq. yards out of total area of 300 sq. yards.

THE SCHEDULE

SUDHIR CHANDRA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, II
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :--

Date : 14-4-1883. Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 14th April 1983

Ref. No. IAC/AcqII/SR-I/8-82/9511.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable accepts having a fair market value exceeding Rs. 25000/s property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. H. No. XII/8276 (Private No. 3) situated at Roshanara
Rd. S/Mandi, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in August, 1982 for an apparent consideration which is less than the 4ctr

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Shri Umesh Nath Takyar S/o Shri Prem Nath Takyer R/o 8276/XII (Private No. 3), Ram Saroop Bldg. Roshanara Road, Subzi Mandi, Delhi.

(Transfer

(2) Shri Kamal Swarup Kakar S/o Shri Ram Swarup Kakar R/o 2268, Chuna Mandi, Paharganj, N. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days. from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. XII/8276(Private No. 3) area about 90 sq. yards at Ram Saroop Bldg. Roshanara Road, Subzi Mandi, Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,II Delhi/New Delhi.

Date: 14-4-1983.

FORM ITNS..

(1) Smt. Santara Devi W/o Jugal Kishore Gupta R/o B-38, Majlis Park Colony, Dalhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mahesh Chander Gupta S/o Baij Nath Gupta R/o B-15, Mahatma Gandhi Road, Adrash Nagar, Delhi-33.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 14th April 1983

Ref. No. IAC/AcqI/SR-I/8-82/9503.--Whereas, I. SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. H. No. B-38, situated at Majlis Park Colony,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in August, 1982

for an apparent consideration which in less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said incrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property nay be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

wHouse No. B-38, Majlis Park Colony, mg. 100 sq. yerds

SUDHIR CHANDRA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, II Delhi/New Delhi.

Date: 14-4-1983

Seal:

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Atow, increiore in pursuance of section 2090 of the said aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 14th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/81-82/9527.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Br. 25 000 (property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
No. A/9 situated at Rana Partap Bagh, Delhi-7. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under he Registralon Act, 1908 (16 1908 (16

nas been transferred under no Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in August, 1982 for an apparent consideration which is less than the fairmarket value of the aforesaid propriety and I may reason to believe that the fair market value of the apparent consideration therefor by more than 15 consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- ilitating the reduction or evasion of the liability eferor to pay tax under the said Act, in respect of any erising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri Hari Ram S/o Shri Wadhaya Mal R/o C-4/1, Wazirpur Indl. Area, Delhi-52.

(Transferor)

(2) Smt. Radha Devi W/o Shri Thakur Dass R/o C-3/19, Rana Partap Bagh, Delhi-7.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. A-/9 (Part) mg. 113-6/10 sq. yds. Rana Partap Bagh Delhi-7.

> SUDHIR CHANDRA Compotent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range, II Delhi/New Delhi.

Date: 14-4-1983.

FORM ITNS——

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 14th April 1983

Ref. No. IAC/AcqII/SR-I/8-82/9504.—Whereas,I. SUDHIR CHANDRA,

being the Compotent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plet No. 95, Block-H situated at Wazirpur, Ashok Vihar, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at on August, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforeresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trace and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or cher asset; which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-60-56GI/83

(1) Shri Suraj Prakash Gumber S/o Shri Nand Lal R/o 5457, Plot No. 7, Basti Harphool Singh, Sadar Thana, Road, Delhi.

(Transfere

(2) Shri Shyam Lal 3/o Surta Mal, R/o J-144, Phase-J, Ashoke Vihar, Delhi-52.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of . 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichover period expires later;
- (b) by any other person interested in the said annuovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Single storey building with leasehold rights of land mg. 150 sq. yds, bearing Plot No. 95, Block-H, situated at Wazirpur, Asbok Vibar,, Delhl.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, IJ Delhi/New Delhi.

Date: 14-4-1883.

S. Hazur Singh S/o Sh. Sunder Singh R/o 32/53, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Santosh Kumari Dhingra W/o Sh. Ramesh Chander Dhingra R/o R-63, West Patel Nagar, New Delhi,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 14th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/8-82/9549.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

bearing No. 32/53, situated at

bearing No. 32/53, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at West Patel Nagar, New Delhi for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than and there are cent of such apparent consideration and that the Afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay fax units, the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Govt. built Qr. No. 32/53, West Patel Nagar, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 14-4-1983

(1) Sh. Ram Kishan Dass & Sh. Kidar Nath Ss/o Shri Deep Chand R/o 4739, Ward No. XIV, Pahari Dhiraj, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Vinod Kuffler Tandon & Sh. Parmod Kumar Tandon Se/o Sh. Charanjit Lal Tandon both R/o 313/17-A, Inderlok Colony, Table Delhi. (Transteree)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 14th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/8-82/9546.—Whereas, L. SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 95, Block-A, situated at Inderlok, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer of

1908) in the office of the Registering Officer at on Aug. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the habitity. of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the fransferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property ny be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on Plot No. 95 mg. 183 sq. yds. bearing Mpl. No. 313/17, Block-A. Inderlok area of vill. Chaukrimubarkabad Delhi State, Delhi.

> SUDHIR CHANDRA, Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOM TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIOER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-82/7822,---Whereas, I. SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reerred to us the 'said Act'), have reason to believe that the ismovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Agr. land situated at Vill. Ghewra, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Delhi in August, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor hymore than fifteen per cent of that monrent consideration and that the consideration for such transfer as a consideration for such transfer as instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income tax Act. 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Om Parkash S/o Ishwar Singh R/o Vill. Bakerwala, Delhi.

(Transferor)

(2) Gurcharan Lal S/o Moti Ram R/o D-10, Rajouri Garden, Delhi and Amrik Lal S/o Moti Ram R/o as above.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personal whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.
- · EXPLANATION :-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land 6 bighas 19 biswas kh. No. 69/16, 81/5/2, situated at vill. Ghewra, Delhi.

> SUDHIR CHANDRA, Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-11, Delhi/New Delhi

Date: 11-4-1983

FORM ITNS——— (1) Sh. Krishna Sharma

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 31st March 1983

Holf, No. IAC/Acq.II/SR-II/8-82/7760.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable bearing No. J-5/167, situated at Rajouri Garden, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on August, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Krishna Sharma S/o Sh. Nathu Ram R/o AA-149, Shalimar Bagh, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Gurcharan Singh \$\frac{3}{0}\$ late \$S. Sardar Singh R/0 A.43, Vishal Enclave, New Delhi & Sh. Devki Naudan \$\frac{5}{0}\$ late \$Sh. Kedar Nath R/0 E-3, Rattan Park, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice, in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 107, mg. 160 sq. yds. situated at Rajouri Garden, New Delhi area of vill. Tatarpur, Delhi State, Delhi.

SUDHIR CHANDRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Utlhl-

Date: 31-3-1983

FORM ITMS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 7th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-82/7837.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and

bearing No. Agr. land situated at Vill. Holambi Khurd, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on August 1982

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating a concurrent or evasion or the manuity of the transferor to pay the nader the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Jagwanti D/o Sh. Mauji Ram W/o Sh. Satbir R/o VPO. Deoli, New Delhi.

(Transferor)

Smt. Asha Nahata W/o Sh. Lalit Kumar Nahata
 B. Sagar Apartment,
 Tilak Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, is any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notices in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land mg. 8 bighas 16 biswas out of 35 bighas 12 biswas Part of Khasra Nos. 30/1(4-16), 9(4-16), 10(4-16), 11(4-0), 12(4-0) and 31/15(4-0) of village Holambi Khurd, Delhi.

SUDHIR CHANDRA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 7-4-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 7th April 1983

*Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-82/7850.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,006/and bearing No. Agr. land eituated at Vill. Jhatikra, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on August 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Sh. Dharam, Singh, Om Parkash, Asa Ram, Daulet Ram, Manoj Kumar Ss/o Sh. Kahiya R/o vill. Shikerpur, Delhi.

(Transferor)

(2) Sheo Ram S/o Sh. Bhagant R/o vill. Ihatikra, Delhi State, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 40 bighas 10 biswas K. No. 10/2(5-9), 3/2(3-0), 4/2(2-18), 7/1(1-0), 8/1(1-16), 9/1(1-16), 10/1/1(0-9) 69/20(4-12), 21(412), 70/16/2(2-16), 17/2(2-16), 24(4-16), 25(4-16), 113/4(0-10) of vill. Jhatikra, Delhi.

SUDHIR CHANDRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 7-4-1983

1-77

in and the control of the control of

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 7th April 1983

Ref. No. IAC/AcqII/SR-II/8-82/7755.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

bearing No. Agr. land situated at Vill. Bakargarh, Teh. Najafgarh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

on August 1982 ·

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trapsfer with the object of :-

- (a) facilitation the reduction or evasion of the liability of the transferor to under the said act, in respect of any income arising from ...the and/or
- (b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- · Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :---

- (1) Sh. Virsingh S/o Sh. Chotu R/o village Isapur, Teh. Najafgarh, N. Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Khazani W/o Sh. Rajaram, R/o H. No. 156, Wald No. 9, Kishangarh, Mchrauli. N. Dethi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from. the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said unmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same "freening as given in that, Chapter.

THE SCHEDULE

Agt. land mg. 17 bighas and 16 biswas bearing khasra No. 5/9, 5/12, 5/19, 5/22, situated in vill. Bakargarh, Teh. Najafgarh, New Delhi.

SUDHIR CHAPIDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 1-4-1983

Scol:

(1) Sh. Mukhtiar Singh, Nafe Singh and Balwan Singh Ss/o Sh. Narpat R/o Mohammadpur, Delhi. (Transferor)

(2) Sh. Randhir Singh, Ranbir Singh and Raghvinder Singh S/o Chiranji Lal R/o FA-11/79, Inderpuri, Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 7th April 1983

Ref. No. IAC/AcqII/SR-II/8-82/7836.—Whereas, I. SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

bearing No. Agr. land situated at
Vill. Garhi Khasrao, Delhi
Ramanahally, Kasaba Hobli, Chikkamagalore, TQ.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
on August 1982)

on August 1982
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

bjections, if any, to the acquisition of the said property mabe made in writing to the undersigned :-

- a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as that defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land 11 bighas 14 biswas khasra No. 8,9/2, 10 situated at vill, Garhi Khesrao, Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of

FORM ITNS....

(1) Sh. Behari Lal S/o Sh. Bhagwan Dass R/o Vill. Jhangola, Delhi. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shr Naresh Kumar S/o Sh. Pooran Chand R/o Vill. Akbarpur Mazra, Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 7th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-82/7857(A).—Where, I. SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/

and bearing
No. Agr. land situated at
Village Jhongola, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi
on August 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and fifteen parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid prsons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used harein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given - in that Chapter.

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any tax under the said Act, in respect of any tax under the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets Which have not been or which ought to be disclosed by the thingeree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land mg. 14 bighas and 8 biswas, bearing Kh. No. 118 (4-16), 119 (4-16) and 120 (4-16), situated at Vill. Jhangola,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 7th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-82/7857(A).—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agr. land situated at Village thongola, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (n) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any linear arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which—have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, herefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sh. Behari Lal S/o Sh. Bhagwan Dass R/o Vill. Jhangole, Delhi.

(Transferor)

(2) Shr Naresh Kumar S/o Sh. Pooran Chand R/o Vill. Akbarpur Mazra, Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid prsons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land mg. 14 bighas and 8 biswas, bearing Kh. No. 118 (4-16), 119 (4-16) and 120 (4-16), situated at Vill. Jhangola, Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 7-4-1983

(1) Sh. Mukhtiar Singh, Nafe Singh and Balwan Singh Sa/o Sh. Narpat R/o Mohammadpur, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Randhir Singh, Ranbir Singh and Raghvinder Singh S/o Chiranji Lal R/o FA-11/79, Inderpuri, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 7th April 1983

Ref. No. IAC/AcqII/SR-II/8-82/7836.—Whereas, I. SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Acris have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000)ańd

bearing No. Agr. land situated at
Vill. Garhi Khasrao, Delhi
Ramanahally, Kasaba Hobli, Chikkamagalore, TQ.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908—(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

on August 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication in the Official Gazette or a period of 35 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; aud/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moncys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Land II bighes 14 biswas khasra No. 8,9/2, 10 situated at vill. Garhi Khesrao, Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sa'd Act, to the following persons, namely:-61--56GI/83

Date: 7-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 7th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-82/7838.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
No. Agr. land situated at
Vill. Holambi Khurd, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering
Officer at New Delhi on August 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent. of Such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stand in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Smt. Jagwanti W/o Shri Satbir D/o Sh. Mauji Ram R/o VPO. Deoli, Delhi (Transferor)
- (2) Smt. Ram Rati W/o Shri Mauji Ram R/o Holambi Khurd, Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land mg. 1/3rd share out of 35 bighas 12 biswas, part of Kh. Nos. 39/10(4-12), 11(4-16), 20(4-16), 21(4-16), 45(1 (4-16), 10(4-16), 11(4-16) and 20(2-4) of Vill. Holambi Khurd, Gethi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IL Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 7-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-82/7824.—Whereas J. SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Ghewra, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on August 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the rain market property at said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weakh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Man Mohan Lai S/o Ram Dass R/o 14/32, Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferor)

(2) Gurcharan Lal S/o Moti Ram and Amrik Lal S/o Moti Ram R/o D-10, Rejouri Garden, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land 5 bighus 17 blswas Kh. No. 81/6, 84/4/2, eiterated in Vill. Ghewra, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delni.

Date: 11-4-1983

(1) Man Mohan Lel S/o Ram Dass R/o 14/32, Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Gurcharan Lal S/o Moti Ram and Amrik Lal S/o Moti Ram R/o D-10, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-82/7825.--Wereas I,

Ref. No. IAC/Acq.11/SR-II/8-82//825.—Wereas I, SUDHFR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Ghewra, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at New Delhi on August 1982

Officer at New Delni on August 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per conf. of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as a second to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, slittly have the same meaning as Chapte

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agr. land 3 bighas 11 biswas, Kh. No. 81/4/1, Vill. Ghewra Dejhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1983-

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-82/7823,—Whereas I, SUDHIR CHANDRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Agr. land situated at Vill. Ghewra, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on August 1982 for an apparent consideration which is less than the fair marke value of the aforesaid proprty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as affreed to between the parties has not occur and the than the sensideration for such transfer as affreed to between the parties has not occur and the than the consideration that the consideration for such transfer as affreed to between the parties has not occur and the than the consideration that the consideration that the consideration that the spatial in the object of the parties has not occur and the parties and the parties has not occur and the parties and the parties are the parties and the parties and the parties are the parties and the parties and the parties are the parties are the parties and the parties are the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 reduct of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weakin tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Man Mohan Lal S/o Ram Dass R/o 14/32, Punjabi Bagh, Dolhi.

(Transferor)

(2) Gurcharan Lal & Amrik Lal S/o Moti Ram, R/o D-10, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be named in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX.5 of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land 5 bighas 15 Biswas, Kh. No. 81/5/1, 15, situated at Village Ghewra, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this nelice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Budh Ram, Chandra, Lachhman and Ramesh Ss/o Sh. Mouji Ram R/o Vill. Dhanea, Delhi State, Delhi.

(Transferor)

(2) Man Singh S/o Sh. Moher Singh R/o Vill. Surehera, Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 6th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-82/7859(A).--Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Agr. land situated at Vill. Dhansra, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at New Delhi on August 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the apparent property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Eand Kh. No. 4/19(4-12), 20(4-12), 21(4-16), 22/1(2-8), 5/16(4-12), 17(4-12), 25(4-46) of Vill, Dhansa, Delhi.

SUDHIR CHANDRA

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 6-4-1983

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 7th April 1983

Ref. No. IAC/Acq II/SR-II/8-82/7783.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Agr. land situated at
Vill. Nizampur Rasidpur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering
Officer at New Delhi on August 1982.

Officer at New Delhi on August 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between of transfer with the object of ;

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the respect to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sh. Chhotey Lal S/o Sh. Mangey Ram R/o vill. Nizampur Rasidpur, Delhi State, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Vishnu Bhatta Company, 2365, Rajguru Road, Pahargani, N. Delhi through its prop. Sh. Sumar Kumar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land mg. 25 bighas 19 biswas of Vill. Nizampur Rasidpur Delhi State, Delhi vide Mustatil No. 14, Killa No. 3, 4, 7/2 8, 9, 12/1.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acqisition Range-II, Delhi/New Delh

Date: 6-4-1983

(1) Rattan S/o Sh. Jamna R/o Village Baprola, Delhi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Inder Singh S/o Sh. Rattan R/o Village Baprolla, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 7th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-82/7765.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at ...

Rs. 25,000/- and bearing
No. Agr. land situated at
Village Baprola, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering
Officer at New Delhi on August 1902

Officer at New Delni on August 1982
for an apparent consideration which is less than the Italy
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has a consideration in the said instrument
of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indan Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—62—56GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms of the said act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land mg. 14 bighas 8 biswas K. No. 46/9, 12 and 53/3, situated at Village Baprola, Delhi.

SUDHIR CHANDRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-11, Delhi/New Delhi

Date: 6-4-1983

(1) Rattan S/o Sh. Jamna R/o Village Baprola, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Rameshwar S/o Sh. Rattan R/o village Baprola, Delhi,

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI'

New Delhi, the 7th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-82/7766.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Agr. land situated at

Vill. Buprola, Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering
Officer at New Delhi on August 1982

officer at New Lean on August 1962 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as the between the ties has not been truly stated in the sad instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income artifle from the transfer;

and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following perpens, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and supressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land mg. 14 bighas 8 biswas K. No. 46/19,22 and 53 situated at vill. Baprola, Delbi.

SUDHIR CHANDRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhl/New Delhi

Date: 7-4-83

(1) Moji Ram S/o Sh. Har Narain R/o vill. Dhansra, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Chhoto W/o Moji Ram R/o village Dhansa, Delhi State, Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 7th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-82/7851(A).--Whereas, 1, .

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-82/7851(A).—Whereas, 1, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at Vill. Dhansa, Delhi (and more fully described in the Schedule supered bereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August 1982 for an apparant consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market which is the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the fifteen are cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the applies of notice on the respective persons. from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCREDULE

Land 25 bighas 8 biswas Kh. No. 39/11(3-12), 12/1(2-9), 19/2(3-11) 22/1(2-8), 45/10(4-16), 11/1(2-8), 46/11(2-12), 20/1(2-12), 226(1-0) of Vill. Dhansa, Delhi State Delhi.

SUDHIR CHANDRA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 7-4-83

Seal: -

(1) Sh. Bhagat Ram adopted \$/o Smt. Nano R/o VPO. Bhakhtawarpur, Delhi State, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Khushi Ram (Minor) S/o Sh. Sukh Ram R/o vill. Tajpur Kalan, Delhi through his natural guardian and Grand Father Sh. Sultan S/o Kale R/o vill. Tajpur Kalan, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 7th April 1983

Ref. No. 1AC/Acq.II/SR-II/8-82/7759.--Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Agr. land situated at Vill. Bukhtawarpur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at on August 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to be the the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said in

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this market in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as

Act, shall have the same meaning as

The said same meaning as the same

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay the under the said Act in respect of any income arising from the display.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 13 bighas and 16 biswas situated in village Bakhtawarpur, Delhi State, Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUDHIR CHANDRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 7-4-83

FORM LT.N.S .---

(1) Ram Singh S/o Sh. Siri Chand R/o Vill. Dichaun Kalan, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Raj Pal, Dharam Pal, Siri Chand Ss/o Sultan Singh R/o Vill. Dichaun Kalan, Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 13th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-82/7784.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Agr. land situated at Village Dichaun Kalan, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at ______ On Aug. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by seen than, fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person din the said immovable property, with days from the date of the publication of the p

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein are defined in the AXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

1/5th share of total land mg. 52 bighas situated at Vill-Dichaun Kalan, Delhi.

SUDHIR CHANDRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 13-4-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 14th April 1983 -

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-82/7845.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sais Act' have reason to believe that the immovable property, waving a fair market value exceeding Rs. 25,000/

and bearing No. 1-2 situated at

Rajouri Garden, (and more fully d in the Schedule annexed hereto) has been transfe (16 of 1908) in to on August 1982 nder the Registration Act, 1908 to of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the portion has not been truly stated in the said instrument of transfer with the oct

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1962) or the said Act, or the Wealthstax A.t. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. Ram Piyari Bali W/o Late Dr. Ram Chand Bali R/o J-7/12, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Rajinder Kumar Arora S/o Late Sh. Hans Raj Arora R/o 3-C/5, New Rohtak Road, N. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Carette.

are defined in Chapter XXA or the said EXPLANATION Act, shalf-have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. J-7/12, mg. 143.3 sq. yds. colony known as Rajourl Garden, at Vill. Tatarpur, on Delhi Najafgarh Road, N. Delhi.

> SUDHIR CHANDRA, Competent Authority Inspecting Assistant
> Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 14-4-83 Seal: